

HRA Sazette of India

. पाधिकार से प्रकाशित १५६८। इस्ट कर वर्ण मण्डार

सं • 21] No. 21] नई बिस्ली, शनिवार, मई 25, 1985 (ज्येष्ठ 4, 1807) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 25, 1985 (JYAISTHA 4, 1907)

हस भारत में भिरत पृष्ठ संस्था वी काती है विससे कि यह अलग संश्वलत के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part is arder that it may be filed as a separate compilation)

414 III--W4 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालगों, नियम्बक और महालेखापरीक्षक, संव लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्याक्यों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघलोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 ग्राप्रैल 1985

सं० ए० 32014/1/85(1) प्रशा०-I—संघ लोक सेवा प्रायोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के निम्नलिखित वैयिक्तिक महायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट श्रविध के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी मंवर्ग में नदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ वैयिक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है:——

ऋमसं० नाम	ग्रवधि	
मर्वश्री		
1. एच० श्रो० मदान	2-4-85 मे 30-6-85 तक	
2. वी०पी०महाजन	वही	
रामेश्वर दास	- वही	

2. उपर्युक्त व्यक्ति श्रवमत कर लें कि वरिष्ठ, वैयक्ति महायक (के मन्द्रेन्ट में के ग्रेड ''ख'') के पद पर उनकी नियुक्ति तहर्थ शाधार पर है और इन्हें के स्व स्टेन्से के ग्रेड ख 1--76GI/85

में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में विष्ठिता का कोई हक नहीं त्रिलेगा। इनकी नियुक्ति कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अनुमोदन के श्रध्याधीन है।

विनांक 30 अप्रैल 1985

मं० ए० 38023/2/84-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में क्रेक्ट्रें में पर्दे० से० के स्थायी ग्रेड-I क्रिशिधकारी भ्रोर इस समय विशेष कार्य भ्रधिकारी के पद पर कार्यरत, श्री श्रार० एन० खुराना को राष्ट्रपति द्वारा 30 श्रप्रैल, 1985 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु होने के पण्चात सरकारी सेवा से निवृत्त होने की महर्प श्रनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38013/4/84-प्रशा०-11—संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में के० स० गे० के स्थायी श्रनुभाग श्रिधकारी (के० स० से० के नियमित ग्रेड 1 ग्रिधकारी) तथा इस समय विशेष कार्यश्रिधकारी के पद पर कार्यरत श्री एच० एम० विश्वास को राष्ट्रपति द्वारा 30 श्रप्रैल, 1985 श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु होने के पष्चात् सरकारी सेवा से निवृत्त की सहषं श्रनुमित प्रदान की जाती है।

एम० पी० जैन, श्रवर सचिव (प्रशा०)

(17317)

कार्मिक भौर प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार

श्रीर लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कार्मिक श्रीर प्रशिक्षण विभाग, के० श्र० ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1985

सं ० ए-19035/8/79-प्रणा 5---निवर्तम होने पर, श्री एस० एल० दत्ता, ने दिनांक 30 ग्राप्रैल, 1985 के श्रपराह्म से कार्यालय, श्रधीक्षक/केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के रूप में श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

के**० चक्रवर्यी,** उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्श पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 श्रप्रैल 1985

मं० ग्रो० पी० 1942/84-स्थापना—महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (मिसेज) जी० रतना कुमारी को 12 श्रप्रैल, 1985 पूर्वाह्न में केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किनिष्ट विकित्सा प्रधिवासिक के पद पर सहर्ष तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० थ्रो०-दो 2008/85-स्थापना—-महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल डाक्टर राजन चावला को 17 अप्रैल, 1985 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए श्रथवा उस ५६ पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 1 मई 1985

सं० ग्रो०-दो 625/70-स्था० (के०रि०पु०बल)—श्री एस० के० बत्ता, सहायक कमांडेन्ट, 4 बटा० के० रि० पु०बल ने सरकारी सेवा से स्वेच्छा निवृत्त होने के फलस्वरूप, दिनांक 3-4-85 (ग्रपराह्म) से श्रपने पट का कार्यभार त्याग दिया है।

ै दिनांक 2 मई 1985

सं० घ्रो०-दो 2010/85-स्थापना- महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल डाक्टर डब्ल्यू० यावन राव को 15 घ्रप्रैल, 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये घ्रध्या उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें मे जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा घ्रिकारी के पद पर नदर्थ रूप मे महर्ष नियक्त किया है।

एम० स्रशोक राजू सहायक निदेशक (स्थापना) वित्तं मंग्लय ग्राधिक कार्यक्षभाग बैंक नोट मुद्रक्लय देवास, दिनांक 3 मई 985

म० बी० एन० पी०/जी०/7/85— तम्न स्थामी नियन्त्रण निरीक्षकों की उनके नाम के सम्मुख दर्शीय गयी श्रत्पावधि की रिक्तियों पर ६० 650/1200 (समूह 'त' राजपितित) के वेतनमान में तदर्थ उप नियन्त्रण श्रिधकारी के पद पर बैंक नोट मुद्रणालय देवास में स्थानापन्न नियुक्ति की को ति है—

👣० कर्मचारीकानाम	स्थानापन्त उप नियन्त्रण
सं०	ग्रधिकारी. पद न्र नियुक्ति
	की श्रविभ
1. श्री मौहिन्दर सिंह	1-5-85 से 9-6-85
2. श्रीपी०एका० जोशी	1-5-85 से 2-6-85
	- 4

मु० वै० चार महाप्रवन्धक

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा भौर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय,

सायन

बम्बई-22, दिनांक 29 धर्मेल 1985

सं० 33/4/84-स्थापना—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र सम्बर्ध ने श्री के० एस० पिटकोटवर को सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर इस महानिदेशालय के श्रधीनस्थ, कार्यालय केन्द्रीय, श्रम विज्ञान केन्द्र, मद्राम में दिनांक 12-4-1985 (पूर्वाह्र) से स्थानापन्न स्प सेनियुक्त किया है।

एस० बी०हेग्डे पाटिल उप महा निदेशक ग्रीर विभागाय्यक्ष

वाणिज्य मंत्रासय मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय ंतर्हे दिल्ली दिनांक 27 सप्रैस 1985

ंनई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1985 ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 6/1321/79-प्रशा० (राजं०)/2147—संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में प्रायात-निर्यात की नियन्त्रक, श्रीमती प्राई० सिप्पी की 1 मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा में स्वेच्छा में मेवा निवृत्त होने की प्रनुमति देदी गई है।

> एम० पी० श्रईसक उप मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात कृते, मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महा निवेशालय (प्रशासन अनुभाग प्र०-1)

नई दिल्लो, विनाक 30 अप्रैल 1985

सं० ए-1/1(598)—नार्धक्य वय प्राप्त कर लेंने पर पूर्ति तथा निपटान महा निवेशालय, नई विल्ली में कार्यरत स्थायी कनिष्ठ प्रगति ग्रधिकारी तथा स्थानापन्त सहायक निवेशक (ग्रेड-II) श्री कबूल चन्द रस्तोगी, 30 श्रप्रैल, 1985 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

राजवीर सिंह उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महा निवेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन भ्रनुभाग ए-6)

नई विल्ली-110001, विनांक 27 अप्रैल 1985

सं० ए-17011/283/84-ए-6---सहायक निरीक्षक ग्रिधिकारी (धातु) के पद से प्रत्यावर्तित होने पर, श्री सुभाष चन्द्र ने निरीक्षण निदेशक, कानपुर के कार्यालय मे 1-4-85 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० एल० कपूर उपनिदेशक (प्रशासन)

सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० ए-19012/2/85-ई-1--संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुति पर सक्षम प्राधिकारी ने श्री एन० स्टेन्ले को दिनाक 10 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक, फिल्म प्रभाग में रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, 840 रु० प्रित माह के वेतन पर समाचार चित्र अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। उनको हैदराबाद में तैनात किया गया है।

एन० एन० शर्मा प्रशासिक श्रिष्ठकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई, 1985

सं० ए० 31013/5/83-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने देखा० राम जी प्रसाद को 18 जुलाई, 1983 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में तकनीकी श्रधिकारी के पद पर स्थायी श्राघार पर नियुक्त कर दिया है।

> बी० के० जाना उप निदेशक प्रशासन (सामान्य)

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, विनांक 1 मई 1985

सं० जीं/21 ा/ग्रार०ग्रो०डी०/स्था०-ा ए/1342—विजन कुमार घोष ने वैज्ञानिक ग्रधिकारी एस० बी० पद का पद-भार दिनांक 28-2-1985 ग्रपराह्न, को ग्रधिवर्षिता पर छोड़ दिया ।

> के० वेंकटकृष्णन उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जाविभाग

ऋय श्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, विनांक 30 श्रप्रैल 1985

सं० श्री०पी० एंस०/41/10/85-प्रशा०-983—परमाणु अर्जा विभाग, ऋष ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री एस० ग्रार० वैद्या, को इसी निदेशालय में दिनांक 8-3-85 (पूर्वाह्न) से 12-4-85 (ग्रपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहायक भंडार ग्रधिकारी के पद परतदर्थ ग्राधार परस्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति, सहायक भंडार ग्रधिकारी श्री एम० के० जॉन के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

पी० गोपालन प्रशासन <mark>प्रधिकारी</mark>

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400 094, दिनांक 12 मप्रैल, 1985

सं० सी० एवं एस० जी०/ए०/2(6)/2650—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री कुलदीप यादव, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक "सी" नरोड़ा, परमाणु विद्युत परियोजना, की निर्माण एवं सेवा वर्ग में अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०', के रूप में 650—30—740—65—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतनमान में दिनांक 9-4-1985 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश मिलने तक के लिये नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 श्रप्रैल 1985

सं० सी०ई०डी०/ए/2(16)/2762+-निवेशक, निर्माण एवं सेवावर्ग, परमाणु उर्जा विभाग श्री ए० बी० पौलोस, अस्थायी सहायक लेखापाल, निर्माण एव (सेवा) वर्ग, की छुट्टी पर गए हुए श्री के० एम० बाशा, सहायक लेखा मधिकारी, के स्थान पर निर्माण एवं सेवा वर्ग

में ही दिनांक 11-2-85 पूर्वाह्न से 4-4-85 तक तदर्थ सहायक लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० के० कपूर प्रशासन प्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाए

बम्बई-400 008, दिनांवा 30 प्रप्रल 1985

सं० 05052/मगस्त-84/1455---भारी पानी परि-योजनाओं के, प्रधान, आर्यकारी, भारी पानी परियोजना (काटा) के निम्निविखित प्राधकारियों की निम्न विधरणानुसार, ग्रागे ग्रादेश होने तक के लिए नियुक्त करते हैं:---

क्रम सं ०	नीम	वर्तमान पद	जिस पद पर नियुक्त किए	नियुक्ति की तारीख
सर्वेश 1. बी०		व०स०/सी०	वै ःग्र धि <i>० </i> एस० बी०	1-8-84 (पूर्वा०)
2. वी०	के० भट्ट	वै०स०/सी०	वै० ग्र धि०/ एस० बी०	1-8-84 (पूर्वा०)

विनोंक 2 मई 1985

सं० 05000/भ5(33)/1521--- भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान वार्यकारी, कय एवं मंखार निदेशालय के स्थायी उच्च श्रणी लिपिक तथा कलकत्ता क्षेत्रीय लेखा इकाई, कय एवं मंखार निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक लेखा श्रिधारी, श्री दिलीप कुमार, रॉय को 31 जनवरी, 1985 (पूर्वा०) से श्रीमे श्रीदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तलचर) में स्थानापन्न भुगनान तथा लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते है।

के० पी० कल्याणीकुट्टी मशासन ग्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग

सहायक नोदन प्रणाली यूनिट

बंगलीर-560017, दिनाक 11 श्रप्रैल, 1985.

सं० 8/275/85-प्रणासन---श्री एम० वी० एम० णास्त्री को सहायक नोदन प्रणाली यूनिट बंगलीर में ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960/- के वेननमान में स्थानापन्न रूप में महाया क्रय ग्रिधकारी के पद पर, दिनाक मप्रैल 11, 1985 के पूर्वीह्म से श्रामामी आदेण तक नियुक्त किया जाता है।

> ए० **ई**० मुथुनायगम कार्यक्रम निवेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 2 मई 1985

सं० ए० 32013(ए० डी०जी० एम०)/2/83-म्था०І--राष्ट्रपति, मौसम विज्ञान विभाग में, मौपम विज्ञान के उप-महा निवेशक, डा० ए० के० मुखर्जी, को उसी विभाग में दिनांक 17-10-1984 के पूर्वित्व से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप में मौसम विज्ञान के श्रपर महा निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० दास मौसम विज्ञान के महा निदेशक

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रप्रैंल 1985

सं० ए० 32014/7/84-ई० सीं०--महा निदेशक नागर विमानन, ने श्री दिवन्दर सिंह तक्तनीकी महायक्ष की दिनांक 17-10-1984 से और अन्य झादेण होने तक, २० 650-1200/-के वेतनमान में, सहायक सक्तीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित झाधार पर नियुक्त किया है।

दिनां के 25 घप्रैल, 1985

सं ए-35018/3/85-ई-I----राष्ट्रपति ने ग्रिधिसूचना विभाग (गृह मंत्रालय) के श्री एस० चन्द्र शेखरन, वरिष्ठ गुप्तवार्ता अधिकारी को दिनांक 8-4-1985 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष की अवधि के लिए सहायक निद्रेशक, नागर विभानन सुरक्षा के पद पर प्रति नियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है।

> वी० जयचन्द्रन सहायक निरेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 2 मई 1985

सं० ए-19012/1080/85-स्था०-5—विभागीय पदी-न्नित समिति (समूह 'ख') की सिफारिगों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० सी० मन्डल पर्यवेशक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 30-3-1985 की पूर्वाह्म से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं। (2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जेल आयोग में अनिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अधिध के लिये परिवीक्षा पर रहेगे।

> मीनाक्षी अरोडा, अवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण एवं आवास मंद्रालय निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण त्रिभाग नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1985

सं० 27-एस/जे (5)/75-ई०सी०-2—राष्ट्रपति, समय-समय पर संगोधित केन्द्रीय सिविल सेवाएं, पेंशन नियमावली, 1972 के अधीन श्री सुभाष चन्द्र जैन, अधीक्षक इंजीनियर (सिविल) द्वारा प्रस्तृत दिनांक 21 जुलाई, 1984 को स्वेच्छापूर्वक, सेवा-निवृत्त का नोटिस स्वीकार करते हैं ग्रीर उन्हें दिनांक 30-10-84 (दोपहर पूर्व) को तदनुसार, सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त करते हैं।

दिनांक 11 अप्रैल 1985

स० 32/1441/72-ई० सी०-3-अधीक्षक इजीनियर (मूल्याकन), आयकर विभाग, अहमदाबाद के सहायक इंजीनियर (सिविल) श्री ए० ए० तौतलानी को उनके सेवा-निवृत्ति की आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप, उन्हे 31 मार्च, 1985 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिया गया है।

दिनाँक 25 अप्रैल 1985

सं० 5/3/81-ई० सी०-1—1982 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवाएं परीक्षा के परिणामों के प्राधार पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित प्रभ्यांषयों को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवाएं प्रौर केन्द्रीय संयुक्त एवं मैंकेनिकल इंजीनियरी सेवाए समूह 'क' में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल/विद्युत/मैंकेनिक) के ग्रस्थायी पदों पर प्रिविक्षा पर नियुक्त करते हैं:—

ऋम सं० नाम	नियुक्ति की तारीख
.————————————————————————————————————	
1. उमेश सी० मिश्रा	17-8-84
 ग्रशोक कुमार पी० राउत (ग्रनुसूचित जनजाति) 	22-8-84
(विद्युत) 1. नेमचन्द्र	8-10-84
(मैकेनिकल) 1. धर्मेन्द्र के० नायक	29-9-84

दिनांक 30 मार्रेल 1985

सं० 32/3/85-ई० सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित श्रधिकारी निवर्तन की श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा सं उनके श्रागे दी गई तारीख से, सेवा-निवृत्त किए जाते हैं:—

ऋ० सं०	ग्रधिकारी का नाम (सर्वे श्री),	निवृत्ति की ∮ तारीख	पक्षनाम श्रौ सैनाती व	र श्रंतिम गस्थान
1.	भ्रो० पी० त्यागी, (1)	31-8-84 (ग्रपराह्न)	(सिविल),	इंजीनियर निर्माण ० सो० नि०
2.	भ्रो० पी० त्यागी (2)	31-1-85 (भ्रषराह्न)	कार्यपालक (सिविल)	इंजीनियर
3	एस० पी० त्यागी	—वही 	कार्यपालक (सिविल)	इंजीनियर , लुसाका में उच्चायोग में
4.	एच० के० प्रेमी र	31-3-85 (ग्रपराह्न)*	(सिविल) वि० मंडल	इंजीनियर ; लो० नि० , 25 (दि० नई दिल्ली।
5.	एन ्डी० नाथानी	 वही ¹	(सिविल)	इंजीनियर , एम० लो० नि० दिल्ली।

दिनांक 2 मई 1985

सं० 32/3/85-ई० सी०-2—श्री, श्रार० एन० गुण्ता, मुख्य इंजीनियर (उत्तरी श्रंचल) के इंजीनियर श्रिकारी, केन्द्रीय लाक निर्माण विभाग, श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली निवर्तन की श्रायु होने पर, सरकारी सेवा से 30-4-85 (श्रपराह्म) सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

नीना गर्ग, प्रशासन उप निदेशक

कार्यालय मुख्य श्रायुक्त (प्रशासन), उ०प्र० एवं

श्रायकर श्रायुक्त

लखनऊ, दिनांक 20 श्रप्रैल 1985

आयकर विभाग

सं० 10—-र्शा शंकर लाल भ्रग्निहोत्री, श्रायकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को श्रायकर भ्रधिकारी वर्ग ''ख्रा' के पद पर श्राफिसियेट करने के लिए ६० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में

पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नत होने पर उन्होंने विनांक 30-3-85 के पूर्वाह्न में भायकर मधिकारी, सी० भाई० बी०, लखनऊ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 11—श्री राम भाटिया, श्रायकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को भायकर श्रिधकारी वर्ग "ख" के पद पर श्राफिसियेट करने के लिए ६० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वैतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नत होने पर उन्होंने दिसांक 29-3-85 के पूर्वाह्न में श्रायकर श्रिधकारी, श्रो० एस० डी०; इलाहाबाद के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 12--श्री रघुवीर सरन गुप्ता, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफि-सियेट करने के लिए ६० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्तत किया जाता है। पदोन्तत होने पर उन्होंने दिनांक 4-4-85 के पूर्वाह्म में श्रायकर श्रधिकारी, श्रो० एस० डी० के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

श्ररनी घर मुख्य श्रायुन्त (प्रशासन) उ०प्र० एवं ग्रायकर ग्रायुक्त, लखनऊ

प्रकर नाइ . टी. एम. एव. ल----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर धिनांक 23 फरवरी 1985

निदेश सं० आई ए सी एक्बी/64123/84-85—अतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खेत जमीन है, जिमका सीन 22/3 है अतः जो मोंका बाधापूर प्र०तोनि० यवतमाल में स्थित है) भीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यवतमाल (डाक्सेंट सं० 1/409965) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन 31 अगस्त 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निष्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित नाजार मूल्य उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिजित में में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं शुर्द किसी बाद की बाबत, उपक अधिनियम के सभीम कर दोने के अन्तरक की दावित्य में कमी करने वा समये वचने में बृविधा के निए; और/वा
- (ब) एंनी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य अस्तिवी की, जिन्हें भारतीय असे-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

असः अव, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्परन में, में, उक्त कोंधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) 1. वसंत तुकाराम चितलकर2. श्रीमती कींडाबाई तुकाराम,चितलकेर,

स० यवतमाअ

(अन्तरक)

(2) सावित्री दुवे गृह निर्माण संस्था यवतमाल अध्यक्ष श्री सुरेश हेमंत निरापूरे रा० सरोज राबोज 5198 यवतमाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्मति को अर्थन को सम्बन्ध में क्रोड़ी भी अक्षोप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रक तूचना की तामीस से 30 दिन की बन्धि, को भी जनिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकर्णः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

वन्त्र्यी

खेत जमीन जिसका सी०न० 22/3 है अतः जो मोंजा वायापूर ता० नि० यवतभाल में स्थित है श्रीर जिसका कुल 11 बीघा 3 एकड़ 67 गुन है।

> एम० सी० जोगी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 23-2-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस :------

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां वय, तहायक कायकर आयुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश मं० ए० सी० $79/\overline{t}$ ज-II/कल/1984-85—अतः मुझे, एस० के० बनार्जी,

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त मिनियस' कहा नया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपति, जिसका उजित बाबार मूल्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 8/2 ए है तथा जो अलिपुर पार्क रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 4 अगस्त 1984

करे पूर्वोक्त सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की आ मूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल का पम्बृह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मितिफल निम्तिलिखित उव्वोदय से उक्त अंतरण लिखिल में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरभ ते हुई किसी जान की बाबत, अकड़ जिथितियम के अभीत कर दोने के जन्तरक से दायित्य में कमी करने या स्तरत वजने में कृषिका के सिए; बॉर्ड/वा
- (व) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कार अभिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ कन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिद्ध:

अतः अव उस्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें बधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, नर्गात् क्र- (1) श्री बी०के० बनार्जी।

(अन्तरक)

(2) श्री रोबिन पाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

बन्दा सम्मरित में नर्मन के संबंध में कोई नाक्रेप ६---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, "जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितकद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड निस्ति में किए जा सकरी।

स्पछि देश:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं यही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिवा गया है।

मन्त्रक

जमीन:—1500 वर्ग फुट फ्लेट, पता:—फ्लेट नंबं-हम, 8/2 ए, अलिपुर पार्क रोड, कलकत्ता-27 सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 4-8-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुआ। क्रामक संखा-17।

एस० के० बनाजीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

नारीख: 12-10-1984

गाइड 🛊

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ए०सी० 80/रंज-II/कलकत्ता/1984-85—अतः मुझे, एस० के० बनार्जी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधी। सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं '' श्रौर जिसकी सं० 8/2-ए हैं तथा जो आलिपुर पार्क रोड, कलकत्ता-27 में स्थित हैं। श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प ं विणा है, रिजस्ट्रीय त्ती अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों में, रिजस्ट्रीय त्ती अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों के अधीन, 4 अगस्त 1984 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

को पुर्वाक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसिन उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का वि) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रोबिन पाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शेफालि घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन---660 वर्ग फुट प्लाट, पता--पिलाट नं 4 एफ, -8/2 ए. प्रालिपुर पार्क रोड, कलकत्ता-27, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में 4-8-1984 में र्राजस्ट्री हुआ। फ्रामिक सं --18।

उ एम०के० बनार्जी

महायक आयकर आयुष्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 12-10-1984 **मोहर**:

2-76GI/85

प्रस्प नाह". टी. एन. एस. - - -

जायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ज (1) के जभीन स्च्ना

भारत तहकाह

कार्यालय, रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मार्च 1985 '

निर्वेश सं 37-ईई/9074/थाना/84-85---अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इरक्के परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 107, पहुली मंजिल, प्लाट नं० 19, पार्वती सिनेमा पिछाडी, वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित हैं (फ्रांर् इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), पिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को अधान, ताराख अक्तूबर 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति को अबित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदस्य से उक्त अन्तरण तिकित में भास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में कमी करने या उत्तते बचने में तुनिधा के लिए; बीट/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करों, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्वेषधा के लिए

अतः अधः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-गःके अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269,रूभ की उपभारा (1) के सधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स निरमन बिल्डर्स, 9-3, एवरेस्ट बिल्डिंग, 90 वीं मंजिल, तारदेव रोड, तारदेव बम्बई-34।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुस्मिता उल्हास नाचनकर, रोड नं० 54 श्रौर 55, दूसरी मंजिल, शिव दर्शन, एस० जी० मार्ग, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाक्रियों शरुक करता है।

उक्द सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आधाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धां करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका ही।

बन्स्भी

फ्लेंट नं० 107, पहिली मंजिल, निर्माण फ्लौट नं० 19, पार्वेती सिनेमा पिछाड़ी, वसई जिला थाना।

(जैसा कि र्जिस्ट्रीइत कि 37 ईई/9074/थाना/84 - 85, अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में लिखा गया है।)

यिनल बुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारोख: 6-3-1985

मोहर:

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

नायकार निपनियम, 1961 (1961 का 43) भी

भारत १६९-७ (1) के लश्रीन स्मनः

मास्त चडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई/9073/1984-85---अतः मुझे,

अनिल कुमार,

अायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-स के अधान , सकल पाधिकारा ध्यं यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000 / - रत. से अधिक ह

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 207, दूसरी मंजिल निरमान बिल्डिंग नं ० 19, पार्वती सिनेमा पिछाड़ी वसई (पश्चिम) जिला थाना है तथा जो वसई जिला थाना में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स विधित है), र्राजस्द्रीकर्ना अधिकारी के स्तयस्यि सहाय: आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वा नत संपरित का स्थित वाचार म्ल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एते कायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिसी (अंतरितियाँ) के बीच एके अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कि थित नहीं किया गवा है 💵

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर बने के बन्तरक की दायित्व में अभी करने या उत्तरी वृज्य में सुविधा के किए; मौर∕वा
- (क्ष) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हां भारतीय भाय-कार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स निरमान बिल्डर्स, 1-3,एवरेस्ट बिस्डिंग, 90 वी मंजिल तारदेख रोड, तारदेव, बम्बई-37।

(अन्तरक)

(2) श्री शांताराव सी उमेलो भौर जूली आर देमेलो के०/ग्रो० 72 पोलिस स्टेशन रोड, विले पार्ले, बम्बई-56।

(अन्तरिती)

को ग्रहसूचना जारी करको पूर्वोक्सा सम्बन्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता 🧲 ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालप :---

- (क) इत सूचना के शाजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अविध वा तत्त्वस्थानी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बर्वाच बाद भें समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति प्रापः;
- (स) इस सूचना के राज्युम् में प्रकादन की बारीय 🕏 45 दिन के शीवर उक्त स्थायुर बुम्परित में हिंबब्हुच क्रियो जुन्दुव्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरीके पाद निश्वत में किए वा दक्षेत्र।

स्पस्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्कों का, ' जो उक्त सीधनियम दे अध्याव 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा, जोह. उस अभ्यान में विमागमा

मन्स्क

फ्लैट नं॰ 207, दूसरी मंजिल "निरमान बि**ल्डिंग**, पलौट नं ० 19, पार्वेती सिनेमा पिछाड़ी, वसई, जिला थाना। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37-ईई/9073/84-85, अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज में लिखा गया है ।)

> म्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, पूना

तारीख : 6-3-1985

माहर 🔞

प्ररूप मार्च द्वी एज . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के जनीन मुजना

भारत सरकार

कार्याल**द, सहायक आयक्तर आयुक्त** (निर**क्षिण)** झर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 भार्च 1985

निर्देश सं० 37-ईई/9382/84-85----श्रतः मुझे, श्रानल कुमार,

आयकर मिर्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त मॉर्धनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्वीवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी संव सर्वे नंव 129, फ्लैट नंव 9, स्रायिखल कालनी, कोष रुष्ट पुणे 29 है तथा को पूना में स्थित है (और १ससे उपाबद्ध स्रन्तुमूची में और पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अिक्टियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख जनवरी 1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित संजार मृत्य से कम के दरयनान प्रतिकत सम्पत्ति के जिप रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्भित की गर्च है और मुक्ते यह विष्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार अल्प, उसके दश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पम्सह-प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे गंतरण के लिए तब पत्या गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में हास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हर्ष किसी नाय की बाबत । उक्क लियिनियम के दक्षीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरिंदा
- (ण) ऐसी किसी भाग या फिसी धन या अल्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रीधनियमं, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपान में स्थिया के सिक्रा

बतात्र शब अकत अधिनियम का धाय 269-म को अनुसरण बो, ती, अक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) को अक्षीप, निम्नलिखित अपिनियों, अर्थात (--- (1) मेसर्फ नवयुग ६मोटर्स, 20/2, नदी पेठ, पुणे-30।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रानन्द भालचंद्र परांजये, 4/40, एरडवणा, मपट्रान इंडियास ग्राफिस, पुणे-4।

(भन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के कर्जन के सिएं अविवाहियां करता हैं।

तकत सम्बन्ति के कर्षन के संबंध में, कोंडों भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अजिन या तत्सी भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि शव में समाप्त होती हो, के सीजर प्रविकत विभिन्न में कि की जिस्सी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 विन के भीतर उपता स्थावर सम्पत्ति में हितवव्धं किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधाहस्ताक्षरी के कास विकास में किए का सकरें।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिया गया है।

at well

सर्वे नं० 129, पहाँट नं० 9, श्रायडिल कालनी कोथएड, पुणे 29।

(जैसा कि राजिस्ट्रीकृत २०० मे ० 37-ईई/9382/84-85/ पूना, जनवरी 1985 को सहायक प्रायकर, भायुम्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज में लिखा गया है।)

> मनिल मुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, पूना

तारीख: 6-3-1985

मांहर 🖫

प्रकपः वाद् ुटी. एन्. एस्. ----

बारकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई सी०ए० 5/1140/9276/84-85---मतः मुझे, म्रानल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी संख्या अपाटमेंट नं 502, णिवालय अपार्ट-मेंटस, 380, णिवाजीनगर पूना 5 (क्षेक्षफल 605 561) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को प्रांकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पल्क्ट्र प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अर्वारित्यों) के बीच् एस अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविश्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित् में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्स जिपिनियम के अभीन कार वेंगे के अन्तरक के सायरण मा कामी कारने या उक्की बचने में सूर्विधा के जिए; बॉर्ट्या
- (च) एसी किसी जाम या किसी भग ११ कर्य कारितयों को, जिन्हों भारतीय साम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, किथाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, तस्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:— मेसर्सं गांटे ग्रस्तोसिएटस,
पर्लैट नं० 712,
सी०टी०एस०-380,
शिवाजी नगर,
पूना-5।

(प्रसरक)

(2) श्री सुनील अनंत चिचनीकर, 316/2, शिवाजीनगर, पूना-6।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतार पूर्वे क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकोंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत % 37-ईई/9296/84-85, विसम्बर 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज के वक्तर में लिखा गया है)।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-3-1985

मोहर ः

प्ररूप आहं टी. एन. एस -----

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) भरी भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 26 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई सी॰ए०-5/1143/8945/याना/84-85--अत. मुद्दे, अनिल कुमार,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' बहा गना हैं), की धारा 269-क के अधीन इसमें प्राधिकारों को वह विश्वाह करने का कारण ह' कि स्थावर धुम्मति, धिसका उचिद नाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सख्या प्लाट नं० 204 प्लाट नं० 17 स्केटर 17 डी॰बी॰सी॰ वसई निव बम्बई (क्षेत्रफल 1850 सक्वायर मीटर)। है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) र जिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय राहाराक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984।

को प्रविश्व सम्मित्त के उचित बाबार मृस्य से कम के सम्मान् प्रितिफल के लिए अतिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन के कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य उसके दृश्यान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिप्रत से श्रीवफ है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-फल निम्मालिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्त-विक रूप से किंपत नहीं किया गया है है

- (क) शंतरूण से हुई किसी शाय की वागत, उपस श्रीपित्यम के अभीन कर दोने को शंतरक की बामित्य में कमी करने मा उद्दर्भ अपने में श्रीचना के किए, जॉर-मा
- (क) एसी किसी आय गा किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारताय आयकार आर्थानयम, 1922 (1922 का 11) पा उकत अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गया भा या किया जाना चाहिए या, स्थिपन में सुविधा के विद्

बतः बव, उन्त बिधिनियमं की धारा 269-ए के अनुनरण मो, मैं उन्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) में बचीन, निम्निसित व्यक्तियों, बर्धात्ः— (1) मेतर्म लिवर्टी इनकेस्टमेंट प्रा०लि० 302 बालामाल हौस 206 नरिमन पांईट बम्बई 21।

(2) श्री आई व्ही परेरिया डी-10 कुमार सोसाईटी नेहरू रोड कोला शासाकूस बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह स्थना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यज्ञियां करता हूं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा सत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सकोंने।

स्पक्कीकारण:---ध्रामें प्रयुक्त शब्दों बौट पर्दों का, को उक्क कीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाविद है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

(जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/8945/थाना/84-85 अक्नूबर 84 की सहायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना

तारीख: 26-3-1985

मोहर 🖫

शक्त बाह्री ् टी ् एन् ् पुक्रधन्तराज्या

नायकर नीभीननम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) ने नुभीन कुमान

शाकुर स्टब्स्ड

कार्बासय, सहायक जायकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना विनोक २६ मार्च १००

पूना, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेश सं० $37-$ \hat{\epsilon}_i$ सीए-5/1141/10024/थाना, 84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार.

वासकर अभिनिसन, 1961 (1961 का 43) जिसे इन्हें इसके परनात् 'उनत अभिनियम' नहा ग्या है, की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या गाला,यूनिट नं 8 मांडेल्ला इन्डस्ट्रियल स्टेट पडवक नगर थाना (क्षेत्रफल 6365 फीट) है तथा जो थाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन भारीख नवम्बर 1984

को ब्रांकित नम्बित को जिसता बाबार मुख्य तो कम को प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभो यह विश्वान करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़र मृत्य, अतको क्रवमान प्रतिकल ने, एते क्रवमान प्रतिकल का पंचह मृतिकत से मिथक है और जन्तरिक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एते कन्तरण के लिए तस पासा गया मृतिकल, निम्नलिवित उव्वरेम से स्वत्त मन्तरण लिखित के क्रांस्तिक रूप से क्रियत मृत्री किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जब्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी जाय या किसी भन या जन्य प्रास्तियों की, विन्हों भारतीय आय-जर अधिनियम, 1922 ११922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अन्तरिनी व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना नाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के विष्

जतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किशीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निक्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) मेसर्स मांडेला टेक्स्टाईल इंडस्ट्री प्रा०लि० 4 सी व्हलकन इन्सूरेन्स बिल्डिंग वरि नरीम्न रोड बम्बई-20।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स एव०एस० एन्टरप्र।ईजेस
 124
 गरोडिया नगर
 घाटकोपर
 बम्बई-77 ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संप्रित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आधीप :----

- (क) इस भूजना में राज्यत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सब्धि बाद में स्थाप्त होती हो. के भीतर पृवाँ कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की दारीचा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति मों हितवत्रभ
 किसी बन्च व्यक्ति ब्लाय व्यक्तिस्ताक्षरी के पास
 सिवित मों किए या सकोंने।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त एक्सें बौर पतों का, जो उपन अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवर गया हैं।

वपुष्क्री

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत कि 10024,84-85 नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्र:[धकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीखं : 26-3-1985

मोहर ह

प्रकृत बाह् दी. एस. एस. - ----

भायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत खद्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

· अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई/सीए-5, 1142, 9805, 84-85---अतः मुझे, अनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें के इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउ 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ला 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी संख्या गाला,यूनिट न० 6, माडेल्ला, इन्डस्ट्रीयः स्टेट, पडवक नगर, थाना (क्षेत्रफन: 6368 फीट) है ता जो थाना में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मे राजस्ट्री-करणअधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रवित सम्वस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं स्वयमान प्रतिफल का कम्द्रह प्रतिशत से विभिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देख से उक्त सन्तरण निधित में भास्तिविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ए—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अपयं की वाबत, उक्त अधिनियम को अधिन क्ला दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके सबने में सुविधा के बिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा औं लिए;

कतः ज्ञंब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण धें, मैं उक्त निधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) डे सधीन िमस्यिखित व्यक्तियों, नर्धातः स्—- (1) मौडेन,
टेक्सटाईल इन्डस्ट्रीस 4-सी,
वकन इन्सूरेन्ज बिर्विडग
वार नरोमन रोड,
बम्बई-20।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राकेश सार्टिशिस, क्ती वेगज किसन नगर नं० 1, वार्गक इन्डस्ट्रीयल स्टेट, भ् थाना।

(अन्तारती)

को सह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जद के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निध्त म किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

(जैसा को रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई, 9805, 84-85, नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन र रेंज में लिखा गया है।)

> अनिल कुर्मार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख 26-3-1985 **मोहर** # प्रकृष् भार्षे . टी . धुन् . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

बाइक् क्रक्राह

भार्यालय, सहायक वायकह आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 26 मा**र्च** 1985

् निर्देश सं० 37ईई/9804/84-85..अतः मुझे, अनिस्न कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्रे इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त निभिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या गुनुमागर डी बिल्डिंग प्लांट नै० 2, ग्राउंड फ्लोर स्टेंगन रोड़, नकवा जिला थाना है तथा जो याना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जर रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख नथम्बर 1984

को नुर्वेशित संपत्ति के उचित नाजार म्स्ए से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) जार जन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्थ के सिए उस याचा पना जीत-कस, निम्ने लिखित उच्चेस्य से उपत अन्तरण सिनित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिनियम के अभीन कर बोने के जन्<u>तर</u>क औ दरिवरण में कनी करने वा उचने वजने में सुविधा के लिए; कीर/ना
- (व) एली किसी जाय या किसी भन म्यू जन्य आस्तिवों को जिन्हों भारतीय जाव-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) फे प्रमोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, द्विपाने में न्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्यीन . निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 3 —76GI/85

(1 श्री मैसर्स छडवा कन्सट्रक्शन कं० 2/4 जय महाबीर आर बी मेहता रोड़, घाटकोपर सम्बर्ड।

(अन्तरक)

(2) सुमेवा भीमराव, चापसी झिल्डिंग थाना स्टेशन नजदीक थाना।

(अन्तरिती)

 श्री वह सूचना चारी करके पृशीकत सम्परित के वर्णन के हिन्द् कार्यशाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस तुष्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तितृ द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीक से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्परित में हितनमध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोगें।

स्पाक्षीक रण :----इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विभिनियम, के अध्याय 20-क में विरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ सं 37-ईई, 9804, 84-85 नं 84 को सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय निरीक्षण अर्जन रेंजन पूना में लिखा गया है ।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 26-3-1985

मोहर 🤉

प्रकथ आई. टी. एन. एस. −े= - --

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) धरी धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

प्राच्ये पर्वज्ञा

कार्यासय, सहायक जायकर जास्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना '

पूना, दिनांक 26 मार्च 1985

निवेश सं० 37-**११**/सी**ए-**5/1145/9505/84-85--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के अधीन सकत प्रशिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, विसका जीवत वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गुनसागर नगर "ई" फिल्डीग, प्लांट नं० 60 स्टेशन रोड, कलब डिस्ट्रीक याना है तथा जो ध्यना में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिगारी के नार्यालय सहायक श्रीप्रांग आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के निए अन्तरित की गई है और अभे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृथ्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, दृते दश्यमान प्रतिकृत के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकृत्क निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनियम के वर्षीन कर योगे के बंतर्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार ज्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ह्यारा प्रकार नक्षी किया गया धा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सूर्विधा के लिए:

कतः सक, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण के, में अकत अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, जर्मात् ए—— (1) मैं भर्स छडवा कल्स्ट्रक्शन कपनी,
2/4,
जथ महाबीर ए०बी० मेह्ता रोड,
घाटकोपर,
बम्बई-77।

(श्रन्तरक)

 (2) श्री के॰ सुन्वरम 6X7/10, गोदरेज कालनी, विखरोली, व्यक्टर्निं?

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारना हु।

उक्त कम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:-

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसर्ची

(जैमा कि रजिस्ट्रीकृत फ॰सं॰ 37-ईई/9505/84-85 फ्रक्टूबर 84 को सहायक फ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।)

श्वनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 26-3-19**85**

मोह्य 🛮

म्ह्य हार्र्डी , पुत्र पुत्र , २००० प्राप्त ।

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) में विभीत त्सान

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 28 मार्च 1985

निदेण सं० 37-**११**/सीए-5/1146/9281/84-85---- श्रतः मुझे, श्रनिल कुसार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्भित बाधार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या गुनसागर नगर, डी० बिल्डीग, प्लाट नं० 30 स्टेग्टन रोड, कुलवा डिस्ट्रीन, याना है तथा जो याना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रुप से यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी है कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज ,में रिजर्स्ट्रा नारण श्रिधिनियम, 1908(1908 क. 16) के अधीन, तारीख श्रक्ट्रार 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर की जीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिख्त में बास्तविक रूप से कृषित मुद्दों किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुए किसी भाग की बाबत, उनका निर्मानयन के अभीन कर दोने की जन्तरफ में वाधिरण में कमी जूरने वा उन्नदं दूसने में ब्रुनिया में दिन्द; मीड/वा
- (क) ऐसी किसी बाव का किसी क्या वा बन्क वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या असत अधिनियम, वा धवक्कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा व्यक्त नहीं किया नवा था वा किया जाना जानिए था कियाने भे स्विधा ने विद्या

कतः अव, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-य कौ अनुसहन वो, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन निक्नसिक्ति क्यक्तियों अर्थात् ॥—— (1) श्री मेयर्स छङ्कव्या कन्स्ट्रक्शन कंपनी,
 2/4,
 जय .महाबीर,
 रा०बी० मेहता रोष्ठ,
 घाटकोपर, बम्बई-77।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिथिला विलाम मालवी, कं ०/ओ० श्री एस०एस० मालवी, बी-37 मधुवन, इंडियन ग्रांइल कालनी के पीछे, जे पी रोड,

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्परित के जर्जन के जिल्ला कार्यशाहियां करता हुए।

उक्त कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हन्त

- (क) इस स्पृथा के राजपण में प्रकासन की तारीय ते 45 विन की जनिथ या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, वो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिब्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा खो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

वन्ध्यी

(जैसा की रिजस्ट्रीकृत ऋ०सं० 37-ईई/9281/84-85 ग्रक्टूबर 1984 को सहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।)

> म्निल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28- 3-1985

मोहर

प्रस्य सार्वं टी . एवं . एसं . ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-मं (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयक्त (नि.रोक्सण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनाँव 28 मार्च 1985

निर्देश स० 3*7-ईई/9878|थाना/84-85—*-झतः मुझे, श्रनिल कुमार,

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के लिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से लिधक हैं

और जिस्की सख्या गाला/यृतिट न० 7, माडेल्ला इन्डस्ट्री-यल इस्टेट, पडव ह नगर, यान हैं सथा जो थाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायव प्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज में, रिजस्ट्रीक्ररण प्रधित्यम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाबार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यामान प्रतिफल का पन्ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसिस उद्देष्य से उक्त अंतरण जिल्लित में कास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी नार्य की बाबत, उनत विध-नियम की अधीग कर दोने के अंतरक की खारितक में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) होती किसी बार्य या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों आरतीय जावकर सीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरियों कुमान्त प्रकट नहीं किया नवा चा या किया जाना चाहिए था, छिनानें में सुनियभ के सिष्ट;

अताः अवः, उक्त वीधीनवंश की धारा 269-व के वनुसरण में, नै, उक्त विधीनवंश की चारा 269-व को उपधारा (1) को वधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तिवों, वर्षात् उ— मैं मर्स माडेल्ला टेक्पटाईलस, प्राईवेट लिमिटेड,
 4-सी, बलकन इन्गोरेन्स बिलॉडग, वरि नरीमन रोड, अम्बई।

(मन्तरक)

(2) मैं सर्स नेताजी इन्डस्ट्रीज, 98 बालकृष्णा, सायन रोड (ई), बम्बई-22।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अग्रीधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवहण किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ब्रा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वनसर्ची

जैंगा कि रजिस्ट्रिक्टत कै० में० 37-ईई/9878/थाना/84-85 नवम्बर 1984 को सहायक ग्रयाकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्र^{ति}तल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ,श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-3-1985

मोहर .

प्रकृष् वार्षे हो एवं एषः -----

भारत अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के स्पील स्पान

तारत परकार

कार्यां जय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्वेश सं० 37-ईर्ष/सीए-5/1147/9485/84-85--श्रतः महो, श्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट यूनिट नं० 23-9, सी०एस० नं० 2050 सी० नं० 692, मांजरी, तहसील हवेली, जिला पूना प्रेमनगर महकारी गृह रचना संस्था, है तथा जो पूना में स्थित है (और इमसे उपायद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजल्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्याल इस्त्रिक श्रियक श्रीयक श्रीयक श्रीयक श्रीयक श्रीयक श्रीयक श्रीयक श्रीयक श्रीयक तरीखा कर्ता 16) के श्रीयिन, नारीख जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्प्रीत का उचित राजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और शक्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिदाल निम्निसिंबत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है रू---

- (क) अन्तर्भ के हुई किसी आप कर्त नावस, उक्स विधिनयम के जधीन कर देने के अन्त्रक के समित्य में कभी करने या उससे बचने में सर्विधा के निए; बहि/वा
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवाया प्रकट नहीं किया पया या किया जाना वाहिए था. छिपाने में सुविधा है लिए !

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भें अभीन, निम्निसिकिए व्यक्तियों, सर्भात् :--- (1) श्रीमती लीला दोनकर वामरस दत्तराज, विध्यानगर, वरसोली, अलिबाग, जिला रायगङ् ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर चद्रकांत धारिया, 1294-बी, बिलवाचुरी सदाणिव पेठ, पूना-30।

(भन्तरिती)

का यह बुधना बादी कहती पूर्वीवक्ष सम्पूष्ति के सूर्धन के दिन्ह कार्यशाहियां सुरू करता हुं।

उन्छ इञ्चलि से व्यंत से इस्वन्ध में काई भी वासेषु :---

- (क) दब सूचना वे राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध भाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिसाबत में किए वा सकीग :

स्वाच्छिकरण :---इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुक्षी

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत ऋ०सं० 37-११/9485/84-85 जनवरी 1985 को सहायक खायकर खायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 28-3-1985

मोहर 🖫

प्रकृष भाष्ट्रे, टी. एव . प्रास . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 28 मार्च 1985

निर्देश सं० 37-ईई/सि'ए-5/1147/9731/84-85-श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी संख्या ओनरिशय फ्लैट नं० 103, सर्वे न० 3025/6-की शिवाजी नगर पूना 16 (क्षेत्रफल 1054 फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती म्रिधिकारी के कार्यालय सहायक मायकर म्रायकर मायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण मिधिनियम, 1908 (1908 के 16) के मिधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को 'लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह . विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतद्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्या गया है क्ष्या

- (क) अभ्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अज़ने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

सतः सब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अमुसरण में, में,, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभीत् :— (1) मैसर्स ससानाथ केलकर एन्ड एसोसिसट्स-1478, सद्याणिय पेठ, पूना 30 ।

(भन्तरक)

(2) श्री म्नार∘एस० शर्मा और म्नन्य, 215, लोकमान्य सोसायटी, पूना 16।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्यक्ष्तीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तूर्जी

जैसा कि रजिस्ट्रीहित कि सं 37-ईई/9731/84-85 जनवरी 1985 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख : 28- 3- 1985

मोहर 🗅

प्रकप बाह् . ट्री ् एम् ः एक् ्रच्यान्यान्यान्या

नाय्क द्र निधित्तियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् '(1) के स्थीन स्वसा

भारत शस्त्राहुः

कार्यास्त्, सहायक जायकहा जावनतः (निर्द्रोज्न)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० 37-जी/2387/जुलाई 84/84-85——स्रतः मुझे, मनिल क्मार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. क्षी अधिक हैं

और जिसकी संख्या ब्लांग नं ए-733, सं नं 1466 नेताजी टेकड़ी, एल्हाम नगर है तथा जो एल्हाम नगर सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर भायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण भिंधनियम, 1908(1908 के 16) के ग्रंधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिपिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंबरण से हुई किसी भाव की वाबस, उबस अधिनियम के नंबीन कार देने की नंबरक के वाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य शास्तिको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधिका, निम्मिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) मधुक्तर बाबूराव भवसार,
 ब्लॉक न० ए-733 स० न० 1466,
 नेताजी टेकड़ी, एल्हासनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरी श्रनाजी केंद्रे, दास चील, व्लांक ए-291 पिछाड़ी, एस्हास नगर।

(भन्तरिती)

को यह स्मना जारी करके पृत्रीक्त सम्मित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्क सम्मिति के भर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के उपचपन में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय सें दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रिजस्ट्रीइन ऋ० 37-जी/2387/84-85 सितम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना सें लिखा गया है।)

म्नानिल कुमार पक्षम प्राधिकारी स**हायक भा**यकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख 8-3-85 मोहर

प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

भाषकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भधीन सुचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज, पूना

पूना दिनाव 11 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई/320/84-85--ग्रत मुझे, ग्रनिल

कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर संपरित जिसका उणित नाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या फ्लैंट न० 14, याश अपार्टसेंटन, ग्रीम्बिन नापिक रोड, तैरने के नलाब नास्जिक, नजदीक है तथा जो नामिक में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यात्य महाया आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेज में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अभीन, नाराख जुलाई 1984

को पूर्वोक्त सपीटत के उंचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह निरवास करने का लारण ही कि यथापुर्वोक्त सम्मस्ति का उपित बाजार मूल्य, ससके क्ष्यमान प्रतिफल से धूंसे दरवनान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे सम्बर्ण के सिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषस्य से उस्त अन्तरण निविध में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अप्तरक के दायित्व में कमी अस्ले या उससे अधने में स्विधा के लिए, और/या
- (भ) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १४) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं दिस्या गया था या किया जाना साहिए था, अख्यान मा स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के कैं, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) भी अधीत, निम्नेलिकित स्थितायों अर्थात् भारत

(1) याम बिल्डर्स और कन्ट्रैक्टर्स, 8, बैरल नॉह लेन, घाटकोपर, वस्बर्ध-86।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला मारतंड पिंशके, 2356, डिगराली, नासिक सिटी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर**ने पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

वक्त सम्मत्ति के वर्षन के स्ववन्थ में क्रोई भी बाक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीका से
 45 दिन की प्रकृषि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवृक्षि; को भी
 प्रवृक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
 व्यक्तियों में सकिसी धाका तारा;
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उनत स्थापर सम्पत्ति में हितवह्भ किसी जन्म स्थापद व्यारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उम्बद्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।॥

(जैमा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ०स० 37-ईई/320/84-85 जुलाई 84 को महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज पूना से लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिवारी महायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख 11-3-19**85** मो**हर** :

भक्ष आहें <u>, दी. एन</u> , पुस्_य त - -- - अ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, पूना पूना दिनांक 11 मार्च 1985

निवेश स० 37-**११**/293/नासिक/84-**85-- श्र**तः मु**झे,** श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और िजिकी संख्या दुकान न० 5, फ्लैट न० एफ-3, एफ-4, एफ-5 भर्वे नं० 184/6-14, प्लाट नं० 9 पंचवटी नासिक है तथा जो नाजिक में स्थित है (और इपसे उपावत प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंड में रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंड में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन नारीख ज्लाई 1984

करं पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और धूक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पूल्य, उरक्ते अध्यमान प्रतिफल से, एमें क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाता जबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंधरण ते हुई जिली बाय की बायछ. स्वस्थ् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के ब्रिप्ट, कीर/वा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी अन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय प्रकारणी देवारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मेतर्स झार०एम० पटेल कन्स्ट्रक्शन, 12, एमय कुझांपरेटिव सोताइटी, इष्ना नगर तपवन रोड, पंचवटी, नासिक।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर विठोबा चाफेफर, रामदास विठोबा वाफेकर, चद्रकांत विठोबा चाफेकर, 4616, चिचबन, पंचवटी, नासिक -5।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्यी

(जैसा कि राजिस्ट्रिशत ऋ०स० 37-इंड्रे/293/नासिक/ 84-85 जुलाई 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना में लिखा गया है)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रैंज, पून

त रीख 11-3-1985 मोहर अ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भररा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूनाः दिनांक 11 मार्च 1985

निदेश मं० 37-ईई/267/नासिक/84-85---श्रेतः मुझे, श्रनिल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या परपोस्ड कन्स्ट्रवशन दुकान ग्रीर फ्लटस, प्लांट नं० ३, सर्वे नं० 184/6-14, पंचवटी, ऋागरा रोड, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूवी में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधि-ारी के कार्यालय सहायक श्रायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गुल्य से कम के दश्यमान गर्इ है के लिए अन्तिरत क्ती विश्वास करने यह का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपामे में सूविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ओधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलियिल स्थिकतार्यों, अर्थात :--- (1) श्री मेसर्स भार एम पटेल कंन्सट्रक्शन, 12, प्रमिया सोसायटी, किसना नगर, तपोवन रोड, पंचवटी, नासिक-3।

(ग्रन्तरिती)

(2) श्री मुरलीधर विठोबा चाफेकर, रामदास विठेबा चाफेकर, चंद्रकांत विठोबा चाफेकर, 4616, चंचबन, मागालेमांव स्टंड, पंचबटी, नासिक-3।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पाकतीकरणः — इसमें प्रयुक्त कच्यों और पदों का, जो उकत जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया हैं।

मन्त्र्यों

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/267/नासिक/84-85, जुलाई 84 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना में लिखा गया है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर मा**युक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पुना

तारीख: 11-3-1985

मोहर:

प्ररूप बार्च. दी. एत. एस.,-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक बायकर बायक (निरीक्षक) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनाक 11 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई/11322/84-85—-श्रतः मृक्षे, श्रनिल कुमार शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

अगयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

यौर जिमकी स० थौर धाफिम न शाती सेन्टर प्लाट न 17, डी० बी० सी० वसई, नियं बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रुप से बर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता धिधकारी के कार्याक्षय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज मे, रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, सारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्नोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियो) के बीज एस अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बाम्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरूप से हुई किसी भाव की शावत, सबस वीधीनयम के जभीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बीर/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के िए।

अतं: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गातीनाथ एन्टरप्रासेस, 304, लुससियानी चेबर्स, बम्बई-21।

(भ्रन्तरक)

 (2) सुभदा एन्टरप्राइज स, झाफिस नं० 1, शांती सेंटर, सेक्टर-17, डी०बी०सी० वसई, निव बस्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रशंकत सम्पत्ति के अभन क लिए कार्यनाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोक् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपक्ति द्वारा यहोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पव्यक्तिरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २० क मा रिकालिस हैं, वहीं अर्थ होगा उन्न अध्याय में निका गया है।

वन्स्ची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37-ईई/11322/84-85 डिसेम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज मे लिखा गया है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक** श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

सारीख: 11,--3-1985

मोहर:

प्रकार बार्ष े हो । एव । एव ,-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

गारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 1:1 मार्च 1985

निवेश सं० 37-ईई/266/ नासिक/84-85--मतः मुझे, भनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिस्त अधिनियमं कहा गया ही, की चाड़ा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 184/6-14 (क्षेत्र : 3632.10 स्कूथर मी०) है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीखे जुलाई 1984

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य ही क्रिय ही हम्बन्ध प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सपिति का उचित नाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का, पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाय की वाबत, उन्त अधिविक्य के अभीन कह योगे के जन्तरक की श्रीवत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्ट; अद्भिता
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें धारतीय जायकार जिन्हें किया 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिद्ध।

बतः जब , उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक जे, के, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की अवधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत् हे— (1) श्री मुरलीधर विठोबा चाफेकर, रामधास विठोबा चाफेकर, चंद्रकांत विठोबा चाफेकर 4616, चिचबन, मालेगाव स्टेंड, पंचबटी, नासिक।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसस ग्रार०एम० पटेल कन्सट्रक्शन,
12, एमिया सोसाईटी,
किसना नगर,
तपोबन रोड,
पंचवटी,
नासिक।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोड़ों भी आक्षेप :---

- (ब) इस भूचना के ट्रायपत्र में प्रकाशन की तारीय सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पवाँ का, जो उत्तर विधिनियम, के बध्याय 20-क में परि भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याव में दिया गया है।

मन्सूची

(जैसा की रिजस्ट्रीकृत फ़॰सं॰ 37-ईई/266/नासिक/ 84-85, जुलाई 84 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में लिखा गया है)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

सारीख: 11-3-1985

मोहुद्ध 🕹

इक्स बाइ ें डी बु एन् बु ऐंड वु अन्तर

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थाना

शारत् सरकार

कार्यालय, तहायक कायकर बायुक्त (निरक्षिक) म्रर्जन रेंज, पूना पूना दिनोक 8 भार्च 1985

निवेश सं० 37ई०ई०-5886/पूना/84-85--मतः मुझे, म्रनिल कुमार

सायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास जिस्ते अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उथित बाजार मृस्य** 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लैण नं० 101/444, सिंह कुमापरे-टिव्ह हौिंसन सोसाइटी औंछ पूना 7 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1984।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंदर ातिरुप्त से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (बंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल., निम्नलिखिल उद्दोरय से उक्त अंतरण सिक्ति में **पास्तनिक** 'रूप से कथ्ति नहीं किया गया **ह**ै:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत् विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐनी किसी जाय या किसी धन या जन्य असरितयों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; -

कत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग्व के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अवीत् ः---

1. श्री दौलत लीलाराम छाबरिया, ए-26/6, नवजीवन सोसाइटी, एम जी रोड, चेंब्र, बम्बई।

(मन्तरक)

2. श्री दलाजित लीलाराम मरिचंदानी, 348/250. सिंद कुन्नांपरेटिव्ह हौसिंग सोसायटी, भौंछ, पूना -7।

(भ्रन्सरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रिया सुरू करता हु ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क०सं० 37-ईई/5686/84-85 जलाई 84 को सहायक भायकर भाय्यत (निरीक्षण) मर्जन रें पूना में लिखा गया है।)

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मजन रेंज, पूना

तारीख: 8-3-1985

मोहर 🗈

प्रकार वार्च स्वीत् रूपत् प्रवात ----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के बभीन स्पृना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 37-ईई/5263/पीएन/84-85--- मतः मुझे, भनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लॉट नं० 6, पहली मंजिल "पुष्पा मंगल" 1631/ए, सदाशिय पेठ, पुणे-30 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जलाई 1984

का पूर्वों कत संपत्ति के उपित वाबार मून्य से क्रम के अध्यान श्रीतफल के लिए बंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उपित वाबार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) जोर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गवा शृतिफल, निम्नसिवित उद्देशनों से उक्त अन्तरण कि निए तम पाया गवा शृतिफल, निम्नसिवित उद्देशनों से उक्त अन्तरण कि

- (क) बलाइन वं हुई फिली बान की बलाइ, क्ष्मक ब्रिशिन्य के ब्यीन कर वंचे के बलाइक के ब्रिटिंग को कती करने वा क्ष्मचे न्याने को ब्रिट्श के रिहर; ब्रिट्श
- (थ) एसी किसी नाव वा किसी वन या अभ्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनवय, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती व्वारं प्रकट नहीं किया वया वा वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा हो किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिति कित व्यक्तियमों, सुभाव कि

(1) श्री बैजयंती विजय जोगलेकर, 1631/ सदाशिय पेठ श्रौर श्री सदासिब केशव जोगलेकर, 1210/सी, शिवाजी नगर, पूर्ना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन विष्णु जोशी, 3/3 शैक्षेंद्र हौसिंग सोसाइटी, सोनापती बापट मार्ग, पूना-16।

(ग्रन्तरिती)

को वह ब्या बारी करके पूर्वोक्त स्थाति के वर्षन् के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

इस्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏣

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश शं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुप किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरि के पास दिवित में किए वा सकेंने।

धनुसूची

(जैसा की रिजिस्ट्रीकृत ऋ०सं० 37-ईई/5263/पूना/84-85 जुलाई, 84, को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) मर्जंब रेंज पूना में लिखा गया है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तरीख: 8-3-1975

मोहर 🖫

प्रकृत बादी, टी, एवं, इव., ****

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक **वायकर वायकत (निरोधण)** अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 37ईई/5386/84-85--- श्रतः **मुझे** अनिल कुमार

आग्रकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- उपप्रें अधिक हैं

श्रीर जिनको भ० 8 है तथा जो पूना में स्थित है श्रीर इसन उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित रिनिष्ट्रीशनों अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयु निरीक्षण अर्जन रेज मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1984

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल के, एक रूपमान प्रतिफल का पस्ट्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) को बीच एक बन्तरूज के बिए सब पामा प्रतिफल निम्निचित उप्रदेश के उच्छ बन्तरूज निविद्य में अस्तर्भ का मुक्तिक के किस का प्रतिफल का प्रतिक का प्रत

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, अक्त बीधीनमूत्र के बधीन कर बोने के बन्तरक के वादित्य में कमी करने या उनसे अपने में सुविधा के सिए, गौर/शा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धार पर्या जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इ. अधीन.. निम्निलिस्त व्यक्तियों. अर्थातः :—— (1) फुम ६
 श्री तिसीत जसवंत शाह,
 जै० 12, गीता सोसायटी,
 पूना 1

(अन्तरक)

(2) कुमारी कमलेश सुंदर खेमलानी भौर सुंदर तरितदास खेमलानी 793/11, अगरवाल कालनी, पूना -2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करना हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है '45 दिन की अविश्विया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य क्यक्ति क्वाय अभाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

मनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/9230/84-85 जुलाई 1984 को सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज पुने में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दनांक :- 8-3-1985

मोद्वर :

प्रकृप बाहा, सी. एव. एक. ------

स्थायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुपना

HIS O BROKE

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्स (निर्क्रिक्)

अर्जम रेंजन पूना पूना, दितांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई/5385/84-85--अत: मुझे अनिल हमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन संक्षम प्राध्यिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित् वाकार 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जगह संगमवाडी सर्व नं० 21/5 ए/1 संगम वाडी है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से विणित है) में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सामीलय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनीक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूं में यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, मिम्निजितित उद्वेष्य से उस्त बन्तर्य किता का कि साम का कि का स्वास का कि का का साम का प्रतिकार स्वास का का का स्वास का साम का

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्दरक के सामित्य में कमी कर्द ना उच्चे दच्चे वे स्थिता से निए; ब्योड/ना
- (च) ऐसी किसी आप या किसी भन या कन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा चाहिये था, जिनाने जे स्थिभा के बिहा;

बत: जब, बक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण बो, बो, बक्त अधिनियम की बाएं 269-ग की उपभाग्र (1) को अधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, अधीत ह—— (1) श्री मैसर्स एम॰ पी॰ जें॰ विरुद्ध सूख सागर, एस॰ पाटकर मार्ग चौपाटी, बम्बई ~7

(अन्तरक)

(2) मैसर्स व्ही गणेश और कंपनी एरडवण पूना -4

(अन्सरिती)

को यह शुक्रवा चारी क्रुके पूर्वोक्त सम्महित् के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त राज्यति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विष की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वां का जो उक्त विभागियम, के बच्चाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

धनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37--१६/5385/ 85-85 जुलाई 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज पृपा में लिखा गया है।

> अभिल कुमा'र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिशांक : 18 -3-1985

मोहर:

प्रथम जाहाँ । हों। प्रमृत पुष्र क्षा कार्य कार्य

बावकार बेपिनियम : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वता

MIST SERVE

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (हैंनर्यक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पूता, विपांक 8 मार्च 1985

मिर्देश सं० 37ईई/ग्रो० टी० 979/84-85/को**० घो०**पी अतः मुझे, अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये ते साधिक सी

धौर जिसकी सं० सबक्स अवार्टमेंट अनिरसिप प्लाट नं० जी-14, सर्वे नं० 221 ए, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर 710 वर्गफीट है तथा जो कोल्हापूर में स्थित है (श्रीद इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है में रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एवयमान प्रतिफल से, एसे एवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखितं में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से धुर्व किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए नोड/ना
- /ल) त[े]सी किसी आय या लिसी भन या कार्य नारितयों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ले प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना पाहिए था, खिपाने में सविशः के सिए।

इस उन, इक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण ्रमें, जम्न अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों अर्थात् :---

5-76 GI/85

(1) श्री बानुभाई इन्नाहिम भौरी, 221 ए, काराबाई पार्क, कोल्हापर

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश बाबुराव महाजन 260/7 ई ताराबाई पार्क, कोल्हापूर ,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाह्मेप ू---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्पनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, असे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त स्यापित्यों भे से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर अक्स स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिसिम में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा नवा है।

वन्स् प्र

सब बक्स आपार्टमेंष्टस, ग्रोनरसिप फ्लैप्ट नं० जी 14, सर्वे नं० 221 ए तारावाई पार्क, कोल्हापूर, (710 वर्ग फीट)

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/मो० टी०/979 84-85 नवम्बर को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में लिखा गर्य है।

> अनिल कुमार सक्सम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

विनांक : 18-3-1985

मोहर :

प्रकम नाइ. टी. एन., एस. ---------

बाय्याः विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से सभीत सुम्ता

विद्या क्षांक्ष्

कार्याबद्धः क्हायक मायकर नावृत्तं (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० 37 ईई/84-85/85-85-अतः मुझे अनिल कुमार

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उन्त निभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के जभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाज्यर मूर्ट्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंष्ट न० 13, जीवन प्रेम बिल्डिंग, प्लाट नं० 340/1-2 341/3 बी, श्री० पी० न० 430, एफ० पी० 346 पंच खंडिया , पेप रोड यामा, है तथा जो याना से विजत है में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांलय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जम रेज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कन के दनवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त डम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमाम प्रतिकत्त से होने स्थमान प्रतिफल का इन्द्रह प्रतिकत ने अधिक है और नन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच होने जन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकत, निम्मितियां स्थुदोस के उक्त अन्तरण भिसत में बाल्डीनक रूप से कीचत नहीं किया गया है:——

- (ंक) ब्रुन्तरण वे शृह्य विश्वी बाव की वाबत, उक्त वीवनियम के व्यीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कर्ती करने वा उन्नचे क्वने में जुनिभा के लिए; वीट्/वा
- (क) एसी किसी भाग मा किसी भंग मा अन्य आस्तियों आहे, विन्हें भारतीय आयकतु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्वा था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के किए?

वरः वर, उक्त विभिन्निय की भारा 269-व की अनुसर्ग को, यो, उक्त विभिन्निय की भारा 269-व की उपभारा (1) की व्योग, निस्तिवित व्यक्तियों, व्यक्ति प्र⊸न (1) मैसर्स जीतव फिडर्स, कमरा गं० 11, पहला मझिल, सोलंकि सदन, शिवाजी पेल थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमन सुखष्टअकर आपकुं प्रफुल्ला, ब्लाक न० 2, सुयोग ज्योसी बिल्डिंग घेटा गली बादा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां गुरू करका हुं।

डक्द सम्मरित के वर्षन् के सम्मन्य में कोई भी नाक्रीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों ६६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भो हैं! अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीत दुर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे

स्पाबहिकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुस्ची

प्लाट नं० 13 जीवन प्रेम बिस्डग फ्लाट नं० 340 1-2 341 $\sqrt{3}$ बी, श्रो०पी० मस्बर 430, एफ० पी० 346 पंचपखडिया, पैप लेन रोड थाना

जैसाकि रिजस्ट्रेशनकृत 37ईई/8489 84-85 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज मे लिखा गया है ।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना,

विनोक : 8-3-1985

मोहर 😃

क्ष्म बाइं.टी एनः एक प्रान्तानानान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-श (१) औं स्थीन त्युता

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर वायुक्त ([नरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 8 मार्च 1985

निवेश स॰ 37 ईई/9723/84-85--श्रतः मुझे, भ्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी फ्लैट नं० 206 दूसरी मंझिल, घर न० 2416 (पूर्व) इस्ट स्ट्रीट पूना-1 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित पिजस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के प्रधीन विनाक जनवरी 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्द भूभे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्य-मान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित उत्ववस्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है हि—

- (क) मृत्युर्ज वे हुई कियी नाय की बाबत, उक्छ अभिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्यिधा वे सिष्टु; शोद्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27). को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को सिए;

अतः। अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्मीसिश्वत अधिनस्थाँ अर्थात् ध--- (1) मैसर्स मकवाना ब्रदर्स घौर कंपनी 441, सोमबार पेठ पूना

(मन्तरक)

(2) मैसर्स रायल बिस्टीलरी पोस्ट वाक्स, 29 कचिंगम दमन

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त राम्परित के वर्षन के राम्बन्ध में कोई भी बार्सप ह—-

- (कं) इस सूजना के राजपण भें प्रकाशन की कारील से 45 विन करी समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् सूजना की सामीस से 30 दिन की जनिथ, जो औं अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितंबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, थे। उक्त जिंदिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा दश है।

वन्त्र्यी

फ्लंट नं० 206 दूसरी मंझिल, **घर नं० 24**16, **इ**स्ट स्ट्रीट, पूना-1

(जैसा की रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/9723/84-85 जनवरी 1985 की सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में लिखा गया है।)

म्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूजा

दिनांक : 8-3-1985

मोहर :

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-------

नायकर निभिन्यमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन प्यना

ज्ञारत् सङ्कार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० 37 ईई/8070 /84-85/पूना 1120 84-85-धतः मुझे, धनिल कुमार,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पित, विसका उचित वाजार मुन्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 20 सर्वे नं० 129 पलाट नं० की-2 भायि जियल कालोनो, पूना~29 है तथा जो पूना में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप स वर्णित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक भायकर भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन 'रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984

भागे पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीतफस के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित है बाजार श्रीत्य, उसके दश्यमान प्रीतफास सी, एसे दश्यमान प्रतिफास का पद्मह प्रतिकत-से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निचित उद्देश्य से उन्त कन्तरण निचित में वास्तिनक प्रश् से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) क्लरण से हुई किसी बाद की बावत उपल लीध-टिन्दम के अधीन कह दीने के बलरक के दावित्य में कमी कहने या उसके क्याने में सुविधा के जिये; बीहर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा की सिए;

जिला क्य, उपत विधिनियम, की भारा 269-व वे वन्तर्य भों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात हिल्ल

(1) श्री सुनिल भार० खरबंदिकर, मालक सुचिता कन्स्ट्रक्शन प्लाट नं० 3 मृतन्जया, कालोनी, पूना -28

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मिनल बिष्णू खडके 211/4, नवकेपेठ, पूना-30

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संस्परिए के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा मुकेंगे।

स्पष्करणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया विस्त हैंगी.

. अभूसूची

प्लाट ने० 20 सर्वे ने० 129 प्लाट ने० बी-2, श्रायडियल कालोनी, पूना-29

(जैसा कि रजिस्ट्रीक्टल क० 8070/84-85/पूना दिसम्बर 1984 को सहायक ग्रायकक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज में लिखा गया है ।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज पूना,

दिनोक : 8-3-1985

मोहर 🤢

प्रकृष बाह्न हो पूर्व पुत्र भारतकारण

नावकत निर्मित्वम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन स्मान

शाउन सहसार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्धीक्षण),

श्चर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश स॰ 37 /ईई-08066/84-85/1191/84-85 --- ग्रत. मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृन्व 1,00,000/- रा से अधिक है

भ्रोर जिसकी स० प्लाट न० 20 सर्वे न० 129 प्लाट न० भ्रायिष्ठयल कालोनी पूना -29 है तथा जो पूना मे स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनभूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिशारा के नार्यालय महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज मे रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक दिसम्बर 1984

को पूर्वों कर सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान् श्रीतफान के लिए बन्तरित को गुई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशास से अधिक हैं और अन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा कल श्रीतफान, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण कि जिल्ला के वास्तविक रूप से अधिन नहीं किया ग्या है

- (क)) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियन से स्थीन कर बेने से सम्बद्धक सें द्यायत्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा से सिए: शक्ति/वा
- (व) होती किसी नाय या किसी भून या वन्त्र आस्तिकों का, विन्हें भारतीय आयका किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कम्सीरिती इनार प्रकट नहीं किया है। या किया जाना चाहिए का कियाने में सुविधा किए,

उसत निर्मित्रक की धारा 269-व के क्यूबर्फ निर्मित्रक की धारा 269-न की स्पनारा (1) लीकत व्यक्तिकों, सर्वाद क्ष्मन (1) सुनील आर० खरवदिकर मालक सूचिवा कन्स्ट्रक्टशन प्लाट न० 3, पूना-29

(घन्तरक)

(2) श्री सुधीर दन्त्राय **हसमनिस** 497/2, सदाशिव पेठ पूना-30

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना कारी करके पृशांकत संप्रितः के वर्षन के निह कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्ति के वर्षन के संबंध में कार्य भी बाक्षेप दे---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि तार में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाग्र;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में कियु जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्व क्षोगा, जो उस अध्याय में दिया यका हैं।

मन्त्रच

प्लाट न० 20 सर्वे न० 129, प्लाट न० 36 धायडियल कालोनी पूना-30

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/8066/83-85 दिसम्बर 1984 गो सहायक धायकर ध्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रैंज मे लखा गिया है।)

श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, पूना

विनाक : 8-3-1985 **भोहर ध** प्ररूप मार्च.टी.एन.एस. -----

नावकतः विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीत सुमता

BIEG STEELS

कार्यासय, सहायक बायक र वायुक्त (निरक्षिण)

म्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/6307/84-85---म्रतः मुझे, म्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कामके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापृत्तिक संपत्ति का उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

श्रीर जिसकी संब्प्लाट नंव 5 प्लाट नंव 50 सर्वे नंव 88/4 138-161 कोथरम्ड पूना है तथा जो पूर्ण में स्थित है. (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल से पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्यारण से हुई जिल्हीं आव की बाबक, बक्का बांधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को सामित्य में कामी करने या उदसे मज़ने में सुविवा के लिए; मीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा १९०७ ऑधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की खिदा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीक. निम्निजिक्त अधिकतमाँ, अधीत ह—- (1) मैसर्स युगमा प्रमोटर्स ग्रीर बिल्डर्स 339 महातमा फुले पेठ पूना -2

(घन्तरक)

(2) श्री विजय द० हिगणेकर और श्रीमती मंदाकिनी व्ही गिणेकर, 1883 सदाशिष पेठ पूना -30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करुता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपन में प्रकाशन की ताड़ीब सै 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निचित में किए था सुर्देगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा भवा है।

नन्स्ची

पर्लंट नं० 4 प्लाट नं० 50 सर्वे नं० 88/4 -- 138 161 कोथस्ड पूमा

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 38 ईई/6307 84-8 -सितम्बर 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रजन रेंज में किया गया है

महामक भागकर आ

दिनांक : 4-3-1985

मोहर :

प्रकथ बाह्य ती एन एस -----

आयंकर विभिन्नियम, 1961 (1961, का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनोक 29 मार्च 1985

नि**र्देश** सं० 37**ईई**/6482/84-85--अतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

म्रीर जसकी सं० पलैट नं० 16 सर्वे नं० 681/हिस्सा नं० 9+10 सब प्लाट नं० 1 बबवेवाडो, बिल्डिंग पूना -37 है तथा जो पूना में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन क्रिर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) के० के० संगवी और अन्य
मैसर्स कामघेनू बिल्डर्स सर्वे नं० 681/ हिस्सा
नं० 9+10 सब प्लाट नं० 1
बिबवेत्राडी, पूना -37

(अन्सरक)

(2) मुक्ता ग्यात्रीयल गोनसालवस, 315, 33 तलमकीवाडी, तारदेव रोड़, बम्बई -7

(अन्तिरती)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/6482/84-85 सितम्बर 1984 को महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ञनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज पूना

दिनोक : 29-3-1985

मोहर:

प्ररूप्र **मार्च**् टी्र्यु एतः, एस् , = = - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना पूना, दिनांक 30 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई 9316/84-85--- भू हो अनिल कुमार

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज सर्वे नं 8 प्लाट नंज 15 श्रीर 16 वसई (डब्ल्यू) जिला थाना है तथा जो थाना में स्थिल है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन देनांज अक्टूबर 1984 का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अरि अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरम से हुई किसी बाय की वायत, उचक अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे त्यने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकेट नहीं किया एवा था या किया काना अधिए के कि ने ने माना सी निए)

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन, निकालि कि व्यक्तियों, अर्थात् ≝—

(1) मैसर्स सिटीयन विल्डर्स बी/1/9 तदः मजला, खेरा नगर, एस० व्ही रोड़, णांताश्रृष्ठ (डब्स्यू) बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) मधुसूदन शातारन कदम
 116/88, नूर मंझल,
 टी० बी० कदम मार्ग,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया अरहा हो:

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीष् वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए जा मकोंगे।

न्यव्होकरण: इसम प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया स्या है।

जन्त्यी 🛫

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37 ईई/9316/94-85 अक्टूबर 1984 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिस कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अ**र्जन रेंज पूना**

दिनां कः 30-3-1985

मोहर,ध

प्रकृषार्वं .टी .एथ् .एव ...-----

नायकर निधिनियम, 1981 (1961 का 43) का भाष 269-व (1) के नवीन सूचना

पास्थ पर्चार

कार्यां सर, सहायक जायकर जायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 30 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई/9030/84-85--अत: मुझे अनिल कुमार

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाबार ब्रुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

थ्रांर जाको सं विल्डिंग "नतीत चेंम्बर्स " के नाम से पहचाना जाता है आखिरी प्लाट मं० 1730 ठी० पी० स्कीम संगमवाडी सटी नर्वे नं० 19, भंडारकर रोड़ पूना है तथा जो पूना में स्थत है (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौरे पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर अध्युक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज में. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984

का प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर क दर्गनान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उल्लेशम प्रतिकल है, एसे व्यथमन प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितिवों) के बीच होते वलायन के खिए तब वावा नमा प्रतिकल का निम्मतिविधित उन्वेंक्य से उक्त अस्तरण निम्मतिविधित उन्वेंक्य से उक्त अस्तरण निम्मतिविधत उन्वेंक्य स्थान विधान से उन्वेंक्य से उक्त स्थान से उन्वेंक्य से उक्त स्थान स्थान से उन्वेंक्य से उक्त से अस्तरण निम्मतिविधत से अस्तरण स्थान स्थान से उन्वेंक्य से उक्त से अस्तरण निम्मतिविधत से अस्तरण स्थान से अस्तरण निम्मतिविधित से अस्तरण स्थान स्यान स्थान स

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बावक, उक्त अधिनियम की अभीन कर दोने के बन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; और/सा
- (भ) एंसी किसी भाग या किसी धन वा बन्य वास्तियों को, भिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-का बहैचीन्यस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ बन्दिकी क्लारा प्रकट नहीं किया नया या विस्ता जाना करिक्स या, क्रियाने में सुविधा के सिक्त

वतः वयः, अवत विभिन्नमं की भारा 269-ग से अनुसारण मों, मीं, अवत विभिन्नमं की धारा 269-व की उपधारा (1) दे क्षणीय जिल्हानि**वित व्यक्तियों वर्षाय् क्षान्** 6—76 GI/85

- (1) मैसर्स ट्राइस्टार् बिरुडर्स 21 प्रास्पेक्ट, चैम्बरस, अन्यवन्स पिता स्ट्रीट बम्बई । (अन्तरक)
- (2) श्री दाता सिस्टम सर्विसं 15 हाटेल अमीर बिल्डिंग, कनाट रोड़ पूना ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके प्वॉन्त सम्मृत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

अवस सम्मृतित के वर्षात के सम्बन्ध में कोई मी भारते।

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिण की वनिषया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुशारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की बारीज ते 45 दिन के भाव र उक्त स्थानर सम्पर्कत में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पात सिजित में किए या बकोंगे।

राक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्यों कीर पर्यों का, को संबद् क्षिपियम, के क्ष्याय 20-क में दरिशादित हैं, वहीं मर्थ होगा को उस मध्याय में दिवा गवा है।

धनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि॰ 37 ईई/9030/84-85 दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

दनांक : 30-3-1985

स्रोद्धर 😲

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (।) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दनांक 30 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई/8946/84-85--अत: मुझे अनिल ेकुमार

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें **इसके परचात् 'उत्रत** अधिनियम' कहा गया है), की नाग 269-ख के अधीन सक्षम प्रत्यिक्षणी को, प्रत्ये किस्तार र 🗇 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जसकी सं० फ्लैंट नं० 17, नं० सैक्टर नं १ डी० बी० सी० सिड हा वसई निव बन्बई है तथा जो वस्वई में स्थित है (ग्रीर इसल उपाबद्ध त्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज मे रिजर्स्ट्रा-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त तम्मित्त के उचित कामान मूल्य में कम के क्रयमान बतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति को उचित कारा मुल्य, उसके एरयमान प्रतिफल ये एकि अयभाव प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) सौर प्रस्तिरिया (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तम पाया मभी प्रतिफल, निम्नलि**बि**त उपुढोस्य में उक्त अन्यरम जिक्कित वीं याम्सिन्ड रूप में किशत नहीं किया गण है '---

- (क) करतरण से शुर्व किसी जान की बावस, संबद विधानकम के विधीन कर इन्हें अल्लास्क वं **थायित्य में कमी करने** या उनमें अवने में स्रोधिका के सिए; वरि/या
- (क) ऐसे किसी श्राय मा जिसी धन या उत्तय अधिसायो की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन र अभिनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहा िक्या गया था जा किया जाना चाहिए था क्रियाने में यविधा के लिए,

बत: अब, उक्त अभिनियम को भारा 269-ग के अनुसर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

प्रकृप बाइ .टी.एम.एस. - - -- (1) मैंसर्स जिबर्टी इनव्हेसमेंट्स प्रा० लि. 302, डालमाल हाउस नरीमन पाइंट बम्बई-- 2 1

(अन्तरक)

(2) डा० वामन रामकृष्णापाटील ई 7/4 :2 सैक्टर-1 वसई, नव बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हु ।

उनता सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बार्कप फन्न

- (क) इस स्वर । को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी ध्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्य) इस सम्बनाको राजपत्र में प्रकाशन का तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भीन में हितबब्ध किसी जन्म स्विति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, को उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भावित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गमा डैं ३

ग्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रोकृत क० 37 ईई/8946/84-85 अक्टूबर 1984 को महाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के ध्यत्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिखारी सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 30-3-1985

मोहर :

(अन्तरक)

प्रकृष आहे. टी एन एस. . . .-- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायगर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना पूना, दिनांक 30 म्नार्च 1985

निवेश स० 37 **ई**ई/8381/84-85--अत मुझे अनिल कुमार

शायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राणिकारों को यह विश्वास करन न कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, किस्ता किस क्षण मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सर्वण्लाट न० 507 प्लाट न० 53 संबटर 17 जिला व्यापारी केंद्र वसई नया बम्बई है तथा जो वसई थाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में राजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर 1984

की पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सपरित का उचिन बाका मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में ब्रास्तिक हुए हु हिंधा नहीं किया गर ही ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करनेया उससे अधने में सुविधा के सिए; और/वा
- (म) एसी फिना आय या किसी धन या अन्य मास्तिया को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रमेण गगाधर णितून मुख्य प्रमाटर को० आपरे(टब हाउसिंग सोसायटी लि(मटेड 51/1194 कन्नमबार नगर बम्बई ।
- (2) श्री सोमन पिल्लय कुटन पिल्लय स्काय लाघ ट्रेब्हेंल एजन्सी पोस्ट बाख्स न० 5225 मनाया स्टेट घहरिन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कायनाहिया अदरत हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अर्था भा तत्स बूधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्त स्थादर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टशिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया ग्या है।

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/8381/84-85 सितम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनील कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक **धा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनाक 30-3-1985

मोहर:

प्ररूप भाइं.दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक, 30 मार्च 1985

निदेश सं० 37ईई/11349/84-85-अतः मुझे अनिल कुमार

कायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसमें इसमें पर्यात् 'उस्त अभिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 14 कृष्नामाई बिल्डिंग, दयाल रोड डोम्बीवली है तथा जो डोम्बीवली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाद्यक्ष अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्दीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपचित बाबार मुख्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके धरमान प्रतिफल **४**स्यज्ञान प्रतिकल के पल्**ड** प्रतिकट से अधिक भीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नीसीबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कनी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गंवा धा या किया जाना चाहिए था, जिनाने में तुविधा के लिए;

वत: सब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के विधिन निम्नितिस्त व्यक्तियों, अवृत्तिः :--- (1) मैंसर्स कासवनकर एण्ड असोसिएट्स 3--ए, बीजाल नवधर रोड मुलंद बम्बई ।

(अन्तरक)

(1) प्रशांत नगीनदास कोठारी रमेनन बिला दिनदयाल रोड़ दोम्बीवली जिला थाना

(भन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीवत तस्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थाक किरण: --- इस में प्रमुक्त शब्दों जौर पर्दों का, जो उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिका गवा है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/11349/84-85 दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; पूना

दिनांक: 30-3-1985

नोहर 🗈

प्रारूप बाह्र .टी. एन. एत. -----

भायकर मीधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

मारत सरकार

कार्यासन, सहायक भागकर नागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना,

पूना दिनांक 30 मार्च 1985

निवेश सं० 37 ईई, 6589, 84-85-अतः मुझे अनिल कुमार

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी से० प्लाट न० 2 पहला मंजिल पाइल अपार्ट-मेंट्म 160 एम० जी० रोड पूना है सथा जो पूना में स्थित है (श्रोर इससे उपाधध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज मे रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक स्तिम्बर 1985

कों पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमन प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने मा उससे अथने में सृत्रिभा के बिए; जांद्र/बा
- क) एसी किसी नाम या किसी भूत या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के सिए,

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण कें, कें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्निनिधित व्यक्तिसों, जर्थातु:— (1) में सर्स व्हीनस कारपोरेशन विरेण्यर चेंम्बर्स दूसरी मंजिल 19/21 गोगा स्ट्रीट, फोर्ट बम्बर्ड

(भ्रन्तरिती)

(2) मरैससं कामसं इजीनियसं प्रा० लि० क्षेलम अपार्टमेंट 61/बी-11 इन्कम टैक्स आफिस के नजदीक कर्वे रोड़ पूना ।

(अन्तरिती)

को यह स्वनः जारी करके प्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी वाक्षेप '---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में विगए वा संकंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो ज्यक जिभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं जुर्थ होना को उस अभ्याय में विका गवा है।

मगर प्र

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/6589/84-85 सितम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्थन रेंज, पूना

दिनाक : 30-3-1985

मीकुद्र 🖫

प्ररूप बाइ⁴. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज पूना · पूना, दिनांक 30 मार्थ 1985 निर्दोग सं० 37 ईई/9288/84-85--असः मुझे, अनिल कुमार

्रयंकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 198 ए/4 198/ बी 199 पंचपायनी गांव कोलधद रोड़ उसलसर प्रताप सिनेमा नजदीक थाना है तथा जो थाना में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान **अन्त**रित प्रतिफल के सिए की गर्ड €ै विद्धास £, मुभ्ये यह करने क्र कारण यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके छायमान प्रति-कल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया सन वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाक ;---

(1) मेसर्स समीर बिल्डर्स जानकी भवन रोड़ नं० 16 किसान नगर नं० 3 बागले स्ट्रीट थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री राभनाथ जी मोट्टी माप नं० 1602 नं० 9 मास्त्री नगर पहला पोखरन रोड़ थाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस भ 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गवा है।

समय ची

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत कर्े 37 ईई, 9288, 84-85 अन्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्ष ण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज़, पूना

दिनांक : 30-3-1985

मोहर :

प्रकल बाह्न^{*}. टी. एवं. एकं. ••••••

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

· **ध**र्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 30 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई/8680/84→8'5—→म्रन: मुझे, अनिल कुमार,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके प्रथास 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव प्राप्ट नंव 105, प्लाप्ट नंव 17, मैक्टर 17, डीव बीव सीव

बी० सी० वाई निय बम्बई है तथा जो बम्बई सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), जिस्ट्रीकर्ता अधि गरी के नार्यालय अगुयक भायार आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिनस्ट्रीनरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्रममान प्रतिकृत को सिए अन्तरित की गर्हे हुँ और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मर्थाप्वॉक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफक्ष से एंसे दश्यमान प्रतिफक्ष के पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण नेप्रोक्षत में बास्तिक रूप से स्विथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने यें स्विधा की लिए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी या किसी थन या अन्य असित्यों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिष्ठी द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए था, ध्रिपाने में सुविधा को जिए;

अत: डव, उक्त निधिनियम की धार्य 269-ग को अनुसरण को, औं, उक्त अधिनियम की धारा २69-ग को उल्साल (1) के अधीन, निध्नीलिशन व्यक्तियों अधीत:—

(1) निबर्धी इनव्हेस्टमेंटस प्रा० लि०302, डालमान हौस, 206, नरमन पाइंट, बम्बई ।

(अन्तरक्)

(2) श्री मी० आर० व्यं स्टेम्बरन नं 1 शाती निवास, देवदर रोड, मातूंगा अम्बई-19

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी कारके पूर्वोक्तः सम्परित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मूं प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अनिध या तत्मम्बन्धी ब्लिक्तयों पत्र सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये या सकी।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा., जो उस अध्याय में विया एका हैं।

अमस् की

जैगा की रजिस्ट्रीउत क० 37 **ईई**/8680/84-85 गितम्बर 1984 को गहाय ह आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, पूना के दफ्बर सें लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महार्यक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनार : 30-3-1985

मोप्टर :

प्ररूप कार्द. टी. एन. एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां . 29 मार्च 1985

निर्देश मं० 37 ईई/6598/84--85---अत: मुझे अनिल

अध्यकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रापये में अधिक हैं।

और जिपकी सं० प्याट नं० 101 तह मंजला, औध गांव, पूना िन्दी फ्लाट नं० 15, सर्वे नं० 163 हिल्पा नं० 1⊣-2ए+2 वी पूना म्युनसिपालटी के हद सें स्थित है तथा एजो पूना सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधि गरी के नार्यालयः सहायतः आयाः र आयुक्तः (निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, दिनाक सितम्बर 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एोपे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त बिंध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दानित्न में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एोसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, वर्धात :----

(1) श्रीमती लीता माधव पेंडसे औं अन्य ुष्णा कुर्दर्भ 1213, सदाभित्र पेट पुरा 30

(अन्तरक)

(2) सिनपा संसीम केनशर और अन्य 1 2ए, मंगेश को कोआपरेष्टिव हाउसिंग सोनायटी औध पूना ⊶7

्(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबय्ध किसी जन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कं० 37 ईई/6598/84-85 मितम्बर 1984 को सहायह आयक्त (निरीक्षण) अर्जन पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

बिनांक : 29-3-1985 मोहर ६

प्रस्य बाइ ्टी. एन . एस् . ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, पुना

पुना, दिनांकः 29 मार्च 1985

·निदेश मं० 37ईई/9859/84-85--भनः मुझे श्रनिल

भायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे न० 91/2 कृष्ण कालांनी खोररू माइसिल हवेली जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इनसे उपाबढ़ श्रनुसूनी में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्री तो प्रधिकारी के कार्यालय नहायक प्रायक्तर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी 1985 कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इक्समान की गर्द प्रतिफर्ल के लिए अंतरित मुभ्रे यह विश्वास करने का कारण

- कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दरयभान प्रतिफल से एसे दरयभान प्रतिफल का पन्नस प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तस्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया यस प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरणे निकित वे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-पियम् के अधीर कर दोने के मन्तरक के दामिला में रुभी करने वा उचने बचने में सुविधा के जिस्; मॉर/वा
 - (क) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मिपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रयष्ट नहीं किया नया था वाकिया भाना पाहिए था, स्थिपने में सुविधा को लिए:

अतः जब, उत्रत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर निम्मलिकित व्यक्तियाँ, वर्धात् ६---=76 GI/84

- (1) मेमर्स वही बी० पारस्तीम एण्ड **भ**मोसियटम 1112, सदाशिव पेठ पुना - 30 (भ्रन्तरक)
- (2) जै० जै० खटोले 1170/31/6 रेक्ट्रन्य कालानी पूना-5 (भन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध कार्यवाहियां करका हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वाक्स म्यन्तियों में से किसी म्यन्ति हुवारा;
- "(च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर नंगरित में द्वित-बद्भ किसी अन्य स्पक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किथित में किए जा सक[्]यं।

स्वकाकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया नवा है।

अनुसूर्या

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत के० 37 **ईई/9859/84-85** जनबरी 1985 को महायव ब्रायकर ब्रायक्त ब्रजीन रेंक पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिय कुमार सक्षम प्राधितारी सहायक आयापर श्रायुक्त (निरीक्षात्र) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29--3--1985

माहर 👙

प्रकृप बाह्र . टी . एवं . एसं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (भिरक्षिण)

श्रर्जन रेंच, पूना

पुः, दिनाकः 30 मार्च 1925

निदेप स० 37 ईई/($4 \cdot 0/84 - 85 - श्रंस मझे,$ श्रिनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० ध्रपार्टमेट न० एम-11 पहला मजिल हाउन नं० 151 पास्ता पेट पूना है तथा तो पूना में स्थित है (और इससे उपाध्व ध्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के सार्यालय सहायक धायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक सितम्बर 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गहर मभ्रे यह विश्वास करने कारण है का यथापर्वोक्त सम्पत्ति का लिखन बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उवद्रोदेय से उक्त अंतरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) बल्करम के हुई किसी आग की बाबत, त्रमण अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद/बा
- (च) एसी किसी नाय वा किसी वन या वस्य जास्तवाँ को, विनहुँ भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

वतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-गाके अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एम०के० केलकर और श्रन्य 151 रास्तापेटपुना ।

(भ्रन्तरक)

(2) म्रादिराम सुधाराम स्रग्रवाल 573 नानापेठ पूना-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्सि के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु"।

त कत संवर्षित के वर्षन को संबंध में कोई भी बाखेद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं सैं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना क़ी तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का स्करि।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जैसा की रजिस्ट्रीइत कि 37 ईई/6460/84-85 सितम्बर 1985 की सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायक स्रिक्षण अर्जनरेंज पूजा के दफ्तर में लिया गया है।

> न्नतित कुमार सक्षम प्राक्षिणारी सहायक स्नावण स्नायुक्त (निरीसपा) स्नर्जन रेंज, पूना

दिनाव: : 29-3-1985

महिन:

त्रक्ष्य बार्ड, टी. एन्. एस्.-----

जायकर जीधीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-चं (1) के अभीन चूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर वाय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 29 मार्च 1985

निवेश सं० 37 ईई/9556/84-85---अत: मुझे, अनिल कुमार

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने के कारज है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वासार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

म्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 तल मजला, सुफला अपार्ट-मेंट, बिल्डिंग नं० 4 श्रौर 4 सर्वे नं० 270 घर नं० 1(पी) श्रौर 2(पी) श्रौर सर्वे नं० 278 घर नं० 1(पी) श्रौर सी० टी०एग० नं० 1819(पी) 1820 है तथा जो थाना में, स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मुस्य से कम के क्रवमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गर्वे हैं और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि बनावृत्रोंक्त सम्पत्ति का उण्यत बाबार पूर्व, उदके क्रवमान प्रतिकल से, एसे क्रवमान प्रतिकल का क्लाह प्रतिकात से विभिक्त है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नितिबत उद्योध्य से उक्त बन्तरण निधित में वास्त्रीक्त कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मलाएम वं दुर्द किसी बाय की नामप्, अवस मृत्रियमं में मधीन कड़ देने के मलाएक में कावित्य में कजी कड़में ना उच्छे रज़ने में सृत्या में सिए; मौहा/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भग या किसी जास्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अध्यारती क्यारा प्रकट नहीं किया नया या वा विश्वा वाचा चाहिए था, जिलाने में सुनिया के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीय, निम्निजिबित व्यक्तियों, अधीत् ा— (1) मैसर्स सुफला बिल्डर्स नारायण पेठ फल्याण, जिलाथाना।

(अन्तरक)

(2) डा॰ असुर्मात पी॰ पटेल मुखब जिला थाना ।

(अन्तरिती)

को सह तृषना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

चनक संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की विविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी, व्यक्ति ब्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए वा सकांगे।

स्यक्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वन्त्र्या

जैसा कि रजिस्ट्रीमृत क० 37 ईई/9556/84-85 अक्टूबर 1984 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन, रेंज पूना के देपतर में लिखा गया है।

> आनल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक 1आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-3-1985

महिर 🖁

प्रकृप बाइ .टि. इन . एस . ------

बायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर जाब्बस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 29 मार्च 1985

निवेश सं० 37 ईई/9348/84-85--अत: गुझे अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकलस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. संअधिक हैं

ग्रीप जिसकी मं० निमान का टुकड़ा, सर्वे नं० 209 हिस्सा नं० 4 येखड़ा गाव जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वेक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी जाय की यावत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दामित्व में कमी करने या उससे अचने में सूनिभा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अध, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अधीन, (1) श्रीमती डी॰ एन० धनर्जाभाय ग्रांप अन्य इमराझ, 6 ए माउंट, फ्लीचंट रोड़, बम्बई, ।

(अन्तरक)

(2) राकेण कन्स्ट्रमणन्म 208 रिगन्ट चेंबर्स , नरिमन पाइंट , बम्बई ~21 ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यान्त इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकींगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याव 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

उपस्पत्ती

जैमा कि र्राजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/9348/पूना/84-85 अक्टूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के आफिस में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनां कः 29-3-1985

मोहर

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिलाक 29 मार्च 1985

निवेश सं० 3**7 ईई**/64.67/84-85--अत: **नुझे**, अनिल कुमार

भाषकरे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-- व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार मृल्य 1,00,000/- रत. से **अभिक हैं**

ग्रौर जिसकी सं० अपार्टमेट नं० 5 जयदीप अपार्टमेट 291 नारायण पेठ पूना, है तथा जो पूना में स्थित है , (अपीर इससे उपा**बद्ध अनु**सूची ने ग्रेगैर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन १रेज मे राजिस्ट्रीकरण (अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कन के अध्यमान प्रतिफंच के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारक है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे दश्यमान प्रतिकृत के पन्त्रह् प्रतिकतं से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उदुवस्य से उस्त अन्तरण निवित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से दूर्व किसी नाम की गावता समत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक असे दाबित्स में कभी करने वा उत्तसे वसने में सुविधा में सिए; नौर∕ना
- (क) एरेती किसी वा किसी धव वा अन्य वास्तियों को जिन्ही भारतीय शावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के **प्रकोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया** था वाकिका जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

जन: अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मोहनलाल एम पटेल 291 नारायण पेठ पूना

(अन्तरकः)

(2) कुमारी सुरेखा भगवान दवकर 821/22, बुधवार पेट , पूना -2

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निए कार्यनाहियां, शुरू करता 🚮 🔃

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंत्र :---

- (क) इस स्थाना के ट्रायपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अविधि, को भी जबाँध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 🕏 विन को भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोह्स्ताक्षरी के पाछ निवित में किये वा सकरें।

स्**च्याकरण**:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क**े 37 ईई/6467/84-8**5 सितम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहाग्रक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

दिनांक 29-3-1985

मोहार 🛭

प्ररूप बाइ.टी एन एस -----

प्राप्त अर्थ कि प्रियम, 1961 (1961 का 43) की पाठ 269-भ (1) के स्थीय सुख्या

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्सम)

'अर्जन रेंज पूना पूना, शाक 29 मार्च 1985

पूना, रिशक 29 माच 1985 निर्देश स० 37 र्र $\frac{1}{2}/9287/84$ - 85---अत. मुक्के, अनिल कुमार,

शायकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें प्रश्नात् 'उक्त मधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, शह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बामार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी तर सीर टीर एसर नर 198, ए/4, 198/ बी 199 पनपाखडी गांव कोलाबाद राड, मूतलसर प्रताप सिनेमा के पास थाना है तथा जो थाना से स्थित हैं (स्रार इससे उपावड़ ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप ने बिणत हैं). रिजस्ट्रीहर्ता नेधानरी के रार्थात्य सहायन प्रायक्त नेशक्त निरीक्षण एजन रेज में जनस्तानका अब्दूबर 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम' के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वा कर सम्मान्त का उचित्त बाबार मृत्य, उसके स्वजान प्रतिफल न एमें स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया वृतिफल निम्नृतिविक्त अवविक्त से उक्त कन्छरण कि विश् वे वास्तिक स्प से कांधत नहीं किया नवा है

- (क) अन्तरण सं हाइ किसो आय का बाबत, जनक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बोद/वा
- (व) ऐसी किसी जात में किसी वन या अन्य अहिरतमें को, जिन्हों भारतीय कावकर सीविनयन, 1922 (1922 का 11) का जबता कीविनयम, मा भन-कह अविनियम, 1957 (1957 का 27) के सम्बोधनार्थ अस्तिरती बुवारा अत्रक्ष मही किया गया वा वा किया बाना बाहिए था, कियान में मुनिया की किया

अत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण अं, जं उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) अं अभीन, निभ्नीनिश्चित अभीक्तमां. ज्यात् :-- (1) मैसर्प पमीर बिल्डर्म जानकी भवन रोड, न० 16, किशन नगर नं० 3 , बाग के स्टेट थाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती काथराइन जोसेफ फ्रान्मीम ग्रीर सन्य 10/308 वर्तक नगर पाखरन रोड नंज 1 , थाना

(अन्रिनी)

को बहु सूचका चारी करके पूजाँकत संपर्तिक के जर्चन के सिक् सार्यज्ञाहियां कारता हो।

बक्त बन्परित के क्यन के सब्बन्ध में कोई भी बाजर ह---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की ताबील से 30 दिन की स्वीध, को भी वयीध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदिस व्यक्तिया में सं किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हिंत- बद्ध किसी अन्य धार्कित द्वारा वभोहस्ताक्षरी के यास किस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षांकरण.---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वा का, को जवस विभिनियम् के क्षभ्याय 20-क में परिभाषिक कृष, बहु वर्ष होगा जो उस कथ्याय में विका गया हो।

वर्ष्यी

जैसा कि र्गजस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/9287/84-85 अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दपार में लिखा गया है ।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन ट्रेंज पूना,

दिना क · 29-3-1905

मोहर

प्ररूप बार्ड. टो. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भाइत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना

पूना, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेण सं० 37ईई/9879/84-85---अत मुझे, अनिल कुमार

भायकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है 'कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० ग्रों फेम नं० 5 पहुना मझील, तीसरी लाइन णकर हाउम, 2418 जनरल लिथसप्दा, रोड पूना, है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप भें वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आंधवारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेज मे, र्राजस्ट्रीकरण अधानयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1984

को पृथोंकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से काम के द्रायमान प्रतिक्तन को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टोंकत सम्पत्ति का उपित बाजनर मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल सं, एमें दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है ----

- (क) जनसरक से हुए किया थान की बाबत, उक्त जीधीन्द्रभ से अधीन कर योगे के क्खरक औ वादित्य में कभी करने या उससे उचन में सुविधा से सिए; जीट/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंधारा प्रकट नहीं किया का वाहिए था कियाने में सक्तिश के लिए;

ज्ञतः अव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन (1) मैंसर्स ग्राहर और प्यारमार प्रोप्राईटर्स प्रा० लि० ग्रक्ट अपार्टमेट 2128 व्ही पी० रोड, काम पूरा ।

(अन्तरक)

(2) डा० चारमबद्रा सी० पाटील 1095 सदाणिव पेट पुना -30

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके प्वाचित सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किती अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्शिखत में किए जा सकाने।

स्पक्ष्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह⁴, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

वन्स्ची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कर 37 ईई/9879/84-85 जनवरी 1984 को महायक स्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के स्रोफिस में लिखा गया है।

> अनिल कुमार राक्षम प्राधिकारी महासक आप्रार ।।यक्त (निरीक्षण) अर्जेस्टरेंज, पूना

निनाक 29-3-1985 म**हर** : प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाय 269-म (1) में मधीन सुमना

भारत सरकार

आयाँनय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश मं० 37 ईई/9557/84-85—अत. मृझे अनिल कुमार

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उभित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० 203 गजानन आपर्टमेंट दूसरी मंभील प्लाट नं० 18 निव आम्बाडी रोट, नवधर वसई जिला० याना है तथा जो थाना में स्थित है (भ्रीर इसने उपाबद्ध अनूसूची में म्रौर पूर्ण रूप के विणित है), श्रीतस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में श्रीतम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन दिनाक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यभाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बोधक हैं बार अतरक (अतरकाँ) जार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरूण के निए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उज्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाल्स- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक की अधित्व में कभी करने या अससे अधाने में धृष्कि। के सिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (192. का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कथ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया स्तिभा के सिए;

अतः अध, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलि**वित व्यक्तियों, अ**थित्:--- (1) मैसर्म गणेश बिल्डर्म सिधवा चील रूप नं० 8 कार्टर रोड न० 8 , बोरीयली, बम्बई -66

(अन्तरक) -

(2) नंदलाल शर्मा श्रीर जन्य 203, गंजानन जापटेमेंट दूशरी मझीत नया आम्बादा राइ,प्लाट न० 18 बसई ' जिला थाना

(अन्तरिती)

को कह क्षणमा भारी करके पृत्रासित कमारित के वर्षन के हिए। कार्यनाहियां करता हुं।

जनत बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंपर---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्थित ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध वाच में समाप्त होती हो, के शीत्र पृक्षिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

रुप्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, वा उक्त विधीनयम, के अभाग 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया। भवा ही।

and the

जैसा की र्राजस्ट्रीकृत कम० 37 ईई/9557/84-85 अक्टूबर 1984 को मतायक रायक आयुक्त निरीक्षण र्जित रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज; पूना

दिनाक : 29-3-1985

भाहर:

प्रकम बाइ . टी . एम . एवं . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भाइत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई/5989/84-85---अतः मुझे, अनिल कुमार

नायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की शास्त्र 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० बिल्डिंग न० ई फ्लाट नं० 6 सर्वे नं० 686/2 ए ग्रीर 2 बी बिबवेबाडी पूना, है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसन उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिमाक अगस्त 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिष्ठ नहीं किया गया है .—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की कावत, उपत जिमित्रम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ग्रीयत्थ में कभी जरने या उससे दचने में सर्विधा उत्तिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तियें? की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना नाहिए था. क्रियाने में सुनिधा के सिक:

जतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के धनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व अधीन. निम्निलिकित व्यक्तियों, अधीत ह—8—66 GI/85

 मैसर्स नाटेकर एण्ड परतानी कन्स्ट्रक्शन कपनी 231/2, नानापेठ प्ना

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश गोत्वदराव नायडू श्रौर अन्य महाबकेश्रवर जिला० मातारा

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए. कार्यशाहिया करता हूं।

उन्नव संपत्ति के अर्थन के बंदंध में कोई भी काक्षंच .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की नविभ मा तत्सवधी स्यक्तियाँ पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त प्रक्रियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन की ताराब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन संपन्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्युक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिकेणमें ने जन्माय २०-ई में प्रिमाणित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कु० 37 ईई/5989/84-95 अगस्त 1984 को सहायक आयाहर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के श्रोरिका में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना,

दिनोंक 29-3-1985

मोहर:

कण्ण आहें ही एवं एवं. -----

अध्यक्षार अभिनियम , 1961 (1961 **का 43) की** धारा ?69-**घ** (†) **के अधीन सुचना**

भारत सरकार

•ायन्य, महासक आयकार **आयुवत (निरक्षिण)**

. अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० 37 ईई/6346/84-85---अतः मुझे अनिल अभार

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लाट नं 0 11 सर्वे नं ० 681 हिस्सा न० 9 श्रौर 10 सब ज्लाट नं ० 1 बिबवेवाडी, पूना —37 है तथा जो पूना में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण कण में विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायवा आयकर आयु वन (निरीक्षण) अर्जन रेज में, रजिस्ट्री रूरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांद सिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित वाजार मृत्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वार करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित हाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म, आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में म्विधा है लिए;

अतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-**ग के अन्सरण** व मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीर, निम्निकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) के० के० संगवी श्रीर अन्य के० श्रो० कामधेनू विरुद्धसं सर्वे नं० 681, हिस्सा नं० 9+10/ सब प्लाट नं० बिबवेबाडी पूरा -37

(अन्तरक)

(2) श्रीमृती लीना एस० घाकटेर 176 ई/2 कोकोट बिल्डिंग पर्वती गांव पूना 9

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विशिष्ट को साम को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पना हैं।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/6346/64-85 सितम्बर 1984 को सर्वायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के ग्रोफिस में लिखा गया है।

> अनिल कृमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनाक . 29--3-19**85** मो**हर** : प्रकल नार्षं. टी. एम., एस., ------

नायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 मार्च 1985

निर्देश सं० 37 ईई/6510/84-85---अत: मुझे अभिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14 पहला मंजील, वैशाली अपार्टमेंट्स, 409 नारायण पेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाधड़ अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है, रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984 का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्वामन प्रतिक्त के लिए अंतरित की गई है अर्थ मुक्ते ग्रह विश्वात करन के कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत के बन्दह प्रीपन्ति से विध्वा है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत के निम्निविद्य उद्घेषय से जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत के निम्निविद्य उद्घेषय से जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत के निम्निविद्य उद्घेषय से जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत के निम्निविद्य उद्घेषय से जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत के निम्निविद्य उद्घेषय से जंतरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकृत के निम्निविद्य उद्घेषय से जंतरण कि निम्निविद्य में वास्तिक के पार्य से का सित्र महीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से इंड्र किया जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दुने के अंशरक के दायित्य में कभी करन या उससे अजन में स्थिधा का नए, और/या
- (स) एंबी किसी बाब या किसी भन या बन्च बास्तियी को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1.957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बद, उपत अधिनियम की भारा 269-व के बन्तरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन,निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्णात् :--- (1) मैंसर्स विशाल घिल्डसं एण्ड प्रमोटर्स 459 नरायण पेठ पूना -30

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल दत्तात्रय परगावकर 17 मयुर कालोनी कर्वे रोड, पुना

- (अन्तरिती)

को यह स्वना जारो करके पूर्वास्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

उच्छ सम्पत्ति के अर्जन के सम्जन्ध मा कांद्रों भी साक्षप ह --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ था तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की ब्यक्ति, को भी जनिश बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मां किए जा सकान।

स्पायकिकरणः ----इसमे प्रमुक्त शब्दों और पक्षों का, आरे उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुस्की

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37 ईई $/65 \cdot 10/84-85$ सितम्बर 1984 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम् रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 29-3-1985

मोहरू 🛭

प्रस्य बाह्र . टी. एन. एस्.-----

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्देश सं० सी० ए० 5/1151 37 **ईई**/11274/84-85 —अत: मुझे अनिल कुमार

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का स्टारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,009/-रज्य से ोवल हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला/युनिष्ट नं० 14 माडेला इन्डस्ट्रीयल स्टेट, पड़वक नगर याना, है तथा जो याना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से व्यक्ति है), रिजस्ट्रीकतो अधिकारी के कायोलय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उचित बाचार कृष्य वे कान के रूप्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और कृष्ठे यह विश्वाक करने का कारण है कि यभाप्तें क्त सम्पत्ति का उचिता वाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से एसे एर्यमान प्रतिफल का प्रयम्भ कर्म संगित्रक स्थान प्रतिफल के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्निचित्त उच्चक्य वे उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुन्दें किसी अपन की नानत उच्छ निध-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए और/या
- (थ) ऐसी किसी बाव वा फिली धन या करूप अधितयों का, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम... 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में वृत्यामा के लिए;

अतः अव, उक्त जिमियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभाव (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाम् :--- (1) मैसर्स मांडेल्ला टेक्स्टाइल्स इंन्डस्ट्रीज 4-सी व्हलकन इन्सुरन्म बिल्डिंग वीर नरीमन रोड बम्बई

(अन्सरक)

(2) मैसर्स चेतक व्हीडीघो ट्रानीक प्रा० णि०. चिजय अपार्टमेंट पहली मंजीश , याना पेट्रील पंप आग्रा रोड थाना

(अन्तरिती)

को यह स्वत्र जारी करके पूर्वों कर सम्मस्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस त्याम के राजपण में प्रकाशन की दारी कु सं 45 दिन की समीप वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की समीध, का भी जबिध बाद में समान्त क्षेती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किन्दी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इत कुक्ता के अध्यक्ष में प्रकाशन की ताइतीय से 45 किन के भीकर उनके स्थावर सम्बक्ति में हिक्क्यूप किन्दी बन्च व्यक्तिक क्याचा मधोइस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा तकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इवंबे प्रयुक्त वन्दों कीर पूर्वे का, वो अवस्त विकित्रका, के कथ्याच् 20-क में परिभाषित है, वहरी वर्षे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्जी

जैमा की रिजस्ट्रीकृत क० 37 ईई/11274/84-85 दिसम्बर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है :

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-3-1985

बोद्धर ≟

अस्य बाइ^र.टी.एव.एव. ----

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

बारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्र**प्नैन रेंज, पूना** पूना, दिनांक 28 मार्च 1985 सं⇔ 37-वेंद्री 9478/84-85---**गन**ः

निर्देश सं० 37-ईई/9478/84-85--- मतः, मुसे, अनिल कुमार

बायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 306, सागर अपार्टमेंटस, 926 सायन गाग स्ट्रीट पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कायोलय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम विनांक जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार कृष्य से कम के व्यवमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुम्में वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके इश्वमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल के पन्तह प्रसिद्धत से विश्वक है बीर बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंवरितियों) के बीच के एसे बन्तरक वे त्वार गया प्रतिकाल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उनक अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक बी दावित्व में कवीं करने या उक्को नवने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (वा) एसी किसी जाय दा किसी घन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृत्ताश प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, दियाने में सूनिधा के निष्

अतः अव, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-व को, वनुबर्ध को, में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, नर्थात् :---

 हरी सेवाराम
 2/15 गीतांजली कुंज़ पूमा ।.

(अन्तरकः)

2) शांताबाई ए जैम श्रीर अन्य 625 साचापार स्ट्रीष्ट पूमा ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पृष्ठोंक्त संपरित के अर्जन के िनए कार्यवाहियां घुरू करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) प्रस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साकारी के शक्त निकास में किए जा सकती।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

acc.

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई/9478/84-85 जनकरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के धप्तर में लिखा गया है।

> अमिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जेम रेंज्∎ पूमा

दिसम्म : 28-3-1985

मोहर:

प्ररूप कार्ड .टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्वेश सं० 37 ईई/9282/थाना /84-85-3तः मुक्ते, अनिल कुमार

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० गाला/युनिट नं० 13 मां बेल्ला इन्डस्ट्रीयल स्टेंट पडवल नगर थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रिजिल्ला हार्गी अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित वाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एए दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निबिक्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिबिक में वास्तविक क्या के किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बह्ना , उनक अभिनियम् के अभीन कर देवे के बन्तक के दायित्व में कभी करने या उन्तर वन्ते में कृतिया के सिए; बीद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पता था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्विधा के लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मांडल्ला टेक्साइल्स इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 4 सी घल्कन इन्सुरन्स बिल्डिंग वीर मरियम रोड बम्बई ।

(अन्तरके)

(2) बनासवाला ताहेर खडवाई 118 अब्दुल रहमान स्ट्रीट, 5 का मंजिल अम्बई -3

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तेरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसीत में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रवृक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त जिमानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यजा है।

नगर्भा

जैसा की रिजस्ट्रीकृत क॰ 37 ईई/थाना 84-85 अक्तूधर 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जत रेंज के क्फ्शर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-3-1985

कोस ।

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.,=-----

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीकाण) अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० गुडगांव /228/84-85-अतः मुझे, आर० के० भयाना,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है वि स्थावर पंर्यात्त, जिसका उधित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 29 कनाल 7 मरले हैं तथा जो गांव सरहोल तहसील गुडगावा में स्थित है (जिसका भीर अधक विवरण नीचे अनुसूची में विया गया है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव स्थित कार्यालय में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पारत का उचित बाजार मृल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उथ्योध्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, बिन्ही भारतीय बाय-क्रर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, खिपाने में सृष्या जी किए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधार्त :--- (1) श्री पृथी पुत्र आर्य पुत्र श्री धनीराम, निवासी गांव सारहोल तहसील व जिला गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एन० एस० आर०
फार्मस क्षंडावाला एक्स्टेंशम द्वारा
श्रीमती निरदर सेठी पत्नी श्री एन० एस० सेठी
निवासी-11 साधना इन्वलेव
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

सम्पत्ति भूमि 29 कनाल 7 मरले जो कि गांव सारहो में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिरद्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 4875 दिनांक 29 अगस्त 1984 पर दिया है

> आर० के० भयाना सन्नम प्रतिधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक : 9-4-1985

मोहर 🖫

प्रस्प नाइ. टी. एन. इस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक अधकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 8 अप्रील 1985

निदेश सं० गुडगांवा, 195, 84—85—अतः मुझे, आर० के० भायाना

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रा. सं अधिक हैं

जिसकी सं भूमि 29 कनाल 7 म है तथा जो गांव हरसरू तह सिल गुडगांवा पर स्थित है (जिसका श्रीर अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार गर्माचा स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान शितकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसं दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) गाँर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विश्वित में अभी करने या उसते बचने में तृत्रिधा के बिछ; बार/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक व्रविधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरभ मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्निसिस्त व्यक्तियों, कर्षांत ह— (1) श्रीमती बीना मोबराय पत्नी श्री दर्शन कुमार श्रोधराय पुत्र श्री मानक चन्द्र श्रोधराय निवासी ए 43 राजौरी गार्डन मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विनोद साहनी पत्नी श्री प्रमोद साहनी पुत्र स्व॰ श्री सोहन लाल साहनी निवास 196 म्यू कालोनी, गुडगांवा।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुः ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, की भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोज म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री क् पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्वकारकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्वो का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय भें दिया गया हैं।

बन्द्यी

सम्पत्ति भूमि 29 कः 7 मः सुपर स्ट्रकचर आदि सहित गांव हरसरू जिला गुडगांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रिजस्ट्री संख्या 4563 विमांक 9 अगस्त 1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनाक : 8-4-1985

मोहर ः

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक दिनांक 1 अप्रैल 1985

निदेश सं० करनाल /87,84,85—अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उत्तत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ल के अधीन सपम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित शाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/~ रा. से अधिक हैं
जिसकी सं 11 बींघा 14 वि है तथा जो कैथल रोड करनाल
पर स्थित हैं (जिसका थ्रौर अधिक विवरण नीचे अनुसूची
में विया गया है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के करनाल
स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरंण अधिकारी के करनाल
स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रीकरंण अधिकारी के करनाल
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 अगस्स 1984
को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास
करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नतिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (.5) अन्तरण संहुइं िकसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में समी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) असी फिल्ही काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ प्रतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त मिनियम का भारा 269-ग के जन्सरण भें, में, उक्त किथिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन नियमिक कित काक्तियों. धर्मात ४—— 769GI/85 (1) सर्व श्री फतेह सिंह रामभज पुत्र हरी सिंह पुत्र राम किशन नियासी गांव चाराड, जिला करनाल ।

(अन्सरक)

(2) छल्ल कैमीकल प्राइवेट लिमिटेड, कैथल रोड, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्मता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

सम्पत्ति भूमि जो कि 11 बीघे 14 बिस्वे कैथल रोड करनाज पर स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय करनाज में राजिस्ट्री संख्या 4125 दिनांक 7 अगस्त 1984 पर दिया गया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 1-4-1985

मोहर:

प्रकृष आहे. टी. पन्. एवं

नायकर अभितियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कप्रयांसयः, सहायक आयर्गर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

रोहनक, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० पानीपृत _{| 70|84-85--अतः मुझे आर०} के० भयाना

नायकर पाधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- कि. से अधिक है

जो के अधीन 7 अगस्त 1984

को पूर्वितिस सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के. रायमान प्रितिपत के निए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सी हुए जिस्सी बाय की बावस, जावस अधिरियम को अधीन कर दोने हैं बन्टएक को बायित्य मां कभी कोरने या उससे बाने में मुविधा त' लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय, या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय बाय कर अधिनियम. 1952 की 11) या उक्त अधिनियम या नग-भा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने की सुविधा के निए;

वतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जगदीश चन्द्र घवन पुत्र श्री चिरंजी लाल घवन, निवासी, 583 माडल टाउन पानीपतः ।

(अन्तरक)!

(2) श्रीमती कंवल रानी पत्नी हंस राज गुलाटी पुत्र केसर दास श्री प्रवीप कुमार पुत्र हंसराज गुलाटी, निवासी म० न० गली न० 7 डेम गंज अमुलसर

(अन्तरिती)

की बहु सुचना जारी करके पूर्वोस्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में करेड़ भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आह से 45 दिन की अविधिया तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
 - (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंदरीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दूँ, बही वर्ध क्रोगों जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

सम्पत्ति भूमि 1200 वर्ग गज जो कि उपा खेडी गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के. कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 2424 दिनांक 7 अगस्त 1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्रा⁶धकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक:-- 8-4-1985, मोहर :

ध्रम् नार्'. दी. एष. व्य. ----

नानकर गींपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नपीन सूचना

ताह्य बहुनाद

कार्यातव, चहायक वायकर वायुक्त (दिनरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 2 ग्राप्रैल 1985 निर्देश सं० रोहतक /35/84-85--ग्रात मुझे ग्रार० के० भयाना

नामकर निमिन्न, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

कि सोनियन रोड रोहतक पर स्थित प्लाट न० 57.4 बार्ड 13 सख्या बाली, से श्रिधक के उचित बाजार मूल्य बाली अचल समानि (जिसका और श्रिधक विवरण नोचे श्रनुसूची में दिया गया हैं), को जिसका श्रन्तरण (ट्राप्कर) और रजिस्ट्रोशन, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के रोहतक स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 22 श्रगस्त 1984 को रजिस्ट्रेशन सं० 3765

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाबार मूक्त से का के परवानल प्रतिकत के निए अन्तरित की गई है जोन मूक्त वह विश्वाच करने का कारण है कि समाप्त्रोंकत सम्मित का उपित कालार मृत्य उसके प्रमान प्रविक्त के हैं हो इक्तान प्रतिकास का प्रतिकास के बीच एसे अंतरक के किए इन पावा गया प्रतिकास, निकासिय उद्योग्य के कारण के किया गया है :——

- (क) कलारण से हुए किसी बाव की नावद, करव अविधित्र के विधीन कर दोने के अस्तरक के कहिंदल में कती करने ना उससे कपने में सुविधा से सिक्; और/धा
- (वं) एची कि जी नाथ वा कि जी वन वा कव कारिकां को जिल्हें भारतीय जावकार जीवनियम, 1922 (1922 का 11) वा अपत जीवनियम, या वन- कर अविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या कि वा जाना चाहिए था, जियाने में बृदिशा के किए।

बत: अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरच क्रों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अव्यति ३(1) श्रीमती दीप भिखा वर्म पत्ना श्री बी० एस० दौलता निवासी मकान न० 90, मैक्टर 2, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरकः)

? 2) इन्डर्म्ट्रायल केबल इन्डिया मिलिमिटेड इन्डिस्ट्रियल एग्या, राजपुरा पजाब, बजरिये श्री इन्दर जीत सिंह भडारी, मेनेजर कन्स्ट्रक्शन।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्या बारी करके पूर्वेक्स सम्पर्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मति में मुर्जन के तंत्रंथ में कार्य भी आक्रव :---

- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की शकिंध पा तरसम्ब भी व्यक्तियों पर सूचना की राजीस से 30 दिन की अविध, जो भी जनींच बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृथींकत व्यक्तियों में से फिली क्योंग्स दुवारा,
- (व) इस बूचना के राजपत्र में श्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उका स्थायर मपत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक्त में किए जा सकति।

स्वकाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में क्या नवा है।

नगर की

सम्पत्ति प्लाट नं० 574, बार्ड न० 13, सोनीपत रोड़ पर स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिज़म्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रिजिस्ट्री सख्या 3765, दिनाक 22 ग्रगस्त 1984 पर दिया है ।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

रिनांक: 2-4-1985

मोहर 🗈

वस्तु, बाइ. टीन एव. एस. -----

भागक ह अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-च (1) के अधीन सूचना

नार्व बल्कार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 2 ग्रप्रैंल 1985 निर्वेश सं० जगाधरी |61|84-85--ग्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना,

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया हूं), भ की भारा 269-स के सभीय सजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बन्धि, जिसका उचित नाजार मुख्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रा. से अधिक है कि इन्डस्ट्रीयल एरिया यमना नगर पर स्थित नं डब्स्य 8 संख्या वाली, एक लाख रू० से ग्रधिक के उचित बाजार मुल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका श्रौर श्रधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका भ्रन्तरण (ट्रांस्फर) ग्रौर रिजस्ट्रेशन रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी में जगाधरी स्थित कार्यालय रजिस्दीकरण ग्राधि नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक को रजिस्ट्रेशन नं 27,74 13 प्रगस्त 1984 को प्रोक्त तम्पत्ति को उभित गावार शुरूप से अल्ल को उद्यमान प्रतिफंल के लिए अंतरित की वर्ष है और मुक्ते यह विश्वास कारने करने का कारण है कि यंभापर्योक्त सम्बन्ति का उन्तित वाजार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिकश्य के, होते व्यवमान प्रतिफल का **पंद्रह प्रतिसत से अधिक हैं और बंदारक (अंतरकाँ) और अंतरिती** (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्नतिकित अबुदोक्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिविक रूप ते कथित नहीं किया नया है :---

- . (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावत उपत अधि-विश्वस में अभीत कर दोने के अन्तरक के दार्थित्य में कभी कड़ने वा उत्तर बचने में सुविधा के लिए; बीड़-/बा
 - (ब) एसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घरिष्ट्र था कियाने में सुविधा खें सिद्ध

वतः नव, उच्च व्यविनियम की भारा 269-व क वनुतर्क में, में, अन्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निम्नितिचित्त स्वित्यों क्रिक्ट क्रिक्ट

- (1) मैससं हिन्द टिम्बर इन्डस्ट्रीज इन्डस्ट्रीयल एरिया यमुना नगर बजरिया श्री कृशन कुमार घई पुत्र श्री राम नारायण घई मोहन कुमार राजेन्द्र कुमार घई पुत्रान डा० भीमसैन श्रनिल कुमार घई पुत्र कृशन कुमार विजय कुमार पुत्र कृशन कुमार विजय कुमार पुत्र कृशन कुमार विजय कुमार कुमा
- (2) श्रीमती संतोष खुराना धर्म पत्नी श्री राधा कृष्ण पार्टनर मैसर्स श्रथवनी कुमार एण्ड बादर्स, तिसक मार्केट यमुना नगर । (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पूर्वों कर बम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहिकों करता हूं।

उथका सम्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचवा के राज्यन में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नविध, जो भी जबिच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी कन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

रक्किकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनिवस, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहरे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया पदा है।

वरप्रक

सम्पत्ति प्लाट नं० डब्स्यू 8 जो कि इन्डस्ट्रीयल एरिया यमुनानगर में स्थित है जिसका भधिक विश्वरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय जगाधरी रजिस्ट्रो संख्या 2774 दिनांक 13 भस्गत 1984 पर दिया है।

> भार_{्य},के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 2-4-1985

मोहर 🧯

प्रकल बार्द् हो .एन .एस ..-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

बारत तरकार

कार्यालय, सहायक भावकार बाबुक्त (विद्रीक्षण)

ग्रजंन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अप्रैल 19.85

निर्देश सं०फतेहाबाद /8/84—85——भतः मुझे[°], भार० ६० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विकास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सामार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कि मकान नं 29 II माडल टाऊन पर स्थित फतेहाबाद संख्या वाली, एक लाख रू से घिषक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और प्रधिक विवरण नीचे अनमूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण (ट्रांस्फर) और रिजस्ट्रेशन रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के फतेहाबाद स्थित कार्यालय में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)के अधीन 2 अगस्त 1984 दिनांक को रिजस्ट्रेशन सं 1832

को प्वेंक्त तम्मित के उचित बाबार बृब्द से कम के उस्प्रजान अतिफल के लिए अंतरित की मह है और मुन्ने वह विश्वास करने का कारण है कि प्रभापनेंक्त सम्मित का उचित बाबार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एमे रहयमान प्रतिफल सा पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विश् तंब पाया बमा प्रतिकल, निम्निसिवत उद्योक्त से उक्त अन्तरण हिवाबस में वास्तिकक कम से कथित नहीं किया बना है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बावता, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व के कमी करने या उससे बचने में श्रीववा के जिंदी; बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्च बास्तियों को चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की धिक्य;

अतः अवः, उन्त विधिनवस की धारा 269-व के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वर्षात हन्न- (1) श्री सुरेश कुमार महता पुत्र श्री नारायण दास महता द्वारा रामा कृष्ण माञ्चल स्कूल फतेहाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेशमा महता पत्नी श्री भ्रमीर चन्द महता म० नं० 248 माङल टाऊन फतेहाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाही करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के जिए कार्यकरहियां करता हो।

उक्त सम्मिरित के वर्जन के सम्बन्ध मां कोड़ां भी बाह्मप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त श्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुक्षरा अभहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सुकेंगे।

र्थव्यक्रिरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

बन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं० 29—II माडल टाऊन फतेहाबाद पर स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फतेहाबाद में रजिस्ट्री संख्या 1832 दिनांक 2 ग्रगस्त 1984 पर दिया है ।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

विमांक : 9-4-1985

मोहर 🕆

प्ररूप वार्षं . टी . एन . एस . ------

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुभाग

शास्त्र स्टब्स्ट

कार्यात्तय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 भ्राप्रैम 1985

निर्देश सं० टोहाना /35/84-85-श्रतः मुझे, म्रार० के० भयानाः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें ध्यक पश्चात 'उनत निधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्यास करने का कारन हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नामार नृत्य, 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

कि टोहाना परस्थित भूमि 16 क संख्या वाली, एकं लाख ६० से ग्रिधिक के उवित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका ग्रौर ग्रिधिक विवरण नीचे श्रनुसूची मे दिया गया है) को जितका श्रन्तरण (ट्रांस्फर) ग्रौर रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के टोहाना स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम विश्व कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम विश्व कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम विश्व कार्यालय के ग्रिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम के रिजस्ट्रीक को रजिस्ट्रेशन सं०,1561

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितिकास के लिए अनि दित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीत्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एमे रव्यमान प्रतिकाल का पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया नया प्रतिकाल जिन्ना जिन्ना बिह्न उद्दोदय से अक्त कराइण मिशित में शास्त्रीबक रूप से के अधिक रूप मिश्री हैं:--

- (का) अन्तरण सं हुई कियाँ साबू कर्न नासस्त, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण से अधिरण में कवी करने ना उपसे नवने में सुनिधा के किए: श्रृंष्ण/मा
- (ब) ऐसी किसी आय का किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, बा भन-कर अभिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती वृज्ञारा अकट नहीं किया बचा था का किया जाना वाहिए था, जिन्ताने में स्विका कराए.

अंतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अस्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीतः, निम्निसिसित व्यक्तियों, सर्थात्:—

(1) शंगारा सिंह सुन्न हजारा सिंह जगतार सिंह प्यारासिह ' पुत्र हजारा सिंह निवासी टोहाना जिलाहिसार ।

(श्रन्तरक)

(2) 1 श्री तलिबन्दर सिंह पुत्र बारा सिंह निवासी गाव मंघेडा, तहसिल टोहाना जिला हिसार

(भ्रन्तरिती)

2 श्री नरेन्द्रर कुमार बयला पुत श्री ग्रमीलाल बधला निवासी टोहना जिला हिसार ।

का बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भं, जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्रवासस व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति ह्वारा.
- (व) हुन भूषमा के राष्ट्रप में प्रकारत की तारीय वें 45 विद के सीतर बनत स्थान्त सम्पत्ति में हितबव्ध किसी सम्ब कावित हुगारा नभोहस्ताशारी के पाद जिनित में निक् या सकोंने ।

स्वक्षीकरणः --इसमें प्रयुक्त कवा और क्यां का, जो अवस्य विधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं।, वहीं वर्ष होना वो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल जो कि टोहना में स्थित है जिसका मधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय टोहाना में ही रिजस्ट्री संख्या 1561 धिनांक 14-8-84 पर दिया है।

श्चार० कें० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-4-1985

स्रोहर ह

प्रकृष बाहु . ही . एवं एए . .-----

लाभवर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्योग स्वा

भारत बहुकाड

कारः य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० टोहाना /33/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाग कि, न के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

> (क) अन्तरण से हुई किती बाव की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कंत्रण बौद्ध/बा

्सी किसी आय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वासिए था कियाने में सुविधा के लिए.

असः असः, अध्यः अभिनियम की वारा 269-व के अपृष्टरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों वर्षात् क्ष्म

- (1) श्री शंगारा सिंह पुत्र श्री हजारा शिह नि॰—टोहाना जि॰ हिनार जी॰ ए॰ धाफ जगतार सिंह पुत्र हजारा सिंह नि॰ टोहाना जि॰ हिसार।
 - (अन्तरक)
- (2) 1 श्री तलिक्दर सिंह पुत श्री बीरा सिंह गांव—मन्धेरा त० टोहाना 2. श्री नरेन्द्र कुमार बायला पुत्र श्री औशीलाल बायला नि० टोहाना जि० हिसार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह क्षाना जारी करके पृथानित संपरित के सर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के शवध मा आई भी माक्षर ---

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस सं 4.5 दिन की अविधिया तत्रमम्बन्धी स्पितियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से फिसी व्यक्तित दगर।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

भ्यक्तीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, बा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्य:

सम्पत्ति भूमि 24 कनाल टोहाना में स्थित है जिसका श्रिष्ठि क विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय टोहाना में, रजिस्ट्री संख्या 1159 दिनाक 14-8-84 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-4-1985

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाकः 9 म्रप्रैल 1985

निदेश सं० सोनीपत/59/84--85---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 13 बीघा 17 बिं० है, जो कालूपुर में स्थित है एक लाख र० में श्रिधिक के उचित बजार मूल्य वाली भचल सम्प्रत्ति (जिसका श्रीर श्रिधिक विवरण नीचे श्रनुसूची में दिया गया है) को जिसका श्रन्तरण (ट्रांसफर) श्रीर रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के सोनीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्री-करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-8-84 को रजिस्ट्रेशन सं० 2257,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत अप से किथान नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जक्ष: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधाना (1) के सभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) 1. मैं ० पवन इण्डस्ट्रीज रोहतक रोड सोनीपत द्वारा नत्थूराम पुत्र चन्दगीराम, निवासी---भण्डी सोनीपत ।
 - 2. श्रीमती कैलाशदेवी पत्नी श्री भगवान, श्रीमती शरवती देवी पत्नी श्री रतनलाल, श्रीमती शोलादेवी पत्नी श्री जैभगवान, निवासी—भण्डी सोनीपत ।

(भन्सरक)

(2) मैसर्स लाल बन्द तीर्थ राम राईस मिल ककरोई रोड, सोनीपत द्वारा मुखर्चैन पुत्र हंसराज निवासी—सी-17 ईस्ट निजामुद्दीन, नई दिल्लो ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाओद :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 बीघा 17 बिस्बे जो कि कालूपुर में स्थित है, जिसका मधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में रजिस्ट्री संख्या 2257 दिनांक 6-8-84 पर दिया है।

> भार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

दिन कि: 9-4-1985

मोहर :

अ**रूप नाह**ै, टी. एवं एस्. ------

मायकर लिभिनियम, १९६३ (४०६) का 43) की भारा १८ २५ (१) के कभीन गुम्रा

भारत सरकार

कार्बाण्ड अप्रधान क्षामकार साम्क (विरोक्षक) धर्जन रीज, कानपुर कानपुर दिनाद २० मार्च 1985

कानपुर, दिनाक 20 मार्च 1985

निदेश गं० एस०--1381/84--85----श्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

शायकर अधिनिणम् 196! (1061 का 43) (िमसे इसमें घसके परवास् 'नव्स अधिनियाः' यहा गया है), लारे धारा 269-ध के अधीन राज्य प्रधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि र लग्न चेन्द्रिक विस्कार सेचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 321 है, तथा जो पुराना डालनवाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावक गनवाची में सौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 10-8-84,

भन्ने पृत्नों कर सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विश्वाम भारते का कारण हैं कि समामकों स्था गंपरित का जीवन अजार मृत्य , समाने बंधरामा कि एक ने अवे अवस्थान परिकान का बन्द्र प्रतिस्ता से बिशान के और बंधराम (बंधरान से बंधरान के विश्व में के निर्मा के दिए तय प्रया गया प्रति-कास निम्नितिश्वत उद्धीरण से साका अन्तरण लिखित में बाला-विश्व रूप में स्थिण नहीं जिला गुला के क्या

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्षमी करने वा असने वचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या जन्य मास्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया धन हा किया जाना काहिए था कियाने में सुविधा के निर्ण

कतः भः तकत आधिनियमः की धारा 269-ग की अन्मरण मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 10 76GI/85 श्री तेजा चिह पुत्र चन्दा सिंह
 ३२१, पृथाना चाला बाला बेहराइन ।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रो मार्न्तालाल पुत्र संदिवजी
 - 2 श्रामती राजगती पत्ना भान्तीलाल
 - जिलाहमार 4. अस्त प्रमार्पुत श्री णान्तिलाल 169-भानपुर , देहरादून ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. कोना (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- क्रीता
 (यह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुधना आर्थ करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सुधना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि दाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

म० नं० 321 पुराना डालनवाला , देहरादून ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम श्राधिकारी गहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, कानपुर

दिनांक : 20-3-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1985

निर्देश सं० एम-1488/84-85---अत. मुझे, जे० पी० हिलेरी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,-00,000 ∕-रु. से अधिक **है**।

भीर जिसकी सं० 112 ग्राम चकमथाना है तथा जो परगना हरीड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपूर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7~8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; यौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धर्न या अन्य आस्तियाँ का जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-घ के अनुसरण क्रें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ।:---

(1) श्री निरन्जनदास पुगहरनाम दास शर्मा 7---सहारनपुर रोड, वेहरादून ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी पिशोरीलाल प्रवीत कुमार–राजेश कुमार पुत्नगण पिशोरीलाल 219-मी ण्निया मोहल्ला देहरादुन । (भ्रन्तरिती)
- (३) ऋता (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैमे)
- (4) ऋेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

भूमि सं० 112 क्षेत्रफल 13 बीघा (213/बिस्वा) ग्राम चकमथाना परगना हराड़ा सहारनपुर ।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक : 20 - 3 - 85

मोहर 🛭

प्रकल बाह्युं ही. एन एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

धारत सरकाड

कार्यासन, तहानक मामकत मानुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 1 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० एम०-1451/84-85---- ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 661/1 है तथा जो बराल परतापुर में स्थित है (और इससे उपायज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-8-84, को पूर्वों पत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुवां क्सु सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उच्चवेष से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एशी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में इतिथा के लिए;

असः अक्, उक्त कीधीनकम की धारा 269-ग के बनुसरण

भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)

क्योत, निम्न्तिविश न्यविश्वम् अर्थान्ध—-

(1) श्री कृष्ण बीर सिह वराल — परनापुर, मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(2) दीवान टायर्स लि० मेरठ । पो० बा० 143 रिष्ठानी—मेरठ द्वारा श्री वी० एस० दीवान

(अन्तरिती)

(3) क्रेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋता (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना भारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप १---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

खसरा नं० 661/1 बराल परतापुर मेरठ (7 बीधा, 16 बिस्वा)

जय प्रकाश हिलोरी तक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 1-4-1985

मोहर 🛭

प्रकथ बाह्य हो. एक ह एस हम्मान्यन्य

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं० एम०-1450/84-85---श्रतः मुझे, जे०पी० हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 661/2 है तथा जो बराल परतापुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सरठ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 29-8-1984,

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अपरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ध्य पाना गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्रिक कप से किथत नहीं किया गया है दुन्न

- (क) अस्तरण वे हुइ किसी अस की सबत, उक्त अधिनियम के अधीय कर दोने के अन्तरक के वामित्य में क्सी खरने वर् अससे ब्यने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (ण) पुंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, फिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

सब्ध क्य उन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे सभीन् निकालिक व्यक्तियों, नवाँव ह⊶ (1) श्री अजबीर सिंह पुत्र जसवन्त सिंह , ्बराल परतापुर--मेरठ

(भ्रन्तरक)

- (2) दीवान टायर्स लि॰ मेरठ ---पो॰ बा॰ 143 रिठानी--मेरठ श्री बी॰ एस॰ दीवान (ग्रन्तरिती)
- (3) केता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभाग में ग्रुम्पत्ति है)
- (4) फ़ेता (बह व्यक्ति, जिसके वारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबङ है)

कर्ष प्रमुखका नाशों करके पूर्वाजित सम्मन्ति के वर्षन के निष्

चक्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह---

- (क) इस गृजना को राजपत्र में प्रकासन की तारीं के 45 दिन की अनींच या तस्संबंधी व्यक्तियों प्रश्न सूचना का तामील से 30 दिन की अनींच, जो भी जवांच नाव में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों में संवित्सी क्योंक्त द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के जीतर उन्हें स्थानर अमित में हितनक्ष कियी शन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकति।

स्वध्यक्तिरण:--इसमं प्रभास यानी और पर्वो का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

अप्सूची

खसरा नं 661/2, वराल परतापुर-मेरठ (5-बीधा, 16 बिस्वा, 3 बिस्वांसी)

जय प्रकाश हिलोरी मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), (प्रजन रेंज) कानपुर

दिनां**क : 1-4-19**85

मोहर 🛚

प्रकार बाह्य, टी. एन. एस 🕙 ----वन्द्र-----

नायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक वायकार नायुक्त (निहासन)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 1 श्रप्रैंस 1985

निर्देश मं० एम०-1396/84-85-म्प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचास 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिन्नका अधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 761 है तथा जो परतापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधकारी के कार्यात्य, मेरठ मे, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 3-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल का एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के गोच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की नामतः, उससे अधिनियम के जधीन कर दोने में जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जाँड़/वा
- (क) एसी किसी जाय था किसी थन या अभ्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा अक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा असे लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-गृक अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिविदा व्यक्तियों अर्थाव् क्रि (1) भारत इण्डस्ट्रीज ए- उपरतापुर इण्डस्ट्रियल स्टेट मेरठ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भारत ट्यूबस (प्रा०) लि० द्वारा श्री विद्या सागर दीवान 62 णिवाजी रोड, मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ऋता (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) फ्रीता (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच इर् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंग।

स्पन्धिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, भी उक्त भीजनियम के शध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सल्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक फैक्ट्री बिल्डिंग खसरा नं० 761 पुराना नं० 1005/5 परतापु: मेरठ ।

> जयप्रकाण हिस्तोरी, सक्षम प्राधिकरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, कानपुर

दिनांक: 1-4-85

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 4 श्रप्रैल 1985

निर्देश स० एस० 1434/84~85—~म्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सब् 430 है तथा जो सुभाषपुरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 7-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उप्ति बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरिस्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइ किसा आय का वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतु:—— (1)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेण चढढा परनी श्री एस० पी० चढढा सुभाषपुरी—केकर खेड़ा—मेरठ ।

(भन्तरिती)

(3) भन्तरिती विकास के श्रीधभोग में सम्पत्ति ह)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्याना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।
- स्थे किरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

एक मकान सुभाषपुरी नं ० 430 मेरठ

जय प्रकश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-4-1985

मोहर 🛭

प्रकृष आहें, <u>बो</u>. एम . एस . =------

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यां वय, सहायक नामकर नाम्बत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 श्रश्रेल 1985

निर्देश सं० एम०-1397/84-85-म्प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्तमें इसके प्रवाद 'उपला अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् वाजहर मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ए० 75 है तथा जो मवाना रोड मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्थानय मेरठ में, राजस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12-9-1984,

- (क) जलारण से हुन्दं किसी आम की बावक, उनका विभिन्निया के बधीम कर्र दोने के जनस्यक के बाबित्य में कमी करने या उन्नचं वसने में बुनिया के सिक्: शोड/वा
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन वा कम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्ध जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के किए:

वतः वदः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सभीन, निम्नीसिसस स्थितस्यों, अर्थात्ः— (1) क्रिगेडियर श्राधुतोष कुमार एवं श्री जगनन्दन नि०—ई०-23 डी० एम० श्राई० पी० मायापुरी दिल्ली---64 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश चन्द मांगलिक पुत्र श्री जयन्ती प्रसाद—साकिन—7 सराय लाल दास भहर—मेरठ।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हूं।

उन्त संपति के वर्षन के संबंध में कोड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की जबधि या तत्सबंधी ध्यक्तियों पर भूजना की सायील से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स स्थित्सबंधि से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अघोहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए अस्तर्भो।

स्वक्षीकरण । — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, बो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

प्रमृज्यी

कोठी नं ० ए 75 डिफोन्स कालोनी मेरठ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, कानपुर

दिनाक : 4-4-1985

मोडर 🛭

प्ररूप नाहाँ, टी. एव. एस. -------

कायकार कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक काय्कर जाजूक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 भ्रप्रैल 1985

निर्देश सं० एम०-1463/84-85--- ग्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम आधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 703.715 है तथा जो भवाना कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णकप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय मवाना में, रिजस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-8-1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिक्ति उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन् या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री घनश्याम पुत्र गुरुदयाल साकिन मवाना कला-भौ० कावली गेट हस्तिनापुर ता० भवाना जिला० मेरठ। (श्रन्तरक)
- (2) श्री दिनेश चन्द कौणिक पुत्र रामऔतार कौशिक श्रादि मौ० कल्याण सिंह पो०-खाम जिला---मेरठ।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सम्मना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी जविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस बुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए ना महाँ हो।

स्तव्यक्तिष्णं :---इसमें पयक्त शक्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसची

703, 715 वाके मवाना कला-मेरठ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 4-4-1985

मोहुदु 😢

प्ररूप नार्दः,टर्ने,एन्.एस पू ---==---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने वर्णन त्या

नारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्दक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं० एम/1454/84-85-प्रत: मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० ए-6 है तथा जो पटेलनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता घांधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण घांधानियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14-8-1984,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के बीचत बाजार मूस्य से कम के स्वयमान् प्रित्यकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके स्वयमान प्रीहफल से, एसे स्वयमान प्रीत्यक्षण का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नसिवत उप्योग्य से सबत अन्तरण किचिछ में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ■—

- (क) मन्तरण से हुई किती नाम की नानत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोनें के अंशरक के दावित्य में कमी करने ना ख़त्तचे यक्षने में सुनिभा के लिए; बीर/ना
- (क) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय भाय-कर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्तु अधिनिवस, वा भन-कर अभिनिवस, वा भन-कर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अपना वाहिए था, क्रियान में स्विता में जिन्ह;

अतः नव, उक्त विधिनयम की भारा 269-न के अनुबरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——
11—76 GI/85

(1) मे० रामांकसन दास एण्ड कं० 87-नवयुग मार्केट-कारा प्रदीपकुमार गर्ग गाजियाबाद ।

(भन्तरिती)

(2) श्री रमेश चन्द घरोड़ा 225-न्यू गांघी नगर गाजियाबाद ।

(भन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) प्रन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानका
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध-है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृज्येत के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्णन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविध या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वाना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीचर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में शे किसी स्थितत द्वारा,
- (च) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के शस निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकपुण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों मीर पदों का, वा उथल् नीप्तियम, के नथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है. वसा हैंशी

पनुसूची

भ्रावासिक प्लाट संख्या ए-6 क्षेत्रफल 416-29 वर्ष भी**डर** सं० 7 पटेलनगर गाजियाबाद ।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीद्धण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

दिनाक : 1-4-85 मोहर प्रकृप नाइ.टी.एन.एस.------

आवकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-व (1) के स्थीन बुक्ता

सारक बहुकाडु

कार्यायम्, सङ्ख्या नामकार नाम्बत (निश्लेक्न)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 1 अप्रैल 1985 निदेश सं० एम-1480/84-85--अतः मृझै, जे० पी० हिलोरी,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाबार मून्व 1,00,000/- रहा से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1991 से 1997 है तथा जो देवबन्द--सहारनपुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाफ 27-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पागा गया प्रतिफल, निम्निजिबत उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित वे बास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण वे हुए किसी बाव की बावत, उक्त जीविष्यत में अवीत कुछ वोने के बन्तरुक की वाविरण में कभी कहते वा उत्तवो वचने में सुविधा के तिए; बॉट्/बा
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था किया ने में सृतिधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निक्तिविद्या व्यक्तियों, वर्षात् :---- (1) श्री करतार सिंह पुत्र श्री हाकम सिंह रायदास पुर-नोगल-पंजाब

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाय शर्मा अमलोह पटियाला

(असरिती)

(3) केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रेता (अह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को नइ स्वतः जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्षन के किय कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी कारिस पूर्वा हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत ए उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्वस्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कांकर्ण: --- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पत्नों का, यो उक्त स्विद्यानम को सभाव 20-क में परिभावित ही, बही वर्ष होगा औं अध्यान में दिया नवा ही।

अनुसूची

कृषि भूमि सं० 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000 । ग्राम—खजूरवाला—देवबन्व सहारनपुर ।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिनां क : 1--4-1985

मोहर 🖫

प्रकप आहें, टी., एन. एस., -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

ताउद श्रमा

कार्यानय, तहायक भायकर मायुक्त (निर्शाम)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 25 मार्च 1985

निदेश सं० एम०--1446/84-85---अतः मुझे, जे० पी ० हिलोरी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार न्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० 522, 523, 252 है तथा जो स्वामी पाड़ा फुटा कुआ मेरठ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूँप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से मुद्दे किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आयु या भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना वाहिए था, कियाने के सुन्धा के हैं सुद्

बतः बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण कें. में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीत्र निम्निलिखित क्यिक्तियों अर्थात् ह—

- (1) श्री बनवारी लाल स्व० रामचन्त्र ।नेवासी----म० नं० 252 स्वामीपाङ्ग मेरठ । (अन्तरक)
- (2) श्री बलजीत सिंह पुत्र हरी सिंह, म० नं० 252 स्वामी पाड़ा मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रूक्त

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ब्यविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक़ोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जीभीनयन, से बभ्याद 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा है!

अनुसूची

मंकान नं० 252 स्वामीपाड़ा मेरठ । कुल क्षेत्रफल 215 वर्ग गज बना हुआ 150 वर्गगज ।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कप्नपुर

दिनाकः : 25-3-1985

मोहर 🗈

प्रकार बाह्" हो. एक. एक्. -----

भायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के सभीन सूचना

साइत चहुना है

कार्यासन, शक्कपक नायकर नायूक्त (रिन्धीसन)

अर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निदेश सं एम-1470/84-85--अत. मुझे, जे पी हिलोरी,

कावकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्त्रात् 'उनत भीभित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वीस करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 129, ब्लाक सी है तथाजो रामप्रस्था मे स्थित है (मौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 29-8-84.

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुन्ने वह विश्वास करने का अप्रण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल लें, एसे क्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पामा गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक क्य से अधिक नहीं किया गया है:--

- ्रेंक), मृत्युद्रभु वे हुई फिक्की बाव की वावस्त, प्रका प्रक्रियक्त के ध्रवीन कर देने के बात्यरक के राजित्य भी कती करने या उसमें व्यन भी सुनिवा के सिद्ध; क्षीर/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या वस्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'या उक्त अधिनियम, दः वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

बत: बंब, संबंद अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) हे अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री के० के० नारंग 297 माडल टाउन रोहतक एवं श्री आर० एल० नारंग।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रक्षादेवी थापर बी-148 विवेक विहार शाहदरा दिल्ली--32।

(अन्तरिती)

(3) केता (वह व्यक्तिं, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेता (बह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बाड़ी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्ज़िंख बं 45 दिन की अमिष या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ इंगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

वर्जुनी

प्लाट न० 129 ब्लाक सी सैक० 12 रामप्रस्था कालोनी सोनी गाजियाबाद ।

> जयप्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 1-4-85

प्रकष आर्षु _टी . एन . एस . - - - - -

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 1 अप्रैल 1985

नि**देश** स॰ एम-1286/84-85—अतः मुझे, जे॰ पी॰ हिलोरी, '

शायकर गिभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहं से अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ 11/212 है तथा जो राजनगर में स्थित है (श्रीर हें ससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ते विणत है), राजस्ट्री- कता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 5-7-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को तिए मन्तरित की गइ ₹* और विषयास करने कि यह का सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्यः, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में वास्तयिक रूप से क्षथित नहीं गया **e,** c-- ,

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की याबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्यरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा ()) कं अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, कर्धात् :— (1) श्रीमती ।जनकी सिंह पत्नी सरदार सरूप सिंह 69-सक्टर-8-चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री त्यसः दास एतं श्रीमती सीतादैवी आर० 10/150 राजनगर गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

(3) ऋता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्वत्ति है)

(4) केता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

शन<u>ुस्</u>यी

ब्नाक-II राजनगर गाजियाबाद स० 11/212

जय प्रकाश हिलोरी सक्तम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

^{दिनांक : 1-4-1985}

मोहर 🚦

प्रकृष भाव टी एव , एस , ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन क्षाना

भारत तस्कार

कार्यासम्, सहान्क भावकर आयुक्त (विविधण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिमांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं० एम-1455/84-85--- अ्तः मुझे, जै० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (तिबसे इसमें इसमें एक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० के० जी० 95 है तथा जो कथि नगर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृष्य से कन के बार्यमान प्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उच्या अंतरण सिचित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुन्दें किसी बाय की नावत, उक्त अधि-जियम के अधीन कर देने के अतरक के वाधिक में कनी करने वा उससे स्थाने में बुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एसी किसी आभ या किसी धन वा अन्य आरिख्यों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किथा जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के तिक्;

जतः अवः उन्तः अधिनियन न्हीं भारा 269-ग के अनुसरण मों, जों, उभत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) चे लधीन, निस्नितिचित व्यक्तियों, अधीत् ः—— (1) श्री राजबीर सिंह पुत्र श्री लेखराज सिंह ग्रा०--पो०--नगला पदम अलीगढ़ वर्तमान के० जी० 95-तमा क्षिनगर माजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो भगवतो देवो पत्नी रामचन्द सिंह अजरींदा--फरीदाबाद हरियाणा ।

(अन्तरिती)

(3) केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केता (वह क्याक्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी अधनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्वशिहियां करता हूं।

जनत सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अवीधि या तत्संबंधी अवीक्तवों पर सूजशा की ताजीख से 30 दिन की अवीध, को भी खबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दुर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवादा;
- (स) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की ताबीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किती अन्य व्यक्ति बुगारा अथोहत्ताकारी के शक्क लिखित में किए वा सकेंगे।

स्यन्त्रीयरण:----इसमें प्रकृतित सन्दों बाँच पदों सह, यो उनसे स्वीध-त्रियम, के सध्याय 20-क में परिशायिक हैं, यही सर्थ होगा जो उत्त सध्याय में दिया गया है।

वनसची

भवन सं० के० जी०/95 कविनगर गाजियाबाद

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिनोंक : 1-4-85

प्रकृत् आहुर् दी एत. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'पाछा 269-म (1) के मंगीन कुन्या

श्रापक बहुक्या

कार्यासय, सहायक जायकार बायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश स० एम०-429/84-85--अतः मुक्षे, जय प्रकाश हिलोरी,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-य के अधीन स्थम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार बूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स॰ 25 है तथा जो प्रीतम दास रोड मे स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबश्च अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप में विज्ञत है). रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजिस्ट्रीकरण प्रिचित्तम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-8-84,

को पूर्वोक्स सम्मित के उभित बाजार मूल्य से कम के बक्यजान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उभित बाजार मून्य, उसके देव्यमान प्रतिकल से, ऐसे देव्यमान प्रतिकल के बन्सह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और (जन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्मिलिखत उद्वेदय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बादत, उक्त जीवनियस के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उपल अधिनियम या वन्कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विज्ञा जाना कोहिए था, रिकान या मृविधा के किए;

सतः जब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ण की, अनुसरण मों, चों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीरा, रिस्तिनिशिल व्यक्तिस्यों, जस्ति ु⊶ (1) श्रीमती दयावन्ती पत्नि अमीसचन्द 25 प्रीतम दास रोड, --देहरादून ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा भाटिमा 217 कालीदास रोड बेहरादून

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

की यह भूषना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्षन के निए सार्यवाहियां शुरू करता हूं।

चनत सम्मत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🚛

- (क) इस स्वामा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वामा की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्यक्टोकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्हा नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुमुची

प्रापर्टी सं० 25 प्रीतम दास रोड बेहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक: 4-1-1985

मोहर 🖫

प्रकम् भाषील दीः एनः एवः ------

नामकार मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वृधीन सुन्नता

BISS SEELS

कार्यासय, सहायक सामकर नाम्कत (निरीक्सण), अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम-1417/84-85 अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विस्का उचित बाकाह नृस्य :

100,000/- रु. से अधिक हैं
भौर जिसकी सं० 21/1 डी-II है तथा जा नैनीपाल रोड रुद्रपुर
में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप न बणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक
27-8-84,

का प्वांकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान ब्रित्यक के लिए बन्तरित की पद्दें हैं, बीर मुम्में यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाबार ब्रुक्ट, उद्यक्के दश्माव प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तिकों) के बीच एसे बन्त्रण के लिए तब पामा नया प्रदिक्त, विम्नुसिचित उद्यक्तिक से उथत बन्दरण निश्वित अं वास्तुनिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्याह्म से शुद्ध किसी नाम कहें बान्त उसत जीध-हिम्मून के स्थीप कर बाने के जन्मपक के वासित्य मां केसी करने वा उससे क्यान मां सुनिधा के लिए; बीप/ना
- (थ) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों बाएतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उनते अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोचनार्थ ब्रांचित्रक, 1957 (1957 का 27) में प्रयोचनार्थ ब्रांचित्रक वृद्धार प्रकट वहीं किया क्या था या किया बाता चाहिए था, कियाने में सुनिक्श के सिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निय्नसिक्ति व्यक्तियमें, अर्थात ह

(1) श्री धर्मवीर आनन्व पुत्र श्री ईश्वर दास आनन्द । र्गन 0--- 36/56 पंजाबी बाग, दिल्ली ।

(अन्तरक) ¹

(2) श्री शिव कुमार पुत श्री केदार नाथ नि०—कद्रपुर—नैनीपाल सं० 36/56 कद्रपुर नैनीताल ।

(अन्तरिखी)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सभ्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी
 व्यक्षि बाद में समाप्त होती हों., को भीतर प्रविकास
 व्यक्षितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीएर उध्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका न्या हैं।

सर्वय

प्रापर्टी नं॰ 21/1 ही-II नैनीताल रोड रुद्रपुर उ॰ प्र॰

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-4-1985

मोहर 🗈

प्ररूप काई. टी. एन. एस. 🚊 - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 थ(1) के अधीन स्थना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निवेश सं ० एम०-1452/84-85--- अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन स्क्राम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि जावर सम्बन्धि, जिसका उन्ति वाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 76 है तथा जो पंचणीय कालोनी मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-7-1984,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अपिटन की गर्छ है और मझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अंत-रितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मीलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक उप

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; अधि/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।'

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के.अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षीरेन, रिप्लिलिन व्यक्तियों, अर्धात:—

12-76GI/85

(1) श्रीमती सिगारी देवी पत्नी श्री ग्रोंकार सिह नि०---सिकन्द्रपुर काकोडी हापुड----जिला०---मेरठ ।

(अन्तरक्)

(2) श्री धारियाराम पुत श्री गोकुलराम नि०---ज्वली गंज---मेरट कैण्ट ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी त्याविनयों पर राजा को तासीज़ सा 0 दिन की अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत त्यावितरा में से रिक्सी लिक्सि दवारः.
- (य) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति मीं हित- वद्ध िज्मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिमिन में किए जा मकोंगे!

स्पब्दीकरण :---इसमों प्रयक्त शब्दा और पदो की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, तहीं अर्थ शोगा जो उन अध्याय मे दिया गया ही।

and di

मकान सं० 76 पंचशील कालोनी मेरट।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), (अर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक: 4-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्रं.टी.एन.एस. ------

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक भायकर बाबुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० एम-1506/84-85---- प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1 है तथा जो दादरी गाजियाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दादरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्तयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22—3—84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्निसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निकित में बास्तिथिक स्म से कथित नहीं किया चया है क

- (का) अच्छारण से हुद किसी अन की नावत, अचल विधिनियम की अधीन कर दोने की जन्तरक की दावित्य में कनी करने वा उससे वसने में सुविधा के निष्; बाडि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए।

खतः वदः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,ः—— मे० माहा माया जनरल फा० कं० लि०
 4/4 प्रसफ रोड, दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

- (2) मे० चन्दिका मरकेण्टाइल्स वी०-3 चिटरमा ९वेन्यू कलकत्ता --770072 (भ्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्जान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विजित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त श्रम्बों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20 प्लाट संख्या 1 टी० एच० ए० कालोनी दादारी-गाजियाबाद ।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

ंदिनांक[™]: 4-4-० मोहर ः प्रकप् आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1469/84-85--- स्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर्अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'6.9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-170 हैं तथा जो रामप्रस्थां कालोनी में स्थित है (और इसमे उपाबक्षं अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दादरी में, राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण और, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अअधान, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) राम प्रस्था प्रापरटीज प्रा० लि०. द्वारा चौधरी बलबन्त सिंह 4/4 ग्रासद्ध अली रोड, दिल्ली ।

६ (भ्रन्तरक)

(2) श्री श्याम पाल गुसाई एफ० सी०-121 टैगोर गार्डन दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

(3) क्रेता (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्याक्त, जिसक आधमाग म सम्पात ह) (4) क्रेता

. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्लेट मं० सी०-170(प्रथम तल) रामप्रस्य कालोनी महाराजपुर , दादरी , गाजियाबाद

> जे०पो० हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रोंज, कानपुर

दिनांक : 4-4-1985

मोहर 🕹

प्ररूप : बाद्दी : टी : एन् : एस : -----

भायभाद अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत चनुष्याह

कार्यानंब, सहायक जायकर जायक्त (विद्धाल) श्रजीन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० एम० 1462/84-85--श्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिजसे इसमें इसके परचात् 'उचल अधिनियम' कहा नवा ही, की धाम 269-क के अधीन तका प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, जिसमा उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० 278 है न्तथा जो ग्रा० ग्रगरौला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 24-8-84,

को पूर्वोक्त संवित्त के उपित बाबार मूक्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सथापुर्थोक्स संस्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके क्ष्म्यमान प्रतिफल से, एोसे क्ष्ममान प्रतिफल का बन्द्रह् प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उब्दोश्य से उपत अन्तरण सिचित में भास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्द्ररण से हुई किती जान की बावस, उन्त अभिनियम के अभीन कह दोने के जन्तरक वो दायित्व में कभी करने या उससे स्थने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी नाय मा किसी भन वा बन्य नास्तियों की, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की सिष्ट;

बतः अवः अकतं विभिन्नियमं की धारा 269-गं के बन्तरण में, में उक्त विधिनियमं को धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्योक्तयों, वर्धात् रू—- (1) श्री लखमीचन्द पुत्र श्री वदाम नि०—श्रगरौला, परगना, लोनी ता० जिला० —गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) में रायल लिंग एण्ड हार्जासग स्कीम 10, गंगा विहार, गोकुल पुरी, शाहदरा, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (बह व्यक्ति जिसके श्रिधयोग में सम्पति है)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सञ्मित के अर्थन के निष् कार्यगाहियां कारता हो।

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा ते
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की समिश या तत्संबंधी न्यांबलमां पूर सूचना की सामीक से 30 किन की बवधि, जो और बच्ची नाद में सथाप्त होती हो, जे भीतार पूर्वीका न्यांबलों में से किनी स्वीवत बुकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीवर उक्क स्थानर सम्मरित में द्वितबद्ध किती व्यक्कित द्वारा, अभोहस्वासदी के गाव
 सिवित में किए जा सकोंगे।

सम्बद्धिक हुण : — इसमें प्रध्यंत ग्रान्थें और पदों का, वो उन्त अधिनियम, के नथ्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहां नथं हागा वो उस नथ्यान में दिना भूग हुँ।

ध्रमु सूची

खाता सं० 278 स्थित ग्रा० श्रगरीला गाजियाबाद ।

जे० पी० हिस्रोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानप्र

दिनांक : 4-4-85

मोहरू 🛎

प्ररूप बार्ड .टी . एन् _ट एस ..-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुभाना

जारत तरकार

कार्यानय, सहायक मायकर भागुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 ग्रप्रल 1985

निदेश स० एम० 1453/84-85--प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

क्षायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० के० जे० 9 हैं तथा जो कविनगर गाजियाबाव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित एक्वेंच्य से उक्ते अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रीभिनियम के शभीन कर दोने और जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सूर्विधा के लिए? और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवं, उक्त विभिन्निम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधान, मिम्नीसिश्चित व्यक्तियों, मर्थात् :---

- '1) श्री बिक्रम हिरा नन्दनी वीपक हीरानन्दनी पुत्त श्री हरि एलं हीरा मन्दनी, नि०-ए-63 भाई फैयर गार्डन नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती माया चौधरी पत्नी श्री माया चौधरी म्नादि नि०--34 सोतीगंज--मेरठ ।

(मन्तरिती)

(3) भन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्थन और विश्व कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो जी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर एक्स स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी में पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा गवा है।

मन ए ची

सम्पत्ति नं के० जे० 9, कवि नगर गाजियाबाद ।

जय प्रकाण हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 4-4-1985

प्ररूपः बाइं. दी. एसः, एवः, ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

प्राप्त सरकार

कार्यासव, सहायक आयकार लायुक्त (निर्याक्तक)

श्चर्णन रेज, कानपुर कानपुर, दिनाक 4 श्वरील 1985

निदेश मं० एम० 1499/84⊷85--श्रतः मुझे, जे०पी० हिलं(री,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार कृष्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं 115, है तथा जो नवयुग मार्केट में स्थित है (और संसे उपाबद अनुसूची सें और पूर्ण कर से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय गाजियाबाद सें, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 हा 16) के अधीन तारीख 9 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचि । बाजार मृत्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सक पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिका से एसे दश्यमान प्रतिकास का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बामा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भाग या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अंति: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों, अर्थात ।——

- (1) श्री जगदीस राज चौपड़ा पुँच श्री राम रख्खा मल चौपड़ा, निवासी केयर झाफ झाराम बाग पंच सुईया रोड़, नई दिल्ली।
- (2) श्री हरेन्द्र कुमार महेशवरी और विनोद कुमार पुत श्री रघुबीर सरन लहोती 115, नव युग मार्केट, गाजियाबाद 1.

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

(3) श्रन्तरिती (वह व्यक्ति शिसके ग्रभियोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के बंबंच में कोई भी नाक्षेप :----

- (क), इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जौ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क); इ.स. स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्थ किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए वा सकोने।

स्वाक्ष्मिरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नक्षा हैं॥

अनुस्था

प्लाट नं श्रार 2/200 राज नगर गाजियाबाद।

जय प्रकाश हिलोरी ट्वैसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपूर

तारीख 4-4-1986

मोह्य

प्रका नाइ , दाँ , एन , एव . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ड भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 4 भ्रप्रैल 1985 निदेश सं० एम०-1507/84-85--भ्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ध्लाट सं० 37 है तथा जो गाजियाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रिजिस्ट्री स्त्री श्रिधिकारी के कामीलय दादरी में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 क्या 16) के श्रिधीन, दिनांक 25-5-84,

कीं पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उसत अन्तरण लेखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया एमा है:--

- (क) नलारण वे हुई किसी नाम् की वावतः उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अस्तरक के धामित्य में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; बीर्/वा
- (थ) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922-(1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था जिपाने में सुविभा के सिष्;

बत: अब, उन्त जिथिनियम की भारा 269-ग की जनसरक कों, मीं. हक्स अधिनियम की भारा 269-भ की लपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० महाभाषा जनरल फा० कं० लि० 414 शासुफ शली रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० कोनार्क इण्डस्ट्रीज नि० 9 वरकी चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 द्वारा--वी० के० श्रुग्रवाल ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्सरिती

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां कारक्षा हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

जग्सूची

प्लाट सं० 37 ब्लाक वी० सिकन्द्रा लोनी गाजियाबाद ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, वानपुर

दिनांक : 4-4-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बार्च .टी..एम .एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के स्थीन स्थना

प्रारत सहस्राद

कार्यासय, सहामक मायकार माय्यत (निरक्षिण)

भ्रार्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 30 मार्च 1985 निदेश सं० एम०-1544/84-85--भ्रतः मुझे, ज०पी० हिलोरी,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यत्ति, चिसका सचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 182 है तथा जो राजपुर रोड, बेहरादून सें स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिवारी के कार्यालय, देहरादून में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 24-9-84,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्परित का उचित वाजार मूख्य उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे क्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया मतिफल निम्नलिक्स उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में भासायिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मनारण से गृह सिन्तों नाम की बाबस उनस व्यक्तिकम के वर्णीय कहा क्षेत्र में अन्तर्थ के व्यक्तिक में कती करने या वसके स्वतं में गृहिका के शिक्त कोइ/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, 1922 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा. छिपान में सुविधा से जिल्हा की आहा;

कतः कव, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण केंट्र में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् १—

(1) श्री श्रम्तलाल ब ्ल, पुत्र श्री जगन्नाथ बहुल, 181, राजपुर रोड, देहरादून।

(ग्रान्तरक)

(2) श्रीमती ऊपा चावला, पत्नी श्री सुन्दिर चावला, 31, रीता श्रपार्टसेंटस, बी० जे० रोड, बान्द्रा बाम्बे ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) ग्रन्तिनिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भ्रन्तिनती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रभ्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हि वह है)

कार्या सह सूचमा चारी कारके पृत्रांत्रित सम्मालित को अर्थन के लिए कार्यगाहिकों करता हूं।

सबत् सम्मृतित के सर्थन के सम्बन्ध में खोद् भी बार्खेंप्य---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सून हुनाराई
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म न्यानित ब्वाय जभाहस्ताक्ष्री के भास सिक्ति में किए था सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रमुक्त भान्दी और पर्यो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अधिहांगा को उस अध्याय में दिया 'पना हैं।

MATERIAL

सम्पत्ति म० 182, राजपुर रोड, देहरादून में जमीत 1141.17 वर्ग मी० जो ढाकपट्टी से सेन्ट्रल दून, देहरादून में स्थित हैं।

जय प्रकण हिंखोरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण), श्राजन रेज, कानपूर

दिनां हः 30-3-19**85**

मोहर 🖫

प्रकथ बाई, दी. एम., एस. ------

नागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, क्यनपूर

कानपुर, दिनांक 30 मार्च 1985

निदेश मं० एम- 137 // 84 - 85 - अप्रतः महो, जे० पी० हिलारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० 36 है तथा जो रिषीकेण से रिथन है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रा-कर्ता भ्रधि ारी के सार्यालय देहरादूत में, रजिस्ट्री राण श्रक्विनियम,

1908 (1908 (T 16) के श्रधीन, दिनार 3-8-84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिंग की गई है औं मूझे यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल रो, एोमे द्वयमान प्रतिकान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितिसां) के बीध पुसं अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नसिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आप की बाबत, उदत सीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने जें सविधा के सिए; औड़/वा
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १ धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए धा, दिल्ला सी सनिध फी किए;

बरुव ज़ब, उक्त निधितियम, की भारा 269-म के अनुसरण में इस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कभीत, निम्मेलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् हन्न 13-76GI/85

(1) श्री सुश्रीर कुमार, 36, देहरादुन रोड, रिशीकेश, बेहरादून ।

(भ्रन्तरका)

(2) श्री माजीत श्ररोष्ट्रा व श्री हरीण श्ररोष्ट्रा, मेन बाजार, टेहरी गढनाल ।

(भ्रन्तरिनी)

(3) भ्रन्तरिती (बहु ब्यक्ति, जिसके श्रविभाग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरिती (बहु काश्रित, जिपके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है ि वह समानि में (उनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🛎 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अश्रि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर श्यां बतया मा सो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे. 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्सि में हितवव्ध किसी बन्य स्थिति द्वारा जुधोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकें ने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा को उस मध्याय में विश नवा है।

वन्स्ची

सम्पत्ति मं० 36, देहरापूद्रन रोड, रिगीकेश, देहरादून।

जय प्रकाश हिलोरी यक्षम प्राधिः । री महायम भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), (अर्जन रेंज), कानपुर

दिनाव: : 30-3-1985

मोहर ।

प्ररूप बा**इ**ं, टी. एन. एस_ः ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 मार्च 1985 निर्देश सं० एम०-987/84-85--अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त माधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-ई के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 65 कि या 65 / 2 है तथा जो राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है (स्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-8-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक हम केशित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरम् वं हृदं किसी वाव की वावत , उपस विभिन्न के वधीन कर देने के अन्तरक के ताबित्व में कनी करने वा असवे वचने में तृतिभा के लिए; वीर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तिनों को किन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भा स्पीकरा जी किए।

भतः वकः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-त के अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् :---

- (1) ले॰ कर्नल अमीरजन्द गोसाई पुत्न स्व॰ श्री माया दास गोसाई, नि॰-65/2, राजपुर रोड, देहरावून । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मायावन्ती, पत्नी श्री ज्ञानचन्द नि०-63-सी०, राजपुर रोड, वेहरादून । (अन्सरिती)
- (3) अन्तरिती(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके वृद्योंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

'उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के एवपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित् में किस् वा सकोंगे।

स्वष्यक्रियाः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पर्यो का, जो अक्त अर्थिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा है।

नन्स्ची

सम्पत्ति सं० $65/\hat{a}$ अथवा 62/2, जो राजपुर रोड, देहरादून में स्थिन हैं ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिगांक : 30-3-1985

प्रस्य बाह्री, टॉ., एन्., एस्. ------

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वभीन वृष्यना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 मार्च 1985

निवेश सं० एम०-1459/84-85-अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० के एल-33 है तथा जो कविनगर, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इसम उपाबज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप स र्वाणत है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में। राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संबक्ति का उचित बाबार मूल्य उसके बर्यमान प्रतिफल् से, ऐसे बस्यमान प्रतिफल्, का नन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीक् ऐसे बन्तरण् के निए तय पाया गया रितफल निम्निविद्य उद्वोध्य से उक्त अन्तरकृ निस्थित में स्थानिक कम से काथित नहीं किया नुमा है है—

- (क) बन्तरण् **से हुई हिंकसी बाद को बाद**क्_{री} **समस्** अभिनियम **के बन्दीन क**रू दोने के बन्दरक के बाहित्य में कभी करने वा उद्देश वभने में सुविधा के हिन्द; बाहु/जा
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कार विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विभिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ बस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण ां, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ∦ अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधित्यः—-

- (1) श्रीमती हरजीत कौर, पत्नी श्री हरभजन सिंह नि० के० एल०-33, कविनगर, गाजियाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती किरन गुप्ता, पत्नी डा० जय प्रकाण गुप्ता, नि०--1308-ए, गांधीनगर, गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए शर्मजाहिया करता हो।

उक्स सम्मत्सि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाः
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्- बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी जे पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पळ्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया क्या हैं।

प्रनुसूचो

मकान स० के० एल०-33, कविनर , गाजियाबाद ।

जय प्रकाश हिलोरी सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिशांक: 30-3-1985

मोहर 🖫

प्रकल् वार्ड. टी., एन. एक्.-----

राप्रकर अभिनियम, 1961 (1961 🖦 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

नारव ब्रकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 30 भार्च 1985

निर्देश सं० एम०-1394/84-85-अतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के नभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० है तथा जो लोनी, गाजियाबाद में स्थित है (ग्रीर इसन उनाबछ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे एरयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिपात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ ऐसे अन्तर्थ के शिए तब बाया गया प्रतिफास, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश बाराण मिनित में वास्तिक क्य से कांग्रित वहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सीधीनमब के जधीन कर बेने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुनिधा के सिष्; मौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में समिधा के बिद्ध;

चतः वन, उक्त विधिनियम की पारा 269-ग के वन्तरण वाँ, मीं उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा लिशे के अधीन. निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थात्ं:—— (1) श्री मह्मूद, पुत श्री इक्राहिम शेख नि०-ग्राम-लोनी पर लोनी, जि०--गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो खुरणेद खा, पुन्न श्री नजीर खा एवं अन्य लोग, नि० गण-ग्राम--लौनी , तह० व जि० गाजियाबाद ।

(अन्तारती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके र्जाधभोग मे सम्पत्ति है)

(4) अन्नरिती (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अन्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मण्डोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त बीधनियम्, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिय मया हैं।

मनुषुषी

एक अहाता, जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्गगण है तथा जो आवादी लोनी, तह० व जि० गाजियाबाद में स्थित है।

> जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 30-3-85

प्रक्ष बाह् . ट. एन. एस. - - ---

शर्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकेर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

क्षानपुर, दिनांक 20 मार्च 1985

निर्देश सं० एम०-1511/84-85---अतः मुझे, जे० पीट हिलोरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं 196/318 है तथा जो पुराना डालनवाला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्री कर्ता अधकारी के कर्पालय, देहरादून में, राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-9-84

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान श्रांतफल के लिए कन्तरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफस से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क्ष के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से किशा नहीं किशा गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/बा
- (क) प्रीसी किसी आय या किसी गा जा पत्य वाण्यियों की जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया काना जाहिए था, कियाने में स्विका के लिए;

वतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिक्ति व्यक्तियों, वर्षांतु ध—

- (1) श्री अमरनाथ अरोरा पुत्र कुंवरभान अरोरा 196/318 पुराना डालन वाला देहरादून । (अन्तरक)
- (2) श्री अनिल कुमार विपाठी पुत्न श्याम किणोर विपाठो तेलभवन देहरादून ।

(अन्तरिती)

- (3) क्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) क्रेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पर्कत में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास निरात में किए या सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमाँ प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उस्त अधिनियम: के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा नया है।

नगरा ची

सम्पत्ति सं० 196/318 पुराना डालनवाला देहरादून ।

जय प्रशाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आजकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 20-3-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, कानपुर

हानपुर, दिनांक 20 मार्च 1985 निदेश सं० एम०-1510/84-85--श्रनः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं० 196/318 है तथा जा पुराना डालनवाला में स्थित है (और इससे उपावक प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, देहरादून में, र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्निचिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन नष्टी कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की साबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दने क अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्री ग्रमरनाथ ग्ररोरा पुत्र कुनरभान ग्ररोरा 186/318 पुराना डालनवाला देहरादून । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चन्द्र विषाठी पुत्र श्री स्थाम किशोर विषाठी तेलभवन—देहरादून ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) केता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) केता (यह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

सम्पत्ति संख्या 196/318 पुराना डालनवाला देहरादू ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 20-3-1985

प्ररूप भाइ .टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1985

निदेण सं० एम-1548/84-85--- प्रत मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० 2 है, तथा जो श्रायंनगर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजस्ट्रीकर प्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 26-9-84, को पूर्वोक्स क्याप्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित को गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्वश्थ स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिष्टम के अभीन कर देने के अन्तरक कं दाबित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत. अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन निय्नलिसित, व्यक्तियों, अर्थात् ---- (1) श्री प्रकोक्ष छिब्बर गुल थी दीनदयाल कतखल रोड—ज्वानापुर महारतपुर

(श्रन्तरक)

(2) श्री मुक्तेण कुमार बहुगुणा 2 नरेण कुमार बहुगुणा पुत्र श्री भगतराम 48/5 त्रिकार राड, देहराद्न ।

(अन्तिरिती)

(3) केता

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केना (वह व्यक्ति, जिसक बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह सम्पन्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सकी

म० न० 2 ग्रार्थनगर, बद्रीनाथ छिब्बर मार्ग देहरादून

जय प्रकाण हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), (स्रजैन रेंज), कानपुर

दिनाक 20-3-1985 भोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1985

निवेश मं० एम०-1635/84-85---श्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 66 है तथा जो पार्क रोड में स्थित है (और इससे उपावस प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 15-10-1984, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मभी यह विश्वास

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अवः,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के सधीन निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मुलखाराज पुत्र श्रात्माराम 89-मन्नूगज देहरादुन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद बहुगुणा
 131/32 पार्क रोष्ठ,
 देहरादून ।

(भ्रन्तिरती)

(3) केता (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केना
 (वह व्यक्ति जिसके वारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्य करें : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में पिरिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्रापर्टी नं ० ६६ पार्क रोड, देहरादून ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

दिनांक : 20-3-85

प्ररूप बार' टी. एन. एव.. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के नुभीन सुमृता

नारत चन्नाह

कार्यासम्य, सहायक आयकर आवृत्तत (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 4 मप्रैल 1985 🏲

निदेश सठ० के०-251/84-85--- मतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1555, 1585 है तथा जो बूठपुर, मछरिया कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण छप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमाव प्रतिफक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पम्बह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमां) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम पामा ममा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषमां से उक्त अन्तरण सिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जल्लारण संहुदं किसी बाव की बावस्त, अक्स विधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के बायित्य मो कभी करने हा उससे बचने में सर्विशा के किस्टु; ब्रोह/या
- (क्ट) एसी किसी भाग या किसी भग या जन्म बास्तियों कि जिम्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना भाहिए था, खिपान मा युंकिया के जिए;

(1) श्री रामदयाल पुत्र श्री श्याम लाल बृहपुर मर्छारिया, कानपुर ।

(घन्तरक)

(2) पंजाब फ्रान्टियल को० मापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० 68/1, साइट नं० 1, किंदबई नगर, कानपुर । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवर्गित में करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकोंगे।

स्वध्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त जिथिनयम के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा मो उस अध्याय में विया व्या हैं।

वर्द्या

खेत स्थित बूढपुर मछारिया, कानपुर ।

जय प्रकाश हिलोरी समम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेत रेंज, कानपुर

दिनाक : 4-4-1985

वक्य बाह्", टी. एवं . एवं . -----

नावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

MICC STATE

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक)

∍**धर्जन** रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश सं के०-252/84-85-प्रतः मुझे, जे० पी० हिलोरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्तः अभिनियम' कहा गया है") की भारा 269-ज के अभीन सक्षम् प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं 0 141 है तथा जो गंगापुर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाधक ग्रनुसुधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक

28-9-84

को पुर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूच्य से कम को करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जुसके प्रममान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिकी (अंतरितियाँ) के नीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्टित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिक्टित में बास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है ५----

- (कि<u>)) अन्तरण से हुई किसी</u> भाग की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; बॉर/वा
- 🖥) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अगस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधीनवम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यनार्थ जन्हरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा ने निर्;

बतः बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण , में, स्वल अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के बधीव. निजिलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) श्री करुणाशंकर तिवारी पुत्र स्व॰ श्री अयोध्या प्रसाद तिवारी, 18/24, कुरसवां कानपुर ।

(भ्र÷तरक)

(2) नगर समाज सहकारी श्रावास समिति लि॰ 58, यशोदा नगर, कानपुर द्वारा श्री सुरेन्द्र सिंह।

(ब्रन्तरिती)

(3) केतागण (बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना चाड़ी काड़के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाद्यियां करता 🚛।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्कप् ध---

- (क) इत् ह्याना केराव्यात्र में प्रकादन् की तारीय क 45 सिंधु की वनीय या संस्थानानी म्युनियको पर त्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अयक्ति इवाच अधोहस्ताक्षरी के पात लिसिस मंकिए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा, जो उस सभ्याय में दिस गया **5**11

बम्बुची

खोत स्थित गंगापुर, कानपुर ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर साबुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 4-4-1985

प्रकृष भार्दः त्री, एन. एत. ------

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनाक 4 अप्रैल 1985

निर्देश सं० के-253/84-85—अतः, मुझे, जें० पी० हिलोरी, बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुव 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं 124-ए/268 है, तथा जो गोविन्द नगर कानपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 27 सितम्बर, 1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के 'द्रियमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नेलिखित उद्देष्य से उक्त ≠ अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अम्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, जक्त विधित्यमं की भारा 269-ग के सन्तरण भों, मीं, जक्त विधित्यमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के कभीन, निम्नसिचित, व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री तिलकाज, जे-7/58, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्री योगेश कुमार चड्ढा सपुत्र श्री मनोहर लाल $124 \cdot \sqrt{268}$,गोविन्दनगर, कानपुर

(अन्तरिती)

3. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्मित्त में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्ध व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

प्रनुसूची

मकान स्थित गोविन्द नगर, कानपुर ।

जय प्रकाश हिलोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंच, कानपुर

तारीख : 4-4-1985

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. ------

भाषकर विधिनियय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचमा

भारत सहस्रह

कार्याक्य, सहायक जामकर वागुक्त (निर्द्रोक्ट्न)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांब 4 मार्न 1985

तिर्देश सं० 1/अगस्त/84---थतः, मुझे, प्रेम मालिनी वासन, नायकर निधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से शिथक है ग्रीर जिसकी सं । सर्वे सं । 210 है, तथा जो कलिन्जर गाव में में स्थित है (भ्रार इसने उपायद अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० काठवाठी दस्तावेज सं० 2517/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापबीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उबके क्याबान प्रतिकल से, एवे क्याबान प्रतिकल का बन्बद्ध प्रतिसत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) जीर अंतरिती (नंतरिक्षिकों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पामा गया प्रक्रि-फल निम्मलिबित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली नाम की वासत, उक्त अभिनियन को अभीन कर दोने के अन्तरक के स्थित्व में जनी करने वा उत्तर्ध वचने में सुनिया के किए। और/वा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्या आस्थियों, की प्रेंचल भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

कतः वन वन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुतरण में, में, उपर अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बचीन, निम्मिनियस स्थनितमों अर्थात् हरू

1. श्री वी० अप्पास्नामी कौठर

(अन्तरक)

2. श्रीमती वी० मीना

(अन्तिरती)

कार्य हु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्ववृष्ट किती जन्म व्यक्ति वृद्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वाचीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्क जीभीनदम, के अभ्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं जर्भ होगा जो उस अभ्याय में दिया नेया है।

मन्त्र्यी

भूमि भौर निर्माण —कलिन्जर गांव सर्वे सं० 210, (बस्सावेज सं० 2517/84) t

> प्रेम मालिमी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीच : 4-3-1985

भोहर:

मुक्ष बार्व ही पुन् पुर ाननार राजना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुम्रा

भारत धरकाष

कार्यात्तय, महायक जायकर आयुक्त (नि<u>र्</u>दक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनाव 4 मार्च 1985

निर्देण स॰ 2/अगस्त/84—यत/, मुझे, प्रेम मालिनी वासन, वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रौर जिस्की सं० हैं तथा जो सीदाराम अय्यर स्ट्रीट, आरंकाट नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं क्र), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० आरकाट दस्तावेज सं० 1610/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्यमान प्रतिफस के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चया प्रतिक्रस, निम्निखिख उद्योक्त से उक्त बन्तरण लिखित कें बास्तिकर रूप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिन्निया, को बधीन कर दोने को बन्तरक की वायित्व में कमी करने या उत्तसे मधने में सुविभा के क्रिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम ति 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिम के निए;

बतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न में समूसरक में, में उक्त विधिनियम को भारा 269-च की उपभाग (1) के वधीन निम्निसित व्यक्तियों, सर्थातु.—— 1. श्री वी काशीन।यन

(अन्तरक)

(2) श्री वि॰ सकादेवमुवलि ।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के विह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्य --

- (क) ध्स स्थना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की सामीन से 30 विन की वर्गभ, को भी वर्गभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस ब्यान के राष्ट्र में प्रकारन की वार्यक है 45 दिन के श्रीत्र उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितनक्ष क्रियी कृत्व, न्यानित बुनारा अधोहस्ताकारी के पास जिल्ला में किए का सन्देंगे।

स्पद्धिकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिषक, से सभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही सूर्य होगा, वो उस सभ्याय में दिका पद्मा है:

जग्तुचीं

भूमि और सीदाराम अम्पर स्ट्रीट, आरकार्ट नगर । (षस : सं० 1610/84) ।

> प्रेम भालिमि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-1, मद्रास

सारीख: 4-3-1985

मोहर 🛭

प्रचल बाह् हो . एवं . एस् . ------

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) वे मुधीम कुमक्

ज्ञारक करकार

कार्याभव, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रें ज-1, मद्रास मद्रास दिनांक 3 मार्चे, 1985

निदेश सं० 3/अगस्त/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि नासन, भायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जी धारा 269-ख ने नधीन तक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वानार न्या 1,00,000/- रहे, से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 6 कीस्ट काम स्ट्रीट, कान्दी नगर, वेलूर-6 हैं जो में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबड़ अनुसूची में ध्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०, काठपाटी दस सं० 2587/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के जधीन अध्यान 44

का पूर्वोक्त सम्पत्ति **से रिजय राज्यस्य सूत्रम् औं तथा है तुरस्यान** प्रतिकल्ल के लिए अन्तरित की गर्द

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-वृजींक्स सम्पर्शिका उचित बाबार मूल्य, उसके बश्यमान प्रति-कल से, एति क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से विधिक है जीर अंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एते जंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीसिखिक क्यूबर्ड से उक्त जंतरण सिविक में वास्तिक क्य के किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण **वे शुरू कियी भाग की गावल, उन्ह** जीवाँगवान के अभीन कर दोने के बन्तरक के बाबिरण में किया करने या उत्तरों कचने में सुनिधा के तिए: और/मा
- (व) ऐसी किसी जान वा किसी भग वा अभ्य जानिस्तरी को चिन्हों भारतीय जानकर विचित्रमम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत मिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ सम्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया भग था का किया कामा पाहिन्द था, क्रियाने में ब्रियम से सिन्ह;

(1) श्री राम० नेलसन।

(अन्तरक)

(2) श्री टि॰ वालसुब्रमणियम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित् वा नर्वन के जिल्ह कार्यवाहिना करता हूं?।

, उन्ता सन्तरित के कर्बन के सन्तरूप के फोड़े भी बार्खन १---

- (क) इस् ब्रुचना के राज्यन में प्रकारण की ताडीच के 45 दिन की जनीय या तत्स्र जन्मी व्यक्तियों पर त्यना की काचीन से 30 दिन की नवीन, को भी जनीय वाद के जमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इसंसूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपक्ति में बिंक-वृष्य किसी अन्य स्थावत क्वारा अधोहत्साक्षणी के पाठ सिचित में किए जा सक्षेत्र ।

स्वक्षींकरण :—पुसर्गे प्रयुक्त सच्यों बीर वर्षों का, को सक्स वर्गुक्तिवयं के सम्पाय 20-क को परिभाविष हाँ, वहीं धूर्व होगा थों उस स्थाय की खुका पक्षा हो।

ननुजुनी

भूमि 6 ईस्टेट कास स्ट्रीट, कान्वी नगर, वेलूर-6 (दस : सं० 2587/84)।

प्रेम मालिनि धासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

श्रेतः अध्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म न अनुसरण अं, सं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निकासित्रित व्यक्तिओं, वर्षास्

तारीख: 3-3-1985

मोहर 🤃

वस्य आहें ही प्रा एवं . -----

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सुजना

भारत चरकार

कार्यालयं, सहायक बायकर बावक्तं (निर्द्राक्षक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश मं० 6/अगस्त/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, नावकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके परवाह 'उक्त अधिनिवम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी की, यह धिश्यात करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टि॰ एस॰ मं॰ 33 हैं, जो बार्ट सं० टी॰, ब्लाक 10, बानियमबाठी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस॰आर॰ बाणियम्पाठी दस मं॰ 2040/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1984

- (क) जन्तरण से हुई कियी जान की जावत, उक्त अधिनियज के अधीन कर दोने जी जन्तरक के दाजित्य में सभी करने या अतने वसवे में सुविधा के किय; शांड/वा
- (क) एकी किसी जान वा किसी भन या अन्य आस्तियों की भिन्हों भारतीय मानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, जियाने में सुनिधा में किया।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण वें, तें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) श्री आर॰ जि॰ तीयागिरी मुद्दलियार। (अन्तरक) .
- (2) श्री इकबाल अहमद रयास। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

स्वत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया अन्य व्यक्ति द्वारा वश्तरम्माक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थान किरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

all bles

भूमि, बार्ट डी॰, ब्लाक 10, कोटि कजी अब्दुल रकीम, माहीब स्ट्रीट, वाणियम्पाठी ठवुन टि॰ एम॰ सं॰ 33 (दस: मं॰ 2040/84)

> प्रेम मालिनि वामन सक्षम प्राधिकारी गहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख : 13-3,1985

मोहर 🛭

काम वार् हो पुन-द्वा

नाथकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, बहायक जायकर जायूक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास दिनांक 4 मार्च, 1985

निर्देश सं० 14/अगस्त/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, बामकर भीभानमा; 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रकाद प्रियान कहा गया हूँ), की भारा 269-च के अभीन सभान अधिकारी को बहु विकास करने का भारण है कि स्थानर सम्माति, जिसका उमित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० है, जो ए०सी० मेलमुक गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०आर० राटपाटी दम: मं० 851/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के जियत बादार मूल्य से क्षम के इश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की नई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकत से एसे इश्यमान प्रतिकत का क्ष्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पान गया प्रतिकत, विम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसके बचाने में तृत्विधा के बिह; और/या
- (क) ऐंबी किसी कर या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वासा चाहिए था, कियाने में बुलिया के तिक्ह;

जतः जन, जनत मधिनियम की भारा 269-म के अमूनरण भें, में उक्त मिभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोनिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमाते कुप्पम्माल ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री पलिजामि।

(अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपास के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविच वा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुक्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है .!

APRIL .

भूमि-राटपीटी ए०पि० मेलमुकम गांव। (दस: सं० 851/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अजैनरें ज-1, मद्रास

तारीख : 4-3-1985

महिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 4 मार्च, 1995

निदेश सं० 15/अगस्त/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्नौर जिसकी सं० सर्वे सं० 335, 2 है, जो गाय मेलमुकम,एटपाटो नामकल तालुक में स्थित है (श्रार इससे उपावड अनुसूची में धौर पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० एटपाटी दस: सं० 852/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 8 (1908 का 16) के अधीन तारीख

16 अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिकृत से, एसे श्रथमान प्रतिकल के पंत्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निल खित उद्वेश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में वास्तम्कि रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आंग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्रीमति कुम्माल भौर अमुदम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति पश्चयम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी संग्रस्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के फिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ते ते 45 दिश की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हार्रती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार किहित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

भूमि-मेलमुकम गांव, नामकल तालुक। (दस स० 852/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 4-3-1985

मोहर :

प्रकप आई टी एन. एस. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १६०-घ (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्तः (निर्नीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 4 मार्च, 1985

मिवेश सं० 17/अगस्त/84—अतः मुक्षे, प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'तकल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 3221/1 है, जो सन्किकिर गांव, नामकल तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्याच्या गस० आर० सन्किकिर दुरकम दस: सं० 625/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अगस्त, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित है डाजार गृस्य में कम में दृश्यक्षण प्रतिफल के लिए अंतरितं की गृह है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापवीक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण, के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जास की बाबत, उफ्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी अपने या उगसे अपने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी, जाय या जिसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयँकें र अधिरायम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सित्या के न्तिए

बतक कर, १४न अधिनियम, की धारा १६०-व की अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पेरूमा कवेन्टर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मुन्नुस्वामी श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रोंक्त सम्पर्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास निश्चित में किए जा स्कीर्ग।

स्थवद्यौकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया क्या है।

अ**नु**सूची

भुमि अट -सन्किकिरि गाँव सर्वे सं० 322/1 रदसः सं० 625/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्राम

तारीख: 4-3-1985

मोहर ः

प्ररूप आहर्ै ्ठी ्एन ्एस ्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 4 मार्च, 1985

निदेश सं० 20/अगस्त/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्रस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ठोर मं० 8ए- आर 8बी०, वार्ड सं० 12 है, जो काठूर काट्टुकोठाम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप में में विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० रासिपुरम दसः सं० 1530/8 4 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1909 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाषार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कर्मी करने या उससे बचने मी स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) श्री पी० के० नठेसन।

(अन्तरक)

(2) श्री जी॰ नाकेन्द्रन श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-और निर्माण-मन्कलुर। (दस:सं० 1530/84)।

> प्रेम मालिनि वासन ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक **धा**यकर **धायुक्त (निरीक्तण)** " **धर्जन रेंज-3, सम्बर्ध**

दिनांक: 10-4-1985

मोहर:

प्रका नार्षः, दीव एतत् एसतुभागाना

भागभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाज 269-म (1) में सभीन सूचना

भारत सरकाउ

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त ((नर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० 22/अगस्त/1984---अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसुमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० है तथा जो नामकल, मोकनूर, सिन्नपेतम्पट्टी गांव में स्थित है (ग्रीर इससे ज्ञपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० मोधनूर दस सं० 772/84 में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वीक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई भिन्नी जाय की बाबत उपत वर्षि-निमम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दादित्य में कमी करने मा उद्युष्ठे बचने में सुविधा के सिन्धे। बीहर/बा
- (वा) एंधी किसी जाव या किसी थन वस्थ नास्तिवां को, जिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 3957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना आहिए था कियाने में सुनिवा के सिक्टा

जतः अव, उक्त अधिनियम की-धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ, अधीत क्र--- (1) श्री एस॰ मृत्तुसामि

(अन्तरक)

(2) श्री सिन्नमनायकर

(अन्तरिती)

को यह युचना जारी काउके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां काउता हुं।

उनत सम्पर्हित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 💝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

्रचच्चीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

नन्त्रची

भूमि मोकनूर, नामकल, सिन्नपेतम्पट्टी गांव, पट्टा सं० 618 (दस सं० 772/84)

> प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽1, मद्रास

दिनांक: 4-3-1985

मोहर 🛭

प्र**कल कार्य**ु **र्स**्तु पुण*ु* पृष**्**तु अञ्चन स्टब्स

भाषकर गाँपिनियम, 1961 (1861 का 43) की प्राप्त 269-ग (1) के मचीन क्षाना

पहल बसकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मंद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985 '

निर्देश सं० 23/अगस्त/1984—अतः मुझे प्रेममालिनी बासन,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), क्ली. भारा 269-स के अधीन सक्षम शाँचकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बलन्दीकोम्पू गांत्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाध्वत अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० सेन्दमन्कलम दस सं० 1173/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांकें अगस्त 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान श्रीतफल के लिए अन्तिरित की गई है भीर मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से एंसे दश्यमान श्रीतफल का पंत्रह् श्रीतशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, विम्निचित स्टूबस्य से स्कत अन्तरण विविक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ■—

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी शाव की वावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर वाने के अन्तरक के सारित्य में कभी करने वा उक्त अचने में सुविधा के सिए श्रीहर्णना
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन वा अन्य जास्तियों को किन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विनियम, या अक्तर अधिनियम, या अक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नकारिकी क्षास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने बें सुविधा के हित्तु;

जतः अभ, उक्त अभिनियम की धारा 269-म को अनुसरम में, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाक्त (1) को अभीतः, निकासिष्ड व्यक्तियों, अर्थास्य क्र-

- (🕩) श्री सुज्ञमणियम
- · (अन्तरक)
- (2) श्री कें मृत्युसामि आसारी

(अन्तरिती)

को यह बुचना चारी खरके पूर्वीचत संपत्ति के वर्षन के सिए कार्यग्रिह्या करता हुं।

उक्त सम्मरित के क्वान के संबंध में कोई भी बाक्षेत :---

- (क) इस सूचना को राज्यपन मों जकायन की सार्यांच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की बाबील से 30 दिन की अवजि, सो भी बंबीम मान में समाप्त होती हो, से मीलर पर्केक्स व्यक्तियों में से किसी कावित क्वारा;
- (क) इस क्ष्यका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 विन के भीतक उपन स्थावर सम्मति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा तन्त्रियो।

हाकडीकरण, ---इसमें प्रमुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित्र ही, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

44.00

भ्मि--वलन्दीकोम्पे गांव । (वसः सं० 1173/84)

> प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी -सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

दिनांक: 4-3-1985

मोहर 🖸

पुरुष कार्द्या<u>ती पुन्त एक अस्त</u>्रा

शायकर ज[विनियम, 1961 (1961 का 43) को वारा 269-भ (1) में अभीन सूत्रना

मारंत संस्कार

कार्यसर, सहावक सायकर बाबुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

भद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश र्सं० 25/अगस्त/1984—अक्षः मुझे प्रेममालिनि वासन,

कायकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 9/4 11/6 आर० 11/2 है तथा जो पलपट्टी गांव सेलम तालुक में स्थित है (मौर इससे उपाधद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० भो० III सेलम दस: सं० 909/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त तस्पत्ति को उचित बाचार मूल्य से कम के क्लबान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सस्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उत्तके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा बदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तरिवृक्ष रूप से क्रियत नहीं किया गया है है—

- (क), अन्तरण ते हुई किसी जाल करें, वानवा, जनक अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व ने कनी करने वा उत्तते वजने में सुविधा के सिद्ध; और/वा
- रैंको एरेती जिल्ही भाव का जिल्ही भने का अन्य बाहेकायों को भिन्हों भारतीय कायकर अभिनियम, 1922 की 1922 का 11) या उपल, अभिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजासनार्थ अन्तरिती द्वारा ज्ञाट नहीं किया धर्मा का वा किया जाना चाहिए भा, कियाने में तुमिधा जीनका;

मतः वस्त जनिनियम को भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-ए को उपधारा (1) के मधीन, निकार्टिस कित व्यक्तियों, अभाव १८(1) श्री वेलय कोंटर

(अन्सरक)

(2) श्रीमती बी॰ बानुमदी श्रौर अन्यों

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मीच के मर्जन के सम्बन्ध में कोई नी आक्षेप :---

- (क्क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तित्यों एर सूचना की तासीच से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसस्पर्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवह्रभ किसी अन्य स्थावत क्यारा अधोद्देस्ताक्षरी के पांच दिखास में किए था सकरें।

स्पन्धीकरण: - इतमें प्रवृत्तत कृष्यों और पर्यों का, जो उथत क्षितिकाम, के अध्याय 20-क के किशाधित है, वही अर्थ क्षोणः को उत्त अध्याय में दिवा क्या है है

अनुसूची

भूमि—पलपट्टी गाँव सेलम तालुक टी॰ एस॰ से॰ 9/4/11/16 भीर 11/2 (दस सं॰ 909/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 महास

दित्तींक: 4-3-1985

नोहर 🛭

.प्ररूप आहर्ं,, टी, एन., एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्चे 1985

निर्देश सं० 27/अगस्त/1984---अतः मुझे, प्रेममानि वासन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् ंचक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन तकाम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार म्हण्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जिसकी सं० सर्वे सं० 352/1वी, 2वी श्रौर 354/4
तथा जो मंकलपुरम गांव सेलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाध्यः अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० आर० वालपाठी दस सं० 2018/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

- को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पृष्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—
 - (क) बस्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उसत अभिनियम को अभीन कर दोने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रमतः अकः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरणः , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अधीन, निम्मलिखित काकिनयों, अर्थात ः—कः (1) श्री पेरिमसामी धौर अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री मानिकम पठयाची

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त बन्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की व्यक्ति वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि ग्रौर निर्माण-मंकलपुरम गांव रासिपुरम तालुक सर्वे सं० 352/1बी 352/2बी ग्रौर 354/4 (दस सं० 2018/84)

> प्रेममालिनि वासन्: । सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; मद्रास

दिनांक : 4-3-1985

मोहर 🗈 🥤

हरूप नाह', ठी. १न. एड.

भायकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-५ (1) के कभीत बुच्चा

भारत उडकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरक्षिण)

कर्जन रेंज-1, मध्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं० 28/अगस्त/1984---अतः मुझे, प्रेममालिनि गसन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाकार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्बे नं० 505/7 है जो आतूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यांत्रय, एस० आर० आतूर दस सं० 1575/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984

को बुबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजीर मृत्य से कम के एरयमान अन्तरित की प्रतिभल की लिए करन मुभ्हे विश्वास का यह कि मधापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खप्यमान प्रतिकल सी, एोसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तर्ग लिकित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम चे हुई किसी जान की बानत, उक्त वीधिनियम को अधीन कर दोने के करारण के वाधिरन में कभी करने वा उससे नजने से सुनिधा के बिक्; करि/का
- (च) एसी विकसी आयं मा किसी घन वा बन्ध बास्तिकों को जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनका निधितियम, या धनकर निधितियम, या धनकर निधितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्नाइत प्रकट नहीं किया बना माहिए या कियाने में सुनिया ने निक्दः

अतः क्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण औं, में, क्ष्मत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीत्र किम्लोक्विचित व्यक्तियों ☑ अभीत क्षमा- (1) श्री ए० रामलिन्गम भ्रोर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिवकामि

(अन्तरिती)

की यह स्वता बारी क्षाइके पृत्रोंकत संवृक्ति के वृद्धित के विष्टु कार्यवाहियां कारता हूं।

चनत संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- '(वा) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब वं 45 पिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किगी अन्य स्थानत व्वारा अशेहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, में डक्ख़ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वन्त्रकी

भूमि श्रीर निर्माण-कामराजर घेट, आत्तूर, सेलम (दस सं० 1575/84)

> प्रेममासिनि बास्न, ं सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन गंज–1, मद्रास

दिनांक: 4-3-1985

मोहर 🗅

मक्त नार्व .दी. एन . युव् . =-======

मायक्ष्य स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1985

निर्वेश सं० 80/अगस्त/1984—अतः मुझे, प्रेममालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मर्वे सं 127, प्लार्ट सं 1012 है तथा जो विलिवाठकम गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ग्रो० अन्ना नगर वस सं 2978/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अगस्त 1984

को पूर्योक्त सम्मित्त को उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ये कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा की लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 16—76 GI/85 (1) श्री बी० आर० मादव राव

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० एन० मूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयसर्वी

भूमि भौर निर्माण-प्लाट सं० 1012, विलिक्षाठकम, गांव दस सं० 2978/84 में

> प्रेममालिनी वासन, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–1, मब्रास

विनोक: 19-3-198**5**

मोहार 🖫

प्रकम वार्षः टौ. एन्. व्स. ------

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन स्मना

भारत शरकार

कार्यालय, सहावक आवकर बायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज⊸1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 19 मार्च 1985

निर्देश मं० 83/अगस्त्र/1981---अत मुने, राहितती वासन;

बायच्चर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवाह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 543, आर० एस० सं० 29 है तथा जो अन्ना नगर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्री० अन्नानगर दस सं० 2951/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रोन, दिन्ह गुनरा 1984:

की पूर्नोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रति-इतिकल के लिए अन्तरित की गर्ध हैं, और मुक्ते यह दिव्यत्म का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिचत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तंय पाया गया प्रति-कन, निकामिक्ति उद्योग्य से उक्त शिकत में बास्तिक रूप से बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण चे हुई किसी नाथ की बावत , उक्त अधिप्रकृष की वर्षीय कार दोने के अध्यक्ष के बहिएल में की कार्य मा उसके बचने में अधिका के लिए; बीद/बा
- (ग) होती किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तिओं को, जिन्हें भारतीयं नावकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या जन्त बिश्तित्यम, अन्य व्यक्तार जीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना चाहिए था. डिगाने अं श्रीवंशा के किए;

वतः वतः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (१) के विधीन निकासिवित व्यक्तियों धातु हु— (1) श्री पी० सी० मातम्

(अन्तरक)

(2) श्री कें एम अमोनु दीन

(अन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्चन के लि का जिल्हियां करता हुई।

उक्त बुव्यस्ति के अर्थन के बुव्यन्ध में कोई भी गालेंग :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं है 45 दिन की अवधि सा तत्सन्यन्धी स्थितत्वों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, आं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितस्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की सारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हितबब्ध किसी बन्द स्थायत द्वारा सथोइस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए वा सकरी।

.लक्ष्यौक्षरण ----वसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, की उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा को उस सभ्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

भूमि प्ताट मं० 543, अन्ना नगर आर० एस० सं० 29 मद्रास-40। (दल स० 2981/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

दिनांक: 19-3-1985

मोहर :

प्रारुष आहे, ही . एत् . एस . -----

भायक र भौभिनियम, 1961 (1.961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० 88/अगस्त/1984——अतः मुझे, प्रेममालिनी वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह कि करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 3159 है तथा जो नटुक हरें, अन्ना नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अन्ना नगर दम सं० 2868/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल को लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास रूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध ली अध्यय. अन्य अधितियम के नगीन का बोर्ट म असरक क दासिरण मो कमी करने सा उसस करत मा स्थिप से लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयाँ को चिन्हुँ भारतीय नायकर निमिन्सम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए:

बतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० कृष्णमूर्ति रेड्डी

(अन्तरक)

(2) श्री पी० आर० नारायणन

(अन्तरिती)

 को सह सूचना चारी करके पृत्रांचित सम्पृतित के वर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणं:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—प्लाट सं० 3159, अन्ना नगर, मद्राम । (दस सं० 2868/84)

> प्रेममालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

दिनांक: 13-3-1985

मोहर:

प्रक्य बार्ड. टी, एन. एस.-----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269—थ (1) हे धनीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानव, सहायक जावकर वावूक्त (निद्वीक्रण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० 94/अगस्त/1984--अतः मुझे, प्रेममालिनी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की पाच 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह क्लियास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अवित वाचार मुस्य 1,00,000/- रत. से अधिक **है**

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 4085 है तथा जो मुल्लमगांव, अन्नानगर मद्रास-40 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० भ्रो० अन्नानगर दस सं० 2746/84 में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम कै दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वादार भूरूय, उसके दृष्यमान प्रसिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए इस पासा क्या प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उत्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) मन्तरण ते हुई किती भाग की बावत वक्त अधि-ज़ियम के बचीन कर दोने के मन्त्रक के सावित्व में कनी-कद्भने वाउटको वचने में वृतिभावी विष्ह; म्हर्गर/वा
- (क) एेसी किसी बाव वा किसी वन वा कर्ण अहिस्तकों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा वन कर विभिनियम, 19%-7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा वे सिर्द

क्षेत्र: भव उक्त विभिनियम की भारा 269-न के बनसरक तं, तं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभादा (1) के अधीन, निम्नलि**षिक व्यक्तियाँ, अर्थात्** ५----

- (1) श्रीमती प्रेम पदमनाबन
- (अन्तरक)
- (2) कुमारी उ० प्राशान्वी

(अन्तरिती)

को यह स्वान वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन की हैंसह कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के वर्षम के संबंध में कोई भी वाक्रोप ड---

- (क) इस स्वाम के उपापन में प्रकाशन की तार्थिक से 45 दिन की जविध या तुरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना करी दामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविभ बल्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त **व्यक्तिप्र**यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस इंप्यना के रावप्त में प्रकासन की तारीय सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा. अधोहस्ताक्षरी के शत सिवित में किए वा क्षकें ने।

ल्ब्यूबिक्स्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-विवन के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, थही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

वेकेंट भूमि प्लाट सं० 4085, मुल्लमगांव, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस सं० 2746/84)

> प्रेममालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सद्यायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मब्रास

_ा बनांक: 12-3-1985

मोहर 🖫

हरून बाई की एन एस

नायकर निधिनियन, 1961 (1961 को 43) की वारा 269-न (1) के नधीन क्वान

दास्य दशकात

श्वामांत्रम, सहायक बायकर बायुक्त (विराधान)

अर्जन रेंज-1, मब्रास मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० 98/अवस्त/1984—अतः मुझे, प्रेममालिनी वासन.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2934, प्लाट 2, 1 14 मेन रोड़ है तथा जो अन्नानगर, मद्रास-40 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकत्ता अधि-कारी के कार्यालय, एस० आर० श्रो० अन्नानगर दस सं० 2715/84 सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अवस्त 1984:

को पृथांकत सम्मति के जीवत नावार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के सिए अन्यरित की पद् हैं और मुक्ते यह निवनास करने का कारण है कि जनापृत्रोंकत सम्मति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरच के सिए तय पाया गया श्रिक के किम्मतिविच उद्योक से स्वत बन्दरच किवित में वास्तिक कर्म से किया नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वियत्व में कमी करूने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, वा धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बागा चाहिए वा, कियाने में स्तिया के सिक्;

कतः वयं, उक्त विधिनियमं, की भारा 269-ण के जनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्रीमती मीनाक्षी

(अन्तरक)

(2) श्री बी० ए० नन्दकोबाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संप्रीत के वर्जन के निष् कार्यशाहियां करता हूं।

रक्त सम्बद्धि में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासीहा--

- (क) इत स्थान के शक्यन में प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की समिथ या तत्संसंभी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की अवधि को भी स्वर्ध्य को वे विकास होती हो, के शीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपर्ति में हित्तबस्थ किसी बन्द व्यक्ति इवारा, जभोहस्ताक्षरी के वास जिल्हा में किस वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त विभिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया क्या हैं।

भनुसूची

भूमि भौर निर्माण—प्लाट सं० 2934, प्लाट सं0 ए1, 14 मेन रोड़, अन्ना नगर, मद्रास—40 (दस सं० 2715/84)

> प्रेममालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज∽1, मद्रास

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🛭

प्रस्य बार्ड . टी . एन . एस .. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

धार्व कर्याह

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1985

निर्देश स० 100/प्रगस्त/1984--- प्रतः मुझे, प्रेममालिनी वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1067, श्रार० एस० सं० 128 है तथा जी विलिवाक मांव से स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री पिट वारी के वायिलय, एप० धार० ओ० धनानगर दक्ष सं० 2678/842, 2669/84 से भारतीय रिजिस्ट्री प्राप्त प्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनांक धगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यसपूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की गागत, उक्त जांध-निष्ण के जभीत कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) . के अधीन, न्मिनसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) श्री एम० सैमन जानःब

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष देवी सोलंकी

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रास्तः;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गमा है।

धनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1067 विलिंबाक्सम गांव (दस स० 2678/84 और 2669/84)

प्रेममालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 19-3-19**85**

मोहर :

मस्य बार्ड .दी. एन . एवं . -----

वायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में वधीन स्वना

प्राप्त सरकार

कार्याक्य, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्राव

मद्रास, दिनां ६ 12 मार्च 1985

निर्देश सं० 102/श्रगस्त/1984~—श्रतः मुझे, प्रेममालिनी वासनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्रिष्कारी को, यह विक्यात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लट सं० 3207-ं छी, श्रार० एस० सं० 40 है तथा जो पेरियक्टल गांव सें स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीय ती श्रीध-वारी के वार्यालय, एस० श्रार० ओ० श्रन्नातर . ६० स० 2684/84 में भारतीय रजिस्ट्री रण श्रिधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, दिनांव श्रास्त 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सिंपनियम के स्थीप कर दोने के अन्तरक के सामित्य में कानी कारने वा उससे वचने में सुनिया की सिए: न्येर/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, विक्यू आहरतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 की .11) या उदार अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया जाना चाहिए था, किया जीधना के रेक्टर:

नतः अव, उक्त निमिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त निमिनियम की धारा 269 च की उपभारा (1) के निमिनियम, निम्निसिखन व्यक्तियों, अर्थान् :—

(1) श्री ई० नम्पेरूमाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० वी० पी० श्याम सुन्दर

(भ्रन्तरिती)

न्द्रों वह सुचना बादी करके पुत्रानित सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं !

बक्त सम्मतित के कर्पन के सम्बन्ध में खोड़ें भी बाखेर ह--

- (क) इब ब्रुगा के रावप्त में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तर्सवंधी व्यक्तियों प्रसुवना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्कर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रयूक्त वक्कों बार वर्धों का, वा अवस् विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुरी वर्ष होगा ज़ों उस अध्याय में वियाग्या ही।

वन्त्रकी

भूमि पेरियक्टल गांव, प्लाट सं० 3207 टी० श्रार० 0.000 एम० सं० 0.000 (देश सं० 0.000

प्रेममालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🖇

त्ररूप बार्ड . टी. एन . एक . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चनों

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 प्राप्तैल 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/11/एम०-भार०→1/8-84/560---मतः मुझे, म्रार० पी० राजेश,

जायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल~2/904 है तथा जो केदार बिल्डीग, सन्जी मडी, धार्ज नं० 12, दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची सें पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीक पा मिश्रिकारी के कार्यालय, दिल्ली, सें भारतीय रजिस्ट्रीक रण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का शत्कह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल, विश्नसिवित उद्योद्य से उच्च बन्तरण निवित में बास्त-विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—-

- (क) नन्तरम ये हुए किया नाम की नायत वपद व्यव-निवन से व्योग कर योगे से सक्त हुन के शामित्य में कती करने ना कव्ये नचने में शुनिया से निये; बार ना/
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया भा का किया जाना चाहिए जा, जिनाने में जुनिधा है। सिए;

जतः वज, उच्त विधिनियमं की धारा 269-ग के, जनसरण में, में, उच्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिनिक्षित व्यक्तियों, वधित द⊷र (1) श्री प्रकाश राज सुपुत श्री तिलक रांम, निवासी न्**ई – 8,7**9, सरस्वती विहार, दिल्ली – 34

(मन्तरक)

(2) श्रीमती परमेश्वरी देवी, पश्नी श्री श्रीगोपाल, निवासी-के-17, कंदार खिल्डीग सब्जी मंडी, धिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कायवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरिस में हित- वह्य किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकींग।

लच्छीकरणः—-इसमें प्रवृक्त शब्दों शीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यी

वृद्धिमंजिली बिल्डींग नं ० एल- 2, प्रो० 904, केदार बिल्डींग सब्जी मंडी, वार्ड नं ० 12, दिल्ली, साधादी 65 वर्ग गज,

> शार० पी० राजेण, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज⊶2, नई दिल्ली

विनांक: 10-4-1985

मोहर ३

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांव 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/I^I/एस०-श्रार०-1/8-84/565--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रन. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी/15 और 16, है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली सें स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके र स्थमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तरिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा कौनिए;

अतः अव, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री किशान लाल भाष्टिया,
 सुपुत श्री जीवन मल,
 निवासी--सी--15--16, डबल स्टोरी,
 रमेश नगर,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रीमती मधु गुप्ता, पत्नी श्री विपीन बीठ गुप्ता, निवासी-डब्ल्यू०-जेड०-56, रतन पार्क, श्रपोजिट किर्ती नगर, नहीं दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

· को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस आ तकांगे।

स्पक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

जन्स्वी

डवल स्टोरी क्वाटर नं० सी/15 और 16, रमेश नगर, नई दिल्ली, नादादी-124 वर्ग गज।

> श्रार० पी० राजैश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

f दनांक: 9-4-1985

मोहर 🛭

प्रस्प नाइं. टी. एन. एस. ----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिश्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एम०-आर०- 1/8-84/641--अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

नायकर गरिभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भोर जिसकी सं० 4240-बी, है तथा जो 2/3-ए, श्रंमारी रोड़, वरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया बितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किर्सित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्स मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा में सिए; और√या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धार्य 269-च की उपभार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री अनिल कुमार माथुर
सुपुत्र श्री प्रकाश नारायण माथुर
श्री अखिल कुमार माथुर
सुपुत्र श्री हरबंस बहादुर
निवासी-वाई-16 ग्रीम पार्क
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- ? 2) 1. श्री पुरुषोत्तम दास अग्रवाल
 - 2. श्री सुरेश कुमार सिंघल
 - 3. श्री राज कुमार सिघल
 - 4. श्री हरी प्रकाण सिधल घोर श्री प्रेम सिघल सुपुत्रगण स्व० श्री आंगन लाल सिघल॰ निवासी—सी—33 सी० सी० कालोनी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्य है
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्य में किए जा सकेंगे।

स्मण्डीकरण: इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

वन्त्यीं

2-1/2 मंजिला प्रोपर्टी बेंससेंट म्युनिश्वीपल नं॰ 4240- े बी, प्रो॰ नं॰ 2/3-ए, ग्रंसारी रोड़, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादादी-155.5/9 वर्ग गंज।

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 9-4-1985

मोहर 🖫

इस्स् भारे. टी. पुन्, एस्,-----

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीत सूचना

नारत तरकार

कार्जालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2 मई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 17 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2-एस०-आर०-1/8-84/644--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 10 रु. से अधिक है

भीर जिसकी स॰ 70, है तथा जो दिरया गज, नई विल्ली में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली में है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मफ्तेयह विश्वास करने का कारण ही

कि यह यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्कृषिक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण के शूर्व शिक्षीं थान की बादत, कनद् वृद्धित्त्वम के वृत्तीम, कांद्र को के बन्द्रक में वृद्धित्त्व के क्षती करने या करने नंत्रने में सुनिभा के क्षिए; क्षांद्र/मा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी भने वा सन्य जास्तियों को जिन्हों सारतीय जाव-कर व्यभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधवार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ववा भा या किया जाना जाहिए था, कियाने के सविधा के सिए;

बस्य ब्रम्, उक्त वृधिनियम की भारा 269-मू के वन्तरण की, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीतीयत व्यक्तियों, वृधीत् :—

(1) श्रीमती सत्य भामा लाल, पत्नी स्व० श्री सुवर्णन लाल, निवासी एस-42, ग्रेटर कैलाण-Il, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री सूरज भान,
 - 2. श्री जयन्ती प्रसाद,
 - 3. श्री सुरेश चन्द, श्रौर

4. श्री सुभाष चन्द सभी सुपुत्र श्री राम प्रसाद निवासी--28/4, आशा राम मार्ग, जी० टी० रोड, शाहथरा, दिल्ली ।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुन।

दक्त सम्मत्ति के नर्भन के संबंध में कोई भी नाक्षेप छ--

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां ब्याया;
- (क) इस स्वभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्योंकाडण :---इसमें प्रयुक्त स्वयों बाँड पूर्वों का, को उक्स क्रिकियम के सध्याय 20-क में पाँडभावित हाँ, यहाँ अर्थ हांगड को उस अध्याय में दिया भवा हाँ।

अनुसूची

प्रो॰ तं॰ 70, दरिया गंज, नई दिल्ली, ग्राउन्ड फ्लोर उपर गैरेज, भौर सर्वेन्ट रूम, अविभाजित भूमि 563/1289 वर्गगज,

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, न**ई दिल्ली**

दिनांक: 17-12-1984

मोहर 🖫

प्रकृत कार्य । सी । प्रमृत प्रमृत्वानकारमञ्जा

नायुक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

पाउन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० न्सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/8-84/636 अत: मुझे, आग० पी० राजेश,

शायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा कुछ - ख ले अधीन किस का किया है। यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यति, जिसका उचित नामार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 70 है तथा जो दिर्यागंज, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से व वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

भी पूर्विका सपित के उपित वाबार मूच्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं बार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित वाबार मूच्या, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से क्षेत्र का अपन प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक ही आर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में बास्ट-विक रूप से किएन नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कनी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंती किसी नाय ना किसी थन ना बन्य जास्तियों को, जिन्ही आरतीए नायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत मुधिनियम, या धनकर मुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुनिधा के लिए

अतः ज्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) में अधीन, निम्नोलिशिश करिक्तवों, जर्मात् ≝—- (1) श्रीमती सत्या भान लाल, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री सुदर्गन लाल, निवासी-एस-42, ग्रेटर कैलाश, भाग-2, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान कुमारी, धर्मपत्नी श्री विमल चन्द, निवासी-70, वरियागंज, नद्दी दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

स्वत् सुम्यत्ति के बूर्वन के सुम्बन्ध में काई भी बाक्षेत्र ड---

- (क) इस स्वना के रावपक में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी- व्यक्तियाँ पर
 स्वना की ताभील से 30 दिन की अवधि, को भी
 धविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृक्षेष्ठ
 व्यक्तियों में से किसी स्पत्ति हुवारा;
- (च) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उचत स्थाधर सम्पत्ति में हिइ-व्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दाँ और पद्दों का, वो उत्तर विधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाविद्द ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया स्वाही।

नम्स्ची

पहली मंजिल, व ग्राऊंड क्लोर पर बनी गैरेज, प्रो० नं ०-70 दिरया गंज, नई दिल्ली,

तावादी-गाउंड फ्लोर-4370 वर्ग फिट, पहली मंजिल-3870 वर्ग फिट, दूसरी मंजिल-800 वर्ग फिट,

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई विल्ली

दिनांक: 9-4-1985

मोहर :

प्ररूप नार्षं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन भूचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विरुली नई दिख्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ I_I /एम०—आर०—1/8—84/639——अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिमकी सं० 1-ए, है तथा जो लखनऊ रोड, लान्सर्स रोड़, दिल्ली सें स्थित है (श्रौर इसमें उपाबज्ञ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीम, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुन्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बुत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे अध्यमान प्रतिकल का वन्तरह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वां) के बीच एमें अन्तरण के निए नव पाया गवा प्रतिकल, निम्नी अधिक उद्देश से उक्त अन्तरण निविद् में बासाहिक रूप से कांचा नहीं किया, बवा है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अपितृत्वत् के क्पीन कर देने के ब्राव्यहम् क शामित्व में कनी करने मा सबसे बज़ने के बृत्विभा के सिक्: क्रीह/सा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा क्ष्म बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या अभन्नर विधिनियम, या अभन्नर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाता वाहिए था, क्रियां में सुविधा के लिए;

बतः बव, उसते नियानयम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त मिथिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) मौं मुगीन, निकासिविक व्यक्तियों , मुथांत के —

- (1) श्री सतीन्त्र कुमार सोंधी, सुपुत एल० रामजी दास सोंधी, निवासी-सी-2/280, जनकपुरी, नई दिल्ली, वह स्वयं तथा जी० ए० श्री विरेन्टर कुमार सीधी और श्री जोगीन्दर कुमार सोंधी, सुपुत्रमण एल० रामजी दास सोंधी।
- (2) मैं ० विकास कन्सट्रक्शन,
 21-बी० डी० इस्टेट, दिल्ली,
 क्षारा भागीदार श्री नौहर प्रकाश

(म्रन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के नजपण में अभाजन की तारीक्ष से 45 दिन की अपीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त बोती हो, के भीतर पत्रक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्या स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्कताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकर्षः

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त खब्दों और पर्वों का, जो छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो०नं० 1-ए, लखनऊ रंाड, लान्सर्स रोड, दिल्ली, तादादी वर्ग फीट = 502.8 वर्ग गज,

आर० पी० राजेश, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाक : 9-4-1985

मोहूर छ

प्ररूप कार्षाः दर्भः एतः एतः -------

नायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को न्योंन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जाबुक्त (निद्वीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 मप्रैल 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०-प्रार०-1/8-84/563-प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश,

वार्यकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विक्षे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 574, ब्लाक नं० सी तथा ओ ग्राम-भ्राजादपुर, भ्रवादी मजलीस पार्क, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार से अभिक ही और अंतरक (अंतरकार) और अमरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाना प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्दृष्टिय से उसत अन्तरण किविश में भारतिक कप से कृतित पहीं किवा वक्त ही है—

- [क) अन्तरण से हुए किसी अन्य की बाबत उक्त अपिनियम के वर्षीन कुछ वर्ग के अन्तरहरू बी बस्वित्य में कभी कुट्य वा उक्का बाजने के सुविधा के लिए; औट/वा
- (क) प्रेची किसी भाष या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाइतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

(1) श्री बीरबल घरोड़ा, सुपुत्र श्री राम किंगन घरोड़ा निवासी-बी-के-1/29-ए, शालीमार बाग, विरुली-33

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र प्रकाश खुराना, सुपुत श्री जसवन्त राय खुराना, निवासी-100-ए, इन्द्रा नगर, दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अजन के लिए कार्यनाहियां करता हुई [8]

उत्रुप्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हुन्स

- (क) इस स्काम के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शिक स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इसें सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्वष्मिकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पृथीं का, ओ उक्त कायकर अधिनयन के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस मध्याय में विया वया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० १५७४, ब्लाक 'सी' तादावी 216 वर्गगज, प्रवादी मजलीस पार्क, एरीया ग्राम-श्राजादपुर, खसरा नं० 63, दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम् प्राधिकारी ,सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण,) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) कै अधीन, निस्नृतिश्वित अधिकर्यों, अर्थात्ः—

दिनोक: 9-4-1985

महिंदु 🚜

प्रकृष वाइं.टी.एव.एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस०-म्रार०-1/8-84/629----मृत: मुझे, म्रार० पी० राजेश,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्स्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिलका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रास्त संअधिक है

और जिसकी सं० डी-31ए, है तथा जो ओल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोक श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उधित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए बन्तरित की नहीं है जरि मुसे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार भूच्य, उनके दश्यमान प्रतिकाल से एसे अयमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबस उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धम कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अब उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात है— (1) श्री मनोहर लाल, सुपुत्र श्री एँशा मल, निवासी—डी-31ए, ओल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली-9

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी,
पत्नी श्री विशम्बर नाथ सहगल,
निवासी-66-ओल्ड गुप्ता कालीनी,
दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए लिए कार्यगिहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के हाचपत्र में प्रकाशन की तारीं वें
 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की शनिष, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त क्षक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्रो० तं० डी—31—ए, ओल्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली—9 तादावी ।

> श्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 9-4-1985

मोहर 🖫

प्रकृष आहुँ, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीन सृष्या

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त आयुक्त (पिरीक्षण) श्रर्जन रेंज∸2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्राप्रैल 1985

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एनयू०/11/एस०-मार०-1/8-84/550--म्रतः मुझे, मार० पी० राजेश,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ह्युके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विकशात करमें च्या कारक है कि स्थावर संपत्ति. जिसका तिमत वादार मृख्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4225, दुकान नं० 4224 है तथा जो 4283 से 4287, जोगिवाचा नई सड़क, वार्ड नं० 6, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अगस्त 1984.

को पूर्वाक्त स्पापीस से उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह अतिकत से विश्वा है और मन्तरक (बन्तरका) जार बंतरिती (जन्तरितियों) से बीम एसे बन्तरण के निए तय गाम गया मृतिक का निम्बीमिदिश इत्होंक में उक्त मन्तरण मिन्दि में बन्तरित

- (क) अन्तरूप वे शुद्ध किया बाव की बावत्, वक्ष विश्वविद्याल की वृत्योग कर वोगे की अन्तर्रक को वानित्य में कभी करने या उसते वचने में सुविक्श के लिए; बीड़/वा
- (क) शरेले किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा उत्थत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भूवा वा वा किया बाना धाहिए था, किया में स्विधा के सिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) औं अधीन विस्तिवित व्यक्तियों, अभीत् है----

- (1) श्रीमती शिव रानी कुमारीया, सुपुत्र श्री गुसाई चुनी लाल, पत्नी श्री श्याम सरूप कुमारीया, निवासी-4225 छटा गसाई मखन लाल जोगोवाडा नई सडक दिल्ली।
- (2) 1 श्री विष्णु कुमार प्रग्नवाल, 2. श्री भगवान स्वरूप प्रग्नवाल, सुपुत्रगण श्री पी० सी० प्रग्नवाल, निवासी—2667, बारावरी, बालीमारन, दिल्ली—6।

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

का यह सूच्या बादी करके प्रशॅनत सम्मिति की नर्जन के निश् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वासीपः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 विष की संबंधि का अस्वभागी व्यक्तिकों पूर सूचना की तानीज से 30 विष की वर्षा, को भी वर्षा का की संबंधि का में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्छ व्यक्तियों में से सिक्षी मानिस ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उत्तत स्थानर अम्मति में हितवस्थ किसी अभ्य म्यस्ति क्लारा अधोहस्ताक्षरी के पाव शितित में किए वा क्कींगे।

स्थानिकरम्ः --- इतने प्रयुक्त सन्दों नीट बर्दों स्वाः हो स्था सीधीनवन, के नभ्याय 20-क में पीरभावित हैं, बही नर्थ होगा जो उस मध्याय में विद्या बहा है।

वनुसुन्धी

डबल स्टोरी बिल्डीग नं० 4225, और दुकान नं० 4224 4283 से 4287, तादाधी 305 वर्गगज, स्थित छटा गुसई, मखन लाल, जोगीवोड़ा, नई सक्ष्म, वार्ड नं० 6, दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 9-4-1985

मोहर 🖫

प्रस्प बाइ , दी . एम . एव . -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-न (1) के नवीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रप्रैल 1985

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/11-एस०-मार०-1/8-84/567--मे: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' काशा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संस्था प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3531 से 3536, है तथा जो धलाका नं० 6, गली हकीम बाका, चाबरी बाजार, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबक अधुमूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1985,

को पूर्विका सम्मित के जीवत बाजार मूल्य ते कम के इश्वमान प्रतिकाल के लिए अन्तिरिती की पद्दं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्मित्त का जीवत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकास से, इसे क्यमान प्रतिकास का वन्त्रह प्रविक्त से अधिक है बीद जन्तरक (जन्तरकों) जीर बन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पास प्रया प्रतिकास निम्मितियों उद्देश्य से उसके कम्तरण के निकार में बाक्सीयक कम से क्यिक वहीं किया गया है है—

- (व) वन्तरच तं हुई भिन्तीं नाथ की शबत, उचत वीपीयवस के नंत्रीत कर दोने के चन्तरक बी खड़ित्व में कनी करने वा उसते वचने में सुविक्त के लिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी माय या किसी धन या जन्य अस्तिकाँ कारे, जिल्हों भारतीय जाय-कर जिल्हों मार 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था रियम जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बत्तः अव,, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के बन्दरल में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) को अधीन, निम्नजिबित अधियों, अर्थात् हम्म

18 -56 GI/85

(1) श्री सुरेन्द्र नाथ सिंह, सुपुत श्री विजेन्द्र नाथ सिंह, नियासी-3532, गली हंकीम बाका, होज काजी, चाबरी वाजार, दिल्ली।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री बुज मोहन
 - 2. श्री नरेन्द्र कुमार
 - श्री रिवन्द्र कुमार

 मुप्तमण श्री ओम प्रकाश श्रप्रवास,
 निवासी—3529,

 गली हसीम बाका,
 चावरी बाजार,
 दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वमाहियां करता हुएं।

उनत सम्पन्ति को कर्पन को सम्बन्ध में कोर्ड्स भी बारतेय :----

- (क) इस स्वना के रावपव में प्रकावन की तारीब से 45 दिन की नयींच या तत्त्वन्त्री व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नवदि, को भी नविष बाद में झमान्त होती हो, के भीतर पर्वोचल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ले . 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिसक्ष्य निली बन्य स्थित द्वारा अवोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्त्रकोकरण:--इसमें त्रयुक्त बक्यों और पक्षों का, थो उक्क जिथितिषय के क्षमाल 20-क में परिभावित ही, मही अर्थ होता, थो उस मध्याप में दिया गता ही।

प्रमुखी

श्रविभाजित भाग श्रोपर्टी नं 3531 से 3536, पहली मंजिल, ग्राउन्ड फ्लोर मैजीनन फ्लोर, द्वाई मंजिला मकान गली हकीम बाका, चाकरी बाजार, इलाका नं 6, दिल्ली, तादादी 185 वर्ग गण।

> ग्रार० पी० राजेश सहम श्राधकारी सहायक श्रायकर श्राधुक्त ' (निरोक्षरण) श्रजेंन रॅज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 9-4-0985

मोहर ः

प्ररूप कार्ड , टी., एन्., एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासक, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अग्रवाल हाउस, 4/14-ए०, आसफ अली रोड,

मर्जन रेंज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 भ्रप्रल 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी० (एक्यू०)/2/एस० मार०-/1-84/357,---यत , मुझे, मार० पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्ह अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी स० 26/8 है, तथा जो नजफ गढ़ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इ से प्रपाबढ़ भनुसूची में और पूर्ण रूप से से विणित है), रजिन्द्री ति प्रिया ति के नार्या का, दिल्ली में रजिस्ट्री रण प्रिधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के प्रधीन, तारीख भगस्त, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार जूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी क्षाय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192° (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, ६ धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- नेशनल केमिकल इन्डस्ट्रीज लिं०,
 26-नजफ गढ रोड, नई दिल्ली।

(श्वन्तरक)

2 ट्रोब इन्टरप्राइजज प्रा० लि०, 8/29, कीर्ति नगर इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्रेंक्त मंत्रकाल के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (ध) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को लारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकर्गी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यी

प्रो० नं० 26/8, नजफ गढ़ रोड़, नई दिल्ली, तादादी---206.71 वर्ग गज ।

> श्वार० पी० राजेण सक्षम प्राधितारी सहायक श्वायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-2, दिल्ली, नईदिल्ली-110002

तारीख: 9-4-1985

मोहर :

प्रक्ष बार्ड . टी . एन . एस . ------

भायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के स्भीन सुम्ना

भारत च्युकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 8 स्रप्रैंल 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/П/एम० श्रार०-1/ 8-84/558---धनः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर सभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित्त, विस्ता उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-छ। से अधिक हैं

अंदि जि की मं० 26/7, है, तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्था है (ऑन इ कि उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप के विणिन है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिकित्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अगस्त, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नविद्यात स्वृद्धेष्ट से उच्छ बन्दरण विश्वित में वास्त्रीकृत स्थ् से किन्तु बृद्धी किना नवा है :—

- (क) अध्यक्षण वे हुई किसी थान की वायत , अवत विधिनियम के वचीन कुट दोने के अन्युरक के समित्व में कती कुटने वा उद्देश न्यूने में सूदिया के लिए; नौर/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वन वा वन्ध बारिसवी को, जिन्हों भारतीय बाव-बार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनसा विभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में हिष्णा के बिहा;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के व्योन, निम्नसिकिक स्पविधयों अर्थात् म— नेमनल केमिशल इन्डस्ट्रीज लि०,
 नजफगढ़ रोड़, नई दिस्ली

(मन्तरकः)

2. टोबु इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, 8/29, कीर्नि नगर इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-15 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूचाँकत सम्पृत्ति को कर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं .1,

उपन तम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की जनिय या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी जनिय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्राशः
- (ण) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी को शत लिखित में किस् या सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा पदा हैं।

वन्स्वी

प्रो० नं० 26/7, नजफ गढ़ रोड़, नई दिल्ली, तादादी---173. 76 वर्ग गज ।

> श्रार० पी० राजेस सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 8-4-1985

मोहर :

प्रस्य नाहाँ हो . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीत स्थाना

MILE GUME

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्की दिनाक 8 अप्रैंक 1985

निर्देण स० आई० ए० गी०/एक्यू०/2/एम० श्रा३०-1/ 8-84/640---थन मुझे, श्राइ० पी० राजेण.

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की में 20, ब्लाक बो, हे, तथा जो श्रान्तर आचार्य रोड. आदर्ण नगर, नई विल्ली में स्थित हैं (और इसके उपाबद श्रानुत्र्त्ती में आर पूर्ण कर से विल्ली में स्थित हैं), रजिस्ट्री निविध प्रिविध की वार्यालय हिल्ली में रजिस्ट्री रूपण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रामन, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कंम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए संतरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वंशापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद्र प्रतिफल से अध्यक्त हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (%) ब्रुच्टरम् तं हुईं किसी बाद् की बादत, हक्छ वीधीनयस के अधीन कर दोने के ब्रुच्टरक ची बाबित्य में कभी करने वा जबसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, अख्याने में सुविधा के लिए;

जत. जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) कि अधीत, निकासिविस व्यक्तिस्थों, अर्थात् मुख्य श्री भगवत स्वरूप मंगला---एडवोकेट, सुपुत्र श्रो राम नारायण, निवासी----बी-58, सी० मी० कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरकः)

2 श्री दया राम मिसल सुपुत्र श्री विशम्भर दयाल, निवासी—-ई-38, रणजीत सिंह रोड़, भादर्श नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त मध्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

जबत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित मो किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

वर्ष्या

प्लाट नं ० २०, ब्लाफ 'बी' शक्षर क्राचार्य रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली, तादादी--226 वर्ग गण

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी संहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

नारीख 8-4-1985 **मोहर** 4 प्ररूप बाइ : टी. एन. एस. -----

काथकः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाना

मारत सरकाह

कार्यालय, महायक जामकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्राप्त रेज-१ दिल्ती

नई दिल्की, रिनार 8 स्पर्धेत 1985

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (बिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिज्या करने के कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा में अधिक है

में अंतर जिपन। य० 40 है, त्या जा माननरावर गार्डेन, बर्ग्स्ट् दारापुर, दिल्ली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इस्से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप संविधात हैं), रजिस्ट्रोन्ती प्रधितारी के वार्यावन, दिल्ली में रिजस्ट्रीनरण प्रधिनियम । 408 (1908 वर्ष 16) के अधीन तारीख अगरन, 1984

को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास के का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तक पाया गया प्रतिफल, निस्तिवित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित के आस्तिकल, निस्तिवित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित के

- (क) अन्तरण सं हुए किसी नाय की बाबस, उक्त अधिनियम के नधीन कर दृत्ते के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (व) एंक किसी भाग का किसी घन या जन्य काइंक्सी का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की पारी 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधार, निस्तां अभित व्यक्तियों, अभीत् । शी हकुमत राज बजाज सुपुत्र श्री निरंजन द्वाप बजाज, श्रीमती सुक्षणून रानी बजाज पत्नी श्री हकुमत राय बजाज निवासी---शी-40 मान्यरोवर गाउँन, नई दिल्लो

(अन्तरकः)

श्री जगनाथ भुपुत्र श्री हेत राम; श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री जगन्नाथ; निवामी---ई:-47, कीर्नि नगर, नई दिल्ली-15 (श्रन्तरिती)

का यह भूभना जारो करक पूर्वीकर सम्प्रीत का उन्न के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उम्त सम्पत्ति क वर्षन के सबध में जाएं भी लाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अवधि या तत्न बंधी व्यक्तियों पर गूचना को तागील में 30 दिन की अवधि, जो भी कविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकारन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंतारा, अनोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

भ्यष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा जुनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

वयसर्थ

मकान प्लाट न० 40, ताक्षादी--200 वर्ग गज, खसरा १० 1352, मान नरोवर गार्डेन, एरिशा ग्राम--असई धारापुर, नर्ड दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महासक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राव रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीयः : 8-4-1985 भाहरः

प्रकप बार्च . दी . इत . एस . -----

बावकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार '

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ प्रली रोड, नई दिल्ली भार्जेन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांतः 9 भागैल 1985 निदेश मं० भ्राई० ए० सी/०न्यू०/II/एस० भ्रार०-1 8-84/566---भ्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी मं० एफ० 83, है तथा जो किर्ती नगर, नई दिल्ली, नजफ गढ़ रोढ, में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16 ख) के अधीन, नारीख अगस्त 1984

कां पूजोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतिगितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण घे हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; श्रीर/या
- (ज) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा करें लिए;

कतः कयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त विधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधन विधन विकास विकास की धारा 269-घ की उपधारा (1)

- श्री प्रकाण लाल सुपुत्र लाला राम दिता मल निवासी— 8/41, किर्ती नगर, नई दिल्ली। (ध्रन्तरक)
- 2. श्री प्रकोक कुमार सुपुत्न श्री प्रकाश लाल, निवासी—— एफ०-83, किशी नगर, नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों औष्ट पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसुची

प्रो० नं० एफ-83, किर्तीनगर, नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुष्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-4-1985

मोहर 🗈

হবল লাহতি ক্ষীত্ৰ প্ৰবৃত্ত প্ৰকৃত

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ह

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०--1/ 8-84/569--- श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें राहे बरात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा ्∩- ए तो अधीन सक्षम प्राधिका**रो को यह विश्वास करने का** रारण हो कि स्थावर संपरित, जिसका उ**चित बाजार मृत्य** 1,00,000/- रा. से अधिक **है** और जिसकी सं० बी-73, है तथा जो वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), राजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1984 करे पूर्वीक्त सम्परित के जिल्हा बाजार मुख्य से कम के पश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार र्ल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का ांद्रह प्रतिकात से अधिक हैं। और अंतरक (अंतरकों) <mark>और अंत-</mark> रती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया ातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरन सिनिक में ास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ख) ऐसी किसी जाये या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाम चाहिए था, खिपाने में मुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण े, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) विधीन, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह मै० सैन इण्डस्ट्रीज, बी-73, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं जिन्दा ग्राटो इण्डस्ट्रिज, बी-73, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

(मन्तरिती)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीन में 45 दिन की नगीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्वथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सर्वोग।

स्पर्धाकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु जिथे होगा को उस अध्याय में दिया वहां हैं।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ बी-73, वजीरपुर इण्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली-1100'02

तारीख 9-4-1985 मो**ह**रु ध

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक जायकार जायका (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दनांक 10 प्रप्रैल 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० म्रार०-1/ 8-84/630—मृत: मुझे, भार० पी० राजेश,

हायक जिसीनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 12/5282, प्लाट नं० 44, है तथा जो कोल्हापुर हाउस, जवाहर नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से बणित रिजस्ट्रीकरण प्रक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगम्त 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार गुल्य हो कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए बन्तिरित की गई है और मभी यह विस्तास फारने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्ध्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निविसित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिश्वित वो वास्तिक रूप से के बिस्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयंकी बाबत उक्त निधितियम के अभीन कार दोने के अंतरक के बाबित्य में कभी करने वा उनसे बचने में सुनिधा ले निए; और/वा
- (स) ऐसी किसी जाम या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में स्थिभा के लिए;

सतः सन्, उक्त स्थिनियम की भारा 269-ग के नगुसरम में, में, उक्त स्थिनियम की भारा 269-स की उपधास (1) के सभीन, मिन्निस्तिक व्यक्तियों, सर्भात् :---

- 1. श्री नरायण दास सुपुत्र श्री रिखी राम, निवासी--2180, शोरा कोठी, मक्शी मंडी, दिल्ली।
 (प्रन्तरक)
- 2. श्री रिखी शम मुपुत्र श्री टोला राम, निवासी— 2180 मोरा कोठी, दिल्ली, सन्भी मंडी, दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करवा हुं।

उक्त संपर्तित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🕬

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से.
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 सृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जन्याय 20-क में परिभाषित हैं। अही अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची ।

प्रो० म्यूर्निसपल नं० 12/5282, प्लाट नं० 44 तादादी 121 वर्ग गज, (डबल स्टोरी बिल्डीग) कोल्हापुर हाउस, एलीयास महाबीर गंज, जवाहर नगर, सक्जी मंडी विस्त्री।

आर० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 10-4-1985

मोहर ः

प्रकम बाही, टी. एम., एस., न ह न न हत

नायकर मौधनियम, 1961 (1961 का 43) की घाडा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज्-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० श्रार्ड० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-I-8-84/633-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4852/24 है तथा जो हरबंस सिंह स्ट्रीट, दिरयागंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (और ६ससे उपावक धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके टश्यमान प्रतिफल से, एसे टश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुंहैं किसी आय की बाबत, उक्त वृधिनियम के सधीन कर दोने के बन्तरफ के वाजित्य में कमी करने या उससे वचने में शृविधा के लिए; धीर/या
- (क) एंबी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट मही किया गय। धा या किया आना वाहिए था, खिपाने में स्थिक के जिए;

भारा शब्द अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) है अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् ह—19—76GI/85

1 श्रीमती विदृया वती विधवा पत्नी स्व० श्री गोपी नाय, निवासी-4858/24, हरवंस सिंह स्ट्रीट, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. मैं० ईस्ट लैण्ड एजेन्सीज (इन्डिया), 4868/24, दिर्या गंज, नई दिल्ली, द्वारा भागीदार एस० सूरंजीत सिंह छाझड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करिई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख र 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित के किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, जो; उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर। क्का है।

अनुसूची

प्रो० न० म्यूर्निसपल न० 4852/24, हिरबंस सिंह स्ट्रीट, दरिया गंज, नई दिल्ली, तादादी 717.87 वर्गफिट एक कमरा और एक डब्ल्यू० सी०:

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 9-4-1985 **मोहर**ः प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

गारत बक्का

कार्यालय, बहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैंत 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०, Π_1 एस० आर०-2/8-84/642—असः मुझे, आर० पी० राजेश,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, चिसका उपित बाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 20, ब्लाक नं० 20 है तथा जो मोतीलाल रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाध्य अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उर्रिक्त बाकार मृत्य को कम को क्रमकाय प्रतिफल को लिए मन्तरित की गई है बीर मुक्के यह विक्यास करने का कारण है कि मनापूर्वोक्त संपरित का उचित बाकार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रशिक्षत से अभिक है और अंतरक (मंतरका), और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाबा पया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण किसिस्त में बाक्स-किक कथ ने कथित नहीं विकास कमा है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्तर अधि-दिवद से अधीष क्षप्त दोने के बन्तरक के दावित्य में कनी करने वा स्वयं क्षप्त में यूष्या के दिए; बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, विक्रुं भारतीय बाय-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बीधनियम, या धन कर बीधनियम, या धन कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा को लिहा।

बतः अव, उक्त जिमिनियन की भाष 269-न की वृत्यहरूप में, में, उक्त जिमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्वात् हिल्ल 1. श्री खजान सिंह सुपुत्र श्री रक्षन सिंह निवासी— के-5/19, माअल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री धलराज किशन महिन्दर कुमार तरूण कुमार श्रीर अरुण कुमार सुपुत्रगण श्री सरदारी लाल श्रीर बृज मोहन उपल विरेन्द्र मोहन उपल श्रीर चन्दर मोहन उपल सुपुत्रगण श्री किशोरी चन्द, निवासी 69, राजस्थान उद्योग नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कर्यनाहियां सुक करता हुं।

उक्त तन्त्रीत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर बूचना की ताजीन से 30 दिन की अविध , जो भी जनशि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीएड़ उक्त स्थावर संपत्ति में हिंश-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित् में किए वा सुकेंगे !

क्ष्मकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो सक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

नकृत्वी

ण्लाट नं० 20; ब्लाक नं० 20; मोतीलाल रोड़, आदर्श नगर; विख्ली, नादावी।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II; दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**ं: 8-4-1985

महिर् 🛭

प्रकप **बाइ**्न टी्न एन_ा एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-1, 8-84/643—आतः मुक्षे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा .269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 3713 (भ्रोल्ङ) 2657 (न्यू) है तथा जो गली बस्ती पंजाबीयान सब्जी मंडी दिल्ली में स्थित (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय दिल्ली मे भारतीय रिजस्ढीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूको यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल से, एसे श्रमान प्रतिफल के पंच्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतिस्तियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में वास्तियक रूप से कथित महीं किया नया है हिल्ल

- (क) वितरण से हुइ किसीं बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्टि; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या अन्य अवस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानै भें सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, स्थाद्यः—

- 1 श्री तुलसी राम गुप्ता सुपुल श्री नन्द किशार, निवासी—5713 (श्रोल्ड) 2657 (न्यू) लम्बी गली बस्ती पजाबीयान सब्जी मंडी दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री रिजन्द्र प्रसाद, महाबीर प्रसाद, पवन कुमार और राजेश कुमार मुपुक्रगण स्व० श्री नर्रसिंह दास निवासी—डी-8 कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यग्रहिया बुक्क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन कें संबंध में कोई भी आक्षेप 🛌

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 5713 (भ्रोल्ड) 2657 (न्यू) तादादी 200 वर्ग गज, लम्बी गली, बस्ती पजाबीयान सब्जी मंडी, दिल्ली।

आर॰ पी॰ राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, विल्ली, नई दिल्ली -110,002

तारीख: 10-4-198**5**

महिरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाम्क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-1/8-84/645—अतः मुझे, आर० पी० राजेश, आयकर मधिनियम, 1961 (1,961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए/8, है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कल के अस्त्रज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उत्तके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उस्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की 'बाबत', उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के **दाक्तिय में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा** के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रः—

- 1. श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री प्रकाश लाल, निवासी एफ०-83, कीति नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कैलाण चन्द सुपुत्र श्री प्रकाश लाल, निवासी ए-8, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्कूजना आही कारको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यजाहियां कारता हुने।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० ए/8, सामने का भाग, कीर्ति नगर, नई दिल्ली, सादादी-341.6 वर्गगज।

आर० पी० राजेः सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11000

तारीख: 10-4-1985

मोहर ः

प्रकृष काई. टी. एन न एस -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आरे०-1/10-84/704--अतः मृझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 17, ब्लाक 'डीं , हैं तथा जो मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप्त पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तर्पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ फिसी जाम की बाबस, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिष्; बरि/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायक है अधिवयक प्रशिवयक प्रशिवयक प्रशिवयक प्रशिवयक प्रशिवयक स्थानियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195/ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना बाहिए था. छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-मू के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन्, निम्निविद्याट व्यक्तियों, व्यक्ति ⊯-

- 1. श्री बी॰ एम॰ जोशी, मुपुत्र श्री के॰ आर॰ जोशी, निवासी 382, सैक्टर 15-ए॰, चंडीगढ़, हरियाणा (ग्रन्तरक)
 - श्रीमती मंजुला जैन पत्नी श्री चानरूप भान्साली.
 निवासी---मकान नं० 58, साउथर्न एवन्यू, कलकत्ता-29।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 1,7 ब्लाक 'डी' तादादी 297 वर्गगज खसरा नं० 2308, मानसरोवर गार्डेन, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-4-1985

मोहर 🥹

प्रकृष् भाष्ट्रे, ट्री. एन . एस , -----

शायकष्ट विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नामकार जाम्बत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 श्रप्रैन 1985 निदेश सं० भाई० हु० सी०/एक्यू०/11/एन०-आर०-1/ 2-85/829--भातः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० ए/67 (अंत्ल्ड) है तथा जो एफ-333, (न्यू) मानमरोवर गार्डेन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांव फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाधार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुर्भ यह विश्वाप करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से. एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिथक है और पंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण- निखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) बंदारण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त बीधिविवृद्ध संभीत कार दोने के लेशरक के दायित्व में कभी करने या उद्धर्भ क्यने में सुविधा के सिह; और/वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा अन्य-कर अभिनियम, बा अन्य-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) शे प्रयोजनार्थ जंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में सुविभा को निर्देश;

र बतः थव, उत्था निर्धानियम की भारा 269-ए के नम्बरण में, में, उत्तत अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्मति :--- (1) श्री राज नरायण भ्रग्नवाल सुपुत्र लाला चिम्मन लाल, निवासी-1142 गली समोसा, फराश खाना, दिल्ली-6।

(भन्तरक)

(2) श्री महेन्दर कुमार गुप्ता सुपुत श्री छतर सिंह गुप्ता, तिवासी सी०एफ०-94, मानसरोवर गार्डेन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वता जारी कर्के प्योंक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिरित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हर 45 दिन की खबींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो में अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदबयूष किसी कम्प व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पार सिचित के कियो जा तकोंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उनत जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं जुने होगा को उत्त अध्याय में दिव स्था ही।

जन्स्यी

प्लाट नं० एफ-ए-/67, (ओल्ड) और एफ० 333 (न्यू) तादादी 297 वर्गगज, खमरा नं० 1381 ब्लाक 'एफ' मानमरोवर गाउँन, ग्राम-बसईदा रापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली, ।

श्राप्ट व्याविकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15--4-1985

मोहर 🛭

प्रारूप भाइ .. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रप्रैल 1985 निदेश सं० श्राईं०ए०सी'०/एक्यू०/2/37-ईई/8-84/432---श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गैर जिमकी संख्या 5, प्लाट नं ए1/3 है तथा जो नैनीवाला बाग, श्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाय अपाय श्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाय अपाय श्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम-1961 के श्रिधीन नारीख श्रगस्त, 1984 को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक क दावित्य में कभी कारने या उससे स्थाने में सृधिधा के आगरु, और/आ
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष---

(1) मैसर्म वाशन फाइनान्स एण्ड र चिट फन्ड प्रा०लि०, बी-3, माडल टाउन, दिल्ली ।

(मन्तरक)

् (2) श्री एस० जणबन्त सिंह वाणन (एच-यू-एफ) हारा कर्ता एस० जसबन्त सिंह वाणन, सुपुत्र एस० बलदेव सिंह, भाग-11, 185-गुजर्शानवाला टाउन, विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

वन्स्ती

प्रो० नं० स्पेम नं० 5, प्लाट नं० ए-1/3, नेनीवाला बाग, स्राजादपुर, दिल्ली, तादादी 546 वर्गफीट ।

भ्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

नारी द्र 10··4-1985 **मोहर**ः

श्रुकम् लाइं.टी.एन.एस.------

भागकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन सुक्ता

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाँक 10 प्रप्रैल 19.85

निदेश मं० म्राई॰ए०सी॰/एक्यू॰/2/37-ईई/8-84/433---- म्रातः मुझे, भ्रार॰पी॰ राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अभीन सक्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

जीर जिएकी मंख्या स्पेन नं 7, प्लाट-ए 1/3, है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीव त्ती अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-२, नई दिल्ली, भारतीय आयक्य अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिफल है लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रविक्त से बिधक है और अल्यरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उन्नर अन्तरण निविक्त में नास्तिक रूप से क्षिण तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वरिय से उन्नर अन्तरण निविक्त में नास्तिक रूप से क्षिण तम स्था

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन अक्ट दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या फिसी भन या कर्स्य क्लिक्सिक को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अधारत है---

(1) मैसर्म वाशन फाइनान्स एण्ड चिट फन्ड प्रा०लि०, बी-3, माडल टाउन, दिल्ली।

(भ्रष्टतरमः)

(2) एम० जमबन्त सिंह वाशन (एच-यू-एफ) द्वारा कर्ता एस० जसबन्त सिंह वाशन सुपुत एम० बलदेव सिंह वाशन, निवासी-185, गुजरवाला टाउन, भाग-2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रूरू कहता हूं ।

उक्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस स्थान के राष्यत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प्रस चिचित में किए जा सकेंगी।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पद्यों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

HTYE

स्पेस नं० 7, इन्टरमेडीएट फ्लोर, श्रनूपम भवन, प्लाट नं० ए-1/3, नैनीवाला बाग, श्राजादपुर, दिल्ली, तादादी 400 वर्गफीट।

म्नार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्राजेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 10-4-1985 मोहर : प्ररूपु आर्ड_टी. एन. एस.-----

नायकर मिनियम,, ∤961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) में भधीन सुचना

भारत सरका

कार्यास्त्रव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रप्रैल 1985 निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/37-ईई/8-84/434---श्रतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिंते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कों धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रंक से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लेंट नं० 203, ए-4/1, है तथा जो आजादपुर कर्मासयल कमप्लेक्स, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन तारीख अगस्त, 1984

को प्राेक्त संपत्ति के उचित बाबार मृष्य वे का के दश्याव प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुके वह विश्वास करने का कारण है कि बथा प्राेक्त संस्थित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अवनाभ प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिबित उद्योग्य से उच्त अन्तरण लिबित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) वंतरण से हुइ किसी वाय की वाबत, उक्त वीभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बाँड/वा
- (क) एसी कियी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा कन-कर अधिनियम, वा कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती कुनारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने हों कृतिभा जे किया

जिता क्य उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी मेजर सुबा मिंह, 2-सीख ली, मार्फत 56-ए०पी०ओ०।

(भन्तरक)

(2) मैसर्म टी॰एम॰ म्नपार्टमेंट प्रा०लि॰, म्नादिनाथ श्री हाउस, म्नपोजिट सुपर बाजार, कनाट प्लेस, नर्ष विल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यकाहियों करता हुं

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की डामील वे 30 दिन की व्यवधि, यो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इव बृधना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम के भीतज्ञ उक्त स्थावड़ सम्पत्ति में हितबब्ध टिकबी बन्ध व्यक्ति वृवाच, अभोहस्ताक्षरी के पाव निविद्य में किए वा सकोंगे।

वन्त्व

प्रो० नं० फ्लेट नं० 203, प्लाट नं० ए-4/1, श्राजादपुर कर्मासयल कमप्लेक्स, दिल्ली, तादादी 4133 वर्ग फीट।

> श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजेंन रैंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 10-4-1985 **भोहर** ⊈

प्ररूप आर्च् टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली धिनांक 10 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू० /2/37 ईई/8-84/435----अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 6; प्लाट नं० ए 1/3, है तथा जो नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुंसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख अगस्त 1984 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान

करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिका (अंतरित्यों) की अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके ' यह .विश्वास

नहीं किया गया **ह**ै:---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स वशन फाइनेन्स एण्ड चिट फन्ड प्रा० लि०, . बी-3, माडल टाउन, दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) एसं० मुरजीत सिंह वाशन (एच यू० एफ) द्वारा कर्ता एसं० सुरजीत सिंह वाशन, सुपुत एसं० बलदेव सिंह वाशन, निवासी—185, गुजरानवाला टाउँन, दिल्ली ।

(अ तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ता संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास, निक्ति में किए जा सकींगे।

स्थाकिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्त्री

स्पेस नं० 6 अनूपम भवन प्लाट नं० ए 1/3, नैनीवाला बाग, आजादपुर, दिल्ली, तावादी 638 वर्गफीट ।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज 2, दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🖫

क्षण्य बाही, दी तु एवं . एक्. -----

बावकार विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (प) (1) के वधीन व्यक्ता

प्राप्त बरकार

कार्यांतव, तहावक नायंकर बायुक्त (निर्द्रांकिण) अर्जन रेंज—II, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37 ईई/8-84/436---अतः मुझे, आर०पी० राजेश,

कायकर बॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उकत बिभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्णास व स्त का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00:000/- रू. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 6 लाट नं० बी 2/4, है तथा जो नैनी वाला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी, के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिकास को लिए अंतरित की नहीं हैं और मुर्भे यह विश्वास करने का सारण हैं कि वयाप्योंका कजित का जीवत वाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ए'से दृश्यमान प्रतिकाल का वन्द्रद्व प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पायः गया प्रतिकास निम्नसिखत उद्विषय से खनत अंतरण लिखित में वास्तविक स्थ से कवित नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से हुइं किसी नाय की बावस, जनस विधिनयन के बधीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा चे सिए; बरि/या
- (च) एंग्री किसी बाय मा किसी भन या बन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधा किविद्यां किविद्या

(1) मैसर्स अजय इन्टरप्राइजेज लि०, इरोज सिनेमा बिल्डीग, जंगपुरा एक्सटेनशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना अरोड़ा, पत्नी श्री विनोद कुमार अरोड़ा, निवासी बी-57, गुजरानवाला टाउन, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

अध्यक्ष भाषा भारी कर्ड पूर्वोक्त सम्महित से वर्षन से तिथ् कार्यवाहियां करता हो।

उक्क सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के द्वाचयन के प्रकादन की तारीक के 45 दिन की नवीच ना तरसम्बन्धी अस्तिमीं. पर सूचना की तामील से 30 दिन की बचीच, को भी अवधि नाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्वान्तवों में से किसी स्ववित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जह सकोंग।

स्वक्यतिकरण: - इसर्जे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उसले अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा थो उस वध्याय में दिका गया ही।

अनुस्ची

स्पेस नं० ६, ग्राउन्ड फलोर बिल्डीग म्लाट नं० धी 2/4, गैनावाला वाग, आजादपुर, दिल्ला, तदादी 120 वर्ग फीट, लगमग।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10-4-19**8**5

मोहर ः

प्ररूप आहु^{*}.टी<u>.</u>एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985 निदेश सं० आई०ए०सी /एक्यू /II/37 ईई/8-84/437-अतः मुक्ते, आर पी राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 8, प्लाट नं ए 1/3, है तथा जो नैनीवाला बाग, आजावपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री कत्तीं अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेदेय से उक्त अन्तरण लिखित मे करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकां) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेदेय से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ी बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अर्थः अस् , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन , निम्नसिखित व्यक्तियों , अर्थात :--- (1) मैसर्स वामन फाइनाम्स एण्ड चिट फन्ड प्रा० लि०, बी-3, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सुरजीत सिंह बातन (एच-यू-एफ) द्वारा कर्ती एस० सुरजीत सिंह सुपुत्र एस० बलदेव सिंह बागन, 185 गुंजरनवाला टाउन, भाग-2, दिल्ली-33,

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास तिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और धवों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

स्पेस न० 8, प्लाट नं० ए-1/3, इन्टरमेडिएट फ्लोर, अनूपम भवन, नैनीवाला बाग, आजादपुर, विल्ली, तादाबी 638 वर्गफीट,

> आर॰ पी॰ राजेश संकास प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🕐

प्ररूप आहें .टी .एन .एस ..------

भायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की े भारा 269-ख (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 फरवरी 1985

निदेश सं० 62/43775/84-85—अतः मुझे, आए० भारत्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 1 (दक्षिणी अग्धा भाग) है, तथा जो प्लैन स्ट्रीट, बेंगलूंर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 अगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए

रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजी-गरमें धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी के सम्मुख के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास

फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के आए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

मत: अम, छक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत (--- श्री पी०ए० गणपति, नं० 1, प्लैन स्ट्रीट, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मंनीगलाल मनदोत, नं० 117, चन्दिन चौक रोड, शिवाजी नगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तानेज सं॰ 1507/84 तारीख 22-8-84) — सन सम्पत्ति है जिसका सं॰ 1, (सदारन हाफ पोरशन), जो प्लेन स्ट्रीट, बगलूंर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 8-2-1985

मोहर :

प्ररूप बाह्रां , टी. एन. एस. ---- ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुमना

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 फरवरी 1985

निर्देश सं० नं० 62/43774/84-85-- अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

जायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1 (उत्तर आधा भाग) है तथा जो प्लेन स्ट्री बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूपा से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर • रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्तिय में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० ए० गणपति, नं० 1, प्लेन स्ट्रीट, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सि० संम्पातराज मनदोन,
2. श्रीमिति कवालि बाई,
नं० 32, चाननी चौक रोड,
शिवाजीनगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में की हैं भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1506/84 तारीख 22-8-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1, (नादरन हाफ पोरशन); जो प्लेन स्ट्रीट, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भार**द्वा**ज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बंगलू**र

तारीखा: 8-2-1985

मोहरू 😃

प्रकष बाह् टी एन एस .-----

नाम्कर नामिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

HING WATER

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निर्द्रीकण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मार्च 1985

निवेण सं० नोटिस नं० आरूरः/1577/84-85-- अतः मसे, आर० भारताज,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्कों इसकों प्रवाद (उन्दा अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स. को अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाकार जूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्नार जिसकी सं० एस० नं० 932सी० है तथा जो 76, बडगुगवेटु, विलेज, VII वोलकाड वार्ड उडुयी में स्थित है (भौर इससे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिश ट्रांकर्ता के रिजस्ट्री के कार्याजय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन तारीख 23-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर्म के क्षयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ए'से व्यवमान प्रतिफल का नंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में कास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाव की बावत अवस अधि-दिवस्त के वृत्तीन कर बोने के बन्दरक के दावित्य में कनी करने वा उदले वचने में बृतिशा के किए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ क्लारती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

वत्त वय, उन्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर्थ में, में, उन्त विधिनियम की धारा 269-ए की छपधारा (१) के अधीन, निम्निविद्या अवित्रयों, अ्थित् ः⊶ (1) श्रीमित हेमलता एच० अमीन, वैफ/आक एच० ए० अमीन काटपाडी मूडबेट्टु त्रिलेज, उडुपी, तालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री जान राबर्ट डी सिल्बा, सन/आफ लुयीस डी सिल्बा, येन्नागुड्डू पंचायत, काटपाडी, उडुपी तालुक।

(अन्तिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वांक्स सम्पर्तित के अर्थन के बिए कार्यगाहियां करता हूं।

इन्त रूपति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्त्री

(दस्तावेज सं॰ 1344/84-85 तारीख 23-2-85। सर्वे नं॰ 93-2सी में 16 सेन्टस है जो 76 बडगुबेटु बिलेज VIII वोलकाड वार्ड, उडुपी में स्थित है।

> आर०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जनरेंज, बंगलूर

तारीख: 28-3-1985

मोहर 🥲

प्ररूप कार्यः हो पुन , एस , ------

भायकर अर्धिनियस, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सूचना

श्राहत कडकार

कार्यालय, सहावक भायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निदेश सं० नोटिस नं० आर/1387/37ईई/84-85---अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पित जिसका जित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 49 है तथा जो 132, इनफेन्ट्री रोड बंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य से कन के क्ष्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया नया प्रतिफल, निम्नसिश्चत उद्देश्य से उक्त अंतरण तिचित्त में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अप्रयं की बाबता, उक्त आँध-निवास के बचीन कर दोने के बंतपुक्त के खनित्व की कभी करने वा उबको बुखने में बुविशा को बिक्; बीड/वा
- (व) ऐसी किसी जाव या किसी भन या बन्य जास्तियों को, विज्हें भारतीय नायकर विधिन्यम्, 1922 (1922 का 11) या उनक वीधनियम्, या भन-कर वीधनियम्, या भन-कर वीधनियम्, या भन-कर वीधनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रसेचनार्थ बन्दरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जावा नाहिए था, कियाने में सुनिधा के किया

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष— (1) मेसर्स कैलाश विल्डर्स. 4/1, 2, 3, प्लेन स्ट्रीट बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री जान पुलेमपलिल जान, सी/12, कैलाश भाटवाडी गाटकोपर (वेस्ट) बम्बई-84।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काइ भा वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की तारीं है 45 दिन के भीतर सकत स्थावर संपरित में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास सिहित में किए जा सक्तांगे।

स्पत्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा संवा हैं।

वन्त्र्य

(क्स्सावेज सं० 1217/84-85 तारीख 1-8-1984) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 404, जो IV फ्लोर तारा अपार्टमेंटस, नं० 132, इन्फेन्ट्री रोड, बंगलूर में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजीन रें ज, बंगसूर

तारीख: 1-4-1985

माहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निदेश सं० नोटिस नं० आर० 1398/37ईई/84-85---अनः मुझे, आर० भारक्षाज,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 404 है तथा जो 47/6, एम०जी० रोड, बगलूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सृथिभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेससं मित्तल इनवेस्टमेंट कारपोरेशन, हैंड आफिम मित्तल टावर, "बी॰" विग XVI फ्लोर, 210, नारिमन पाइन्ट, बम्बई-400021।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित त्रिमला देवी लकोटिया, 8सी०, कमबारास ईस्ट, 14, विक्टारिया कॅमेन्ट रोड, मद्रास ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपर्य में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

.स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मम्स्ची

्रिस्तावेज संघ 1194/84-85 नारीख 1-8-1984) सम्पत्ति है जिसका सठ 404 जो ई बिंग IV फ्लोर, मिल्ल टाइस म्लाट नंघ 47/6 एमठ जोट रोड, बगलुर-1 में म्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 1-4-1985

मोहर:

धक्य बाह्र^{*}.टी..थ्य . एक ..-----

बाव्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-म (1) की अधीन सुपना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 1 अप्रैल 1985

निदेश सं० नोटिस नं० आर०/1312/37ईई/84-85— अत: मुझे, आर० भारद्वाज.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसको इसको परमात् 'उनत अधिनियम' नहा गया है'), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निक्वास करने का कारण है कि स्थावड सम्पत्ति, निसका उचित् वाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्नौर जिसकी सं जिसकी सं जाट नं 403 है तथा जो 47/6 एम जी रोड, बंगलूर में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजम्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1984

को पूर्वांक्त कम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यामाथ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार बृज्य उसके क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण ने लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरून वे हुई किसी बाव को बावज उपल अभिनियम को अभीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के निए; बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में: अक्त अधिनियम की धारा 269ग के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मित्तल इनवेस्टमेंट कारपीरेशन, हैंड आफिस मित्तल टावर 'बी' विग, XVI फ्लोर, 210, नारिमन पाइन्ट, वस्बई-400021।

(अन्तरक)

(2) श्री कूबचन्द एन ० हेमराजानी,
श्रीमित बीणा के ० हेमरावानी
नं० 9, साधु बासानी
श्री दिलिप के ० हेमराजानी
रोड, नं० 14, प्रेम
श्री सुनील के ० हेमराजानी
कूटीर पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ट्रिक्ष कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ⊱

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्थिकतयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित् है, वहीं अर्थ होगा, शों उस अध्याय में दिवा क्या है।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1195/84-85 तारीख 2-8-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 403 जो IV फ्लोर मित्तल टार्वेस, प्लाट नं० 47/6,एम० जी० रोड,बंलूर-1 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज, बंगलर

तारीख : 1-4-1985

मोहर ::

प्रकृप बार् .टी. एन. एव उन्नामक अन्यन्त्रम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बाह्य सरकार '

कार्याक्य, सहायक जायकर जायकत (निर्देशिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस सं० आर०/1448/37ईई/84-85---? अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० चालता नं० 4, है तथा जो फेरा आल्टा माफसा बारडेज, गोव में स्थित है (ग्रौर इससें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंग्लूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 ((1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 अगस्त 1984

की पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के द्श्यमान प्रितिकल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निष्ठित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बीर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्तयों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना जाहिए था, स्थिन में सुनिधा में सिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) (1) श्रीमित इसावेल जे० डी० सौजा, माफसा, बारडेज, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल पुरूषोत्तम वालावलकर, कोरलिम, माफसा, बारडेज, गोवा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निस्य -कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों, पूर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यमित यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के सजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1218/84-85 तारीख 24-8-1984) सम्पत्ति के पोरशन है जो "प्रेडियो डी केस नोवा कोन सेन टेरेनो डिनोमिनदादा टेरेरिचो साखो ग्रो अनेडो डी टेमेरिको साखो" नाम से परिचित है जो वार्ड फैरा आल्टा माफसा, बारडेज, गोवा में स्थित है।

> ् आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख : 1-4-1985

मोहर 🛭

प्रथम नार्म् टी_ज एक्_ज पुक्क - क सरक

भावकड व्रिंगित्यम्, 1961 (1961 का 43) क्रिं भाक 269-व् (1) के विभीन स्क्रा

HISO SEEKS

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (किन्द्रीक्षाक)

अर्जन रेज, बेंगलूर

मेंगलूर ांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस आर० 1388/37ईई/84-85—यत:

मुझे, आर० भारद्वाज वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त, अभिनियम' कहा गया हैं), की धम्प 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अपने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 9/1 है तथा जो किन्तन्गहामरोड बेगलूर-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1 अगस्त 1984

कर पूर्वेक्ट सम्मित के उचित वाचार मूल्य से कम के व्ययमान हिक्का में हैं जिए वन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास मूल्यों का बावाय है कि वृधावृत्रीकत संस्थित का उचित वाचार मूल्यों का बावाय है कि वृधावृत्रीकत संस्थित का उचित वाचार मूल्यों के व्यवस्थान प्रतिफल के वृद्ध प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिकत निम्निविद्य ज्यूबोर्य से उच्छा बन्दरण विश्विक में बाइविक कम हे कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) ब्लाइन ने हुई किसी नाम की नामछ, अन्त अ। भानयम के सधीन कर देने के अन्तरक के राधित्व में कमी करने या उससे नमने में ध्रुविभा के सिए; बॉर/बा
- (क) एके किसी नाय या किसी धन वा नन्य नारिस्तृतों को शिक्त भाइतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिन्यम, या धृत-कु नीधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निद्यु;

ं अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृति्चित व्यक्तियों, अर्थात् .— मैसर्स यूनिक एन्टरप्रसस नं० 10, हरेक्वणा रोड, बेंगलूर (405 बी०, नीलकान्त, 98, मेरीन ड्रैव, बम्बई-400002)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० एन० विशालाक्षी अम्माल 43/19, प्रामिनेड रोड, बेंगलूर-5600051

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता होता.

उपत सम्मत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क)। इस सूचना के रावपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीज से 30 दिन की अनुधि, जो 'ते अनुधि नाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनाय;
- (क) इस स्कान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितवद्य स्वान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी सिवित में किए जा सकेंगे

स्यव्योकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो जस सध्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1184/84-85 ता० 1-8-84)

मकान है उसका नापना 375 स्केवर फीट है जो I फ्लोर 9/1, कन्नीम्गहाम रोड़ बेंगलूर-560052 में स्थित है।

अर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

नारीख : 1-4-1985 मो**हरु** 🛚 - व्सप् वार्तः, दीनु व्यं, एवान्- - - ----

बावकर वर्षिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यक्ति स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 अप्रैल, 1985

निर्देश मं० नोटिस नं० आर० 1411/37ईई/84-85--यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति , जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ई 9 है, तथा जो मीरामार पंजिम गोवा में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 जुन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृस्य से कम के शरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की, गई है और गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उभित बाजार मृक्य, उसके अध्यमान प्रतिफल है, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकात से सिथक है और वन्तरक (अन्तरकों) वीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब धामा गया प्रतिफल, निम्नतिसित उन्होंने से उभत बन्तरक शिक्ति में सास्तिक इन से अधित महीं किन्त बना है है---

- (क) बन्धहन से हुं दें किसी जाय की वायत, उक्छ श्रीविषय के क्ष्मीन कर बोने के अन्तरक के स्वीवत्य में कमी करने वा उससे वचने में स्वीवधा के विष्ट; सरि/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या जन्म आस्तियों को, विन्हें भारतीय आज-कड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के विका:

संबंध मंत्र, उत्तर मिनियम की भारा 269-न के समूखरण में, मैं, उत्तर मधिनियम की भारा 269-न की उपभाग्य (1) के अभीन, निम्निकिस स्वीमतकों, मक्ति क्षेत्र-

- 1. श्री जैसिन्ह मगनलाल श्रीमती हसुंमति जै सिन्ह र न लाल 1/15 15 मगनलाल सदन, एम० बी० रोड़ पंजिस, गोवा (श्रन्तरक)
- 2 मैंसर्स पराग प्रमोटरस मगन लाल सदन ग्राऊंड फ्लोर एस० बी० रोड पजिम, गोवा

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के हिन्दू कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में काई भी बालेंग 🛶

- (क) इस स्वता के एजवन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की व्यक्तिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति यो भी विश्व विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्दों का, को उक्त जीवनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं जर्भ होगा को उस अध्याम में दिया 'स्वा है।

नन्त्र्यी

दस्तीबज संख्या 1232/84-85 तारीघ 13-8-84 प्लाट नं० ई-9 उसका नापना 504 स्कोयर मीटरस है जो लाकामपाला रेसिडेन्सियल कालोनी मीरामार, पंजिम गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख . 1-4-1985 **मोहर** ३ प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

बायकड़ अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयंकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

्र निर्देश सं० नोटिंग नं० आर० 1424/37ईई/84-85---अतः मुझे, आर० भारहाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं शोडौन नं० 2 है तथा जो माफसा गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेगलूर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 2 अगरूत 1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्या, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नहें. किया गया है:—

- (क) जन्तरच से हुई किसी बाय की बाबत, उत्तव अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इवाधवार्य अध्यादिती दूवारा प्रकट वहीं किया ववा या वा किया जाना आहिए वा किया वे स्विभा के निए;

शत: वन, उनत अधिनियम की भारा 269-न के अध्यास की, में, उनत अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित अधिनतमों, अधीन :---

- 1. भैंसर्म प्रगती बिल्डर्स अन्जुना, बारडेज गोवा। (अन्तरक)
- 2 श्री अन्क्ष गमा चानेकर माकसा वारडेज गोवा। (अन्तरितो)

वी वह बुख्या पाड़ी करने पृष्टिन्द सम्पृतिक से नवंद के जिए कार्वनाहितां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र हि—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वन्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वनरा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख सें 4'5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर है पाछ निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्माद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, पो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गना है।

11116

(दस्ताबेज मं० 1198/84-85 ता ० 2-8-1984)

गोडीन नं० 2 उसका नापना 24 स्कोर मीटर्स ये सम्पत्ति 'कोमपोपाटो'' नाम से परिचित है जो मफसा, बारडेज गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बेंगसूर

तारीख: 1-4-1985 मोहर ■ प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर ,

बंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटीस नं० आर० 1154/37ईई/84-85— अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 33 है, तथा जो तलेगाव गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र बित्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसींया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गिरीश ए० केनी दादा वैध्या रोड, 1 फ्लोर मुन्सिपल बिल्डिंग, एल ०-डोराडो सिनेमा के नजदीक, पनजी, गोवा।

(अन्तरक)

🕻 2) डॉ० प्रदीप ए० केनी पनजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन का तार्शिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकने।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1 244/84-85 ता० 24-9-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 33 ''ग्रोथटरो'' नाम से परिचित है $_{3}^{2}$ जो 'तलेगांव, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

तारीख: 2-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० अ४० 1451/ईई——यत मुझे, आर० भारक्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं अपार्टमेंट नं 3071 है, तथा जो 45 प्यालेस रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता 20-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंग के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण सिवृद्धित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 (1) मैसर्म एस० डी० प्रापर्टी जिवलपमैट प्राईवेट लिमिटेड
 - (2) श्री अहमद मादिक कालीली, नं० 45, प्यालेस रोड
 - (3) डाफ्टर मोयीन कालीली— बेंगलूर
 - (4) मिम॰ जहरा भानू कालीली 45, प्यालेस रोड बेंगलूर,

(अन्तरक)

 टी० विजया कुमार,
 श्रीमती लज्जा वाई नुलसीदाम नं० 5, के० रामचन्द्रपुरम् तेन्नूर, तिस्जी-620017।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- · उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :--
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
 - (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में से किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज म० 1243/84-85 ता० 20-9-84) मम्पत्ति है जिसकी सं० 3011 जो VII फ्लोर है पाइन्ट-111 प्यालेस रोड़ बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, क्षंगलूर

दिनाक 2-4-:1985

मोह्न ध

प्रस्थ बार्ड , दी, एन , एस, उ----

नावकर भृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

भारत बारकार

कार्यासय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबलूर

बंगलूर, विनांक 1 अप्रैल 1985

निर्वेण नोटिस नं० आरटिस 1335/37ईई/84-85--अत: मुझे आर० भारद्वाज,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर योने के अन्तरक के राधिस्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

1 मैंसर्स नागेश असोसियेट्स बिल्डर्स मौर कन्द्राक्ट्रस एच० नं० 211, हरिमन्दुचल मारगोवा गोवा। (अन्तरक)

2 श्री प्रभाकर नायक मेनेजर कारपोरेशन बैंक सैंप्ट जोम डींग अरियल सालसेष्ट गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के निष्टु कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध याद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किती व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निकार में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रणूक्त कन्दी जॉर क्यों का, को उन्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिशाबित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया क्या हुरैं।

वनुसूची

(बस्तावेज सं० 1187/84-85 ता• 20-8-84)

प्लाष्ट लचामल, जो प्लाट नं० 5 विस्तित 'सीर 1 पस्तीर, 1 प्रलोर मेंवावरालिमा गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी 'सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 1-4-1985

मोहरः :

प्रकप बाहां, ही, एम, एस,-----

कामफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार्थ 259-७ (1) के सभीन सुकरा

भारत परमाह

कार्यालय, सहायक अध्यक्त कार्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलुर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश मं० नोटिस नं० आर० 1450/37ईई/84-85— अत: मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर व्यविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिस, जिल्का उजित काजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० ए है, तथा जो 28 सयान्की रोड बेंगलूर सें स्थित है (श्रौर इसमें उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रोकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20 सितम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्क है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्यवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल में, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का विम्तिविचित्त उद्योग में उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक का के की बत गड़ी किया गया है :---

- (का) अन्तर्थ सं हुई किसी नाम की वावत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कर्नी करने या उससे बचने में सृषिका को निए; और/या
- (क) एकी जिस्ती काल मा किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं दर्शेक्शण अस्तिरिती क्यारा प्रस्ट नहीं किया गया का ता किया नामा चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा ।।। के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधाति।—— मैमूर्स एसैट बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड 27/सी, सयान्की रोड बेंगलूर-560052

(अन्तरक)

2. श्री हरिलाल जी॰ निचानी श्री राजकुमार जी॰ निचानी 32, हबीबुल्ला रोड, टी0 नगर मद्राम : [3] (अन्तरिती)

स्त्री यह शुक्ता जारी करके पृत्राक्ति तथ्यरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है सं 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचन की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी तन्धी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीन स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्नाक्षत्री की पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वधाकरण:---- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्वः यदा है।

अनस्ची

(दस्नावेज सं० 1242/84-85 तारीख 20-9-84) प्लाट नं० ए० , जो XII प्लोर, "गारुफ लिन्क अपार्टमेन्टस नं० 28, मयान्की रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> आए० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (िरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-4-1985 मोहर: प्रसम कार्ष. टी. एन. एसं., -----

.बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(भ) (1) के अभीन सूत्रका

मारत् वरकार् -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलर, दिनांक 1 अप्रैल 1985

निर्देश सं नोटीस नं अार 1419/37ईई/84-85— अत: मुझे, आर भारब्राज,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्राँर जिसकी सं अपार्टमेन्टम नं 308 है तथा जो व्यालेस रोड़ बेंगलूर में स्थित (म्राँर इमसे उपाधन्न अनुसूची में म्राँर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 2 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिपाल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत्न से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) यो बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मृत्यूष्ण वे हुए किसी बाय की वावस, उक्त मृत्यिम्बय के बचीन कर दोने के मृत्यूरक के वावित्य में कमी करने या उबसे बचने में सुविधा के सिक्: बॉर/मा
- (६) ऐसे किसी आय या किसी भग या जन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्ष (१)

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण के, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के क्योंन, निम्निचित्रत व्यक्तिसमों, जजति ३—

 मैमर्स एस० ए० प्राप्तटी डेवलपमेन्ट (प्राइवेट) लिमिटेड श्री महमद सादिक कालीली डाक्टर मोयीन कालीली मिस जहरा भानू कालीली नं० 45, व्यालेस रोड़, बेंगलूर:

(अन्तरक)

2. श्री एम० के० कुमार श्रीर श्रीमती बीना कुमार केर/आफ श्री एम० सी० कुट्टी नं० 11 कुमारा पार्क ईस्ट एक्स्टेनशन बेंगलूर:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से ' 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा मकेंगे।

स्थब्दोकरण :---इसमी प्रध्नित गर्ब्दी और पदा का, जो उक्त बीधिन्यम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमसूची

(दस्तावेज सं० 1237/84-85 तारीख 2-8 85) श्रपार्टमेंट नं० 3081, जो VIII फ्लोर है पाईम्ट $\mathbf{1}^{II}$, 45 ब्यालेस रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

म्रारः भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेज, बेंगसुर

तारीख: 1-4 1985

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ. दी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

शास्त सङ्गार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 म्रप्रैल' 1985

निर्वेष सं० नोटीस नं० भार० 1445/37ईई/84-85----भ्रतः मुझे, श्रार० भारक्षाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

और जिसकी संज्ञाट नंज 701 है तथा जो नंज 3 क्वीन्स रोड़ बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,तारीख 24 प्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में स्विभा अधि जिए;

करः वर्ग, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीविश्वत व्यक्तियों, वर्धात्:---

- 1. मैसर्स भना एक्स्पोरट्स 280, कारनाक रोड़, धम्बई-2 (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती भारती बी॰ सुरतानी नं॰ 9, सरटे रोड़, सिन्गापुर (म्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन् को सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के प्रश्वाय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्वी

(वस्तावेज सं० 1214/84-95 तारीख 24-8-84) सम्पत्ति है जिसकी सं० 702 ओ VII फ्लोर 'सी०' विग "क्लीन्स ग्रपार्टमेन्ट्स" नं० 3 क्लीन्स रोड़,बेंगलूर-1 में स्थित है।

> म्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बेंगसुर

तारीख: 4-4-1985

मोहरः

प्रक्ष वार्षः दीः एतः एतः -------आयकर विधिनयमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

ब्राह्य बडकाड

कार्यासम्, सहायक नायकरु नाम्कर (निर्द्रीकर्ण)

ग्रजंन रेंज, वेंगसूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1985

निर्देश सं० नोटीस सं० 862/84-85--- मतः मुझे, मार० भारकाण,

सायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसको उजित बाबार मूख्य 1,00,000/- क. से अभिक है

और जिसकी सं० 255 से 262 है तथा जो तेलगांव ग्राम (गोवा) में स्थित है (और इससे उपावद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), र्राजद्रीकर्ता के कार्यालय इस्डास (गोबा) में, र्राजस्द्रीकरण भिक्तियम 1908 (1908 का 16) के भवीन, तारीख 24 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूप्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके रूप्यमान प्रतिकल से एसे रूप्यमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गया प्रतिकल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त के बासतिक रूप से कथित नहीं किया जना है -

- (क) कुल्तुएम से हुएई प्रिक्ती नाम कर्ट बायकुः, क्यस् विभिन्निक के संचीन कर रोगे के बन्तुएक के वादिएम में क्यी कर्या गा क्यम्य में मुणिया के प्रिया; ब्रॉट/या
- ्व) ऐसी किसी भाष या किसी थन या बन्य बास्तिनो हो, चिन्हें आहतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिनियम या थन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) हो अयोजनार्थ बन्तिरती हुनाहा प्रकट नहीं किया बया था या किया बाना वाहिए था कियाने में क्षित्य के दिख्य;

वतः वन, उनत निभृतिनम की भारा 269-न की ननुसरण में, में, उभत विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को मुधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती रादाधाई रामकृष्णा सलगांवकर भार०/ओ० राजेश्वरी, वास्कोडा गामा (गोवा)।

(ग्रन्तरक)

 श्री मनोहर गुप्त, सीमोद्धकर
 श्रीमती हेमलवा मनोहर सीगेद्धकर भार०/ओ० सेंट इनेज, पनजी (गोवा)।

(भन्तरिती)

को यह भूषना चारी करके पूर्वोन्त सम्पृतित के वर्षन के निर कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की जविधि, को भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्र्यो

(दस्तावेज सं० 766/201 तारीख 24-9-1984) सेन्ट धनेज, तेलगांव ग्राम, तीशावाडी तालूक जीत्हा गोवा में है।

बंगला और मागडा है। जगह का श्रोत 449 स्केयर भीटर्स है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, वंगल्र

तारीब : 24-1-1985

मोहर 🕹

अक्य आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं विदेश ने दिस नं 863/84-85—यतः मुझे, भारव भारकाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िष्सं इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 1205/2 है तथा जो तेलगांव ग्राम (गोवा) 125/2, 151/8 है तथा जो तेलगांव ग्राम

(गोवा) में स्थित है (श्रौर इतसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विभात है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रविचारी के कार्यालय इल्डास में रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 28-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाव की वावत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के वन्तरक वी दासित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूविधा की सिए।

अतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण मों,, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभान, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—

- गिरीश ग्रानन्द केनी ग्रीर इसकी पत्नी श्रीमती नीलण जी० केली, पणजी (गोवा) ।
 - (ग्रन्तरक)
- श्री सन्तोष बाल बन्द्र नादकर्णी,
 रेजि०/श्राफ कोदेन्डास, पणजी (गोवा)।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथांक्त सपीत्त के अजन के रिल्ए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के वर्णन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी अधिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीकर स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकी।

स्वाक्षीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रारे पदी का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा यस है।

[।] अनुसूची

(दस्तावेज सं० 708/195, दिनांक 28-8-84)। तेलगांव ग्राम लिस्वाडी, तालुक, जिला गोवा में प्लाट नं० 29 है। इसका क्षेत्र 526 वर्ग मीटर्स है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

विनांक: 24-1-85

सीका ७

रायल र नीध नयम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालेक, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बैंगसूर

र्रेगलर, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० नोटिस नं 864/84-85—यत: मुझे, प्रार० भारद्वाज, क्रायकर यिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का नारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। श्रीर जिपकी सं० 138/1 और 139/1 है तथा जो काला

श्रीर जिपकी सं० 138/1 और 139/1 है तथा जो काला बनलीम ग्राम (गोबा) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के बार्यालय, मरगाँव (गोबा) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 11-9-1984

का पर्याचित सम्पर्कत को उत्त बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृष्टिकत संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विद्राहण से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायत्व में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए; बार/या
- भा एको स्डार काय या किसी धन का अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा के लिए:

अतः असः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण से, में, नक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :--- (1) 1. प्लीटाकवश कुरीयपा जार्ज, 2. रायमंड जार्ज, पाला यक्तररा, निवासी मरगाय (गोवा)।

(भन्तरक)

(2) लीडे डाईस,प्लाट नं० ई-42,डी, कोंवा,मरगाँव (गोवा) ।

(भ्रन्तरिती)

की सह सूचना चारी करके पृथींक्त चन्निस के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (च) इस जूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

रचकाकिरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिश पंचा है थे।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 2458/84 दिनांक 11-9-1984) मकान ग्रौर प्लाट पीलौलीम में है, जो ग्राम पंचायत एरिया में है। पहिली बिल्डिंग ग्रौर ऊपर का (दुमंजिला) क्षेत्र० 52 वर्ग मीटर्स है।

8 से 11 प्लाट है और इपका क्षेत्र 1318 वर्ग मीटस है।

भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक 24-1-1985 मोहर ह त्रस्यु नाष्ट्रं . टी . एव . एक . ------

जापकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीत सूचना

भारत संस्काद

कार्यासय, सङ्घायक जायकार जामुक्त (निरीक्रण) भ्राजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जनवरी, 1985

निर्वेश सं० नोटिस 865/84-85—यतः मुझे, प्रार० भारद्वाज, नायकर जिलिस मा 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृच्ये 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 145 है, तथा जो तेलगांव (गोवा) में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्हास (गोवा) में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 13-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को जिस्त बाजार मृन्य. उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त वीधिनिय्मू के वधीन कर दोने के बंतरक के रायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और∕या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., दिख्वाने में सर्वेक्षा के किए;

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गिरीश मानन्द कीती भौर इसकी पत्नी श्रीमती निश्पा जी कीती, निश्मासी पण्डी (गोवा)।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती फातिमा लुसीका, गोनसलबीस,ई० गोमस, निवासी प्रीमोगे बैरो, शांताकूज, तीसावाडी, (गोबा)।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकेंगे।

स्वाधिकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्यों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वहां हैं।

नपूर्वा

(दस्तावेज सं० 749/207, दिनांक 13-9-1984) तेलगांव ग्राम सीसवाडी, तालुक, जिला गोवा, में प्लाट नं० 2, सर्वे नं० 145/1है, इसका क्षेत्रफल 699.89 वर्ग मीटर्स है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 24-1-1985

मोहर 😉

प्रस्म बाह्र'.टी.एन.एस.------

काधकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1985

निदेश सं० 866/84-85—श्रतः सुझे, आर० भारद्वाज गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 194, 105, 106 धौर 131 है तथा जो तथा जो मरगांव में स्थित है (और इससे उपाबर्ड अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मरगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-8-1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उपित बाजार मूख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अम्तरण के लिए सय गया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट से उक्त अन्तरण लिखिन में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान, वाहिए था, छिपाने में मृतिधा को लिए;

अतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग 🗥 ते अधीन . निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् — 23—76GU85

- 1. (1)मारता फरमीनो डाइस
 - (2) श्रोमतो श्रौत्सीना नौतामीस डाइस,
 - (3) कु॰ श्रीरीन एल॰ डाइस
 - (4) कु० यरुमरलडा बी० डाइस
 - (5) बेन जीव डाइस
 - (6) श्रा मेख पो० डाइस सत्र निवासी मरगीय (गोवा)।

(मन्तरक)

 श्री श्रब्दुल तान्य सोलखी, श्रवीत पाड़ी, मरगांव (गोवा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राधपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 जिन की अविध या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी स्विति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उपस स्थावर संपत्ति में हितबह्य किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रगुवत कर्कों और पर्यों का, जो उनत निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

(इस्तावेज सं० 1207, दिनांक 24-8-1984)

खुली जगह मरगांव टाउन में है। इसका क्षेत्रफल 502 वर्ग मीटर्स है और म्यनिसिपल एरिया में है।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्जन रैंज, बंगलुर

दिनां ह - 24-1-1985

मोहर 🕆

प्रकृष आहे. टी. एन. एस.-----

.कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायक्त (निर्शालक)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 24 जनवरी 1985

निदेश म० 862/84-85—ग्रतः मुझे, ग्राग्० भागद्वाज यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें को पश्चात् 'उन्तर सिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रुच्य ,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 145/1 है, तथा जो बलगांव, ग्राम (गोवा) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उस्हाम (गोवा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 वा 16) के अधीन विनाक 13-9-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया मितफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त गरिपनिवम के गधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ण) एसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 1) भारतीय अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, 'एपाने में मुनिधा के लिए;

अंतः वय, उक्त विधित्तयम की धारा 269-ग को, अनुसरण का, में, उक्त विधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीत, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :----

 श्री गिरीश भ्रानन्त केनि भ्रौर इसकी पत्नी श्रीमती नीक्पा, जी० केनि, पणजी (गोवा)

(भ्रन्तरक)

 जीलो डी श्रोरनोम, रोड्रिगाम, ई० गोक्सम, निवासी पणजी (गोवा)।
 (श्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी वबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये जा सकैन।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वन्सची

(दस्तावेज, सं० 750/207, दिनाक 13-9-1984) बेलगांव क्राम में (तीसवाडी तालुक, जिला गोवा) प्लप्ट न० 35 है,

इसका क्षेत्र: 82 वर्ग मीटर्स है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

दिनाक: 24-1-1 र 5

सोहर 🛭

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 6th May 1985

F No 44/85/SCA(General).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Honble Chief Justice of India has directed that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, May 13, 1985 to Sunday, July 7, 1985 (both days inclusive) and will reopen on Monday, July 8, 1985.

Under Rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. Justice R. B. Misra and Hon'ble Mr. Justice D. P. Madon to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below:

Hon'ble Mr. Justice R. B. Misra from May 13 to June 9, 1985 (both days inclusive)

Hon'ble Mr. Justice D. P. Madon from June 10 to July 7, 1985 (both days inclusive)

Hon'ble Mr. Justice R B. Misra will sit in the Court on Mondays. May 20 and June 3; 1985 and Hon'ble Mr. Justice D. P. Madon will sit in the Court on Mondays, June 17 and July 1, 1985. Sitting will, however, continue on the next succeeding day if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation, the offices of the Court will remain open daily from 10.00 a.m. to 4.30 p.m. except on Saturdays, holidays and Sundays. The Offices of the Court will however, remain open on Saturday, July 6, 1985 from 10.30 a.m. to 1.30 p.m.

R. SUBBA RAO Registrar

·UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 19th April, 1985

No. A. 32014/1/85(1)-Admn I—The President is pleased to appoint the following Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:

SI Name	Period
S/Shri 1. H. O. Madan	2-4-1985 to 30-6-85
2. V. P. Mahajan	-do-
3. Rameshwar Dass	-do-

2. The above mentioned persons should note that their appointments as Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

The 30th April 1985

No. A. 38013/2/84-Admn. II.—The President is pleased to permit Shri R. N. Khurana, a permanent Grade I

Officer of the CSS and at present holding the post of Officer On Special Duty in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service after attaning the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1985.

No A. 38013/4, 84 Adnin. II.—The President is pleased to permit Shri H. M. Biswas, a permanent Section Officer of CSS (regular Grade 1 Officer of CSS) and at present holding the post of Officer On Special Duty in the office of the Union Public Service Commission, to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1985.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL, TRAINING AND ADMN. RFFORMS AND PUBLIC GRIEVANCE & PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd May 1985

No. A-19035/8/79-AD. V.—Shri S. L. Dutta, relinquished charge as Office Supdt/CBI, New Delhi with effect from the afternoon of 30th April, 1985, on superannuation.

K. CHAKRAVARTHI Deputy Director (Admn.) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 30th April 1985

No. O. II-1942/84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) G. Ratna Kumari as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on ad hoc basis with effect from the forenoon of 12th April, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O. II-2008/85-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Rajan Chawla as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis for a period of 3 months w.c.f. 17-4 1985 (FN) or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 1st May 1985

No. O. II-625/70-ESTT(CRPF).—Consequent on his voluntary retirement from service Shri S. K. Datta, Asstt. Commandant of 4th Bn. CRPF relinquished charge of the post w.c.f. 3-4-85 (AN).

The 2nd May 1985

No. O. 11-2010/85-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. W. Yavan Rao as junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 15-4-1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATH1 Assistant Director (Estt.;

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st May, 1985

F. No. BNP/G/7/85.—The following permanent Inspector Control's are appointed to officiate on adhoc basis as Deputy

Control Officer in the scale of pay Rs. 650-1200 (Grou p 'L' Gazetted) in Bank Note Press Dewas (M.P.) in the short term leave vacancies as shown against of each.

SI. No.	Name of Employee	Duration of appointment as Deputy Control Officer to officiate
1	2	3
	i/Shri Iohinder Singh	1-5-85 to 9-6-85
2. P	. N. Joshi	1-5-85 to 2-6-85

M. V. CHAR General Manager

MINISTRY OF LABOUR

CHANGE TO SERVICE AND INTERPORTATION TO AN ADDRESS OF THE SERVICE SERVICE TO AN ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 29th April 1985

No. 33/4/84-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri K. S. Patkotwar as Assistant Research Officer (Engg.) RLI-Madras under the DGFASLI Bombay in an officiating capacity with effect from 12-4-85 (F.N.).

S. B. HEGDE PATI Dy. Director General & Head of Department

COLOR COMPONENTE DE LA FARENCE DE

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 27th April 1985

JMPORIS AND EXPORTS TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1521/74-ADMN(G)/2147.—Smt. I. Sippy, Controller of Imports & Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay has been permitted to retire voluntarily from the forenoon of the 1st March, 1985.

M. P. ISAAC
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
For Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 30th April 1985

No. A-1/1(593).—Shri Q. C. Rustogi, Permanent Junior Progress officer and Officiating Assistant Director (Gr. II), in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, retired from Government Service with effect from the afternoon of 30th April 1985, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 27th April 1985

No. A. 17011/283/84-A6.—On his reversion from the post of Assistant Inspecting Officer (Met.). Shii Subhash Chandra has relinquished the charge of the said post in the Office of Director of Inspection Kanpur on 1-4-1985 (Forenoon).

S. L. KAPOOR Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING LLLMS DIVISION

Bombay-26, the 17th April 1985

No. A-19012/2/85-Lst. I.—On the recommendations 'of the Union Public Service Commission, the Competent Authority has appointed Shri N. Stanely to officiate as Newsreel Officer, Films Division on a Pay of Rs. 840/pm. in the Scale of pay of Rs. 840—1000—EB—40—1200/- with effect from the Forencon of 10th April, 1985 until further orders. He has been posted to Hyderabad.

N. N. SHARMA Administrative Officer, for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

Now Delhi, the 1st May 1985

No. A. 31013/5/83-Admn-I. The Director General of Health Service is pleased to appoint Dr. Ramji Prasad to the post of Technical Officer in the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the 18th July, 1983.

B. K. JANA Deputy Director Administration (G)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 1st May 1985

No. G/211/ROD/Estt. IA/1342.—Bijan Kumar Ghosh relinquished charge of the post of Scientific Officer, SB on 28-2-1985 (AN) consequent on Superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 30th April 1985

Ref. No. DPS/41/10/85-Adm./983.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Fnergy appoints Shri S. R. Vaidya a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35-880—40—1000—EB—40—1200/- from 8-3-85 (FN) to 12-4-85 (AN) in the same Directorate vice Shri M. K. John, Arstt Stores Officer, granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 12th April 1985

No. C&SG/A/2(6)/2650.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Kuldeep Yadav, a temporary Scientific Assistant 'C' in Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Construction & Services Group

N 1486 : AMERICAN . .

in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 9-4-1985 (FN) until further orders.

The 20th April 1985

No. CED/A/2(16)/2762.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. V. Poulose a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from the forenoon of 11-2-85 to 4-4-85 vice Shri K. M. Basha, Assistant Accounts Officer granted leave.

S. K. KAPUR Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay, the 20th April, 1985

No. 05052/Aug. 84/1455.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints the following Officers of Heavy Water Project (Kota) as detailed below until further orders.

SI. Na	Name	Present post held	Post to which appointed	Date on which appointed
1	2	3	4	5
J.	Shri B. M. Patel	SA/C	SO/SB	1-8-1984 (FN)
2.	Shri V. K. Bhat	SA/C	SO/SB	1-8-1984 · (FN)

The 2nd Mary 1985

Ref. No. 05000/R5(33)/1521.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoint: Shri Dilip Kumar Roy, a permanent Upper Division Clerk of Directorate of Purchase & Stores and officiating Assistant Accounts Officer, Calcutta Regional Accounts Unit, DPS, (Calcutta to officiate as Pay & Accounts Officer in Heavy Winter Project (Talcher) w.o.f January 31, 1985 (FN) until further orders.

Smt. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE AUXILIARY PROPULSION SYSTEM UNIT

Bangalore-560 017, the 11th April 1985

No. 8/275/85-Admn,—Shri M. V. S. Sastry is appointed as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—886—E/3—40—960/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of April 11, 1985 and until further orders in Auxiliary Propulsion System Unit, Bangalore.

A. E. MUTHUNAYAGAM Programme Director

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd May 1985

No A. 32013(ADGM)/2/83-E.I.—The President is pleased to appoint Dr. A. K. Mukherjee, Deputy Director General of Meteorology, India Meteorological Department as Additional Director General of Meteorology in the

same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17-10-1984 and until further orders.

S. K. DAS Director General of Meteorology

OFFICE OF THE PUPICTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd April 1985

No. A. 32014/7/84-E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Devinder Singh, Technical Assistant in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Ro. 650-1,200/- on regular basis with effect from 17-10-1984 and until further orders.

The 25th April 1985

No. A 25018/3/85-E1.—The President is pleased to appoint Shri S. Chandrasekharan, Senior Intelligence Officer of the Intelligence Eureau (MHA) in the post of Assistant Director of Civil Aviation Security on deputation basis for a period of one year with effect from 8-4-1985 (forenoon).

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 2nd May 1985

No. A-19012/1080/85-Estt V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B) Chairman Central Water Commission appoints Shri S. C. Mandal Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/with effect from the forenoon of 30-3-1985 until further orders.

(2) The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.F. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 25th January 1985

No. 27 S/I(5)/75-ECII — The President is pleased to accept the voluntary retirement notice dated 21st July, 1984, served by Shri Subhash Chandra Jain, Superintending Engineer (Civil), CPWD, under Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 as amended from time to time and accordingly retires him from Government Service with effect from the forenoon of 30th October, 1984.

The 11th April 1985

No. 32/1441/72-EC, III.—Shri A. A. Totlani, AE(C) attached to Superintending Engineer (Val.), I.T. Department, Ahmedabad consequent on attaining the age of superannuation (58 years) has been retired from the Govt. Service w.c.f. 31-3-85 (AN).

The 25th April, 1985

No. 5/3/81-ECI.—On the basis of the results of the Combined Engineering Services Examination held in 1982, the President is pleased to appoint ment the following candidates on probation to the Central Engineering Services and Central

Electrical & Mechanical Engineering Services Group 'A' in the Central Public Service Works Department, against temporary posts of Assistant Executive Engineers (Civil/Elect/Mech) with effect from the dates mentioned against their names:

SI. Name No.	Date of appointment
S/Shrì	
(CIVI	L)
1. Umesh C. Mishra	17-8-1984
2. Ashok Kumar P. Raut (S	. T·) 22-8-1984
(ELECTRI	CAL)
i. Nem Chandra	8-10-1984
(MECHA)	IICAL)
1. Dharmendra K, Nayak	29-9-1984

The 30th April, 1985

No. 32/3/85-EC-II—The following officers of the Central Public Works Department have been retired from Govt, service, on attaining the age of superannuation (58 years), with effect from the dates as mentioned against each of the officers:—

SI. No.	Name of the Officers	Date of retirement	Designation and last posting Station
1	2	3	4
S	/Shrì		
1. 0	P. Tyagi (I)	31-8-84 (AN)	
2. O	. P. Tyagi (II)	31-1-85 (AN)	E. E(C), Central Stores Division II, C. P. W. D., New Delhi.
3. S.	P. Tyagi	3J-1-85 (AN)	E. E(C), on deputation to the High Commission of India Lusaka.
4. H	. K. Premi	31-3-85 (AN)	C. E(C), P. W. D., Divn. No. XXV(DA) New Delhi.
5. N	. D. Naithani	31-3-85 (AN)	E. E(C), 'M' Divn., C. P. W.D, New Delhi.

The 2nd May 1985

No. 32/3/84-EC. II.—Shri R. N. Gupta, F.O. to Chief Engineer (Northern Zone), C.P.W.D., R. K. Puram, New Delhi, on attaining the age of superannuation has been retired from the Govt. service with effect from 30th April, 1985 (afternoon).

MRS. NEENA GARG Dv. Director of Admn.

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.) U.P. & COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Lucknow, the 20th April 1985

C. No. 22(A)|65-IV

INCOME- TAX DEPARTMENT

No. 10 (1).—Shri S. L. Agniboti, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Incometax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200]. On promotion he has joined as Income-tax Officer, C.I.B., Lucknow in the forenoon of 30th March, 1985.

No. 11.—Shri Ram Bhatia, Income-tax Inspector of of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-. On promotion he has joined as Income-tax Officer (O.S.D.), Allahabad in the forenoon of 29-3-1985.

No. 12.—Shri R. S. Gupta, Inspector of Income-tax of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-. On promotion he has joined as Income-tax Officer (O.S.D.) Allahabad in the forenoon of 4th April, 1985.

DHARNI DHAR
Chief Commissioner (Admn.) U.P. &
Commissioner of Income-tax

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 26th February 1985

No. IAC|Acq|64|23|84-85.—Whereas, I,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing Agri, land bearing S. No. 22|3 at Mauja, Waghapur Prag. Fal. & Distt. Yeotmal, Area 3 Acres 7 Gunthas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Yeotmal on 31-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

- (1) 1. Shri Vasant Tukaram Chitalkar.
 - 2. Smt. Kondabai Tukaram Chitalkar r/o Yeotmal.

(Transferor)

2. Savitribai Duve Graha Nirmal Senetha, Yeotmal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be maed in writing to the unersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing S. No. 22/3 at Mauja Waghapur Prag Tal. & Distt. Yeotmal. Total Area: 3 Acres 7 Gunthes.

> M. C. JOSHI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 26-2-1985,

Scal :

FORM LT.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. AC-79 |Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and beating

No. 8|2A situated at Alipore Park Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transtree for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the activisaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri B. K. Panerjce of "Belvedered Estates", 8/8, Alipore Road, Calcutta-700 027.
- (2) Sri Robin Paul of 'Marshall House', 33/1, Netaji Subhas Road, Calcutta-700 001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One Flat No. 8A, measuring area 1,500 sft. situated at 8|2A, Alipore Park Road, Calcutta-700 027, Registered before Competent Authority vide Sl. No. 17 dated 4-8-1984.

SHANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 12-10-1984.

(1) Sri Robin Paul of "Marshall House" 33/1, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

2. Şmt. Shefali Ghosh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

14/2, Bhuban Sarkar Lane, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 12th October 1984

Ref. No. AC-80 Acq. R-II Cal 84-85.—Whereas, 1, S. K. BANERIEE being the Conpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8|2A situated at Alipore Park Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Competent Authority on 4-8-1984 of Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

24-76 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Flat No. 4F, measuring area 660 sft, situated at 8/2A, Alipore Park Road, Calcutta-27. Registered before the Competent Authority vide Sl. No. 18 dated 4-8-1984.

> SHANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 6th March 1985

Ref. No. IAC Acq.|CA-5|37EE|9074|Thane|1984-85 — Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269E under Section 269B of the income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 107, 1st floor, Nirman, Plot No. 19, Behind Parvati Cinema, Vasai (W), Dist. Thone situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betable property, having a fair market value exceeding

and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ltability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) Nirman Builders, 1-3 Everest Building, 10th floot, Taideo Road, Tardeo, Bombay-34.
- (Transferor) (2) Mrs. Susmita Ulhas Nachankar, Road No. 54 & 55 2nd floor, Shiv Darshan, S.G. Marg, Bombay-11. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- any of the aforesaid persons within a period (6) by of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107 1st floor, "Nirman" Plot No. 19, behind Parvati Cinema Vasai (W), Dist. Thane, (Area 530 sq. ft.), (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9074 84-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date : 6-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th March 1985

Ref. No. IAC Acg|CA-5]1115|84-85|37EE|9073|1984-85.-

Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 207, on 2nd floor, "Nirman" Building, Plot No.
19, Behind Parvati Cinema, Vasai (W), Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the leability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

(1) Nirman Builders, 1-3. Everest Building, 10th Floor. Tardeo Road, Tardeo, Bombay-34.

(Transferor)

(2) M1. Santano C Demelo & M1s. Julie R. Demelo, C|o 72, Police Station Road, Vile Parle (W), Bombay-56.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 and 2nd floor, Nirman Building, Plot No. 19, Beind Parvati, Cinema Vasai (W), Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 9073 84-85 in the month of October 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Date: 6-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 6th March 1985

Rcf. No. IAC Acq₁CA-5[1116[84-85]37EE[9382]84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. S. No. 129, Plot No. 9, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; |/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Ms. Navyug Promoters, 202, Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Anand Bhalchandra Paranjpe, 4|40, Erandwana, Chandra Prakash Near Uptron Indias Office, Pune-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the eald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(S. No. 129 Plot No. 9, Ideal Colony, Kothrud, Pune-29). (Arca 52.676 sq. Mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9382[1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range **Poons**

Date: 6-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, he 25h March 1985

Ref. No. IAC ACQ. |CA-5|37EE |9296|1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Value exceeding Rs. 1,00,000/-

and tearing No.
Apartment No. 502, Shivalaya Apartments, 380 Shivajinagar,
Pune-5 situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule Billione, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemed believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, eed/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s Gate Associates, Plot No. 712, C.T.S. 380, Shivajinagar, Punc-5.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Anant Chinchanikar, 316|2, Shivojinagar, Pune-5.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 502 Shivalaya Apartments, 380 Shivajinagar, Pune-5.

(Area 605 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9296/1984-85 in the month of December 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 25-3-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|8945|1984-85.-

Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 204, Plot No. 17, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- ta, inclination the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, 206, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferoi)

(2) Mis. Jvy Pereira, D.10 Kumar Society, Nehru Road, Vakola, Santacruz, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Plot No. 17. Sector 17 D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Area 1850 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 8945 [1984-85 in the month of October 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 26-3-1985.

MOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 26th March 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|10024|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market lavue exceeding Rs. 100,000/and bearing

Gala|Unit No. 8 at Modella Industrial Estate, Padwal Nagar,

Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority
I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M s Modella Textile Industries Pvt. Ltd. 4C Vulcar Insurance Bldg. Veer Nariman Road, Bombay-20.
 - (Transferor)
- (1) M| HS. Enterprises 9 Geeta Kiran 2nd floor, 124 Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pariod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Gala_lUnit No. 8 at Modella Industrial Fstate, Padwal Nagar,

(Area 636 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10024]84-85 in the month of November 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9805|1984-85.— Wheters, J. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immune-table property having a fair market value according able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Gala Unit No. at Modella Industrial Fstate, Padwal Nagar. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in. respect of any income arising from the transfer; ∎ud /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Modella Textile Industries Pvt. Ltd. 4-C Vulcan Insurance Building, Veer Nariman Road, Bombay-20.

(Transferor)

(2) M|s Rakesh Services, Kirti Vaibhav Kisan Nagar No. 1 Wagele Industrial Estate, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala/Unit No. 6 at Modella Estate, Padwal Nagar, Thane.

(Area 636 sq. ft)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9805 1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 26-3-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th Match 1985

Ref. No. IAC ACO CA-5|9804|1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Gunsagar Nagar D Building, Hat No 2, Ground floor, Station Road, Kalva, Dist Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at 1 A.C., Acqn. Range, Punc on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to eblieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely at 25—76 G1/85

(1) M/s Chhadva Construction Co., 2¹4 Jay Mahavu R.B. Mehta Road, Chatkopar, Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumedna Bhimrao, Chapsi Building. Near Station, Thane

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Gunsagar Nagar D-Building, Flat No. 2, Ground floor, Station Road, Kalva, Distt. Thanc.
(Area 546)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Accousition Range, Punc, under document No 9804/1984-85 in the month of Nov. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 26-3-1985, Sept.:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|9505|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to believe that the infinity and able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No. Gunsagar Nagar "E" Building, Flat No. 60, Station Road, Kalva, Dist. I hana situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Ms Chhadva Construction Co. 2 4 Jay Mahavir R.B. Mehta Road, Ghatkopar, Bombay-77.

(Transferor)

K. Sundaram, 6 × 7/10 Godiej Colony, Vikharoli, Bombay-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gunsagar Nagar "E" Bldg. Flat No. 60, Station Road, Kalva, Dist. Thuna, Survey No 402, Hissa No. 1. (Area 512 Build up)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9505 1984-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 26-3-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

`ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 28th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|9281|1984-85:-Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No Gunsagar Nagar, D Building, Flat No. 30, Station Road, Kalva, Disi. Thana situated at Thane and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C.. Acqu. Range, Pune in Oct, 84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iff een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) iacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) nacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Chhadva Construction Co. 2 4 Jay Mahavir R. B. Mehta Road, Ghatkopar (C) Bombay-77.

(Transferor)

(2) Mrs. Mithila Vilas Salvi,
 Clo. Mr. S. S. Salvi,
 B-37 Madhuvan, Behind Indian Oil Company,

J. P. Road, Andherr (W) Bombay-58.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gunsagar Nagar "D" Building Flat No. 30, Station Road, Kalva, Dist. Thana. Survey No. 402, Hissa No. 1. (Atea 568).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, underdocument No. 9281/84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUM∧l₹ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 28-3-1985

Seal :-

FORM IT.N.S.—--

NUTICE. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune, the 28th March 1985

Ref. No IAC ACQ|CA-5|9878|Thane|1984-85,--Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,,000 /- and bearing No. Gala Unit No. 7 at Modella Industrial Estate, Pudwol Nagar, Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqu. Range, Pune in Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act ingrespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, / amely :---

(1) Modella Textile Industries Pvt. Ltd. 4-C Vulcon Insurance Building. Veer Natiman Road, Bombay.

(Transferor)

(2) M|s. Nitiraj Industries, 98 Balkrishna, "Sion Road" (1-), Bombay-22.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of 'his notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Gala|Unit No. 7 at Modella Industrial Estate, Padwal Nagar,

(Area 636 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, underdocument No. 9878]84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Leela Dinkar Wamarse, 'Dattraj' Vidyanagar, Varsoli, Alibag, Dist. Raigad.

(Transferor)

(2) Shri Probhakar Chandrakant Dhariya, 1294-B Bilwapuri, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME:TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc. the 28th March 1985

Ref. No 1AC Λ CQ[C Λ -5]9485]1984-85.—Whereas, I, ANIL KUM Λ R,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Unit No. 23-9, C.S. No. 2050 S. No. 692, Munjeri Tal. Haveli, Dist. Punc, Premnugar Sahakari Griha Rachana Sanstha siluated at Punc

fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqn. Range, Pune in Jan. 1985

I.A.C., Acqn. Range, Pune in Ian. 1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason, believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and is the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Unit No. 23-9, C.S. No. 2050 S No. 692, Munjeri, Tal-Haveli, Dist. Pune, Premnagar Sahakari Griha Rachana, Sanstha.

' (Area 2490 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9485 84-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poone

Date - 28 3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|9731|1147|1984-85.—Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Ownership Flat No. 103 on stilt floor having built-up area @ 1054 sq. ft, at CTS No. 3025|6-B Shivajinagar, Pune-16 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the 'concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Sasanam Kelkar & Associates, 1478, Sadashiv Peth, Pune-30.

((1 ransferor) (2) Shri R. M. Shaima & Smt. L. M. Sharma, 215 Lokmanya Society, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ownership flat No. 103 on stilt floor having built-up area @ 1054 sq. ft at C.T.S. No. 3025|6-B Shivajinagar, Pune-16.

(Area 1054 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9731/84-85 in the month of Jan. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

PUNE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1222|84-85|37G|2387|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Block No. A-733, Room No. 1466, Netan Tekadi, Ulhasnagar-4 situated at Ulhasnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ulhasnagar on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, samely:---

(1) Shri Madhukar Baburao Bhavsar, Block A-733, Room No 1466, Netaji Tekadi, Ulhasnagar-5.

(Transferor)

(2) Shri Hari Annji Kedare, Dus Chawl, Behind Block A-291, Ulhasnagar-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. A-733, Room No 1466, Netaji Tekadi, Ulhasnagar-4.

(Area 250 sq. yards)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub Registrar, Ulhasnagar, under document No. 2387 in the month of September 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Date: 8-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, PUNE

Pune, the 11th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1132|84-85|37EE|320|1984-85.—Whereas, I, ANH KUMAR, -

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 14, Yash Apartments, Trimbak—Nasik Road, Near Swimming Pool, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration (Office at

has been transferred under the Registration Act, 1906 (19 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C., Acqn. Range, Pune on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Jability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Yash Builders & Contractors, 8, 'Biren' Khot I ane, Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferor)

(2) Smt. Mrudula Martand Pingale, 2356 Dingarali, Nasik City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Yash Apartments, Trimbak -Nasik Road, Near Swimming Pool, Nasik.

(Arca 626 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 320|1984-85 in the month of July 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date . 11-3-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 11th March 1985

Ref. No. IACA.CQ|CA-5|1131|84-85|37EE|293|Nasik|84-85. Whereas, 1,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iman the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Shop No. 5 & Flat No. F.3, F.4, in Survey No. 184|6-14
Plot No. 9, Panchvati, Nasik situated at Nasik
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune in July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

26—76GI[85

- (1) M|s. R. M. Patel Constructions, 12 Umceya Co-operative Society, Krishnanagar, Tapvan Road, Panchvati, Nasik. (Transferor)
- (2) Shri Murlidhar Vithoba Chapekar, Shri Rumdas Vithoba Chapekar, Shri Chandrakant Vithoba Chapekar, 4616 Chinchban, Pen hvati, Nasik-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 & Flat No. F3, F4, F5 in Survey No. 184/6-14 Plot No. 9, Panchvati, Nasik. (Area 1.854 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 293 1984-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 11-3-1985

Scal:

17518

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th March 1985

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|1130|84-85|37EE|267|Nasik|84-85.

—Wereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 184|6-14 Panchvati Agra-Road, Nasik, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, June on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pastics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely: Mis. R. M. Patel Constructions, 12 Umeeya Co-operative Society, Krishnagar, Tapvan Road, Panchvati, Nasik. (Transferor)

(2) Shri Murlidhar Vithoba Chaphekar, Shri Ramdas Vithoba Chapekar, Shri Chandrakant Vithoba Chapekar, 4616 Chinchban, Panchvati, Nasik-5. 4616 Chinchban, Malegaon Stand Panchvati, Nasik-(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proposed construction of 1 shop and 3 flats Plot No. 3 Survey No. 184|6-14 Panchvati, Agra-Road, Nasik.

(Area 1650 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 267|1984-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona,

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shree Shantinath Enterprises, 304, Tulsiani Chambers, Bombay-21.

(Transferor)

(2) Shubhada Enterprises, Office No. 1 Shanti Centre, Sector-17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th March 1985

Ref. No. BAC.ACQ|CA-5|1129|84-85|37EE|113725774-85. ---Wereas, I,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereing a fair to as the 'said Act'), have reason to believe that all immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 1 in Shanti Centre at Plot No. 8, Sector 17, D.B.C. Vashi, New ombay. situated at New Bombay.

Vashi, New ombay, situated at New Bombay, (and more fully described in the Schedule annited hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn.Range, Pune on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquibition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.
shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1, in Shanti Centre at Plot No. 8 Sector-17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11322 84-85 in the month of Dec. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 11-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s R. M. Patel Constructions, 12 Umiya Society, Krishnanagar, Tapovan Road, Panchvati, Nasik-3.

Nasık-3.

Shri Mutlidhar Vithoba Chaphekar,
 Shri Ramdas Vithoba Chaphekar,
 Shri Chandrakant Vithoba Chaphekar,
 Chinchban, Malegaon Stand, Panchvati,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 11th March 1985

Ref. No. IAC.ACQ|CA-5|1128|Nasik|84-85|37EE|266|Nasik| 1984-85.---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair muket value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

and bearing
Plot No. 3, Survey No 18 16 14 area 632 10 sq. mtrs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer
at I.A.C., Acqn Range, Pune on July 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and jui

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Survey No. 184|6-14 (Area 632.10 sq. mtrs). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 266 84-85 in the month of July 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-3-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 11th March 1985

IAC.ACQ|CA-5|1127|84-85|37EE|5686|1984-85. Ref. No. -Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Plot No. 101|444 Sind Co-operative Housing Society. Aundh,

Pune-7 situated at Pune and situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following mmons, namely :— 86-56GI|85

(1) Shri Daulat Lilaram Chhabrla, A-2816 Navjivan ociety, M. G. Road Chembur, Bombay-74.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Lilaram Mirchandani, 348 250 Sindh Co-operative Housing Society, Aundh Punc-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

IE SCHEDULE

Plot No. 101/444 Sind Co-operative Housing Society, Aundh Pune-7 (Area 5994 sq ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5686 1984-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 11-3-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RAINGE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No. 1AC.ACQ|CA-5|1126|84-85|37EE|5263|Pune|84-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 6 on the first floor in the building "Pushpa Mangal" at 1631|A Sadashiv Peth, Pushpa Mangal Co-op. Housing Society Ltd. Punc-30 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IA.C. Acqu. Range, Pune on July 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edgest of 1.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

 Mrs. Vaijayanti Vijay Joglekar, 1631 A Sadashiv Peth, Pune-30 and Mr. Sadashiv Keshav Joglekar, 1210 C Shivaji Nagar Pune-4.

(Transferor)

(2) Mr. Mohan Vishnu Joshi, 3/3, Shailendra Hag., Society, Senapati Bapat Marg, Pune-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 o nthe first floor in the building "Pushpa Mangal" at 1631 A Sadashiv Peth, Pushpa Mangal Co-operative Housing Society Ltd. Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5263 1984-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-3-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMMITAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1125|84-85|37EE|5230|1984-85,-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 511 Gulmohar, 2420 General Thimayya Road, East Street, Pune-1, situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IA.C. Acqn. Range, Pune on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore and that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Mrs. Raimati Jaswant Shah. Shri Nitin Jaswant Shah, J-12 Gita Society, 10 Synagogue Street, Pune-1. (Transferor)

(2) Mrs. Kamlesh Sunder Khemlani, Mr. Sunder Naraindas Khemlani, 793 11 Agarwal Colony, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

511 Gulmohar, 2420 General Thimayya Road, East Street, Pune-1. (Area 1479 sq. fb.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5230 1984-85 in the month of July 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 8-3-1985

Scal:

(1) M. P. J. Builders, Sukh Sagar, S. Patkar Marg, Chowpatty, Bombay-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. Ganesh & Co., 16/6 Karve Road, Erandwana, Pune 4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 8th March 1985

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1125|84-85|37EE|5385|1984-85,---Whereas, I.

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land is situated at Sangamwadi and the S. No. is 21/5A/1

situated at Pune

attuated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45° days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The land is situated at Sangamwadi and the Survey No.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 5385/84-85 in the month of July 1984).

(b) facilitating the concealing at of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons conicly;

Date: 8-3-1985

Scal:

FORM ITNS-

 Mrs. Banibai Ibrahim Bhori, 221A Tarabai Park, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Mr. Sutesh Baburao Mahajan, 260/7E Tarabai Park, Kolhapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1123|84-85|37EE|OT|979|84-85.—Whereas, J. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Income-tax act, 1961) (Associated to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

Rubx Aparaments, Ownership Flat No. G 14, 710 sq. ft, R.S. No. 221A Tarabai Park, Kolhapur situated at Kolhapur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHBDULE

Rubx Apartments, Ownership Flat G 14, 710 sq. ft., R.S. No. 221A, Tarabai Park, Kolhapur—(Area 710 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the .A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 979|84-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range.
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-76 G1/85

Date: 8-3-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th March 1985

Rof. No. IAC ACQ|CA-5|1122|84-85|37EE|8489|84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

Flat No. 13, Jecvan-Prem Building, situated on Plot No. 340/1-2, 341/3B O.P. No. 430, F.P. 346 Panchpakladi, Pipe Line Road, Thane situated at Thane and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at 1.A.C. Acquisition Range, Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ind/ac
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2600 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Jeevan Builders, R. No. 11, 1st Floor, Sonlanki Sadan, Shivaji Path, Thane-400601.

(Transferor)

(2) Smt. Sukhtankar Aparna Prafulla, Block No. 2, Sauyog Joshi Building, Ghantali, Thane-400602,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Jeevan-Prem Building, situated on Plot S. No. 340/1-2, 341/3B O.P. No. 430, F.P. 346, Panchpakhadi, Pipe Linc Road, Thane.—(Area 800 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 8489 84-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-3-1985 Scal:

(1) M/s. Makwana Bros. & Co. 441 Somwar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Royal Distillery, P.O. Box 29, Kachigam, Daman-396210.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF ENCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PINE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No IAC ACQ|CA-5|1121|84-85|37EE|9723|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 206 on 2nd floor at H. No. 2416 East Street, Pune-1

situated at Pune

fund more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair consideration which is less than the fair consideration and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Saculitating the reduction or avasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 on 2nd floor at H. No. 2416, East Street, Punc-1—(Area 1125 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under Document No. 9723 84-85 in the month of Jan. 1985).

> ANIL KUMAR Component Authority Imspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C e he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit... of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 8-3-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Sunil R. Khai wandikar, Prop. Suchitra Construction, Plot No. 2, Mrutunjaya Colony, Pune-29.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. Anil Vishnu Khadke, 214/4 Navi Peth, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1120|84-85|37EE|8070|1984-85.-Whereas, I. ANIL KUMAR

ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Plot No. 20, Survey No. 129, Flat No. B-2 'Ideal Colony' Plans 29, stimuted at Plans.

Pune-29 situated at Pune

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I A C., Acquisition Range, Pune in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of the property of such apparent consideration therefor by more than affect of the property of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Survey No. 129, Flat No. B-2 'Ideal Colony'

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 8070 84-85 in the month of Dec. 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-3-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 8th March 1985

Ref. No. IAC₁ACQ|CA₂5|1119|37EE|8066|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marks: value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Plot No. 20, S. No. 129, Flat No B6 Ideal Punc-29 satuated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tab market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Sunil R. Kharwandikar, Prop. Suchitra Construction, Plot No. 3, Pune-29.

(Transferor)

(2) Sudhir Dattatraya Hasamnis, 468 2 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20, S. No. 129, Flat No. B6 Ideal Colony, Punc-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8066 84-85 in the month of December 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-3-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 1st March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|6307|1984-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 5, Plot No. 50, S. No. 88|4+138+161 Kothrud,

Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the office of the 1 A.C., Acqun. Pune in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Yugma Promoters & Builders, 339 Mahatma Phule Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay D. Hingnekar, & Mrs. Mandakini V. Hingnekar, 1883 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Plot No. 50, S. No. 88|4+138+6 Kothrud, Pune. (Area 510 Sq. ft.)

(Property as described in the represent to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6307 1984-85 in the month of September 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 1-3-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|6482|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 265B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 16 at S. No. 681|Hissa No. 9+10|Sub Plot No. 1, Bibvewadi, Building, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor between the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. K. Sanghvi & K. S. Deole, Partners. M|s Kamdheun Builders, S. No. 681|Hissa No. 9+10 Sub Plot No. 1, Bidvewadi, Purc-37

(Transferor)

(2) Mrs. Mukta Gabtiel Gonsalves, 3/5, 44 Talmakiwadi, Tardeo Roud, Bombay-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein agare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 at S. No. 681|Hissa No. 9+10|Sub-Plot No. 1 Bibvewadi Building, Pune-37. (Area 650 Sq. Ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 6482 84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE PISPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|9316|84-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immemble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

S. No. 8 Plot No. 15 & 16 Vasai (W) Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the links of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Citizen Builders, B-1 9 Ground floor, Khira Naga, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay.

(Transferoi)

(2) Medhusudan Shantaran Kadam, 116 88 Noor Manzil, T. B. Kadam Marg, Chinchpokli, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 8, Plot No. 15 & 16, Vasai (W) Dist. Thane. (Area 535 Sq. Ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9316 1984-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, warnely :-

Date: 30-3-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|9030|37EE|84-85.--Whereas, [, _ ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

The Building known as "Nalin Chambers" Final Plot No. 173 i T.P. Scheme, Sangamwadi and city Survey No 19 on Sir Bhandackar Road, Poona, situated at Poona

Sir Brandarkar Road, Poona, situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqu. Range, Pune in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a support that the the foir market value of the special property and I have reason to be a support that the the support of th believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M[s Trister Builders, 21 Prospect Chambers, Annexo, Pitha Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Data Systems Services 15 Hotel Amir Building, Connaught Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Building known as "Nalin Chambers" is having Ground plus Two Upper Floors with Shops and Office Premises of different sizes situated on Final Plot No. 173 of T. P. Scheme Sangamwadi and City Survey No. 19 on Str Bhandarkar Road, Puppe Pune.

(Area 3910 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9030[84-85 in the month of Dec. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons. namely :-28--76GI|85

Date . 30-3-1985

FORM J.T.N.S

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

___ _ _

(2) Dr. Wamun Ramkrishna Patil, E. 7/4: 2 Sector 1, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref No IAC|ACQ|CA-5|8946|84-85—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'aid Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00 000|- and bearing
Flat No. 1 Plot No. 17, Sector 17 D.B.C. CIDCO,
Vashi, New Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqu, Range, Pune in Oct. 1984
for an apparence of sideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
influen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating 'the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Plot No. 17, Sector 17 D.B.C. CIDCO. Vashi, New Bombay.

Area Plot—1850 sq. mtrs. Area flat—600 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8946 84-85 in the month of Oct. 1984),

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No. IACACQICA-5|37EE|8381|84-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 507 in Plot No. 53, Sector-17 District Business Centre, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscense arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramesh Gangadhar Shitut,
 Chief Promoter of the Proposed Co-operative Housing Society Ltd.
 51|1194 Kannamwar Nagar, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Soman Pillay Kuttan Pillay, Skylab Travel Agency, Post, Box No. 5225, Manama, State of Baharin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the chad Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507 in Proposed Bldg, under construction on Plot No. 53 Sector 17, District Business Centre, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreemen to sale registered in the office of the I.A.C., \cquisition Range, Pune, under document No. 8381|84-85 in the month of Sept. 1984)

ANII, KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 30-3-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

3-A Bijal, Navghar Road, Mulund, Bombay.

(1) Kaswankar & Associates,

(Transferor)

(2) Prashant Nagindas, Kothari, Ramenen Villa, Dindayal Road, Dombivli (W) Dist. Thane.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|11349|84-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Block No. 14 in Krishnamai Building, Dindayal Road,

Dombivli (W) situated at Dombivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ia respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons marnely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 14 in Krishnamai Building, Dindayal Road, Dombivli (W). (Area 650 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11349 84-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR Competent' Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poena

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|6589|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating

No. Flat No. 2 on 1st Floor, Pandol Apartments, 160 M. G. Road, Pune, situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 84

1.A.C., Acqn. Range, Pune in Sept. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M|s. Venus Corporation, Viteshwar Chambers, 2nd floor, 10|21 Ghoga Street, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) M|s Camus Engineers Pvt. Ltd.
Zelam Apartment, 61|B-11 Near Income-tax Lane,
Opp. Karve Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable projectly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The telms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 1st floor, Pandol Apartments, 160 M.G. Road, Pune-1.

(Area 1250 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6589 84-85 in the month of Sept. 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No IAC|ACQ|CA-5|37EE|9288|84-85.-

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the competent Authority under Section 269B of the inconfectax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

of transfer with the object of :-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 198 A 4, 198B, 199 at Village Panch Pakhadi, Kolbad Road, Utalsar, Near Pratap Cinema, Thane, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn Range, Pune in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1927 (27 of 1927). Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls Sameer Builders, Janki-Bhuvan, Road No. 16, Kisan-Nagar No. 3, Wagale Estate. Thana.

(Transferor)

(2) Shri Ramnath G Shetty. Shop No. 1602 Gala No. 9, Shastri Nagar, 1st Pokharan Road, Thana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 198 A|4, 198|B, 199 at Village Panch Pakhadi, Kolbad Road, Utalsar, Near Pratap Cinema Thane (W) (Area 545 Sq. ft.)

(Proporty as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9288|84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

rrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 30th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|8680|37EE|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fat No. 105, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay. New Bombay. situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I A.C., Acqn. Range, Pune, Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. C. R. Veukateswaran, No. 1 Shanti Nivas, Deodar Road, Matunga, Bombay-19.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaslette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Area 1850 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreemen, to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 8680|84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|6598|84-85.
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 101 on ground floor situated at Vill-Aundh Taj,
Pune City Plot No. 15, S. No. 163, Hissa No. 1+2A+2B
situated within limits of Pune Municipal Corporation
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqn. Range, Pupe on Sept. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been c. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs Lecla Madhav Pendse and Mr. Bharat Madhav Pendse through M|s pendse promoters (Partnership firm) Krishna Kuti, 1213 Sadashiv Peth, Punc130. (Transferor)
- (2) Mrs. Shilpa Satish Keskar & Mr. Satish P. Keskar, 12/A Mangesh Co-opertative Housing Society, Aundh. Pune-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION s—The term and expressions used heren at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on ground floor admeasuring approximately 690 sq. ft. constructed on land admeasuring 603.87 sq. mts. situated at vill. Aundh, Tal. Pune City, bearing Plot No. 15 of S. No. 163. Hissa No. 1+2A-1-2B, situated within limits of Pune Municipal Corporation and also within the Sub-registration sub-district of Tij. Pune City, Pune.

(Property a described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6598|84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR
Cropetent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
POONA

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|9859|1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000-and bearing No. Survey No. 9142 Krshana Colony, Kothrud, Taj. Haveli

Pune situate dat Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--29-76GI|85

(1) M/s V. B. Parasnis & Associates, 11/12 Sadashiv Path. Pune-30.

(Transferor)

(2) Smt. J. J. Kathale, 1170|31|6 Revenue Colony, Pune-5.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 91/2 Krishna Colony, Kothrud, Taj. Haveli, Dist, Pune.

(Area 5479 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 9859 84-85 in the month of Jan. 85).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th March 1985

Rof. No. IAC ACQ|CA|5|37EF,6460,1984-85 ---Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. M-II at First floor II. No. 151 Rasta Peth. Pune-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at 1. A. C., Acqn. Range, Pune in Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid the apparent consideration therefore her market the superent consideration the superent consideration that the superent consideration exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. M. K. Kelkar 151 Rasta Peth, Pune-11 Mis. Jay Bhavani Enterprises 377(A) Shukrawar Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Adiram Budharam Agarwal, 573 Nana Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartmnet No. M-II at First floor H. No. 151, Rasta Peth, Pune-11.

(Arca 572 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6460 84 85 in the month of Sept. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ms. Suphala Builders, Narayan Peth, Kalyan Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Dr. Mis. Asumati, P Patel Murbad, Dist. Thane.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|9556|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat being flat No. 7 on ground floor in Suphala Apartments in Bldg. No. 4 & 5 and bearing Nos. 270 H. No. 1(p) and 2(p) and S. No 278 H. No. 1(p) and CTS No. 1819(p) 1820

situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat being flat No. 7 on ground floor, in Suphala Apartments, in Building No. 4 and 5 and bearing S. Nos 270 H. No. (P) and 2 (P) and S. No. 287 H. No. 1 (p) and CTS No. 1819 (p), 1820, 1721 B ta Gandhi Nagar, Kalyan, at Thane.

(Area 522 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9556 84-85 in the month of Oct. 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-3-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|9348|Pune|84-85.—
Whereas, J. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot of land Survey No. 209 Hissa No. 4, at Village Yerwada, Tal. & Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) i inthe office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income artsing from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. D. N. Dhunjibhoy, Mr. K. N. Dhunjibov and Mrs. J. D. Adenwalla, 'Imroz' 6-A Mount, Pleasant Road, Bombay.

(Transferor)

(2) M|s. Rocklay Constructions, 208 Regent Chambers, Ground Floor, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 3 acres bearing Survey No. 209 Hissa No. 4 at Village Yerwada, Taluka & Dist. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 9348|84-85 in the month of Oct. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-3-1985

.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1901 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6467|1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinauter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. Apartment No. 5 in "Jaydeep Apartment" New 291 Narayan Peth, Pune (and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Mohanlai M Patel,
 291 Narayan Poth, Pune.

(Transferor)

(2) Mrs. Surekha Bhagwan Deokar, 821|22 Budhwar Peth, Pune-2.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 5 in "Jaydeep Apartment" New 291 Narayan Peth, Pune-30, (Area 515 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6467/84-85 in the month of Sept. 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No IAC ACQ|CA-5|37EE|9287|1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. C.T.S. No. 198 A/4, 198/B, 199 at Village Panch Pakhadi, Kolbad Road, Utalsar, Near Pratap Cinema Thane

ranadi, Koload Road, Olaisar, Near Pratap Cinema Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrong Ollicer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Oct., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ce
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 26913 of the said Act, to the following persons. namely:— M|s. Sameer Builders, Janki-Bhuvan, Road No. 16, Kisan-Nagar No. 3, Wagale Estate. Thane.

(Transfero)

(2) Mrs. Catherine Joseph Francis, and Mr. George Joseph Francis, 10|308 Vartak Nagar, Pokharan Road No. 1, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. T. S. No. 198A 4, 198B, 199 at Village Panch Pakhadi, Kolbad Road, Utalsar Near Pratap Cinema, Thane. (Area 522 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9287 84-85 in the month of Oct. 1984) ANIL KUMAR

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37| E|9879|1934-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Office No. 5 on 1st floor Wing 3 at Thackers House,

2418 General Thimmayaya Road, Pune-1

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jun. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the anofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of t'e transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Thacker & Parmar Properties (P) Ltd., Thackers Apartments, 2128 V. P. Street, Camp, Pune.

(Transferor)

(2) Dr. Charuchandia C. Patni, 1095 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovance property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 5 on 1st floor, Wing 3, at Thackers House, 2418 General Thimmayya Road, Pune-1,

(Area 540 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 9879 84-85 in the month of Jan. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 29-3-1985

(1) M/s Ganesh Buffers, Shidhava Chawl, R. No. 8, Carter Road No. 8, Borivali (E), Bombay-66.

(2) Mr. Nandlal Sharma and Mrs. Meera Sharma,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPIRCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
'ACQUISITION RANGE

PUNE Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|9557|84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 203 Ganjanan Apartment, 2nd floor, Plot No. 18, New Ambadi Road, Navghar, Vasai(W). Dist. Thane situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

203 Gajanan Apartment, 2nd floor, New Ambadi Road, Plot No. 18, Vasai (W), Dist. Thane. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

203 Gajanan Apartment, 2nd floor, Plot No. 18, New Ambadi Road, Navghar, Vasai(W), Dist. Thane.

(Area—)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune under document No. 9557 84-85 in the month of Oct. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

(1) M|s Natekar & Partani Construction Co. 231|2 Nana Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Govindrao Naidu & Shri Ashok Govindrao Naidu, Mahabaleshwar, Dist. Satara.

(Transfere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|5989|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Building No. E Flat No. 6 out of S. No. 686|2A and 2B Bibavewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.A.C., Acqn. Range, Pune on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
30—76GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicher period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. "E" Flat No. 6 out of S. No. 686|2A and 2B Bibyewadi. Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5989 84-85 in the month of Aug, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poon!

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6346|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under on 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) anafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 11 at S. No. 681 Hissa No. 9 and 10 Sub Plot No. 1, Bibvewadt, Punc-37 situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument o. transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ******** and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely ;--

(1) K. K. Sanghvi & M|s Kamdhenu Builders, S. No. 681|Hissa No. 9 and 10|Sub Plot No. 1, Bibvewadi, Pune-37. K. S. Deole partners, (Transferot)

(2) Mrs. Leena S Karvekar. 176 E|2 Kokate Building, Parvatigaon, Pune-9.

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 at S No. 681 Hissa No. 9 and 10, Sub-Plot No. 1 Bibvewadi, Pune.

(Area 520 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Runge, Pune, under document No. 6346 84-85 in the month of Sept. 1984).

ANJL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 29th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|6510|1984-85,— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 14 on 1st Floor of proposed building called Vaishali Apartments at 409 Narayan Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome er any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M|s Vishal Builder & Promoters, 459 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Dattatraya Pargaonkar, 17 Mayur Colony, Karve Road,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 1st Floor of proposed building called Valshali Apartments at 409, Narayan Peth, Pune-30.

(Area 738 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6510 84-85 in the month of Sept., 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-3-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Modella Textile Industries, 4-C, Vulcan Insurance Building, Veer Nariman Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX AC 1 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th March 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|11274|1984-85.--

Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the knoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Gala Unit No. 14 at Modella Industrial Estate, Padwal Nagar, Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range. Pune in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument a transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of me Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-yection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (2) M/s. Chetak Vidcotronics Pvt, Ltd., Vijay Apartment, 1st Floor, Opp. Thane Petrol Pump, Agra Road, Thane.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala Unit No. 14 at Modella Industrial Estate, Padwal Nagar, Thane.

(Area 636 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune, under document No. 11274/1984-85 in the month of Dtc., 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 28-3-1985.

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Hari Sevaram, 2/15 Gectanjali Kunj, Punc-1.

(Transferee) (2) Smt. Shantabai A Inio, & Shui Vijaykumar A Jain, 625 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 28th March 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]9478[1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. 306, Sagar Apartments, 926 Synagogue Street, Pune-1.

situated at Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and for

THE SCHEDULE

Flat No. 306 Sagar Apartments, 926 Synagogue Street

Punc-1. (Area 636 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 9478 84-85 in the month of January 1985).

ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-3-1985

(1) Modella Textile Industries Pvt. Ltd. 4-C Vulcan Insurance Building, Vecr Nariman Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Banatwala Tahar Khadubhai, 118 Abdul Raheman Street, 5th floor, Bombay-3

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **PUNE**

Pune, the 28th March 1985

IAC ACQ[CA-5]9282[Thane]1984-85.—Whereas, J, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Gala Unit No. 13 at Modella Industrial Estate, Padwal

Nagar, Thana

situated at Thana and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Gala Unit No. 13 at Modella Industrial Estate, Padwal Nagar, Thana (Area 636 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9282 84-85 in the month of Oct. 84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the pforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 28-3-1985

(1) Shri Pirthi s|o Arya s|o Shri Dhani Ram, r|o Village Sarhol, Tehsil & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. N.S.R. Farms Jhandawalan Extension through Smt. Nirander Sethi w/o Shri N.S. Sethi, R/o 11-Sadhna Enclave, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 9th April 1985

Ref. No. GRG|228|84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Land measuring 29 kanals. 7 Marlas situated at Village Sarhol, Teh. & Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 4875 dated 29-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inthovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazage.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 Kanal 7 Marlas situated at Village Sarhol and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4875 dated 29-8-1984 with Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 9-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 8th April 1985

Ref. No. GRG|195|84-85.-Whereas, f. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 29 Kanals, 7 Marlas with superstructures, sheds, stores, Tubewell etc. situated at Village Harsaru, Tch. & Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 4563 dated 9-8-1984

dated 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Bina Oberoi wlo Darshan Kumar Oberoi slo Manak Chand Oberoi, Rlo A-43, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vinod Sahni wo Parmod Sahni so Late Shri Sohan Lal Sahni, 1/o 196, New Colony, Gurgaon,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 K 7 M with superstructures, sheds, stores, tubewell etc., situated at village Harsaru, Tehsil & Distt., Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered with Sub Registrar, Gurgaon at Sr. No. 4563 dated 9-8-1984.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 8-4-1985

NOTI L UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT LUMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 1st April 1985

Ret. No. KNL|87|84-85.-Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Land measuring 11 Bigha and 14 Bishawas

situated at Kaithal Road, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 4125 dated 7-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:
31—76GI/85

- (1) Svs. Fateh Singh, Rambhaj Slo Hari Singh Slo Ram Kishan Rlo Vill. Charao, Distt. Karnal. (Transferor)
- (2) Chhatra Chemical Pvt. Ltd., Kaithal Road, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which even period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 Bigha and 14 Bishawas situated at Kaithal Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Registration No. 4125 dated 7-8-84 with the Sub Registrar, Karnal.

> R K RHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Robtek

Date: 1-4-1985

fical:

Shri Jagdish Chander Dhawan So Chiranji Lal Dhawan, Rlo 583-Model Town, Panipat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ii. Shri Pradeep Kumar S|o Hans Raj Gulati, R|o H. No. 7, Gali No. 7, Demganj, Amritsar.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

stiens, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE ROHTAK

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Rohtak, the 8th April 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Ref. No. PNP 70 84-85 .- Whereas, I. R. K. BHAYANA,

publication of this notice in the Official Gazette,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land measuring 1200 Sq. yds, situated at Vill. Ugra Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2424 dated 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the We-1th-tax Act,

THE SCHEDULE

Property being land 1200 Sq. Yds. situated at Ugra Kheri Village and as more mentioned in the sale deed registered at Registration No. 2424 dated 7-8-84 with the Sug Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

1957 (27 of 1957);

Date: 8-4-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICM UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Deep Sikha Wjo Sh. B. S. Daulata, Rlo H. No. 90, Sec-2, Chandigarh

(Transferor)

(2) Industrial Cable India d.L., Industrial Area, Rappura (Punjab) through Sh. Inderjit Singh Bhandari, Construction Manager.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 2nd April 1985

Ref. No. RTK[35]84-85.—Whereas I, R K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plot No. 574 Ward No. 13

situated at Sonepat Road, Rohtak

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak on 22-8-84 under Registration No. 3765

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the true andlor

(b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersisted :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the reblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 574 Ward No. 13 situated at Sonepat Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed Registered at Serial No. 3765 dated 22|8|84 with the Sub Registrar, Rohtak.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-4-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1261 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROTHAK

Rohtak, the 2nd April 1985

Ref No. IDR,61|84-85,—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereipafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. W-8 situated at industrial Area, Yamunanagar (and more fully described in the Schedule annexed he eto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari on 13|8|84 under Registration No. 2774 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) M|s. Hind Timber Industries, Industrial Area, Yamunanagar Through Shii Kushan Kumar Ghai S|o sh Ram Narayan Ghai, Mohan Kumar, Rajender Kumar Ghai Ss|o Dr. Bhimsain Ghai. Anil Kumar Ghai S|o Krishan Kumar, Vijay S|o Sh. Kriahan Kumar (brough Anil Kumar Ghai

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Khurana Wo Sh. Radha Krishan; Partner Ms. Ashwani Kumar and Brothers, Tilak Market, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. W-8 situated in Industrial Area, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 2774 dated 13/8/84 with the Sub Registrar, Lagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 2-4-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, POTHAK

Robtak, the 9th April 1985

Ref. No. FTB|8|84-85.--Whereas, I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House No. 29-11, area 220 so. yds situated at Model Town, Fatchabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fatehbad on 2-8-1984 under Registration No. 1832 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Swesh Kumar Mehta sio Shri Narayan Dass Mehta thiough Rama Krishna Model School, Fatchabad, Distt. Hisar.
- (2) Smt. Rethma Mehta wo Amir Chand Mehta, House No. 248, Model Town, Fatehabad, Distt. Hisar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being house No. 29-II situated at Model Town, Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1832 dated 2-8-1984 with Sub Registrar, Fatehabad. Date: 9-8-1985

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-4-1985.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROTHAK

Rohtak, the 9th April 1985

Ref. No. THN|35|84-85.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Land measuring 16 Kanals (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohana on 14-8-1984 under Registration No. 1561 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the that the fair than the fair that the fair than the fair that the fair than the fair that the fair that the fair than the fair that the fa

attonana on 14-5-1984 under Registration No. 1561 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such trinster as affect to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following period pamely:—

(1) (i) Shangara Singh s|o Hazara Singh; (ii) Jagtar Singh & (iii) Piara Singh Ss|o Hazara Singh of Tohana, Distt. Hivar.

(Transferor)

(2) (i) Sh. Talvinder Singh slo Bara Singh, rlo Village Manghera, Tehsil Tohana, Distt. Hisar.
(ii) Shri Najender Kumar Bathla slo Shri Ainshi Lal Bathla, rlo Tohana, Dist. Hisar.

(Transféror)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 Kanals situated at Tohana and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1561 dated 14-8-1984 with Sub Registrar, Tohana.

R. K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROTHAK

Rohtak, the 9th April 1985

Ref. No. THN 33 84-85. Whereas, I R, K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land 24 Kanal situated at Tohana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohana on 14-8-1984 under Registration No. 1559

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the Isaue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :-

(1) Shri Shangara Singh slo Hazara Singh, rio Tohana, Disti. Hissar G.A. of Jagar Singh sio Hazara Singh, rio Tohana, Distt, Hissar. (Transferor)

(2) (i) Sh. Talvinder Singh sio Bara Singh, rio Village Manghera, Tch. Tohana.
(ii) Sh. Norinder Kumar Bathla sio Shri Ainshi
Lal Bhatla, rio Tohana, Distt. Hisar & others.

(Transforce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of votice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 Kanals situated Tohana and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1559 dated 14-8-1984 with Sub Registrar, Tohana.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range, Rohtak

Date: 9-4-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHFAK

Rohtak, the 9th April 1985

Ref. No. SPT | 59 | 84-85.—Wheras, I, R. L. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 13 Bkgha 17 iBswas situated at Village Kalupur, Distt. Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat on 6-8-1984 under Registration No. 22.57 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (history by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of trans

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesata property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) (i) M. Pawan Industries, Rohtak Road through Shri Ethiu Ram slo Chandgi Ram, rlo Mandi Sonepat; (ii) Smt. Kailash Devi wlo Siri Bhagwan-Smt. San dar Devi wlo Shri Rattan all & Smt. Leela Devi wlo Jai Bhagwan, rlo Mandi Sonepat.

(Transferor)

(2) M/s. Lal Chand Tirath Ram Rice Mill, Kakroi Road through Shri Sukhchand s/o Hans Raj, R/o C-17, East Nizammudin, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 Bigha 17 Biswas situated na village Kalupa. Disti. Sonepat and as more mentoined in the sale deed registered at No. 2257 dated 6-8-1984 with Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisiton Range, Rontak

Date: 9-4-1987

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK, KANPUR 208 012

Karpur, the 20th Match 1985

Ref No M 1381 485 - Whereas, I, . Р HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov

no as the same Act, take reason to believe that the himley able property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 and bearing. No 321 situated at Pulana Dalan Vala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trusferred and registered under the Registra ion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registra ion Officer at Dehredum under registration No 6546 dated 10-8 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument. it can for with the advect of -

- (a) facilitating the reducion or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income a using from the transfer;
- (b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasfeice for the purposes of the Inlian Income tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefor a pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unit to proceedings for the acquesition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ne persons namely:--

(1) Shri Teja Singh Slo Chanda Singh 321 Purana Dulan Walas Dehradun

(Transferor)

(2) Shii Shanti Lal Slo Sti Dev ji 2 Smt Raj Ram Wo Sti Shanti Lal 3 Cirish Kumar, 4 Kamal Kumii So Shanti Lal 169-Karan Pur Dehradun

(Transferce)

(3) Shri Shanti Lal Slo Sri Dev ji 2 Smt D 2 Smt Raj Rani Wo Sii Shanti Lal 3 Girish Kumar, 4 Kamal Kumar So Shanti Lal 169 Karon Pur Dehradun

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Shu Shanti Lal So Sri Dev ji 2 Smt Raj Ram Wo Sti Shanti I al 3 Girish Kumar, 4 Kamal Kumar Slo Shanti Lal 169-Karan Pur, Dehradun

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

BXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H No. 321 Purana Dalan Vala Dehtadun

J P HILORI Competent Author to Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Knapp

20-3-1985 Date Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 20th March 1985

Ref. No. M-1488|84-85,—Whereas, I, J P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating No. 112 situated at Chak Mathana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur

Subtranput under registration No. 7757 dated 7-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weiltr Act, 1957 (27 of 1957);

Now, there o e, in pursuance of Section 269C of the said Act bereby intracte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Niranjan Das So Sri Harnam Das Sharma 7-Saharan Put Road, Dehradus.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi Wo Pishori Lal and Parvin Kumar, Rajesh Kumar Slo Sh. Pishori Lal 219-C Luma Mohalla, Dehradun.

(Transferee)

(3) Smt. Kamla Devi Wo Pishori Lal and Parvin Kumar, Rajesh Kumar So Sh. Pishon Lal 219-C Lunia Mohalla, Dehradun.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Smt. Kamla Devi W]o Pishori Lal and Parvin Kumar, Rajesh Kumar Slo Sh. Pishon Lal 219-C Lunia Mohalla, Dehradun.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period #45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 112 (Area 13 Bigha 2/3 Biswasi) At Vill-Chak Mathana-Haranda, Saharanpur,

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-try Acquisition Range, Kunpur

Date: 20-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

> > Kanpur, the 1st April 1985

Ref. No. M-1451|84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

No. 6611 situated at Batat-Parta Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mecrut

under registration No 13072 dated 20-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shij Kiishan Bis Singh Barat Parta Pur Meerut,

(Transferor)

(2) M/s Deevan Tyayai Itd. P. Box 143-Rithari-Meerut Through: B. S. Deevan,

(Transferee)

(3) M/s. Deevan Tyayar Ltd P. Box 143-Rithari-Meerut Through: B. S. Deevan,

(Person (s) in occupation of the property)

(4) M|s Deevan Tyayan Ltd. P. Box 143-Rithari-Meerut Through: B. S. Deevan

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The term and correspons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No 66|1 Barat Parta Pur Meerut,

J. P. HILOR[†]
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpun

Date . 1-4-1985 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISHION KANCI 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 1st April 1985

Ref. No M-1450|84-85.-Whereas, I,

J. P. HILORI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. 661/2 situated at Barat Parta Pur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act.
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut

under registration No. 13068 dated 29-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acceptable to between the profile here real beautiful state in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons namely: (1) Shri Bij Bir Singh Vill. Barat Parta Pui Meerut.

(Fransferor)

(2) Mls. Decvan Tyayai 1td. P. B-143 Rithani-Meerut, Through: Sri V. S. Decvan

(Transferee)

(3) Ms. Deevan Tyayais 1td., P. B-143 Rithani-Meerut, Through: Sri V. S. Deevan,

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Mis. Deevan Tyayars Ltd., P. B-143 Rithani-Meerut, Through: Sri V. S. Deevan.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Khasara No. 661/2, Barat Parta Pur, Micrut

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpun

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP I ANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 1st April 1985

Ref. No. M-1396|84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No 761 situated at Parta Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut

under registration No. 13484 dated 3-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Bharat Industries, A-3 Parta Pur Industrial Estate Mecrut.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Bharat Tubes (P) Ltd. Through Sri V. S. Deevan 62 Shiva Ji Road, Meei ut.

(Transferec)

(3) M|s. Sri Bharat Tubes (P) Ltd. Through Sri V. S. Deevan 62 Shiva Ji Road, Meerut.

(Person (s) in occupation of the property)

 (4) M|s. Sii Bharat Tubes (P) Itd. Through Sri V. S. Decvan
 62 Shiva Ji Road, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Factory Building Khasra No. 761 Old No. 1005|5 Parta Pur Meerut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tav
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHÎ NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 4th April 1985

Ref. No. M-1434 84-85.—Whereas, I.

J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 430 situated at Subhash Puri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut

under registration No. 11878 dated 7-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (2) Smt. Kamlesh Chaddha Wlo Sri S. P. Chaddha, Kankar Khera, Meerut.

(Transferor)

(3) Smt. Kamlesh Chaddha W[o Sri S, P. Chaddha, Kankar Khera, Mcorut.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Smt. Kamlesh Chaddha Wlo Sri S. P. Chaddha, Kankar Khera, Meerut.

(Transferce)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One House No. 402, Presut No. 430 at Subhash Puri, Meerut.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-1985

Seal .

FORM 1.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 4th April 1985

Ref. No. 1397|84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have realest value avacading B. 100 0000. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. A-75 situated at Mavana Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

under registration No. 13745 dated 12-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Brig Ashutosh Kumar and Sri Jagnandan. E-23 DMIP, Mayapuri Delhi-64.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chand Manglik Slo Jayanti Prasad 7-Sarai Lal Das Mecrut City

(Transferee)

- (3) Shri Dinesh Chand Manglik So Jayanti Prasad 7-Sarai Lal Das Meerut City.
 - (Person (s) in occupation of the property)
- (4) Shri Dinesh Chand Manglik S|o Jayanti Prasad 7-Sarai Lal Day Meerut City.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. A-75 Defence Colony Mecrut.

J. P. HILORI Competent Author'ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106[282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 4th April 1985

Ref. No. M-1463 84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. 703, 715 situated at Mavana Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayana

under registration No. 5770 dated 27-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sais Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this Issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

(1) Shri Ghanshyam So Guru Dayal Mayana Kala-Kayale Gate, Hastinapur, Mayana, Meerut

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chand Kaushik So Ram Avtar Kaushik and others Moh. Kalyan Singh P. O. Khas-Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Dinesh Chand Kaushik So Ram Avtar Kaushik and others Moh. Kalyan Singh P. O. Khas-Meerut.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Shri Dinesh Chand Kaushik So Ram Avtar Kaushik and others Moh, Kalyan Singh P. O. Khas-Meerut,

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Land No. 703, 715 Mayana Kala, Meerut,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanput

Date: 4-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106|282, KANCNAH BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 1st April 1985

Ref. No. M-1454 84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the liminovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-6 situated at Patel Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officera at Ghazia Bad

under registration No. 30870 dated 14-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay task under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for this purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, (, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—76GI[85]

(1) Ram Kishan Das & Co. 67-Navyug Market Through Pradeep Kumar Garg, Ghaziabad,

(Transferor)

(2) Shii Ramesh Chand Aroia 225-New Ghandi Nagar Ghaziabad.

(Transferee)

 Shri Ramesh Chand Arora 225-New Ghandi Nagar Ghaziabad.

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Ship Ramesh Chand Arora 225-New Ghandi Nagar 'Ghaziabad,

(Persons who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-6 Sect. 7 Patel Nagar, Ghaziabad,

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012.

Kanpur, the 28th March 1985

Ref. No. M-1480|84-85.—Whereas, 1, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 1991 of 1997 situated at Dev Band

(and more fully described in the Schedule and the Schedul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officera at Saharan Pur

under registration No. 3558 dated 27-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kartar Singh So Hakam Singh Rai Das Pur. Nagal, Punjab.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath Sharma Resi: Amloh Patiyala.

(Transferce)

(3) Shii Jagannath Sharma Resi · Amloh, Patiyala. (Person (s) in occupation of the property)

(4) Shii Jagonnath Sharma Resi : Amloh, Patiyala.

(Persons who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 does from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. Land No. 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997 1998, 1999, 2000, At Village Khajoor Vala Dev Band Sahainpui,

> J. P. HILOR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range, Kanput

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpúi-208 012, the 25th March 1985

Ref. No. M-1446/84-85. -Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. 252 situated at Swami Para (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 12732 dated 23|8|84

tor an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay, tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Banvari Lal Slo Late Ramchandra, H. No. 252, Swami Para, Meerut.

(Transferor)

(2) Shii Baljeet Singh So Sii Hari Singh, 252, Swami Para, Meerut.

(Transferee)

(3) Shit Baljeet Singh So Sri Haii Singh, 252, Swami Para, Meerut, (Person(s) in occupation of the property)

(4) Shi Baljeet Singh Slo Sri Hari Singh, 252, Swami Paia, Meerut. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 252, Swami Para.

House No. 252, Swami Para (Area 215 Sq. yards with Constructed 150 sq. yards), Mecrut.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanput

Date - 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

write OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDIHI NAGAR, OPP LANIN PARK, KANPUR 208 012

Kanpur-208 012 the 1st April 1985

Rc1 No M 1470 84 85 -Whereas, I, J P HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as me 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 nd bearing No 129 C situated at Ram Piastha

tand more fully described in the Schedule annexed hereto; has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No 4123 dated 29/8/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conside ition and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under cubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely:-

- (1) Shii k K Naig, 297-Model Town, Rohtak, Sit R L Natag. B 85, Nirman Vihar, Delhi (Transferor)
- (2) Rakchha Devi Chopar B-148, Vivek Vihar Shahdara, Delhi-32

(Transferee)

- (3) ————Do-(Person(s) in occupation of the property)
- (4) ——Do-(Persons whom the understance knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the quisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

Explanation.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 129 Block-C Sect -12 Rain Prastha Colony, Loni Chaziabad

> J P HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Kanpur

Date: 1-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st April 1985

Ref. No. M-1286|84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

11|212 situated at Raj Noga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 11 212 situated at Raj Noga 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad under registration No. 28068 dated 5-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ... ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Jikki Singh Wo Sri Sarup Singh, 69-Sect. 8-Chand gath.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi and Shri Kishan Das, R-10 150 Raj Nagar, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) Smt. Sita Devi and Shii Kishan Das. R-10|150 Raj Nagar, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Sita Devi and Shri Kishan Das, R-10 150 Raj Nagar, Ghaziabad,

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period oxnires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block-II No. 11|212 Raj Nagar Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- Kanpur

Date: 1-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 1st April 1985

Ref. No. M-1455|84-85.-Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. KG-75 situated at Kavi Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 31001 dated 16-8-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for all that the consideration are agreed to the consideration the consideration and the consideration are consideration and that the consideration for all the consideration are consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment or any macune or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Raj Bir Singh Sjo Shri Lekh Kaj Singh, V.P. Nagla Padam, Aligarh. Pert. KG 95 Naya Kavi Nagar Ghaziabad. (Transferor)

(2) Smt. Bhagwati Devi Wo Shri Ram Chandra Singh Ajrandha, Faridabad,

(Transferee)

(3) Bhagwati Devi Wo Shri Ram Chandra Singh Airandha. Faridabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Bhagwati Devi W|o Shri Ram Chandra Singh Ajrandha, Faridabad.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. K-G|95, Kavi Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Compatent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range- Kanpur

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-429[84-85.—Whereas, I, I. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 25 situated at Preetam Das Road.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office.

at Dehiadun under registration No 6893 dated 24-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nefer with the object of :-

- ^(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1925 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Art to the follow ing persons, namely :--

(1) Smt. Dayawanti Wo Shri Amır Chand 25-Pritam Das Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Sint. Usha Bhatiya 2|7 Kalidas Road, Dehradun.

(Transferce)

(3) Smt. Usha Bhatiya 2|7 Kalidas Road, Dehradun.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Usha Bhatiya 2|7 Kalidas Road, Dehradun.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Property No. 25 Pritam Das Road, Dehradun.

. J. P. HII.ORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-4-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1417|84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 21]1, D-II situated at Rudra Pur-Nani Taj. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 790 dated 27-8-84. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oject of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of me liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharam Bir Anand Slo Sri Ishwar Das Anand, 36|56, Punjabi Bagh, Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar Slo Shri Kedar Nath Rudra Pur Nainital U.P. & Smt. Rukmani Agat, Wlo Shiv Kumar,

(Transferce)

(3) Shri Shiv Kumar So Shri Kedar Nath Rudra Pur Nainital U.P. & Smt. Rukmani Agar. Wo Shiv Kumar.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Shiv Kumar S|o Shri Kedar Nath Rudra Pur Nainital U.P. & Smt. Rukmani Agar. W|o Shiv Kumar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the used Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 21|1, D-11 Naini Tal Road, Rudra Pur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range- Kanpur

Date: 4-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1452|84-85.-Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-. and bearing

No. 76 situated at Panch Sheel Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registra Jon Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 13153 dated 30-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:— 34---76 GI|85

- (1) Smt. Singare Devi Wo Shri Onkar Singh, Sikandar Pur, Kakori, Hapur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Tharia Ram So Shri Gokul Ram, Jubligani Meerut, Smt. Ishwar Arora Wlo Raghu Nath Arora, Shastri Nagar Meerut Sh. Lavdeve, Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Tharia Ram Slo Shri Gokul Ram, Jubligan, Meerut, Smt. Ishwar Arora Wo Raghu Nath Arora. Shastri Nagar Mecrut Sh. Lavdeve, Mecrut.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Tharia Ram Slo Shri Gokul Ram, Jubligan Meerut. Smt. Ishwar Arora Wo Raghu Nath Arora, Shastri Nagar Meerut Sh. Lavdeve, Meerut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 76 Panchsheel Colony, Meerut.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- Knnpur

Date: 4-4-1985

PORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1506|84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 2688 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1 situated at Dadari. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Dadari under registration No. 4564 dated 22-8-84. for an apparent consideration which is less than the fair

at Dadari under registration No. 4364 dated 22-8-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following portions, namely:—

Mahamaya General Fico Ltd.
 4|4 Ashaf Ali Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Chanhema Marchantiles Ltd. Chitranjan Avenue, Calcutta-700072.

(Transferce)

(3) Mis Chanhema Marchantiles Ltd. Chitranjan Avenue. Calcutta-700072.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Mis Chanhema Marchantiles Ltd. Chitranjan Avenue, Calcutta-700072.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 (1000 Sq. yards) Sect. 12 T.H.A. Dadari.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range- Kanpur

Date: 4-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX-

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1469|84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immercial property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. C-170 situated at Ram Prasth colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 4099 dated 11-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meems or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

 Ram Pratha Properties P. Ltd. through Chaudhry Balwant Singh, 4|4 Asaf Ali Road, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Shyam Pal Susai FC-121, Tagore Garden, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Shyam Pal Susai FC-121, Tagore Garden, Delbi.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Shyam Pal Susai, FC-121, Tagore Garden, Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-170 (First floor) Ram Prastha Colony Mohrat-Pur Dadati Ghaziabad.

J. P. HILC'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanppr

Date: 4-4-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1462|84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the income the said Act of the property believe that the income of the property believe that the said Act of the property believe that the income of the property believe that the said Act of the property believe the property believe that the said Act of the property believe that the property believe t to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 167,278 situated at Agrola Loni. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 31646 dated 24-8-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(1) Shri Laxmi Chand So Shri Badam Agrola-Loni, Ghazlabad.

(Transferor)

(2) Royal Land & Housing Scheme 10 Ganga Bihar-Kul Puri, Shahdara Delhi, Through: Nanak Chand, Vi + P. Khan Pur, Delhi-32.

(Transferee)

(3) Royal Land & Housing Scheme 10 Ganga Bihar-Kul Puri, Shahdara Delhi, Through: Nanak Chand, Vi + P. Khan Pur, Delhi-32.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Royal Land & Housing Scheme 10 Ganga Bihar-Kul Puri, Shahdara Delhi, Through: Nanak Chand, Vi + P. Khan Pur, Delhi-32.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 167, 168, 169, 278 At Agrola Loni Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority (Persons whom the undersigned knows to be Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1453|84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. K.J.9 situated at Kavi Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 229 dated 18-8-84 for an apparent 'consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MUC /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Vıkram Heera Nandani and Deepak Heera Nandani, A-63, My Fair Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Chandhry Wo Shri Khyal Singh & Others 34, Soti Ganj, Meernt.

(Transferce)

(3) Smt. Maya Chaudhry Wlo Shri Khyal Singh & Others 34, Soti Ganj, Meerut.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Maya Chaudhry Wo Shri Khyal Singh & Others 34, Soti Ganj, Mecrut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have, the same meaning as given in that Chapter :

THE SCHEDULE

Property No. KI-9, Kavi Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-85 Scal ·

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M|1499|84-85.-Whereas, 1, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. R|2|200 situated at Raj Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Ghaziabad under registration No. 30876 dated 9-8-84 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, toi the following persons, namely :-

(1) Shri Jagdish Raj Chopra So Shri Ram Rakchha Mal Chopra, 9-A|43 WEA Karol Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harnendia Kumar Maheshwari and others, 115, Navyug Market. Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Shri Harnendra Kumar Maheshwari and others, 115, Navyug Market, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Harnendra Kumar Maheshwari and others, 115, Navyug Market, Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-2 200 Raj Nagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissions of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-85 Scal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-108 012

Kanpur-208 012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1507|84-85.--Whereas, I, P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing

No. 37 situated at Block B-Sikandra Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 4566 dated 31-8-84 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: (1) Shri Maha Maya General Finance P. Ltd., 4|4 Ashaf Ali Road, Delhi. Through V. K. Agarwal.

(Transferor)

(2) M/s Kanark Industrial Ltd., 9-Barkee Church Street, Calcutta-700001.

(Transferee)

(3) Mis Kanark Industrial Ltd., P-Barkee Church Street,
Calcutta-700001.
Through V. K. Agarwal.
(Person (s) in occupation of the property)

(4) Ms Kanark Industrial Ltd., 9-Barkee Church Street, Calcutta-700001. Through V. K. Agarwal.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov . able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 37 Block B Sikandra Colony, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 4-4-85 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 30th March 1985

Ref. No. M-1544|84-85.—Whereas, I J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 182 situated at Rajpur Road, Dehiadun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 7625 dated 24-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Amrit Lal Bahl, so Sri Jagan Nath Bahl, 181, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Chawla, woo Shri Surinder Chawla, 31, Ritu Apartments, B.J. Rood, Bandra, Bombay.

(Transferee)

(Person (s) in occupation of the property)

(4) —do---(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1141.17 sq. mir. out of Proprty No. 182, Rajpur Road, Dehradun Kh. No. 740, Dhakpatti, Central Doon, Dehradun.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 30-3-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpui-208012, the 30th March 1985 Ref. No. M-1377/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (13 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the Inmovable preperty, having a fair market value exceeding No. 36 situated at Rishikesh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dehradun under Registration No. 6320 dated 3-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons. namely:—

35—76 GI|85

(1) Shri Sudhir Kumar, 36, Debrudun Road, Rishikesh, Debradun

(Transferor)

(2) Shri Manjeet Arora & Shri Harish Arora, Main Bazar, Tehri Gathwal

(Transferor)

(3) —Do---

(Person in occupation of the property

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 36, Dehradun Road, Rishikesh, Dehra Dun.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range Kanpur,

Date: 30-3-1985

FORM I.T.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 30th March 1985

Ref. No. M-987/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 65/K or 65/2 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office: Dehradun under Registration No. 6920 dated 24-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, to respect of any moone arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons mancely:—

 Lt Col. Amir Chand Gosain, S/ Late Sri Maya Das Gosain, •R/o 65 2, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Mayawanti W/o Shri Gyan Chand R/o 65/2, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

(4) -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 65/K or 65/2, Rajpur Road, Dehradun.

J. P. HII.OR1

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur.

Date: 30-3-1985

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106, 282, KANCHAN BHAWAN,, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 30th March 1985

Rcf. No. M-1459|84-85.—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to
as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

KL-33 situated at Kavinagar, Ghaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ghaziabad under Registration No. 31205 dated 17-8-84

for an apparent consideration No. 31205 dated 17-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of income. transfer with the object of :---

- (a) familitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Harrect Kair W/o Shri Har Bhajan Singh, R/o KL-33, Kavinagar, .Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Gupta W/o Dr. Jai Prakash Gupta, R/o 138-A, Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. KL-33, Kavinagar, Ghaziabad.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 30th March 1985

Ret. No. 1394/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. — situated at Loni, Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 31887 dated 15-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifther per control of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or meneys or other assets which have not been or (b) facilitating which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Mahmood S/o Shri Ibrahim, R/o Village Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Khursheed Khan So Shri Nazair Khan and others, R/o Village Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad.

('I ransferec)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

(4) —Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Ahata measuring 1200 sq. yards situated at Loni, Teh. & Distt, Ghazlabad.

> J. P. HILORI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 30-3-1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 30th March 1985

Ref. No. M-1511/84-85.—Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 196'318 situated at Old Dalan Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 7272 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath Atora S/o Kuvar Bhan Arora, 196/318, Dalanvala, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shii Anil Kumar Tripathi, Shri Shyam Kishore Tripathi, Tel Bhawan, Dehradun,

(Transferce)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H./Land No. 196/318 at Old Dalanvala, Dehradun.

J. P. HILOR1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur,

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1510/84-85.--Whereas, I,

J. P. HILORI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 196/318 nunated at Old Dalan Vala No. 196/318 situated at Old Dalan Vala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Dehradun under registration No. 7271 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

 Shri Amar Nath Arora
 S/o Shri Kuvar Bhan Arora,
 196/318 Purana Dalan Vala, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chand Tripathi S/o Shri Shyam Kishore Tripathi, Tel Bhawan, Dehradun.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

(4) -- Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 196/318 Purana Dalan Vala Dehradun.

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 30-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 4th April 1985

Ref. No. M-1548 '84-85,---Whereas, I.

Ref. No. M-1548/84-85,—Whereas, I,
J. P. HILORI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 2 situated at Arva Nagar
(and more 'sully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 7671 dated 26-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ashok Chhibbar S. o Shu Deen Dayal, Kankhal Road-Jwala Pur, Saharanpur,

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Kumar Bahuguna, Shri Naresh Kumar Bahuguna, S'o Shri Bhagat Ram, 48/5 Haridwar Road, Dehradun.

(Transferce)

(3) --- Do---

(Person in occupation of the property

(4) —Do— (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2 Arya Nagar, Badri Nath Chhibbar Marg, Denra Dun.

> J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 30-3-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 20th March 1985

Ref. No. M-1635/84-85,-Whereas, I. J. P. HILORI,

J. P. HILUKI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter reformed to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 66, Park Road, (and more fully described in the Schedule appared bearing

No. 66, Park Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Dehradun under Registration No. 8870 dated 15-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following the persons, namely :-

(1) Shii Mulakh Raj S/o Shri Atma Ram, 89, Mannu Ganj, Dehradun

(Transferor)

(2) Shii Rajendra Prasad Bahuguna, 131/32 Paik Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) —Do---

(Person in occupation of the property

, (4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHFDULF

Property No 66 Park Road, Dehradun

J. P. Hil.ORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

12ate · 20-3-85 Scal:

I. ------

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 4th April 1985

Ref. No. K-251/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. 1555 & 1585 situated at Budhpur-Mathoria, Kanpur

No. 1555 & 1585 situated at Budhpur-Mathoria, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under Registration No. 16793 dated 28-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

36-76 GI|85

(1) Shri Ram Dayal S/o Shri Shyam Lal, Budhpur, Macheria, Kanpur.

(Transferor)

(2) Punjab Fronter Co-operative Housing Society Ltd., 68/1, Site No. 1, Kidwai Nagar, Kannur.

(Transferee)

(3) --Do--

(Person in occupation of the property

(4) -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usede in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Budhpur Macheria, Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur.

Date: 4-4-1985

Seal '

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43_OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 4th April 1985

Ref. No. K-252/84-85.--Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

141 situated at Gangapur, Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur under Registration No. 16871 dated 28-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sai/ Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectien (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Karuna Shankar Tewari S/o Late Sri Ayodhya Parshad Tewari, 18/24, Kursawan, Kanpur.

(Transferor)

(2) Nagar Samaj Schkari Avas Samiti Ltd., 58, Yasoda Nagar, Kanpur. Through Surendra Singh.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property

(4) -Do(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Gangapur, Distt. Kanpur,

J. P. HILORI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 4-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, .
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208012, the 4th April 1985

Ref. No. K-253/84-85.—Whereas, I, J. P. HILORI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. situated at Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur under Registration No. 16696 dated 27-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Tilak Raj, J-7|58, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Kumar Chaddha, S/o Shri Manohar Lal, 124A/268, Govind Nagar, Kanour.

(Transferee)

(3) —Do---

(Person in occupation of the property

(4) ---Do---(Person whom the undersigned 1

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 124A|268, Govind Nagar Kanpur.

J. P. HILORI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrl V. Appasamy Gounder, Slo Varatharani Gounder, Saithapottai, Velur.

(Tremsferor)

(2) Smt. V. Meena, Wo K M Vairavan, Kanthinager.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 1] Aug|85.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 210 situated at Kalinjar village (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Katpadi (Doc. No. 2517/84) on August 1984 consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any theome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Kalinjar village. Survey No. 210. (Doc. No. 2517/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section (2691) (a the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1985

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 4th March 1985

Ref. No. 2|August|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. situated at Seetharamaiyar street, Arcot Nagar (and more fully described in the schedulc annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Arcot (Doc. No. 1610|84) on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance ? Section 159C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Kasinathan,
Guardian and mother B. Visalatchi,
No 3, Thiyahi Gopal street,
Arcot.

(Transferor)

(2) Shri V. Sahadeva Mudali, S|o Venkatapathi Mudali, Sathur, (M) Lappettai,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Seetharamiyer Street, Arcot Nagar. (Doc. No. 1610|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 4-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd March 1985

Ref. No. 3|Aug|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. situated at 6th East Cross Street, Gandhinagar, Velur-6. (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Katpadi (Doc. No. 2587 84) on August 1984

at S.R. Katpadi (Doc. No. 2587|84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M Nelson,
 S|o Muthunayagam,
 Masilamani street,
 Velur.

(Transferor)

(2) Shri T. Balasubramaniam, Slo. Thirunavukarasu, B-332, Kangoya Naicker Road, Velur-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 6th East cross street, Gandhinagar, Velur-6. (Doc. No. 2587|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 3-3-1985

Scal ::

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th March 1985

Ref. No. 6 August 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S No. 33 situated at Ward No. D, Block 10, Fort Haji Abdul Rahim Sahib Street, Vaniambadi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R. Vaniyambadi (Doc. No. 2040 84). on Aug 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri R. G. Thoerthagiri Mudaliar, S|o K.A.R. Govindaraju Mudaliar, Devasthanam Village, Vaniyambadi Taluk, North Arcot Dist.

(Transferor)

(2) Shri Iqbal Ahamed Riaz, Slo C.A. Mohamed Ismail, 450, Haji Street, Fort, Vaniyambadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever pariod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ward D. Block 10, Fort Haji Abdul Rahim Sahib street, Vaniyambadi Town. T. S. No. 33. (Doc No. 2040|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 13-3-1985

Scal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 4th March 1985

Ref. No. 14|August|84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
situated at A. P. Melmugam village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Edappadi (Doc. No. 851|84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of ...

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Kuppammal, Wo K. Muthu Bakthar, 2. Smt. Amuthammal, Wo Annamalai Bakthar. 3. Alunachalam, K. Puthur, Pulampatti Road, A. P. Melmugam.

(Transferor)

(2) Shri Palanichamy, Sjo Govinda Gounder, Motur Kattuvalavu village. Selam

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Edappadi A, P. Melmugam village, (Doc. No. 851/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 4-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 15/August/84,-Whereas, 1.

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 335/2 etc. situated at Melmugam village, Edappadi, Namakkal Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Edappadi (Doc. No. 852/84)

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

oersons, namely:—37—76 GI|85

(1) Smt. Kuppammal, W/o K. Muthu Bakthar, K. Puthur, K. P. Melmugam and Smt. Amuthammal, W/o Annamalai Bakthar,

(Transferor)

((2) Smt. Patchiammal W/o Archunan, Motor. Melmugam Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Melmugam village, Namakkal Taluk. (Doc. No. 852/84)

> PREMA MALINI VASAN' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date: 4-3-1985.

Seul: .

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 17/August/84.—Whereas, J. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No. Survey No. 322/1 situated at Sankagiri zillage, Namakkal

(and more fully described in the schedule monexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sankagiwdinka (Doc. No. 625/84)

on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than direm per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedians for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act. to the following persons, namely :-

(1) Shri Peruma Gounder, S/o Mari Gounder, 2. Smt. Chellammal Rajammal Nettayankadu.

(Transferor)

(2) Shri Muthusamy, S/o Peria Nalla Gounder, 2. Ramasamy and Minor Palanimmal. Upparaikadu, Sankagiri East.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sankagiri village Survey No. 322[1, (Doc. No. 625/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Madras-600 006

Date: 4-3-1985. Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 20/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Dool No. 8A and 8-B, Ward No. 12 situated at Kattur Kattukkottai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S. R. Rasipuram (Doc. No. 1530'40) on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi P. K. Natesan, S/o Krishnappa Chettiar, Barathithasan Salaxi, Rasipuram Town, Selam District.

(Transferor)

(2) Shii G. Nagendran and Others No. 15, Kadai Veethi, Namagiripettai, Rasipuram Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The torms and expressions used herein as mre defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Mangalus (Doc. No. 1530/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incame-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Date: 4-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madas-600 006, the 4th March 1985

Ref. No. 22/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing No. situated at Namakkal. Mohanur, Chinnapethampatti village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer S. R. Mohanur (Doc. No. 772/84) on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any meness or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the haue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Muthusamy S/o Surappa Naicker Sinnapethampatti village Aniyapwam P. O.

(Transferor)

(2) Shri Sinnamanaicker S/o Sava Naicker Sinnapethampatti village, Aniyapuram P. O. Namackal Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Namakkal, Mohanur, Chinnapethampatti village. Patta No. 618. (Doc. No. 772/84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006

Date: 4-3-1985.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Subramanian, Slo S. R. Vaithiyalinga Udiar, Jangalapuram West Street, Sethamangalam P.O. 637409.

(Transferor)

(2) Shri K. Muthusamy Achari, Slo Kandasamy Achari, Agraharam, Senthamangalam Post. 637409.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 4th March 1985

Ref. No. 23 August 84.—Whereas, I PREMA MALJNI VASAN, being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, ¹⁹⁶¹ (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. — situated at Valanthikombai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Senthamangalam (Doc. No. 1173/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Valanthikombai village. (Doc. No. 1173/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madias-600 006

Date: 4-3-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras, the 4th March 1985

Ref., No. 25 August 84.—Weiheas, 1 PRLMA MALINI VASAN,

trainfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing T.S. No. 9|4, 11|6 and 11|2 situated at Pallapatti village, Sciam

Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. III, Selam. (Doc. No. 909|84) on August 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or '
- ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Velliva Gounder. Slo Palaniyandi Gounder, Puthur village, Sclam Taluk.

(Transfers)

1. Smt. B. Banumathi, Wo R. Bakthawachalam,
2. N. Kurulakshmi,
Wo R. Navaneethakrishnan, and

3. K. Nalini, W|o R. Krishnaraj, Door No. 31A, Deivanayagampillai Street, Selam-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a, period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Pallapatti village, Selam Taluk, T.S. No. 9/4, 11/6 and 11 2. (Doc. No. 909|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act. to the following sersons, namely :---

Date: 4-3-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madias, the 4th March 1985

Ref. No. 27|Aug|84—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 352|1B, 2B and 354|4 situated at Magalapuram village, Selam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Mohanur (Doc. No. 772|84) on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Periasamy,
Slo Pachamuthu Padayachi,
and Shri Mathesh, Slo Periasamy,
Uthupulikadu,
Thandagaundenpalayam P.O.
Rasipuram Taluk,
Selam District,

(Transferor)

(2) Shii Manickam Padayachi, Slo Mathesh Padayachi, Uthupulikadu, Thandagaundenpalayam P.O. Rasipuram Taluk, Selam District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Mangalapuram village, Rasipuram Taluk. Survey No. 352|1B, 352|2B and 354|4, (Doc. No. 2018|84)

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-3-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras, the 4th March 1985

Ref. No. 28|August|84.-Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing S. No. 505 7 situated at Authur village, Selam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at S.R. Authur (Selam) (Doc. No. 1575|84) on August 1984 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri A. Ramalingam and Minor Murali, Jothi Nagar, Authur, Selam.

(Transferor)

(2) Smt. Sivagami, Wo M. Ramasamy, 23, Ganthi Nagar, Authur, Selam.

1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kamarajar Road, Authur, Selam. (Doc No. 1575|84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-606 006, the 19th March 1985

Ref. No 80|Augur|84 --Whereas, J PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

No. S. No. 127 Plot No. 1012 situated at

Villivakkam village,

(and more fully described in the Schedule annexed berger) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 2978|34) in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the frir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subacction (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely : ---

38--76 GI|85

(1) Shri B. R. Madhava Rio, 146,2, Gitaniah Colony, 7th Avenue, Madras-40.

(Transferor) (2) Shri P. N. Murty. 25, Deivasigamani Street, Rayapettah,

Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Plot No (Doc. No. 2978|84) 012, Villivakkam village.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax veguisition Range-I, Madras-600 006

Date: 19-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrt P. C. Mathew, No. 43, Devan Rama Road, Kılpauk, Madras-84.

(Transferor)

(2) K. M. Moinuddin, Mrs. Farhath Rasheeds, No. 4, Navel Hospital Road Madras-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1985

Ref. No. 83/August 184. Whereas, I, PREMA MALES VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and bearing.

No Plo. No 543, R.S. No 29 sit inted at Anna Nagar, and more fully described in the Schedule annexed hereto). his bean t as to is, under the Registeration Act, 1908 (16 o 1908) in 1 Other of the registering Officer at SRO 1 111 No at (Doc No 2951/84) in August 1984, and only in two identition which is less than the fair market the property and I have reason to believe, hat the fair market value of the property as an mosaid expects the application consideration therefor by more than fifteer percent of such apparent consideration and that

than fifteer percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part of its not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) fa ilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

b) fa illitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Lt 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 543, Anna Nagar, R.S. No. 29, (Doc. No. 278|84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I have by initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this potice under subsection (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 19-3-1985

Part

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. R. Narayanan, AH 240, Anna Nagar, Madras.

(1) Shri S. Kiishnamoorthy Reddy, D.49, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th March 1985

Ref. No. 58]Aug[84.—Whoreas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3159 situated at Naduvakkarai,

Anna Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 2868 84) in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the atoresaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No 3159, Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 2868|84).

> PRI MA MALINI VASAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 94|Aug|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 4085 situated at Mullam Village, Anna Nagar, Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 2746'84) in July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Prema Padmanabhan, Represented by her General power of attorney agent Shi D. Rajan, Plot No. 2424 (New AH-89) Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Kuman U. Prashanthi, Dlo Shri U. Shobhan babu, No. 22, Rajaram Mehta Nagar, Vada Agaram, Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 4085, Mullam village, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2746|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Dafe: 12-3-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 98 Aug 84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2334 Block M. 14th Main Road, Anna Nagar,

Madrus-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.O. Anna Nagat (Doc No. 2715184) in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Mrs. Meenakshi, Plot No. 2934, 14th Main Road, Madras-40.

(Transferor)

 Shri B A. Nandagoput,
 D, Fourth Avenuc,
 Anna Nagar. Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms und expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AND FOR
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

House at Plot No. 2934, Block No. AI, 14th Main Road, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2715 84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th March 1985

Ref. No. 100|August|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Piot No. 1067, R.S. No. 128 situated at Villivakkam village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 2678|84) and 2669|84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Simon Jacob, Slo Sri M. A. Jacob, S-7, Anna Nagar, Madras-600 J06.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Devi Solanki, Wlo Sri Sheshinal S. Solanki, 189, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at plot No. 1067, Villivakkam village, (Doc. No. 2678|84 and 2669|84).

PREMA MALINI VASAN

Compostent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I. Madras 600 006

Date: 19-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1985

Ref. No. 102 August 84.—Whereas, I, PREMA MALJNI VASAN,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

No. Plot No. 3207-D. R.S. No. 40 situated at Yeriyakudal village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Anna Magar (Doc. No. 2684/84) in August 1984.

FOR O. Anna Magnr (Doc. No. 2684/84) in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri E. Namperumal, Slo K. P. Elayalwar, No. A.H. 121, 4th Street, Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Shri G. V. P. Syamsundar, and G. Bhagyalakahmi, No. 181, Anna Pillai Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Periyakudal village Plot No. 3207-D R.S. No. 40. (Doc. No. 2684[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

set. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Parkash Raj Slo Shri Tilak Ram E-879, Saraswati, Vihar, Delhi-34.

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwari Devi woo Shri Sri Gonal K-17, Kedar Building, Subzi Mandi, Delhi.

(ransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/144 ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq II|SR-1|3 84|560.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act. [961 (43 : 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|-and bearing
No. L-2, P. No. 904. Kedar Building,
situated at Subzi Mandi Ward No. 12, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed herete). has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be die to: d by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notict in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bulding No. L-2 of property No. 904, Kedar Building Subzi Mandi, Delhi Ward No. 12 Mg 65 Sq Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:--

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4:14A ASAF ALF ROAD NEW DELIG

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC(Acq 11|SR-1 8 84 565 -- Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beat ag

No. C-15 & 16, sitera ed at Ramesh Nagar,

New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed here o) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in August 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Moresand property and I have rason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, so\bas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kishan Lal Bhatia Slo Shri Iiwan Mall, C-15, 16 Double Storeyed, Rame'n Nazar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mailhu Gubta wio Sa. Vipin B Gupta, WZ-56, Ratton Park, Opp Kuti Nagar, New Dell.i

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Qrs. No. C|15, 16, Ramesh Nagar, New Delhi Mg 134 Sq. Yds.

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-II, Pelhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

39---76 GJ[85

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-• TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELIU

New Dolin, the 9th April 1984

Ref. No. IAC|Acq II|SR-1|3-84 541. - Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred, to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Rs. 1,00,000-and bearing
No. MPL No. 4240-8, 23A, situated at Ansati Road,
Darya Gant, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transfere of the Registration, Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in August 1984, in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby intuite proceedings for the acquisition of the atoresaid populate by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Anil Kumar Mathur Slo Sh. Parkash Narain Mathur, 2. Akhil Kumar Mathur

So Sh. Harbans Bahadur, Y-16, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Purshottam Dass Aggarwai
2. Suresh Kumar Singhal.
3 Raj Kumar Singhal
4. Hari Parkash Singhal, C-33, C.C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

P. No. MPL 4240-B, 2¹3A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi Mg. 155 5¹9 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENI OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DECHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. I VC | Vcq. II | SR-1 | 8-84 | 644 — Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding Rs. I 00.000 |- and bearing No. 70, Darya Gain, New Delhi.

a situated at Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in August 1985.

in August 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt Satya Bhurna Lal wlo Late Shin Sudershan Lal, S-42, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Suraj Bhan. 2. Sh. Jayanti Parsaid, 3. Sh. Suresh Chan I.

4 Sh. Subhash Chand all sons of Sn. Ram Parsaid and R₁o 23]4. Asha Ram Marg, G. I. Road, Shahdara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 70 Dailya Gani, New Delhi with undivided land share of 563 1289 sq. vds. The Ground Floor and the top alongwith garage and servant room.

R. P. RAJI'SH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Delhi New Delhi

Date: 17-12-1984, Scal

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAL ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No IAC Acq IIISR-II8-84[636.-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 79, Darva Gunj, New Delhi situated at including garage in ground floor,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at in August 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert spå/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ony moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:

- (1) Smt, Satya Bhana Lal wo Late Sh. Sudershan Lal S-42, Greater Kalaish II New Delhi.
- (2) Smt. Gyan Kumani wio Vimal Chand, 70 Daiya Gaii, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preserty within 45 days from the date of the publithis notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of P. No. 70, Darya Ganj, New Delhi including garage on ground floor.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi New Delhi

Date: 9-4-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ret. No. IAC Acq.II[SR-I]8-84[639.—Whereas, I, NR. P. R \JFSH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1-1, Lucknow Road & Lancers Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent considuration therefor by more than exceeds th capparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the inforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Satinder Kumar Sondhi S/o Shri Ramji Dass Sondhi, C-2/280, Janakpuri, New Delhi, self & G.A. of Vidender Kumar Sondhi Ss/o Shri L. Ramji Dass Sondhi. (Transferor)
- (2) M/s. Vikas Construction,21 B.D. Estate, Delhi through partner Sh. Mohan Parkash.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1-A, abetting Lucknow Road & Lancers Road, Delhi. Mg. 502.8 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 9-4-1985 Seal:

FORM ITNS ...

(1) Shri Birbal Arora s/o Shri Ram Kishan, BK1|29A Shalimar Bagh Delhi-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI -

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-84/563.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
No. 574 Block-C, situated at Majlis Park,
Vill. Darapur out of Khasta No 63
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
(16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in August, 1984
for an apparent consideration which is less than the fur
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shu Inder Parkash Khurana Shii Jasy ant Rai Khurana, 100A, Indra Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 574, Block C, Majlis Park Vill. Azadpur out of Khasra No. 63 Mg. 216 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tex Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in parasance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by, the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-4-1985

FORM NO. ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOM! IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/8-84 629 —Whereas, I, R. P. RAJI SH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-31A situated at Old Gupta Colony, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Nev Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii Yacohai Lal Sjo Marinesha Mal DistA Old Gripta Colony, Dolhi.

(Transferor)

(2) Shit Raj Reni W/o Shit Bikhambei Nath Sehgal, 66 Old Gupia Colony, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dain of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. D-31-A, Old Gupta Colony, Delhi-9

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting As istant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 9-4-1985

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. JAC/Acq.II/SR-1/8-84/550.--Whereas, I, R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing No. 4225 and 6 shops No. 4224 4283 to 4287, situated at Chhatta Gussain Makhan Lai, Jogiwara, Nai Sarak, Delhu (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Shiv Rani Kumaria d/o Shri Gussain Chuni Lal Wo Shri Shyom Sarup Kumaria, 4225 Chatta Gussain Makhan Lal, Jogi Wara, Nai Sarak, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vishau Kumai Aggaiwal, 2. Shri Phagwan Sarup Aggarwal both Ss/ Shri P C. Aggarwal, House No. 2667, Baradari Ballimaran, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 4225 and 6 Shops Nos. 4224, 4283 to 4287 Chhatta Gussain Makhan Lal, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi Ward No. VI Mg.

R. P., RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 9 4-1985

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-84/567.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3531 to 3536, Gali Haqim Baqa, Chawri Bazar, Illaga No. 6, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely... 40-76 GI|85

(1) Shri Surendra Nath Singh S/o Shri Vijendra Nath Singh, 3532 Gali Hakim Baqa, Hauz Qazi, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

(1) 1. Shri Brii Mohan 2. Shri Narendra Kumar 3. Shii Ravindra Kumar Ss/o Shri Om Parkash Aggarwal, 3529 Galı Hakim Baqa. Chawri Bazar, Delhi.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Undivided portion of Property No. 3531 to 3536, Gali Haqim Baqa, Chawri Bazar, Illaqa No. 6, Delhi. Mg. 185 Sq. Yds

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-4-1985

Sout :

(1) National Chemical Industries Limited 26 Najafgath Road, New Delhi.

(Transfe :

(2) Tobu Enterprises Private Ltd. 8/29, Kirti Nagar, Industrial Area, New Delhi.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 1/14A ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-84/557.—Whereas, I, R. P. RAILSH being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and vet'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2668, Namath Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to advised under the Recisteration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in At u. 1984 for an apparatum consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than

erred the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the number of the pay tax under the said Act, in
 complete the said act, in
 the said facility from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outh to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Acc. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 26/8, Najafgath Road, New Delhi. Mg 206.71 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I be thy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 8-4-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-84/558.—Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing 26 | 7 situated at Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been then secret under the Registeration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 National Chemical Industries Ltd., 26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Tobu Enterprises Pvt. Ltd., 8/29, Kirti Nagar, Industrial Area, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26/7, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 173.76 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting. Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE HICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/8-84/640.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and beating No. Plot No. 20 Block B, Shanker Acharya Road

situated at Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Bhagwat Sarup Mangla Advocate s/o Shri Ram Narain, B-58, C.C. Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Daya Ram Mittal s/o Shri Bishamber Dayal, E-38 Ranjit Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Plot No. 20 Block B Shanker Acharya Road, Adarsh Nagar, Delhi Mg. 226 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 8-4-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-84/562.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 20 Khasra No. 1352 situated at
Monsrover Garden, Vill. Bassai, Darapur, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
(16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Shri Hakumat Raj Bajaj s/o Shri Niranjan Dass Bajaj & Smt, Sudetshan Rani Bajaj w/o Shri Hakumat Rai Bajaj, G-40, Mansiover Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath s/o Shri Het Ram & Smt. Sarla Deyi w/o Shri Jagan Nath D-47, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIXTLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 40 Khasra No. 1352 Vill. Bassai Darapur, Mansrover Garden, New Delhi Mg. 200 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 8-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/8-84/566.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing
No. F-83, Kirti Nagar, situated at Najafgarh Road, N. Delhi

No. F-83, Kuti Nagar, situated at Najafgarh Road, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Suri Parkash Lal s/o Shri Lala Ram Ditta Mal, 8/41, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri 'Ashok Kumar s/o Shri Parkash Lal, F-83, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P No. F-63, Kirti Nagar, Najafgarh Road, New Delhi. Mg. 300 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1985

Scal. 1

(1) M/s. Sain Industries, B-73, Wazirpur Industrial Area, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s, Minda Auto Industries, B-73, Wazirpur Industrial Area, Delhl.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUIITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref No IAC/Acq II/SR-1/8-84/569.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,000 and bearing No.

B-73, situated at Wazirpur Industrial Area, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. B-73, Wazirpur Industrial Area, Delhi. Mg.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-4-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Narain Dass S/o Shri Rikhi Ram, 2180, Shora Kothl, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rikhi Ram S/o Shri Tola Ram 2180, Shora Kothi, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|\$R-1|8-84|630.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Municipal No. XII/5282 Plot No. 44, situated at Kohlapur

House alias Mahabir Ganj Jawahar Nagar S. Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ha that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. Municipal No. XII/5282 plot No. 44, Kohlapur House alias Mahabir Ganj, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi, Mg. 121 Sq. Yds.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-1|8-84|633.-Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing MPL No. 4852 24, Harbans Singh Street situated at Darya

Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Vidya Wati Wdo L. Sh. Gopi Nath, 4858-A|24 Harbans Singh Street, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. East Land Agencies (India) 4868/24, Darya Ganj, N. Delhi through its Partner S. Surjit Singh, Chhabra.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. MPL No. 4852|24, Harbans Singh Street, Darya Ganj, New Delhi Mg. 717.87 Sq. Ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to she following persons, namely :-41-76 GI|85

Date: 9-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAC NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-1|8-84|642.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and bearing Plot No. 20 Block 20 situated at Motilal Road, Adarsh

Naga, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of

section 269AB of the Income tax Act. 1951 in the cance of the Competent Authority at New Delhi on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or thich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Khazan Singh S|o. Rattan Singh, K-5|19, Model Town Delhi.

(Transferer)

(2) S|Sh. Balraj Kishan Mohinder Kumar Tarun Kumar and Arun Kumar Soo. Sardari Lal and Brij Mohan Uppal Virender Mohan Uppal and Chander Mohan Uppal Slo. Kishore Chand, 69 Rajasthan Udyog Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLAN TION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 20 Block 20 Motalal Road, Adarsh Nagar, Delhi Mg.

> R. P. RAIFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax \cguisition Range-II Delhi New Delhi.

Date: 8-4-1985

Sen1:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|8-84|643.--Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 5713 (old) and 2657 (New) situated at Lambi Gali

Basti Punjabian, S. Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority New Delhi on Aug. 84

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Tulsi Ram Gupta So. Sh. Nand Kishore 5713 (old) 2657 (New) Lambi Gali Basti Punjabian, S. Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Rajinder Parshad, Mahavir Parshad, Pawan Kumar & Rajesh Kumar Soo Late Sh. Nar Singh Dass, D-8, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 5713 (old) and 2657 (New) Lambi Gali Basti Punjabian, S. Mandi Delhi Mg. 200 Sq. Yds.

R P. RAPESH Competent Authorics Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi.

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ashok Kumar So. Parkash Lal, F-83, Kirti Ngr., New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kailash Chand So. Parkash Lal, A-8, Kirti Ngr., New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. 1AC|Acq.-II|SR-1|8-84|645.-Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No. A|8, situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration to the property at aforesaid exceeds the apparent consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **#/**44
- (b) facilitating the concealment of any income or any thouseys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, semely :---

THE SCHEDULE

Property No. A|8, Kirti Ngr., New Delhi Mg. 341.6 Sq.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi.

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|10-84|704.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable of the state of the said Act'). able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000-and bearing No.

17 Block No. D. Mansrover Garden, situated at New Delhi
(and more 'ully decribed in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1984

Delhi on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly extend in the real instance. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sh. B. M. Joshi So. Sh. K. R. Joshi, H. No. 382 Sector 15-A, Chandigarh Haryana.

(2) Smt. Manjula Jain Wo. Sh. Chanroop Bhansali, H. No. 58 Southern Avenue, Calcutta-29.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 17 Block D, Mansrover Garden, New Delhi. Mg. 297 Sq. Yds. Khasra No. 2308.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi.

Date: 12-4-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-I|2-85|829.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. FA|67 (old) and F-333 (New Kh. No. 1381, situated at Block-F Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi

(and more rully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Shri Raj Narain Aggarwal Soo. Lala Chimman Lal, Roo. H. No. 1142, Gali Samonsa, Frash Khana, Delhi-6.

(Transferoi)

(2) Shri Mahender Kumar Gupta S|o. Sh. Chhatar Singh Gupta, R|o. F-94, Mansrover Garden, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same incaming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. FA|67 (old) and F-333 (New, Kh. No. 1381, attuated in Block-F, in the colony, Mansrover Garden Vill. Bassai Darapur, New Delhi. (Area 297 Sq. Yds.).

(b) facilitating the concealment of any income or any exoneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi.

Now, therefore, a pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-1985

(1) Mis. Wason Finance & Chit Fund (P), Ltd., B-3, Model Town Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Jaswant Singh Wason (HUF) through Karta S. Jaswant Singh Wason slo S. Baldev Singh Wason, 185 Gujianwala Town Part-II, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II 4 14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|8-84|432.-Whereas, I,

SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
Space No. 5 Plot at A-1|3, situated at Naniwala Bagh, Azad-

pur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evamon of the unbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reepective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 5 Plot No. A-1/3, Naniwala Bagh Azadpur. Delhi. Mg. 546 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Impacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 10-4-1984.

(1) M|s. Wason Finance & Chit Fund (P), Ltd., B-3, Model Town Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Jaswant Singh Wason (HUF) through Karta S. Jaswant Singh Wason s|o S. Baldev Singh Wason, 185 Gujianwala Town Part-II, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|37EE|8-84|433.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Space No. 7, Plat A-1|3, situated at Naniwala Bagh, Azadpur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Space No. 7, Plot at A-1|3, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi. Mg. 400 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-4-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt Gian Kaur w'e Mojor Suba Singh, clo 56 A.P.O.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. M. Apartment Pvt, 1td. Adinath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Pcf. No. IAC|Acq-II|37FE|8-84|434.—Whereas, I. SH. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 203, A-4/1, situated at Azadpur Commercial Complex.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at

New Delhi in August 7984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if eny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, A-4|1, Azadpur Commercial Complex, Delhi. Mg. 4133 Sq. Ft.

R. P. RAIJ SH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-4-1985

Scal:

42-76 GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37-EE|8-84|435.—Whereas, I, SH. R. P. RAJESH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 6, Plot at A-1/3, situated at Naniwala Bagh, Azadnur, Delhi

pur, Delhi

(and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at New Delhi in August 7984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M|s. Wason Finance & Chit Fund (P), Ltd., B-3, Model Town Delhi.

(Transferor)

(2) S. Surject Singh Wason HUF through Karta S. Surject Singh Wason so S. Baldev Singh Wason, 185, Gujranwala Town, Part-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 Anoopum Bhawan at plot No. A-1/3, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi Mg. 638 Sq. Ft.

> R. P. RAJESII Competent Authority
> Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> Delhi|New Delhi.

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4|14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37-EE|8-84|436.-Whereas, I,

SH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income as Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Aci') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding

Space No. 6 situated at Plot No. B-2|4, Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more in a fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(1) M[s Ajay Enterprises Ltd., bros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Arora wo Sh. Vinod Kumar, Arora, B-57, Gujranwala Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 6 Plot No. B-2|4, Namwala Bagh, Azadpur Delhi, Mg. 120 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecturg Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi.

10-4-1985 Dire Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4,14A ASAF ALI ROAD NEW DFI.HI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC Acq.-II 37-EL 8-84 437 —Whereas. I, SH. R. P. RAJESH,

SH, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No. Space No. 8. Amoopum Bhawan, situated at plot at A-1/3. Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at New Delhi in August 7984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not bron or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the relieving persons, Hampely ...

(1) M|s. Wason Finance & Chit Fund (P), Ltd., B-3, Model Town Delhi.

(Transferor)

(2) S. Surjeet Singh Wason (HUF) through Karta S. Surjeet Singh Wason, so S. Baldev Singh Wason, 185, Gujranwala Town Part- II, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 8, Andopam Bhawan, A-113, Naniwala Bagh, Azudpur, Delhi Mg. 638 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi|New Delhi.

Date: 10-4-1985

FORM 1.T.N.S.-

*NOME UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. A. Ganapathy No. 1, Plain Street, B'lore.

(Transferor)

(2) Shii M. Mangilal Mandoth No. 117, Chandnichowk Road, Shivajinagar, Blore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th February 1985

CR No 62/43775/84 85/ACQ/B — Whereas, I, R BHARDWAT,

being the Competent Authority under Section 169B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

I (Southern half portion) situated at plain street Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) to the Office of the registering Officer at with the competent authority under Section 269AB in his

Shivannagar on 22-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference reent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of — Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

'h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1507/84-85 Dated 22-8-1981] All that southern half portion of premises No 1, plain street. Blore

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely:—

Date 8-2 1985 Seal :

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

•

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th February 1985

C.R. No. 62 /43774/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 1. (Northern half portion), situated at plain street, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at with the competent authority under Section 269AB, in his office at

Shivajinagai on 28-8-1984 tor an apparent consideration which is less man the fair market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

believe that the fair market value of the property as the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. A. Ganapathy No. 1, plain street, B'lore,

(Transferor)

Shri C Sampathraj Maudoth
 Smt. Khayali Bai
 No. 32, Chandnichowk Road,
 Shivajinagar,
 Blore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1506/84-85 Dated 22-8-1984] All that Northern half portion of premises No. 1, situated at plain street, B'lore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 8-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th March 1985

C.R. No. 62||R-1577¹84 85¹ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

S. No. 93 2C Granted at 76 Badagubettu Village, 8th Volkad Ward, Udupi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at

of 1908) in the Office the registering Officer at Bangalore under Registration No. 1344/84-85 on 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Hemalatha H. Amin W/o H. A. Amin Katpady, Moodabettu Village, Udupi Tq.

(Transferor)

(2) Mr. John Robert D'silva S/o Lewis D'silva, Yenaguddu Panchayat, Katpady, Udupi Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1344/84-85 Dated 23-2-1985] 16 Cents in S. No. 93-2C situated in 76 Badagubettu Village, 8th Volkad Ward, Udupi with a Tiled Shed.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 28-3-1985

Scal ;

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C.R. No. 62|R-1387|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 404 situated at 132, Infantry Road, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bangalore under Registration No. 1217/84-85 on 1 3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income usualing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) M/s. Kailash Builders 4/1, 2, 3, Plain Screet, Bangalore

(Transferor)

(2) John Pullempallil John C/12, Kailash Bhatwadi, Ghat Kopor (W), Bombay-84.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1217/84-85 Dated 1-8-1984] Flat bearing No. 404, 4th floor Tara Apartments, No. 132 Infantry Road, Bangalore.

R. BHARDWA)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-4-1985

Seal : ;

 Mittal Investment Corporation H. O. Mittal Tower, Bwing 16th floor.
 Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mrs. Bimala Devi Lakhotia 8-C, Cambarai East, 14, Victoria Crescent Road, Madras.

(Tansferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C.R. No. 62[R-1398]37EE[84-85]ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

and bearing
Flat No. 404 situated at 47/6, M. G. Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office the registering Officer at
Bangalore under Registration No. 1194/84-85 on 1-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
iffecen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
43—76 GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1194|84-85 Dated 1-8-1984| Flat No. 404 in 'E' Wing on IV floor at Mittal Towers on Plot No. 47|6, M. G. Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
Bangalore

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C.R. No. 62|R-1312|37EE|84-85|ACQ|B—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing. Flat No 403 situated at 47|6, M. G. Road Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at Bangalore under Registration No 1195 '84-85 on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

of 1908) in the Office the registering Officer at Bangalore under Registration No 1195'84-85 on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following porsons, namely:—

(1) Mittal Investment Corporation H. O. Mittal Tower, 'B' Wing, 16th floor, 210, Nariman Point, Bombay-400 021,

(Transferor)

(2) Mi, Khubchand N, Hemiajani, Mrs. Veena K, Hemiajani, Mr. Dalip K, Hemiajani, Mi, Sunil K, Hemiajani, 9, Sadhu Vaswani Road, 14, Prem Kutir, Poona-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1195/84-85 Dated 2-8-1984! Flat No. 403, 'F' Wing on 4th floor a Mittal Towers on Plet No. 47/6, M. G. Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAl Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Dite: 1-4-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C.R. No. 62|R-1448|37EE|84-85|Acq|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing Chatta No 4 situated at Ferri Alta, Mapusa, Bardez, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registrating Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1218/84-85 on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis. Isabel J. D'souza, Mapusa, Baidez,

(Transferor)

(2) Mr. Aml Purushodam Walavalkar, Khorlim, Mapusa, Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1218/84-85 Dated 24-8-1984]

The piece of land known as predio de case nova cone sen terreno denomindada terrericho sorvo on Anedo de Temericho Sorvo situated in Ward Feira Alta, Mapusa. Bardez. Goa.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 1-4-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C.R. No. 62|R-1388|37FE|84-85|Acq|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section *269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 9/1 situated at Cunningham Road, Bangalore-560 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1184/84-85 on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the fellowing persons, namely:—

M/s. Unique Enterprises
 Harekrishna Road,
 Bangalore.
 (405 B Neelkauth,
 Marune Drive,
 Bombay-400 002).

(Transferor)

(2) Mrs. A. N. Visalakshi Ammal 43/19, Prominade Road, Bangalore-560 005.

(Transferec)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said-immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1184/84-85 Dated 1-8-1984]
A Room measuring 375 sq. ft. on the I, floor of the Properly Located at 9/1, Cunningham Road, Bangalore-560052.

R. BHARDW ' Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-task
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st April 1985

C.R. No. 62]R-1411|37HH|84-85|Acq|B.—Whereas, J. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the summovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Plot No. E-9 situated at Miramar, Panjim, Goa land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 1232/84-85 dated 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the inability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Jaisinh Maganlal Mrs. Hasumati Jaisinh Maganlal 1/15th Maganlal Sadan, S. V. Road, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) Parag Promoters Maganlal Sadan, Ground floor. S. V. Road, Panjim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1232/84-85 Dated 13-8-1984] Plot No. E-9 admeasuring about 504 sq.ms. in Lacampala Residential Colony, Miramar, Panjim, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date 1-4-1985

FORM TIME-

 M/s. Pragati Builders Anjuna, Bardez, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Ankush Rama Chanekur Mapusa, Bardez, Goa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the ist April 1985

C.R. No. 62|R-1424|37EE|84-85|Acq|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown No. 2 situated at Mapusa, Goa (and more rully described in the Schedule annexed here(0), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of

Godown No. 2 situated at Mapusa, Goa (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 1198/84-85 on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1198/84-85 Dated 2-8-1984] Godown No. 2 admeasuring about 24 sq.ms. situated in (property known as "COSPOPATO") Mapusa, Bardez, Gos

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 1-4-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd April 1985

C.R. No. 62-R-1154|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecing Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition 1, age, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. 33 situated at Talengao, Goa

Plot No. 33 situated at Taleigao, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Bangalore under Registration No. 1244 84-85 dated 24-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following croops, namely:—

 Mr. Guish A. Keni, Dada Vaidya Road,
 I floor, Municipal Building,
 I fea: FI-Dorado Cinema Panaji Goa).
 Panaji Goa.

(Transferor)

(2) Dr. Pradeep A. Keni, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1244|84-85 dated 24-9-84] Plot No 33 known as "Ol teiro" situated at Taleigao, Goa

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date. : 2-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 2nd April 1985

C. R. No. 62[R-1451]37EE[84-85]ACQ[B.—Whereas, I R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 3071 situated at 45 Palace Road, Bangalore Apartment 180, 30/1 situated in 45 Parace Road, pangarotte (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bangalore under Document No. 1243 84-85 Dt. 20-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) M/s. S.1 Property Development (P) Ltd., 45, Palace Road, Bangalore-560 001.

 - Mohd, Sadekh Khaleeli,
 Dr. Mowen Khaleeli,
 Miss Zabora Banoo Khaleeli,
 Palace Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. T. Vijay Kumar & Mrs. Lajja Bai Tulsidas, S. K. Ramachandrapuram, Tennur, Trichy-620017.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1243]84-85 Dted 20-9-84] Apartment No. 3071, 7th floor. High Point III, 45, Palace Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-4-1985

PORM ITMS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Nagesh Associates... Builders and Contractors, H. No. 211, Harimandu Chal. Margao, Goa,

(Transferor)

(2) Mr. Prabhakar Nayak, Manager Corpration Bank, St. Jose de Arcat, Salcete, Goa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st April 1985

R. No. 62|R-1335|37EE|84-85|ACQ|B.---Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commussioner of Income-Tax, Acquisition Rnge, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5 situated at Building 'C' First floor, Devorlim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 1187/84-85 Dt. 20-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Middley of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer)
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section269D of the said Act, to the following persons, namely :-44---76 GI|85

THE SCHEDULE

[Regstered Document No. 1187]84-85 Dated 20-8-84]

Plot "Lachamal" Plot No. 5, Building 'C' First floor Davartim, Goa.

> R. BHARDWAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range, Bangalon

Date: 1-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Elite Builders Private Limited., 27/C Sankey Road, Bangalore-560052.

(Transferors)

(2) Mr. Hari Lal G. Nichani & Mr. Rajkumar G. Nichani, 32, Habibullah Road, T. Nagar Madras.

(Transcrees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st April 1985

C. R. No. 62|R-1450|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Banalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

property, having a fair marker value exceeding RS. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. A situated at 28 Sankey Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bangalore under Document No. 1242|84-85 Dt. 20-9-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agred to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harvin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1242|84-85 Dated 20-9-84]
Flat No. A. on 12th floor at Golf Link Apartments. No. 28 Sankey Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date 1-4-1985

Seal : '

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st April 1985

C. R. No 62|R-1419|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No.

Apartment No. 3081 situated at 45, Palace Road, Bangalore (and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bangalore under Document No. 1237 84-85 on 2-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following TATEL BUTTER

45-76 GI|85

(1) Mps. S. I. Property Development (P) Ltd., Mohd. Sadekh Khalceli, Dr. Moyeen Khaleeli and Miss Zabria Banoo Khaleeli, No 45, Palace Road, Bangalore.

regerent regioneren mer ganet en er-

(Transteror)

(2) Mr. N. K. Kumar and Mrs. Bina Kumar Clo Mt. M. C. Kutty, No. 11 Kumara Paik, East Exten Bangalore

(Transierce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propersy may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 4 # days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

dxplanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document 1237 84-85 Dated 2-8-1985]

Apartment No. 3081 (8th floor, High Point-III, 45, Palace Road, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-4-1985

FORM I.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION KANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th April 1985

C. R. No 67/1445 37FE[84-85]ACQ[B]—Whereas, R. BHARDWAJ, Inspecing Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and be nine

Hat No 701 situated No. 3, Queen Road, Bangalore (and more fully reperibed in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bangalure under Registration No. 1214/84-85 Dt. 24-8-84 for an ro, atent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exhich aught to be disclosed by the transferee for the nurroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

(1) M/s. Ana Exports, 280 Carnac Road, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Mis. Bharti B. Surtani, 9 Survey Road, Singapore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1214|84-85 Dated 24-8-84] Flat No. 701, 7th floor of 'C' Wing at Queens Corner Apartmen s, No. 3, Queen Road, Bangalore-1.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Idispecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatil (1974) by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Date : 4-4-1985

Seal -

(1) Shrimati Radhabai Ramakrishna Salagaonear, R|o Rajeshwari, Vasco-da-Gama.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shii Manohar Gonu Shirodkar,
2. Mis, Hemalata Manohar Shirodkar,
R|o St. Inez, Panjim Goa.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th January 1985

C. R. No. 62|862|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. C. No. 255 to 262 of P. T. Sheet No. 77 situated at Taleigno Village (and more fully described in the School and School

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Autho1ity, Ilhas Goa on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the spiect of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

in) facilitating the reduction or evasion of me limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

[Registered Documnt No. 766|201 Dated 24-9-1984]

Flat No. 16 Building and Land Share of Land 62.75 1026.4 of land measuring 449 Square metres of land being Floor No, situated in St. Inez of Teleigaol Village Taluka Tiswadi Dist. Goa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax . Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competer Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1985

FORM ITNS----

 Shri Girish Anand Keni and his wife Mrs. Nirupta G. Keni Panaji-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santosh Balachandra Nadakarni, Rlo Fontainhas Panaji Goa.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th January 1985

C. R. No. 62|863|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Rngc, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

S. 145|2 and 151|8 situated at Taleigao Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Ilhas—Goa on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reducction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning cs given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 708]195 Dated 28-8-1984]

Plot No. 29 measuring 526 Square metres at Teleigao Village Tiswadi Taluka Dist. Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX . ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th January 1985

C. R. No. 62|864|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore is the Competent Authority under Section 269B of the faces the Art, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
5 No. 1381 and 1391 situated at Cana—Benanlim Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Maryao-f on on 11-9-984
tor an apparent consideration which is less than the fair

Margace on on 11-984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the obsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of

- (*) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Palialakara Kuriappen George
 Raymond George Paliakkara
 Ro Margao—Goa.

(Transferce)

(2) Shumati Linda Dias House No. E-42-D, Comba, Margao—Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2458[84 Dated 11-9-1984]

Building and plot Build-up area of 52 Square Metres on the ground floor and upper Floor and Plots Nos. 8 to 11 measuring 1318 Square metres. It is bigger Property situated at Benanlim in the Gram Panchayat area of Cana-Benanlim.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th January 1985

C. R. No. 62|865|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 145|- situated at Teleigao Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Licome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Ilhas Goa on [3-9-84]

flihas Goa on 13-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Girish Anand Keni and his wife M18. Nirupa G. Keni Panjim-Goa. (Transferor)

(2) Shrimati Fatima Lucia Gonsalves E. Gomes Ro Primeiro Bairro, Santa Cruz, Tiswadi Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Decument No. 749|207 Dated 13-9-1984]

Plot No. 2 meaursing 699 Square metres. Situated at Taleigao Village, Tiswadi Taluka, District of Goa under S. No. 145|1.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-1-1985

FORM ITNS---- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th January 1985

R. No. 62|866|84-85|ACQ|B.--Whereas, I

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

CS. No. 194, 105, 106, and 131 of P.T. Sheet No. 136 situated at Margao

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao on 24-8-1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following pe, sons namely :--

(1) 1. Srimati Martha Fermina Dias

Smt. Aisira Nonamis Dias
 Kum. Irene L. Dias
 Shri Weney G. Dias

5. Kum. Esmeralda B. Dias, 6. Sh. Roque P. Dias all

R o Margao—Goa.

(Transferor

(2) Shri Abdul Wanas Solanki Aquem Alte, Margao-Goa.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1207 Dated 24-8-1984). Open plot measuring 502 Square metres situated in Margao Town within the margao Municipal Area.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-1-1985

1-ORM 11N5 --- --

Shri Girish Anand Keni and his Wife Mrs. Nirupa G. Keni, Panaji, Goa. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Zilo De Onenas Rodrigues E. Gomes, Rlo Panaji, Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th January 1985

R. No. 62|867|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter suferred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 145/1 situated at Taleigao Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

Ilhas, Goa on 13-9-1984

for an appa ert consideration which is less than the far market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the iair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, - 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said p operty may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expression; used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at gave in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 750|207 Dated 13-9-1984] Plot No. 35 measuring 382 square metres at Taleigao Village Tiswadi Taluka, Dist. Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pur-nance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisit on of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act to the following persons namely:

Date: 24-1-1985